CMYK

3 राज्य
8 संस्करण
19.52 लाख
पाठक

खबरें छुपाता नहीं, छापता है

रजत जयंती विशेष संस्करण

शाह टाइम्स

मुरादाबाद, सोमवार 15 सितम्बर 2025 मुरादाबाद संस्करण: वर्ष 23 अंक 31 पृष्ठ 12+12 मूल्य रुपये 5.00

नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई है कि शाह टाइम्स देहरादून अपनी पत्रकारिता की सफल यात्रा के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर रजत जयंती अंक का प्रकाशन कर रहा है। उत्तराखंड राज्य निर्माण की 25 वर्षों की यात्रा के साथ दैनिक शाह टाइम्स राज्य की विकास यात्रा में अपनी सहभागिता निभाते हुए निरंतर आगे बढ़ रहा है।

21वीं सदी के तीसरे दशक को उत्तराखंड का दशक बनाने तथा राज्य स्थापना के रजत जयंती वर्ष में उत्तराखंड को देश के अग्रणी राज्यों में शामिल करने के लिए हम विकल्पहीन संकल्प के साथ प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रहे हैं। राज्य के समग्र विकास की हमारी सोच को साकार करने में शाह टाइम्स भी अपनी सकारात्मक पत्रकारिता के मिशन के साथ सहयोगी बने, यही अपेक्षा है। शाह टाइम्स की गढ़वाल एवं कुमाऊं के विभिन्न क्षेत्रों तक पहुंच उसकी पाठकों में लोक. प्रियता का प्रमाण है। समाजहित से जुड़े दायित्वों के निर्वहन की इसकी निरंतरता बनी रहे, यही मेरी कामना है। शाह टाइम्स के 25 वर्ष रजत जयंती अंक के सफल प्रकाशन के लिए हार्दिक शुभकामनाएं।

पुष्कर सिंह धामी,
मुख्यमंत्री उत्तराखंड

यह अत्यन्त प्रसन्नता का विषय है कि **दैनिक शाह टाइम्स** की और से रजत जयंती अंक का प्रकाशन किया जा रहा है। किसी भी समाचार पत्र के लिए 25 वर्षों की सफल यात्रा का कालखण्ड निश्चय ही गर्व और सम्मान की अनुभूति का विषय होता है।

सामाजिक सरोकारों तथा सार्वजनिक हित से जुड़कर ही समाचार पत्रों की वास्तविक सार्थकता सिद्ध होती है। राज्य सरकार द्वारा संचा. लित जनहितकारी नीतियों और योजनाओं को समाज के अंतिम पंक्ति तक पहुंचाने का दायित्व निभाना ही सार्थक पत्रकारिता मानी जाती है।

सामाजिक सरोकारों के प्रति पत्रकारिता के महत्त्वपूर्ण दायित्वों के कारण ही इसे लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ कहा जाता है। सार्थक पत्रका. रिता का उद्देश्य यही होना चाहिए कि वह प्रशासन और समाज के बीच एक सशक्त कड़ी का कार्य करे। दैनिक शाह टाइम्स अपनी स्वस्थ पत्रकारिता की प्रतिबद्धता के साथ प्रदेश के सर्वांगीण विकास में सहभागी बने, यही अपेक्षा है। दैनिक शाह टाइम्स के 25 वर्षों की इस रजत जयंती यात्रा एवं इसके सफल प्रकाशन पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

बंशीधर तिवारी
महानिदेशक सूचना एवं लोक संपर्क उत्तराखंड

आज हृदय अपार संतोष और गर्व से भरा है कि 25 वर्ष पूर्व दैनिक शाह टाइम्स के रूप में जिस छोटे से पौधे को मैंने अपने हाथों से सींचा था, आज वह एक विशाल, घना और छायादार वटवृक्ष बन चुका है। हमें इस बात का भी गौरव है कि इस पूरी यात्रा में हमने पत्रकारिता के उच्च आदर्शों और मूल्यों को कभी डिगने नहीं दिया। इस गौरवपूर्ण रजत जयंती वर्ष के पावन अवसर पर, मैं अपने समस्त प्रबुद्ध पाठकों, सम्मानित विज्ञापनदाताओं, स्नेही शुभचिंतकों और प्रत्येक कर्तव्यनिष्ठ कर्मचारी को हृदय की अतल गहराइयों से हार्दिक बधाई एवं मंगलकामनाएं अर्पित करता हूं।

सम्पादक

25 वर्ष: सच का बेमिसाल सफर

देहरादून। पत्रकारिता केवल सूचना देना नहीं, समाज को दिशा देना भी है। इस विचारधारा को आत्मसात करते हुए, वर्ष 1999 में मुजफ्फरनगर से प्रकाशित होने वाला प्रतिष्ठित हिंदी दैनिक शाह टाइम्स, पृथक राज्य बनने के बाद उत्तराखंड की भूमि पर वर्ष 2001 में पहली बार कदम रखता है। राज्य गठन के साथ ही समाचार जगत में यह एक नया अध्याय था। कुमाऊं मंडल से हल्द्वानी संस्करण और गढ़वाल मंडल से देहरादून संस्करण के रूप में शाह टाइम्स ने अपने क्षेत्रीय संस्करणों का शुभारंभ किया। यह केवल एक अखबार की शुरुआत नहीं थी, बल्कि नवोदित राज्य के विकास की यात्रा में एक सहयोगी की भूमिका और समाज के प्रति एक उत्तरदायित्वपूर्ण यात्रा का आरंभ था। उत्तराखंड के निर्माण से लेकर विकास तक के हर मोड़ का साक्षी बनने की यात्रा।

प्रकाशन यात्रा: शब्दों से सरोकार तक

उत्तराखंड के निर्माण के साथ ही जब नई व्यवस्थाएं आकार ले रही थीं, उसी समय शाह टाइम्स ने इस नवोदित राज्य की नब्ज को पहचाना। हल्द्वानी और देहरादून से शुरू हुए इन दो संस्करणों ने पहाड़ के गांवों से लेकर राजधानी के गलियारों तक, जनभावनाओं को स्वर देने का कार्य किया। यह यात्रा केवल समाचार छापने की नहीं थी। यह यात्रा जन-सरोकारों की, स्थानीय मुद्दों की, और नीतियों पर जन अभिव्यक्ति को स्थान देने और सवाल उठाने की थी।

सकारात्मक पत्रकारिता का दर्पण

पिछले 25 वर्षों में जब उत्तराखंड ने राजनीतिक उठापटक, प्राकृतिक आपदाएं और विकास की ऊंचाइयों के बीच संतुलन साधने की कोशिश की, तब शाह टाइम्स हर मोड़ पर एक सजग प्रहरी के रूप में खड़ा रहा। चकराता के जंगलों में आग हो या जोशीमठ का भू-धंसाव, चारधाम यात्रा की कठिनाइयां हों या राज्य की राजनीति में आया संकट हो।

शाह टाइम्स की रिपोर्टिंग ने जनता की समस्याओं को न केवल उजागर किया, बल्कि नीति-निर्माताओं तक पहुंचाया। सरकार की जनहितकारी योजनाओं को भी प्रभावशाली ढंग से जनता तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। राजनीतिक तटस्थता और जनहित के प्रति प्रतिबद्धता इस अखबार की सबसे बड़ी पहचान रही है।

एम. फहीम 'तन्हा'

चुनौतियों भरा, लेकिन डिगा नहीं सफर

पिछले 25 वर्षों में शाह टाइम्स ने पत्रकारिता के उसूलों पर कभी समझौता नहीं किया। कई बार बाजार की प्रतिस्पर्धा ने चुनौती दी, कभी तकनीकी संसाधनों की कमी ने रफ्तार धीमी की, तो कभी राजनीतिक दबावों ने कठिन हालात खड़े किए। लेकिन हल्द्वानी और देहरादून संस्करण की टीमों ने सर्दी, गर्मी, बरसात की परवाह किए बिना खबरों की तलाश में, सच्चाई की खोज में, और जनहित की रक्षा में अपना संपूर्ण योगदान दिया।

जनता का प्रेम: सबसे बड़ा पुरस्कार

खबरें छुपाता नहीं, छापता है के स्लोगन को आत्मसात करते हुए दैनिक शाह टाइम्स ने राज्य के हर जिले, हर तहसील और हर कस्बे तक अपनी पकड़ बनाई। इस अखबार को पाठकों ने हमेशा विश्वसनीय साथी माना। एक ऐसा साथी जो, न तो सनसनी फैलाता है, न ही किसी प्रकार की चाटुकारिता की पत्रकारिता करता है, बल्कि तथ्यों के साथ सच की बात करता है। 25 वर्षों बाद भी शाह टाइम्स पत्रकारिता में एक सम्मानित नाम है और जनता का अटूट विश्वास भी।

समर्पण की टीम

किसी भी अखबार की सफलता के पीछे एक जुझारू टीम होती है। हल्द्वानी और देहरादून की टीमों सहित शाह टाइम्स के सभी संस्करणों में प्रत्येक स्टेशन पर कार्यरत संपादकीय टीम के साथियों ने समाचारों की डेडलाइन से परे जाकर, जनसरो. कारों, क्षेत्रीय मुद्दों और लोक संस्कृति को महत्व दिया। संवाददाताओं से लेकर संपादकों तक, सभी ने ग्राउंड रिपोर्टिंग को प्राथमिकता दी, जिससे अखबार कुर्सी से नहीं, जमीन से जुड़ा महसूस हुआ। शाह टाइम्स की संपादकीय टीम का संचालन कार्यकारी संपादक के रूप में 21 वर्षों से आनन्द बत्रा सुमन सफलतापूर्वक अंजाम दे रहे हैं।

नवाचार और भविष्य की ओर दृष्टि

आज जब पारंपरिक रूप से चलने वाला प्रिंट मीडिया डिजिटल हो रहा है, तो शाह टाइम्स ने भी डिजिटल विस्तार, सोशल मीडिया, और मोबाइल रीडिंग जैसे पहलुओं में अपने प्रभावी कदम बढ़ाए हैं। पत्रका. रिता के मूल्य, निष्पक्षता, उत्तरदायित्व व जनहित से जुड़े सरोकार जैसे सिद्धांत डिजिटल होने के बावजूद जस के तस हैं।

रजत से स्वर्ण की ओर

25 वर्षों की यह रजत यात्रा शाह टाइम्स की सदाबहार प्रासंगिकता का प्रतीक है। उत्तराखंड के जन-जीवन से जुड़ाव, राज्य के हर मोड़ पर सच्चाई को सामने रखने का साहस के प्रति निष्ठा। यही शाह टाइम्स की पहचान है। अब यह रजत पड़ाव स्वर्णिम भविष्य की ओर बढ़ते कदमों की तैयारी है। **शब्द रुके नहीं हैं, यात्रा जारी है।**

ऐतिहासिक दिन: जब एनडी तिवारी बने सम्पादक

दैनिक शाह टाइम्स के इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय तब जुड़ गया, जब उत्तराखंड के तत्कालीन मुख्यमंत्री, पंडित नारायण दत्त तिवारी, देहरादून के सुभाष रोड स्थित अखबार के कार्यालय में पधारे। यद्यपि उनका आगमन एक शिष्टाचार भेंट तक सीमित था, किंतु संपादकीय कक्ष की दहलीज पर कदम रखते ही उनके भीतर का जन्मजात पत्रकार सहसा जाग उठा। उन्होंने बिना किसी औपचारिकता के तत्काल तत्कालीन स्थानीय संपादक नरेंद्र सेठी और उप-संपादक मोहम्मद शाहनजर के साथ उस दिन की प्रमुख खबरों पर गहन विमर्श किया। लगभग एक घंटे तक, पंडित तिवारी ने स्वयं बड़ी दिलचस्पी और गहनता से समाचार संपादन की कमान संभाली। यह अविस्मरणीय क्षण दैनिक शाह टाइम्स की संपादकीय स्वतंत्रता, उसकी अकाट्य साख और पत्रकारिता के प्रति उसकी अडिग गंभीरता का एक उदात्त प्रमाण बन गया।

8 संस्करणों का सफर

दमदार भूमिका

मुजफ्फरनगर

शाह पब्लिकेशन द्वारा 6 सितंबर 1999 को जनसरोकारों और सकारात्मक पत्रकारिता के दृष्टिकोण को आगे रखते हुए शुरू किया गया हिंदी दैनिक समाचार पत्र शाह टाइम्स आज तीन राज्यों में 8 संस्करणों के साथ निष्पक्ष और सबसे भरोसेमंद पत्रकारिता के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बना चुका है। इन राज्यों के विकास में शाह टाइम्स ने सदैव एक प्रेरक की भूमिका निभाई है। यह अखबार 25 वर्षों में एक विशाल वृक्ष बन गया, जो उत्तर भारत में हिंदी पत्रकारिता का मजबूत स्तंभ है। इसकी लोकप्रियता का अंदाजा इसके स्लोगन खबरें छुपाता नहीं। छापता है की व्यापक पहचान और पाठकों के बीच इसकी विश्वसनीयता से लगाया जा सकता है। यह अखबार पूरे उत्तराखंड में एकमात्र ऐसा प्रकाशन है जो सभी जिलों में सामान्यत: एक समान पठन सामग्री उपलब्ध कराता है, जिससे क्षेत्रीय एकता को बढ़ावा मिला।

देहरादून

26 मार्च 2001 को उत्तराखंड की राजधानी देहरादून से गढ़वाल संस्करण की शुरुआत करने वाला दैनिक शाह टाइम्स उत्तराखंड के गढ़वाल मंडल की पत्रकारिता में एक महत्वपूर्ण स्तंभ बन चुका है। इस अखबार ने राज्य के सामाजिक, राजनी. तिक, आर्थिक और सांस्कृतिक परि.श्य में घटित तमाम प्रमुख घटनाओं को न केवल सूक्ष्मता से कवर किया, बल्कि विकास से

जुड़ी जनसमस्याओं को भी प्रभावशाली ढंग से उजागर किया।

नई दिल्ली

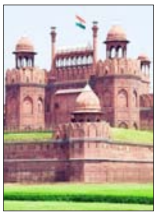

देश की राजधानी नई दिल्ली से 29 नवंबर 2002 अपने नई दिल्ली संस्करण की शुरुआत कर राष्ट्रीय पत्रकारिता के क्षेत्र में एक सशक्त उपस्थिति दर्ज की। ऐतिहासिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक प्रशासनिक दृष्टि से महत्वपूर्ण दिल्ली न केवल भारत की सत्ता का केंद्र है, बल्कि विविधता में एकता, आधुनिकता और परंपरा का अद्वितीय संगम भी है। अपनी निर्भीक पत्रकारिता और वस्तुनिष्ठ .ष्टिकोण के साथ यह संस्करण राष्ट्रीय राजधानी के सामाजिक व राजनीतिक परि. श्य का एक विश्वसनीय दर्पण बन चुका है।

मुरादाबाद

दैनिक शाह टाइम्स ने मुरादाबाद 11 अप्रैल 2003 में अपने मुरादाबाद संस्करण की शुरुआत की। पीतल नगरी के नाम से प्रसिद्ध मुरादाबाद न केवल अपने हस्तशिल्प उद्योग के लिए जाना जाता है, बल्कि यह सांस्कृतिक विविधता, व्यापारिक सक्रियता और शैक्षणिक प्रगति का भी केंद्र रहा है। इन वर्षों में दैनिक शाह टाइम्स ने मुरादाबाद मंडल की सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक गतिविधियों को निष्पक्ष, संवे. दनशील तथा जनपक्षधर पत्रकारिता के माध्यम से प्रस्तुत किया।

हल्द्वानी

22 अप्रैल 2003 को कुमाऊं संस्करण के साथ दैनिक शाह टाइम्स ने कुमाऊं मंडल में जनभावनाओं, विकास संबंधी मुद्दों और प्रशासनिक गतिविधियों को निष्पक्षता और गंभीरता से प्रस्तुत करते हुए इसने जनता और शासन के बीच संवाद का मजबूत माध्यम तैयार किया है। क्षेत्रीय सरोकारों के प्रति प्रतिबद्धता के चलते यह संस्करण कुमाऊं की पत्रकारिता में एक विश्वसनीय महत्वपूर्ण स्थान रखता है।

मेरठ

मेरठ संस्करण की शुरुआत मेरठ 13 फरवरी 2007 में हुई थी। ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और शैक्षणिक .ष्टि से समृद्ध मेरठ न केवल 1857 की क्रांति की पहली चिंगारी के लिए जाना जाता है, बल्कि यह आज भी खेल, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और उद्योग के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। मेरठ मंडल की राजनीतिक हलचलों, सामा. जिक बदलावों, प्रशासनिक

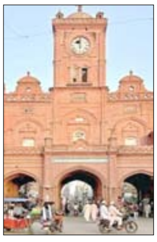

नीतियों और जन आंदोलन की गहराई से रिपोर्टिंग करते हुए शाह टाइम्स ने जनता की आवाज को मजबूती से उठाया है।

जुड़े पत्रकारिता व साहित्य के बड़े हस्ताक्षर

शाह टाइम्स की इस 25 वर्षों की रजत यात्रा में पत्रकारिता एवं लेखन के प्रसिद्ध हस्ताक्षर डॉ. मेहरुद्दीन खां, पत्रकारिता के भीष्म पितामह के नाम से प्रसिद्ध श्याम अंजान और वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. कमलेश्वर सहित कई अन्य बड़े वरिष्ठ पत्रकारों और साहित्यकारों के उल्लेखनीय योगदान एवं सहयोग ने अखबार की सफलता को नई ऊंचाइयां दीं। जिसमें संपादकीय टीम के साथ तकनीकी टीम और अन्य स्टाफ का भी महत्वपूर्ण योगदान है।

बरेली

बरेली संस्करण की 18 जुलाई 2003 को में शुरुआत कर शाह टाइम्स ने रुहेलखंड क्षेत्र की पत्रकारिता में एक महत्वपूर्ण अध्याय जोड़ा। सांस्कृतिक, धार्मिक और औद्योगिक दृष्टि से विशिष्ट पहचान रखने वाला बरेली, झुमका नगरी के नाम से प्रसिद्ध है और यहां का सर्जिकल, फर्नीचर व बांस उद्योग राष्ट्रीय स्तर पर अपनी छाप छोड़ चुका है। पत्रकारिता के माध्यम से यह संस्करण बरेली के विकास यात्रा का सजीव दस्तावेज बन चुका है।

लखनऊ

उप्र की राजधानी लखनऊ से 1 अगस्त 2009 आठवें संस्करण की शुरुआत की। अपनी तहजीब, नवाबी विरासत और साहित्यिक परंपरा के लिए प्रसिद्ध लखनऊ न केवल प्रशासनिक और राजनीतिक केंद्र है, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, कला और उद्योग के क्षेत्र में भी इसकी विशिष्ट पहचान है। अपनी निष्पक्ष, सटीक और जनहितकारी पत्रकारिता के माध्यम से यह संस्करण लखनऊ और उत्तर प्रदेश के विकास यात्रा का सशक्त साक्षी बन चुका है।

संक्षिप्त समाचार

तीन विभागों को भी मिलेगी कैशलेस चिकित्सा

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा शिक्षक दिवस पांच सितम्बर को सभी शिक्षकों के लिए की गई कैशलेश चिकित्सा सुविधा का लाभ देने की घोषणा की गई थी। इस सुविधा का लाभ बेसिक, माध्यमिक, उच्च शिक्षा के साथ ही श्रम, समाज कल्याण व अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के शिक्षकों-कर्मचारियों को भी मिलेगा। माध्यमिक शिक्षा विभाग की ओर से इन सभी विभागों को पत्र भेजकर निर्धारित प्रोफार्मा पर सूचना मांगी गई है। मुख्यमंत्री द्वारा की गई घोषणा के अनुसार बेसिक, माध्यमिक व उच्च शिक्षा विभाग के शिक्षकों के साथ ही शिक्षामित्रों, अनुदेशकों व रसोइयां को इस योजना का लाभ मिलना था।

यूपी का रहस्यमयी मठ, जो भी अंदर गया, जिंदा नहीं बचा

बलिया। यूपी के बलिया में एक रहस्यमयी मठ है, जिसके अंदर जिसने भी प्रवेश किया, वह जिंदा नहीं बचा। इसकी मान्यता काफी अजीबो-गरीब है। यहां आज दिन तक कोई ऐसा मठाधीश नहीं रहा, जो जीते जी मठ से कभी बाहर निकला हो। इस मठ में खुद कपिलमुनि पांडेय ने तपस्या करते हुए एक लक्ष्मण रेखा खींच दी थी। साथ ही आदेश दिया था कि कोई भी मठाधीश इस सीमा को पार न करे। तब से लेकर आज तक इस मठ की परंपरा और डर, दोनों बरकरार हैं। यहां के मठाधीश बाहर की दुनिया नहीं देख सकते हैं। यह रहस्यमयी मठ बैरिया थाना क्षेत्र अंतर्गत रकबा टोला गांव में है। इस मठ का नाम मुन जी बाबा की मठिया है। वर्तमान मठाधीश जयनारायण पांडेय के अनुसार वह इस परंपरा की आठवीं पीढ़ी में महंथ हैं।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने नियुक्ति पर लगाई रोक, सरकार से मांगा जवाब

कंप्यूटर शिक्षक भर्ती में गैर बीएड धारकों को झटका

प्रयागराज, वार्ता

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कंप्यूटर शिक्षक भर्ती में गैर बीएड धारकों को तगड़ा झटका दिया है। कोर्ट ने सहायक अध्यापक (प्रशिक्षित स्नातक श्रेणी) कंप्यूटर पदों की भर्ती में गैर बीएड डिग्रीधारकों की नियुक्ति पर रोक लगा दी है।

कंप्यूटर शिक्षक भर्ती में बीएड की अनिवार्यता समाप्त करने पर सरकार से दो हफ्ते में जवाब तलब किया है। हालांकि, भर्ती प्रक्रिया जारी रहेगी। यह आदेश न्यायमूर्ति मनोज कुमार गुप्ता और न्यायमूर्ति अरुण कुमार की अदालत ने जौनपुर निवासी प्रवीन मिश्रा व अन्य की ओर से वर्ष 2024 में बने छठे संशोधन नियम और उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की ओर से 2025 में विज्ञापित सहायक अध्यापक भर्ती को चुनौती देने

सरकार की दलील मानने से किया इन्कार

वाली याचिका पर दिया है। कोर्ट ने कहा कि इस पद पर नियुक्ति के लिए बीएड की डिग्री अनिवार्य है, जबकि राज्य सरकार ने इसे केवल वांछनीय योग्यता बताकर भर्ती की राह आसान करने की कोशिश की। कोर्ट ने साफ किया कि राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) की अधिसूचना को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। गौरतलब है कि छठे संशोधन नियम व आयोग के विज्ञापन में कहा गया कि कंप्यूटर शिक्षक के पद पर बीएड केवल वरीयता मानी जाएगी, अनिवार्य नहीं, जबकि राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) की अधिसूचना के मुताबिक कंप्यूटर शिक्षक के पद पर नियुक्ति के लिए बीएड अनिवार्य योग्यता है। इसके खिलाफ याचियों ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। याचियों के अधिवक्ता ने दलील दी कि एनसीटीई की 12 नवम्बर 2014 की अधिसूचना में बीएड को माध्यमिक स्तर के सभी अध्यापक पदों के लिए न्यूनतम योग्यता घोषित किया गया है। इसलिए राज्य सरकार इसे बदल नहीं सकती। वहीं राज्य सरकार के अधिवक्ता ने दलील दी कि 2018 की भर्ती में बीएड योग्य अभ्यर्थियों की कमी के कारण बड़ी संख्या में पद रिक्त रह गए थे। छात्रों के हित में संशोधन कर अधिक उम्मीदवारों को अवसर देने की कोशिश की गई। अदालत ने सरकार की दलीलों को मानने से इन्कार कर दिया।

यूपी के सर्वोदय विद्यालयों और छात्रावासों में श्रमदान शुरू

लखनऊ। यूपी सरकार ने राज्य के सभी सर्वोदय विद्यालयों और छात्रावासों में हर रविवार को श्रमदान अभियान शुरू किया है। इस पहल के तहत विद्यार्थी खुद अपना परिसर सजाएंगे। इस कार्यक्रम का मकसद विद्यार्थियों में अनुशासन, सहयोग और जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ भारत मिशन को नई गति देते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार ने एक और अभिनव कदम बढ़ाया है। सीएम योगी के मार्गदर्शन और समाज कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण के निर्देश पर प्रदेश के सभी जयप्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालयों और राजकीय छात्रावासों में प्रत्येक रविवार श्रमदान कार्यक्रम शुरू हो गया है। सरकार की इस नई पहल के तहत अब सर्वोदय विद्यालयों और छात्रावासों में हर रविवार को विद्यार्थियों द्वारा श्रमदान किया जाएगा, ताकि वो अपने परिसर को खुद सजा सकें और साफ-सुथरा रख सकें। इस कार्यक्रम का मकसद विद्यार्थियों में अनुशासन, सहयोग और जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है, साथ ही बागवानी के जरिए से पर्यावरण चेतना भी बढ़ाना है। श्रमदान कार्यक्रम के तहत प्रत्येक रविवार को विद्यालय और छात्रावास में टूटी हुई कुर्सियां, मेज और अन्य फर्नीचर की मरम्मत की जाएगी, पानी की टंकियों और नालियों की सफाई एवं कचरा निस्तारण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

यूपी में आज रात से भारी बारिश की चेतावनी

लखनऊ, वार्ता

पूरे प्रदेश में दो दिन तक अभी उमस और परेशान करेगी। सोमवार देर शाम से मौसम में बदलाव की उम्मीद है। तापमान भी गिर सकता है।

मौसम विभाग के अनुसार मध्यांचल में सोमवार व मंगलवार को कहीं हल्की तो कहीं मध्यम बारिश की संभावना है। वहीं पूर्वांचल में भारी या मध्यम बारिश हो सकती है। आंचलिक मौसम विज्ञान विभाग के वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि सोमवार देर शाम से पूर्वांचल में भारी बारिश की संभावना है, जिसकी शुरुआत नेपाल बार्डर से सटे कुशीनगर व अन्य जिलों से हो सकती है। बारिश उत्तर से दक्षिण की ओर स्थानांतरित होगी। तीन से चार दिन तक बारिश के आसार हैं। तराई क्षेत्र में अच्छी बारिश की उम्मीद है, लेकिन रविवार और सोमवार को प्रदेश में छिटपुट

दो दिन और सताएगी गर्मी-उमस

बूंदाबांदी के बीच उमस परेशान करती रहेगी। सोमवार के बाद से पश्चिमी राजस्थान में मानसून की विदाई शुरू हो जाएगी। उत्तर प्रदेश में फिलहाल अभी ऐसी स्थिति नहीं है। लो प्रेशर एरिया की वजह से सोमवार शाम से मध्यांचल में मध्यम बारिश हो सकती है, लेकिन पश्चिमी उत्तर प्रदेश में बारिश का खास असर देखने को नहीं मिलेगा। यूपी में बीते कुछ दिनों से भारी उमस और गर्मी का सामना करना पड़ा है। लखनऊ और उसके आसपास के क्षेत्रों में सुबह से शाम तक धूप बनी रही।

चावल के दाने पर तस्वीर देख चौंके राहुल

रायबरेली, वार्ता

अपने संसदीय क्षेत्र के दौरे पर पहुंचे नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी उस समय चौंक गए, जब उन्होंने अपनी तस्वीर चावल के एक दाने पर देखी। कलाकार ने अरहर के दाने पर भी राहुल की तस्वीर उकेरी थी। इसे देखकर राहुल गांधी ने कलाकार की जमकर तारीफ की। रायबरेली के कलाकार मो. नसीम ने राहुल गांधी, सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी की चावल पर बनी तस्वीरें नेता प्रतिपक्ष को भेंट कीं।

कलाकार मो. नसीम ने बताया कि राहुल गांधी ने यह तस्वीरें देखकर कहा कि इतनी महीन कारीगरी कैसे कर लेते हैं? उन्होंने आश्वासन दिया कि हमारी सरकार आई, तो ऐसा सम्मान देंगे, जिसे आपने सोचा

रायबरेली के कलाकार ने गिफ्ट किया मोमेंटो

तक नहीं होगा। नसीम ने बताया कि 11 सितंबर को सांसद राहुल गांधी रायबरेली पहुंचे तब उनसे मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने राहुल गांधी, सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी की तस्वीर को चावल के एक दाने पर बनाया। दाल के दाने पर उन्होंने एक्रेलिक पेंट्स से राहुल गांधी की तस्वीर बनाई और उन्हें गिफ्ट की। नसीम ने बताया कि पिछले 25 वर्ष यानी 1999 से यह कलाकारी कर रहे हैं। 5 बार का वर्ल्ड रिकॉर्ड उनके नाम है। रायबरेली का नाम पूरी दुनिया मे रोशन किया है। मो. नसीम ने बताया कि पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भी उनके हुनर की तारीफ की थी, सम्मान भी दिया था। मो. नसीम के घर पर इसी तरह से चावल के दाने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, बॉलीवुड अभिनेता अमिताभ बच्चन सहित दिग्गज हस्तियों का चित्र बनाकर रखा ह। मो. नसीम ने बताया कि कई बार मुंबई में नेताओं और अभिनेताओं ने उन्हें सम्मानित किया है। अमेठी के सांसद किशोरी लाल शर्मा का दाल के दाने पर चित्र बनाने के बाद उन्होंने भी अमेठी में मिलने के लिए उन्हें बुलाया है।

शुरुआत में राहुल गांधी को छोटा-मोटा पटाखा देना चाहिए: केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ। राहुल गांधी के रायबरेली दौर को लेकर उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने तीखा व्यंग करते हुए कहा कि शुरुआत में राहुल गांधी को हाइड्रोजन बम के स्थान पर छोटा-मोटा पटाखा देना चाहिए था। राहुल गांधी के रायबरेली दौरे के दौरान दिए गए बयान को लेकर रविवार को कटाक्ष करते हुए प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स लिखा कि कांग्रेस को अपने मनमौजी नेता राहुल गांधी के हाथों में सीधे एटम बम या हाइड्रोजन बम नहीं थमाना चाहिए था। शुरुआत में उन्हें कोई छोटा-मोटा पटाखा देना चाहिए था।

सभी भारतीय भाषाओं का सम्मान करें

नई दिल्ली, वार्ता

गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि भारत में कई भाषाएं बोली जाती हैं। इनमें हिंदी देश की सबसे बड़ी आबादी में बोली जाने वाली भाषा है। 14 सितम्बर 1949 को संविधान सभा ने हिंदी को भारत की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया गया था। इसी फैसले को याद करते हुए 14 सितंबर 1953 को हिंदी दिवस मनाने का फैसला लिया गया।

अपने संदेश में उन्होंने कहा कि हमारा देश मूलतः भाषा प्रधान राष्ट्र है। हमारी भाषाएं संस्कृति, इतिहास, परंपराओं, ज्ञान, विज्ञान, दर्शन और अध्यात्म को पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ाने का एक सशक्त माध्यम रही हैं। हिंदी दिवस के अवसर हम हिंदी सहित सभी

हिंदी दिवस पर अमित शाह की अपील

भारतीय भाषाओं का सम्मान करें और एक आत्मनिर्भर, आत्मविश्वासी और विकसित भारत की ओर अग्रसर हों।

उन्होंने यह भी कहा कि भारत की भाषाओं की सबसे बड़ी ताकत यह है कि उन्होंने हर वर्ग और समुदाय को अभिव्यक्ति का अवसर प्रदान किया है। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर में बिहू के गीत, तमिलनाडु में ओवियालु की आवाज़, पंजाब में लोहड़ी के गीत, बिहार में विद्यापति के पद, बंगाल में बाउल संतों के भजन, कजरी गीत और भिखारी ठाकुर का बिदेसिया – इन सभी ने देश की संस्कृति को जीवंत और कल्याणकारी बनाए रखा है। गृह मंत्री ने कहा कि संत तिरुवल्लुवर के पद दक्षिण में उतनी ही श्रद्धा से गाए जाते हैं जितनी उत्तर में उन्हें रुचि के साथ पढ़ा जाता है और कृष्णदेव. राय दक्षिण में भी उतने ही लोक. प्रिय थे जितने उत्तर में। अमित शाह ने कहा कि सुब्रमण्यम भारती की देश भक्तिपूर्ण रचनाएं हर क्षेत्र के युवाओं में राष्ट्रीय गौरव की भावना जगाती हैं। गोस्वामी तुलसीदास हर भारतीय के लिए पूजनीय हैं और संत कबीर के दोहे तमिल, कन्नड़ और मलयालम में अनुवादित पाए जाते हैं।

बिजनौर

पमड़ावली का विशू व हर्ष गिरफ्तार

ईखिल पर फायरिंग का मामला

शाह टाइम्स ब्यूरो

बिजनौर। कोतवाली देहात पुलिस ने ईखिल पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग करने के आरोपी कोतवाली देहात के हिस्ट्रीशीटर बदमाश विशू व हर्ष को गिरफ्तार किया है।

प्राप्त समाचार के अनुसार 13 सितम्बर को वादिया श्रीमती अंशु पत्नी रिंकू सिंह निवासी ग्राम शादीपुर, थाना कोतवाली देहात, जनपद बिजनौर द्वारा कोतवाली देहात पर तहरीर दी गयी कि 13 सितम्बर की रात्रि लगभग नौ बजे वादिया का पुत्र ईखिल रामलीला देख कर ग्राम वापस आ रहा था, तभी रास्ते में अभियुक्तगण विशु पुत्र राकेश, हर्ष पुत्र सुभाष एवं एक बाल अपचारी निवासीगण ग्राम पमडावली, थाना कोतवाली देहात जनपद बिजनौर द्वारा उसके पुत्र को रोक कर उसके साथ मारपीट कर अभियुक्त विशू एवं हर्ष

द्वारा जान से मारने की नीयत से उसके पुत्र के ऊपर तमंचे से फायर किए गए तथा अभियुक्तगण जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए।

इस संबंध में वादी की तहरीर के आधार पर थाना कोतवाली देहात पर मुकदमा अपराध संख्या 199/2025 धारा 109 (1)/ 115 (2)/ 351 (3)/ 126 (2) बीएनएस पंजीकृत किया गया। जांच के दौरान यह तथ्य प्रकाश में आये कि ईखिल उपरोक्त विद्या मंदिर स्कूल ग्राम शादीपुर में पढ़ता है तथा स्कूल में ही किसी बात को लेकर कहा सुनी को लेकर उक्त घटना कारित की गयी।

आज थाना कोतवाली देहात पुलिस द्वारा उपरोक्त अभियोग से संबंधित अभियुक्तगण विशु उर्फ काले पुत्र राकेश, हर्ष पुत्र सुभाष निवासीगण ग्राम पमडावली, थाना कोतवाली देहात जनपद बिजनौर को दो तमंचे 315 बोर व एक जिन्दा व एक खोखा कारतूस 315 बोर सहित गिरफ्तार किया गया है तथा अभियुक्त विशु उर्फ काले थाना कोतवाली देहात का हिस्ट्रीशीटर अभियुक्त है।

बाढ़ पीड़ितों को भेजी राहत सामग्री

रालोद का किसान ट्रस्ट बाढ़ पीड़ितों की मदद को गया पंजाब

शाह टाइम्स ब्यूरो

बिजनौर। पंजाब के बाढ़ पीड़ितों की मदद करने में राष्ट्रीय लो. कदल का किसान ट्रस्ट भी पीछे नहीं।

प्राप्त समाचार के अनुसार किसान ट्रस्ट की ओर से रालोद नेता आज यहां से बाढ़ पीड़ितों के लिए दो गाड़ियों में खाद्य सामग्री भरकर ले गए। सामान से रोजमर्रा के इस्तेमाल की अन्य वस्तुएं भी शामिल हैं। यहां नुमाइश ग्राउंड से रालोद के संगठन मंत्री अजीत राठी, अशोक चौधरी, कृष्णपाल राठी, जिलाध्यक्ष नरेंद्र आचार्य, ब्रजवीर सिंह, मौहम्मद जैद, अनंत चौधरी, शुभम चौधरी, लवकुश, रेणुका चौधरी, अनुराग मलिक आदि इकट्ठा हुए और दो डीसीएम गाड़ियों में खाद्य सामग्री व अन्य सामान भरकर पंजाब के लिए रवाना हुए।

इस अवसर पर रालोद संगठन मंत्री अजीत राठी ने कहा कि रालोद पंजाब के बाढ़ पीड़ितों के साथ खड़ा है। वह उनकी हरसंभव मदद करेगा।

अशोक चौधरी ने बताया कि रालोद का किसान ट्रस्ट चारू चौधरी के नेतृत्व में परेशान हाल लोगों की मदद करने से न कभी पीछे हटा है और न हटेगा।

कीमत बढ़ने से कम सोना खरीद रहे लोग, कैरेट पर भी कर रहे समझौता

नई दिल्ली। सोने की कीमत आसमान पर होने के कारण लोगों ने गहने-जेवरात की खरीद कम कर दी है, यहां तक कि कैरेट पर भी समझौता कर रहे हैं, इसके बावजूद सर्राफा व्यापारियों की चांदी है। दिल्ली में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,13,000 रुपये प्रति दस ग्राम से ऊपर है, जो पहले कभी नहीं देखा गया था। यह इस साल 30 प्रतिशत से ज्यादा महंगा हुआ है। यहां भारत मंडपम में 13 से 15 सितम्बर तक जारी तीन दिवसीय दिल्ली ज्वेलरी एंड जेम्स फेयर 2025 में मीडिया से बात करते हुए इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की महिला शाखा की राष्ट्रीय अध्यक्ष हेतल वकील वालिया ने कहा कि ऊंची कीमत के अलावा एक और तथ्य है जो लोगों की पसंद को प्रभावित कर रही है।

राशन की कालाबाजारी पर रोक लगाने की मांग

शाह टाइम्स ब्यूरो

बिजनौर। नजीबाबाद अखिल भारतीय किसान मजदूर सभा की एक सभा ग्राम अकबरपुर चौगावा तहसील नजीबाबाद में मौहम्मद गुलफाम के निवास स्थान पर जयप्रकाश की अध्यक्षता कुमारी रचना के संचालन में संपन्न हुई।

सभा में ग्रामीणों ने गांव के राशन डीलर के द्वारा भारी अनियमिताएं भारत में एक यूनिट पर 4 किलो राशन देने, गरीबों के यूनिट कटवाने और समय से खाद्यान्न वितरण न करने का गंभीर आरोप लगाया। ग्रामीणों ने मनरेगा में मजदूरों को जॉब कार्ड न मिला और मंडे का मुंशी के द्वारा 500 रुपए जॉब कार्ड के लेने का भी आरोप लगाया। गांव में भारी संख्या में गरीबों के पास राशन कार्ड नहीं है, जिस कारण उन्होंने केंद्र सरकार की मुफ्त राशन योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है। काफी संख्या में गरीबों के शौचालय में आवास नहीं बने हैं। ग्राम प्रधान में पंचायत सचिव के द्वारा गांव में खुली बैठक कर ग्रामीणों के सरकार की योजनाओं की जानकारी

नहीं दी जाती। मजदूरों ने जॉब कार्ड बनवाने, गरीबों ने अपने आवास शौचालय वह राशन कार्ड बनवाने की मांग बैठक में उठाई। बैठक को मुख्य रूप से अखिल भारतीय किसान मजदूर सभा के उत्तर प्रदेश उपाध्यक्ष शमशाद हुसैन ने कहा कि ग्रामीणों को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होना पड़ेगा और संगठित होकर संघर्ष करने से ही वह सरकार की योजनाओं का लाभ उठा सकते हैं। स्मार्ट मीटर जो लगाया जा रहे हैं। इसका विरोध किया। स्मार्ट मीटर में लगाने 300 यूनिट बिजली फ्री देने की मांग प्रदेश सरकार से की गई। वृद्धा विधवा विकलांगों को 10000 प्रतिमाह पेंशन देने सभी गरीबों के आवास बनाने की मांग ग्रामीणों ने उठाई। ग्राम समाज सीलिंग व परती की भूमि पर दबंग के कब्जे हैं। उसे कब्जा मुक्त कराकर गरीब भूमिहीनों को पेट करने की मांग की गई।

कामरेड शमशाद हुसैन ने कहा कि बहुत जल्द तहसील नजीबाबाद पर प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश को मांग पत्र प्रेषित किया जाएगा। जिसमें राशन की कालाबाजारी पर रोक लगाने। राशन डीलरों के द्वारा 100 रुपए का साबुन सर्फ व 15 रुपए की नमक की थैली उपभोक्ताओं को दी जा रही है। उनकी जेब पर राशन डीलरों के द्वारा डाका डाला जा रहा है। इस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रोक लगायें। सभा में भारी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया। दिनेश कुमार, महबूब दानिश, पूजा, रुखसाना, सुधा, दयावती, चांदनी, नफीस, तरन्नुम जहां, खातून रोशन, अनीशा, रुबीना, शकील, सना बानो, राजकुमारी तसलीमा, अकीला, शकील, रुबीना आदि ने भाग लिया।

दीपक गर्ग व्यापार मंडल के युवा प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त

शाह टाइम्स ब्यूरो

बिजनौर। वरिष्ठ सभासद एवं भाजपा के जिला मीडिया प्रभारी दीपक गर्ग मोनू को पश्चिमी उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के प्रांतीय सम्मेलन में युवा प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है।

प्राप्त समाचार के अनुसार आज एक बैंकट हॉल में आयोजित सम्मेलन में उन्हें यह जिम्मेदारी दी गई। ऐतिहासिक सम्मेलन में कई अन्य पदाधिकारी भी नियुक्त किए गए। दीपक गर्ग मोनू ने कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी दी गई है, उसे वह ईमानदारी के साथ निभाने की पूरी कोशिश करेंगे। उन्होंने कहा कि व्यापारियों की समस्याओं को लेकर आंदोलन करने से भी वह पीछे नहीं हटेंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश व देश के विकास में व्यापारियों का अहम योगदान है। उन्होंने कहा कि व्यापारियों की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर कराने के लिए वह एकजुटता के

समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ी

साथ आवाज उठाएंगे।

गौरतलब है कि दीपक गर्ग मोनू जनपद के उभरते हुए नेता है। वह कई संगठनों से जुड़े हुए है। उन्हें जो भी जिम्मेदारी दी जाती है, उसको ईमानदारी के साथ पूरा करते है। उन्हें भविष्य का विधायक व चेयरमैन भी माना जा रहा है। उनके अंदर संघर्ष करने की क्षमता है।

शाह टाइम्स

स्वामी शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **एस.एन. राना** द्वारा शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. सुजडू चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं दीपक काम्पलैक्स, पारकर कॉलेज रोड, मुरादाबाद से प्रकाशित।

सम्पादक
एस.एन. राना
*कार्यकारी सम्पादक
आनन्द बत्रा 'सुमन'
☎ 0591-2313314
मुख्यालय:
मोबाइल-9720007290
R.N.I. No. UPHIN/2003/10263
www.shahtimesnews.com
email:shahtimes2015@gmail.com

*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

खबरें छुपाता नहीं, छापता है

शाह टाइम्स

25 Years ANNIVERSARY

मुरादाबाद, सोमवार 15 सितम्बर 2025 मुरादाबाद संस्करणः वर्ष 23 अंक 31 पृष्ठ 12+12 मूल्य रुपये 5.00

शाह टाइम्स रजत जयंती की हार्दिक शुभकामनाएं

shahtimes2015@gmail.com आश्विन कृष्ण पक्ष 6 विक्रमी सम्वत् 2082 22 रबी उल अव्वल 1447 हिजरी नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

सूचना

सभी सम्मानित पाठकों और विज्ञापनदाताओं को सूचित किया जाता है कि **दैनिक शाह टाइम्स** के रजत जयंती विशेषांक के क्रम में आज का अंक 12 + 12 = 24 पृष्ठ का है।

–**व्यवस्थापक**

असम में 5.8 तीव्रता का भूकंप, मकानों में दरारें आईं

नई दिल्ली। असम में रविवार शाम 4:41 बजे 5.8 तीव्रता का भूकंप आया। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के मुताबिक, भूकंप का केंद्र असम के उदलगुरी में 5 किलोमीटर की गहराई पर था। इसके झटके पश्चिम बंगाल और पड़ोसी देश भूटान तक महसूस किए गए। भूकंप के बाद गुवाहाटी में लोग घबराकर घरों से बाहर निकल आए। अब तक कहीं से जान–माल के नुकसान की खबर नहीं है। हालांकि, कई मकानों में दरारें आ गई हैं। भूकंप के बाद असम के कई जिलों में मकानों में दरार आ गई है। केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने सोशल मीडिया पर लिखा कि असम में बड़ा भूकंप आया। सभी की सुरक्षा के लिए प्रार्थना करता हूं, सभी सतर्क रहें।

अमृतसर मंदिर में ग्रेनेड हमले के आरोपियों के विरुद्ध आरोप पत्रपेश

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने अमृतसर के एक मंदिर में ग्रेनेड हमला करने के मामले में तीन आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया है। एनआईए की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार एनआईए ने शुक्रवार को मोहाली (पंजाब) की विशेष अदालत में दाखिल आरोपपत्र में विशाल गिल, भगवंत सिंह उर्फ मन्ना भट्टी और दीवान सिंह उर्फ सनी पर अमृतसर के छेहरटा स्थित ठाकुरद्वारा सनातन मंदिर पर हमले की साजिश रचने और उसे अंजाम देने का आरोप लगाया है। एनआईए के अनुसार विशाल गिल उन दो बाइक सवार हमलावरों में से एक था, जिन्होंने 15 मार्च, 2025 तड़के ग्रेनेड फेंका था।

आयकर रिटर्न भरने की आखिरी तारीख आज

नई दिल्ली। आकलन वर्ष 2025–26 के लिए आयकर रिटर्न दाखिल करने की सोमवार को आखिरी तारीख है और ऐसे में आयकर विभाग ने लोगों को अंतिम समय में संभावित परेशानी से बचने के लिए रविवार को ही अपना रिटर्न भरने की सलाह दी। विभाग ने सोशल मीडिया के माध्यम से रविवार को बताया कि अपना आयकर रिटर्न आज ही दाखिल करें। अक्सर देखा जाता है कि जब बड़ी संख्या में लोग अंतिम समय में लॉगइन करते हैं, तो सर्वर हैंग होने या प्रक्रिया धीमी होने की शिकायत आती है। उल्लेखनीय है कि आयकर रिटर्न भरने की आखिरी तारीख फिलहाल 15 सितम्बर है।

जनगणना की मॉकड्रिल अक्टूबर से शुरू होगी

नई दिल्ली। दुनिया की सबसे बड़ी प्रशासनिक कवायद जनगणना–2027 की शुरुआत से पहले पूरे तंत्र की जांच–परख के लिए एक अक्टूबर से मॉकड्रिल शुरू होगी। सूत्रों ने बताया कि मॉक ड्रिल 60 दिन चलेगी। इस दौरान, जनगणना की तमाम गतिविधियां जांची जाएंगी।

भारत की सात और संपत्तियां यूनेस्को विरासत बनीं

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ सात स्थलों के जुड़ने के बाद भारत की कुल धरोहरों की संख्या 69 हुई

नई दिल्ली। भारत की सात नई प्राकृतिक धरोहरों को यूनेस्को की विश्व धरोहर की टेंटेटिव लिस्ट (अस्थायी सूची) में शामिल किया गया है। इनमें महाराष्ट्र के पंचगनी और महाबलेश्वर के डेक्कन ट्रैप्स तथा आंध्र प्रदेश की तिरुमला पहाड़ियां प्रमुख हैं। इन सात स्थलों के जुड़ने के बाद भारत की कुल धरोहरों की संख्या 69 हो जाएगी।

इनमें 49 सांस्कृतिक, 3 मिश्रित और 17 प्राकृतिक श्रेणी की धरोहरें शामिल हैं। यूनेस्को के स्थायी प्रतिनिधिमंडल भारत की इन जगहों के चयन पर बताया कि इन धरोहरों को सूची में शामिल किया जाना देश की समृद्ध सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत के संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। सूची में शामिल सात नए स्थलों पर एक नजर–डेक्कन ट्रैप्स (पंचगनी और महाबलेश्वर, महाराष्ट्र), सेंट मैरी आइलैंड क्लस्टर का भूवैज्ञानिक धरोहर (उडुपी, कर्नाटक), मेघालयन एज गुफाएं (ईस्ट खासी हिल्स, मेघालय), नगा हिल ओफियोलाइट (किफाइरे, नगालैंड), एर्रा मट्टी डिब्बालु (विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश), तिरुमला हिल्स का प्राकृतिक धरोहर (तिरुपति, आंध्र प्रदेश), वरकला का प्राकृतिक धरोहर (केरल)। विगत 12 सितम्बर को किए गए औपचारिक ऐलान में कहा गया कि कुल सात प्राकृतिक धरोहरें सूची में जोड़ी गई हैं। यूनेस्को की प्रक्रिया के अनुसार, किसी भी धरोहर को विश्व धरोहर सूची में शामिल करने से पहले उसका टेंटेटिव लिस्ट (अस्थायी सूची) में होना अनिवार्य है। यूनेस्को में भारत के प्रतिनिधिमंडल ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को उनके इस कार्य के लिए धन्यवाद दिया है।

भारत ने पाकिस्तान को सस्ते में लपेटा

■ पाक ने भारत को दिया 128 रन का टारगेट

दुबई। पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ एशिया कप के ग्रुप–ए मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 127 रन बनाए।

साहिबजादा फरहान ने 40 और शाहीन शाह अफरीदी ने 33 रन बनाए। भारत की ओर से कुलदीप यादव ने तीन विकेट लिए। जसप्रीत बुमराह और अक्षर पटेल ने 2–2 विकेट लिए। जसप्रीत बुमराह ने 19वें ओवर की आखिरी गेंद पर सुफियान मुकीम को बोल्ड किया। टॉस के बाद भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव और पाकिस्तानी कप्तान सलमान अली आगा ने हाथ नहीं मिलाया। दोनों ने एक–दूसरे से नजरें भी नहीं मिलाईं। इंटरनेशनल मैचों में टॉस के बाद दोनों कप्तानों के हाथ मिलाने की परंपरा रही है।

मैं शिव भक्त, जहर निगल लेता हूं

असम में पीएम बोले- कांग्रेस ने घुसपैठियों को दिया बढ़ावा, गरीबों को ठुकराया

गुवाहाटी, वार्ता

हमारे लिए जनता भगवान

■ मोदी ने 18,500 करोड़ के इन्फ्रास्ट्रक्चर व इंडस्ट्रियल प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन और शिलान्यास किया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के असम दौरे का रविवार को दूसरा दिन था। उन्होंने दरांग और गोलाघाट के नुमालीगढ़ में 18,500 करोड़ के इन्फ्रास्ट्रक्चर और इंडस्ट्रियल प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन और शिलान्यास किया।

पीएम ने दोनों जगहों पर जनसभाएं भी कीं। प्रधानमंत्री ने दरांग में कहा कि जब हमने भूपेन हजारिका को भारत रत्न दिया था, तो कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने कहा था कि मोदी, नाचने–गाने वालों को भारत रत्न दे रहा है। मुझे कितनी ही गालियां दें, मैं भगवान शिव का भक्त हूं, सारा जहर निकाल लेता हूं। लेकिन जब किसी और का अपमान होता है, तो मुझसे रहा नहीं जाता। नुमालीगढ़ में पीएम ने कहा कि कांग्रेस के कार्यकाल में गरीबों को ठुकराया गया। आदिवासियों के साथ अन्याय हुआ। हमारा मंत्र नागरिक देवो भवः है। हमारे लिए जनता भगवान है। देश के नागरिकों को असुविधा न हो, भाजपा सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री शनिवार शाम गुवाहाटी पहुंचे थे। वे एयरपोर्ट से सीधा लोकगायक भूपेन हजारिका की विशेष श्रद्धांजलि सभा में शामिल हुए। इसके बाद रात में स्टेट गेस्ट हाउस में ठहरे थे। असम से पहले पीएम ने मिजोरम और मणिपुर में कई विकास परियोजनाओं की शुरुआत की थी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हमारी योजनाओं का लाभ यहां चाय बागानों में काम करने वाले भाई और बहनों को भी हो रहा है। उनका हित हमारी प्राथमिकता है। सरकार टी गार्डन में काम करने वाली महिलाओं को मदद दे रही है। उनके स्वास्थ्य, बच्चों की शिक्षा पर हमारा बहुत जोर है। यहां माता और शिशु मृत्यु दर को कम करने के लिए भी योजनाएं चला रही है। कांग्रेस के समय इन श्रमिकों को टी कंपनी के भरोसे छोड़ दिया गया था। लेकिन हम उनके घर, बिजली, पानी और स्वास्थ्य की चिंता कर रहे हैं। असम के विकास का दौर शुरू हो चुका है। असम ट्रेड और टूरिज्म का बड़ा सेंटर बनेगा। हम मिलकर नया असम बनाएंगे।

अब असम में बांस से बनेगा एथेनॉल

■ पीएम ने असम बायो एथेनॉल संयंत्र का किया उद्घाटन

गुवाहाटी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को असम में नुमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड (एनआरएल) में असम बायो एथेनॉल संयंत्र का उद्घाटन किया और नुमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड (एनआरएल) में पालीप्रोपाइलीन संयंत्र की आधारशिला भी रखी। पीएम मोदी ने कहा कि आज यहां बांस से एथेनॉल बनाने की शुरुआत हुई है। इसका असम के लोगों को फायदा होगा। सरकार यहां के किसानों को बांस की खेती करने में मदद करेगी और खरीदी भी करेगी। असम और पूर्वोत्तर आत्मनिर्भर भारत अभियान का केंद्र है। पीएम मोदी ने कहा कि असम को 12 हजार करोड़ की सौगात दी गई है। ये उद्यम असम के विकास को गति देंगे। मैं सभी को प्रोजेक्ट्स के लिए बधाई देता हूं। भारत दुनिया का सबसे तेजी से विकसित होने वाला देश है। जैसे–जैसे भारत विकसित हो रहा है, वैसे–वैसे बिजली, ईंधन की जरूरतें बढ़ रही हैं।

नासिक में सीबीआई ने दो फर्जी कॉल सेंटरों का किया भंडाफोड़

नई दिल्ली। सीबीआई ने महाराष्ट्र के नासिक में दो अवैध कॉल सेंटरों का भंडाफोड़ किया है, जो स्वगन बिजनेस सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के नाम से चलाए जा रहे थे। सीबीआई के एक अधिकारी ने रविवार को बताया कि 11 सितम्बर को चार व्यक्तियों और कुछ अज्ञात सरकारी अधिकारियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई थी कि नामजद लोग नासिक में स्वगन बिजनेस सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के नाम से दो अवैध कॉल सेंटर चला रहे हैं और ब्रिटिश नागरिकों से बीमा एजेंट या सरकारी अधिकारी बन कर ठगी कर रहे हैं। अधिकारी ने बताया कि इन अवैध सेंटरों को चलाने वाले आरोपियों की पहचान गणेश और श्याम कामनकर के रूप में हुई है। उन्होंने कहा कि इन सेंटरों पर लगभग 60 लोग काम कर रहे थे। ये लोग इंटरनेट के माध्यम से कॉल करते थे, जाली नंबरों और दस्तावेजों का उपयोग करके नकली बीमा पॉलिसी बेचने के नाम पर पीड़ितों से क्रेडिट या डेबिट कार्ड की जानकारियां हासिल कर ठगी करते थे। सीबीआई ने नासिक और कल्याण में विभिन्न स्थानों पर छापेमारी कर आठ कम्प्यूटर, आठ फोन, फर्जी बीमा पॉलिसी, पांच लाख रुपये नकद और कुछ आपत्तिजनक डिजिटल साक्ष्य बरामद किए हैं।

लखनऊ में बड़ा विमान हादसा टला

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ उड़ान भरने से ठीक पहले रोकी गई फ्लाइट
■ सांसद डिंपल यादव समेत 151 यात्री थे सवार

लखनऊ। अमौसी एयरपोर्ट से दिल्ली जा रही इंडिगो की फ्लाइट में शनिवार सुबह उस वक्त दहशत का माहौल पैदा हो गया, जब इंजन में तकनीकी गड़बड़ी से विमान को अचानक रोक दिया गया। यात्रियों की जान सांसत में आ गई। विमान को रनवे से वापस लौटाया गया।

यात्रियों को दूसरे विमान से दिल्ली रवाना किया गया। वहीं इंजीनियरों की टीम देर तक विमान में गड़बड़ी का पता लगाती रही। मामला शनिवार सुबह का है। इंडिगो एयरलाइंस की फ्लाइट संख्या 6ई–2111 चौधरी चरण सिंह अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट से सुबह 10.30 बजे के आसपास उड़ान भरकर 12.30 बजे तक दिल्ली पहुंच जाती है। सुबह विमान उड़ान के लिए तैयार था। यात्रियों की बोर्डिंग हो चुकी थी। विमान रनवे पर पहुंचा। उसके इंजनों ने रफ्तार पकड़नी शुरू की। उड़ान से ठीक पहले इंजन थ्रस्ट लेते हैं, जिससे एक झटके में विमान जमीन छोड़कर हवा में आ जाता है। लेकिन, दिल्ली जाने वाली यह उड़ान रनवे से उड़ान ही नहीं भर पाई। समाजवादी पार्टी से सांसद डिंपल यादव और गोंडा के सपा नेता सूरज सिंह विमान में सवार थे। सूरज सिंह ने सोशल मीडिया पर मामले को साझा किया। उन्होंने बताया कि वह लखनऊ से दिल्ली जा रहे थे। उन्हें 2बी सीट मिली थी। वह विमान में सवार हुए। विमान के रनवे पर पहुंचने के बाद इंजनों को थ्रस्ट नहीं मिला। तकनीकी गड़बड़ी के चलते ऐसा हुआ। लिहाजा इंडिगो के विमान को वापस लौटा लिया गया, लेकिन तेज रफ्तार विमान को अचानक रोक देने से यात्रियों में दहशत पैदा हो गई। यात्रियों को शांत करवाकर दूसरे विमान से दिल्ली भेजा गया। वहीं इंडिगो एयरलाइंस से जुड़े सूत्रों का कहना है कि रनवे पर विमान आगे नहीं बढ़ पा रहा था। इसके चलते विमान की जांच करवाई गई। इंडिगो एयरलाइंस से जुड़े सूत्रों ने बताया कि रनवे से विमान को लौटाने के बाद इंजीनियरों की टीम ने खराबी तलाशी।

बसपा में बड़ा संगठनात्मक बदलाव

मायावती ने अशोक सिद्धार्थ को सौंपा अहम दायित्व

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ सिद्धार्थ अब छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश, जम्मू–कश्मीर व गुजरात में संगठन को करेंगे मजबूत

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने पार्टी संगठन में व्यापक फेरबदल करते हुए अपने समधी और वरिष्ठ नेता अशोक सिद्धार्थ को केंद्रीय कोऑर्डिनेटर नियुक्त कर उन्हें चार अहम राज्यों की जिम्मेदारी सौंपी है।

हाल ही में पार्टी में वापसी करने वाले अशोक सिद्धार्थ अब छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश, जम्मू–कश्मीर और गुजरात में संगठन को मजबूत करेंगे। इससे पहले इन राज्यों की जिम्मेदारी रणधीर सिंह बेनीवाल के पास थी। अब बेनीवाल को सेक्टर–चार का कोऑर्डिनेटर बना दिया गया है, जिसकी जिम्मेदारी अभी तक डा. लालजी मेधांकर संभाल रहे थे। श्री मेधांकर को नए फेरबदल के तहत सेक्टर–पांच का प्रभारी बनाया गया है। वहीं, सेक्टर–छह अब पूर्व विधायक अतर सिंह राव संभालेंगे। यह जिम्मेदारी अब तक पूर्व विधायक धर्मवीर सिंह के पास थी। सेक्टर–एक और सेक्टर–दो में कोई बदलाव नहीं हुआ है। सेक्टर–एक पूर्व सांसद रामजी गौतम के पास रहेगा, जबकि सेक्टर–दो की जिम्मेदारी पूर्व सांसद राजाराम के पास बनी रहेगी। मायावती ने संगठनात्मक ढांचे को बेहतर बनाने के लिए देश को छह सेक्टरों में विभाजित किया है।

हर सेक्टर में तीन से चार राज्यों को शामिल किया गया है। इन सेक्टरों के कार्यों की समीक्षा पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद करेंगे।

हैदराबाद के स्कूल में ड्रग्स फैक्ट्री का खुलासा

हैदराबाद। तेलंगाना के हैदराबाद में पुलिस ने एक प्राइवेट स्कूल के अंदर ड्रग्स फैक्ट्री का खुलासा किया। मेधा स्कूल नाम के स्कूल के डायरेक्टर मालेला जया प्रकाश गौड़ सहित 3 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों ने स्कूल के क्लास रूम और रस्ट्रिकटेड एरिया को अल्प्राजोलम का प्रोडक्शन फैक्ट्री बना दिया था। अल्प्राजोलम का इस्तेमाल ताड़ी बनाने में किया जाता है। यह एक नशीला पदार्थ है, जो तेलंगाना में बैन है। पुलिस ने बताया कि बिल्डिंग के सेकेंड फ्लोर पर लगभग छह महीने से फैक्ट्री चल रही थी। ग्राउंड और फर्स्ट फ्लोर पर क्लास चलती थी। फैक्ट्री में छह दिन ड्रग्स बनती थी।

राजनीतिक दलों के जरिये मनी लॉन्ड्रिंग गंभीर मामला: सुप्रीम कोर्ट

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ कहा: ठोस कानून क्यों नहीं, चुनाव आयोग और केंद्र से तीन नवम्बर तक जवाब मांगा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि ऐसे राजनीतिक दल जो इनएक्टिव हैं, उनके जरिए टैक्स चोरी और मनी लॉन्ड्रिंग गंभीर मुद्दा है। यह सीधे लोकतंत्र और चुनाव प्रक्रिया की पवित्रता से जुड़ा है।

सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग, विधि आयोग और केंद्र सरकार को नोटिस जारी कर 3 नवम्बर तक जवाब मांगा है। पूछा है कि दलों के पंजीकरण और नियमन के लिए अब तक ठोस कानून क्यों नहीं बनाया गया। एडवोकेट अश्विनी उपाध्याय ने जनहित याचिका दाखिल की है। याचिका में कहा गया है कि आयकर विभाग की छापामारी में दो दलों इंडियन सोशल पार्टी और युवा भारत आत्म निर्भर दल के जरिये 500 करोड़ के फर्जी चंदे का मामला सामने आया था। नेशनल सर्व समाज पार्टी के जरिये 271 करोड़ का लेन–देन पकड़ा गया था। आरोप है कि हवाला और कमीशनखोरी के जरिये मनी लॉन्ड्रिंग के लिए ही ये दल बनाए गए थे। इनका चुनाव से कोई लेना–देना नहीं। याचिकाकर्ता की दलील में कहा गया है कि करीब 90 प्रतिशत दल कभी चुनाव नहीं लड़ते।

पूर्व लेफ्टिनेंट जनरल केजेएस ढिल्लो का दावा

ऑपरेशन सिंदूर के वक्त बंकर में छिपे थे आसिम मुनीर

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ बोले- पाक एयर डिफेंस हमारी एक मिसाइल भी नहीं रोक पाया

नई दिल्ली। भारतीय सेना से रिटायर लेफ्टिनेंट जनरल केजेएस ढिल्लो ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के वक्त पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर एक बंकर में छिप गए थे।

जंग खत्म होने के बाद जनता की नजरों से बचने के लिए खुद को फील्ड मार्शल के पद पर प्रमोट कर लिया। ढिल्लो ने आगे कहा कि भारत ने 7 मई को 11 पाकिस्तानी एयरबेस पर सटीकता से हमला किया। पाकिस्तान का एयर डिफेंस इतना कमजोर था कि हमारी एक भी मिसाइल को रोक नहीं सका। 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले में 26 लोगों के मारे जाने के बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था। भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू–कश्मीर (पीओके) में आतंकी ढांचे तबाह किए थे। साथ ही पाकिस्तान के एयरबेस को भी नुकसान पहुंचाया था। 10 मई को दोनों देशों के बीच युद्ध खत्म हुआ था। केजेएस ढिल्लो ने कहा कि जब पाकिस्तान के डीजीएमओ 10 मई को दोपहर 3:35 बजे हमारे डीजीएमओ को फोन करते हैं और युद्धविराम की भीख मांगते हैं, तो हमारे लिए यह जीत है।

बारिश के चलते वैष्णो देवी यात्रा फिर से रोकी गई

■ यूपी में चार, हिमाचल में 133% ज्यादा बारिश

नई दिल्ली। जम्मू–कश्मीर में खराब मौसम के चलते वैष्णो देवी यात्रा को फिर से रोका गया।

19 दिन स्थगित रहने के बाद यात्रा रविवार से शुरू होनी थी, लेकिन तेज बारिश के चलते इसे अगले आदेश तक स्थगित किया गया। 26 अगस्त को मंदिर के ट्रैक पर लैंडस्लाइड में 34 तीर्थयात्रियों की मौत हुई थी। उप्र में बारिश के बाद गंगा, यमुना समेत नदियों का जलस्तर अब भी बढ़ा हुआ है। बलिया में चक्की नौरंगा गांव में 5 मकान और 5 दुकानें नदी में समा गईं। इस मानसून सीजन राज्य में 654.2एमएम बारिश हुई जो औसत 679.3एमएम बारिश से 4 फीसदी कम है। हिमाचल के मंडी जिले के धर्मपुर में सपड़ी रोह गांव में लैंडस्लाइड हुई। कई घरों तक मलबा पहुंच गया। राज्य में 12 सितम्बर तक 133फीसदी ज्यादा बारिश रिकॉर्ड हुई है।

आदमखोर गुलदार ने महिला को बनाया निवाला

ग्रामीणों का भड़का गुस्सा, वन अधिकारियों पर लगाए गंभीर आरोप

सोनू आदित्य

नजीबाबाद। आदमखोर गुलदार का आतंक कम होने का नाम नहीं ले रहा है। पिछले कुछ समय में ही गुलदार ने तीन बच्चों एवं एक महिला को मौत की नींद सुला दिया है। आज ग्राम इस्सेपुर में चारा लेने जंगल गई एक महिला को गुलदार गन्ने के खेत में घसीट कर ले गया और मौत के घाट उतार दिया। जिससे ग्रामीणों का गुस्सा भड़क गया। ग्रामीण वन अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगा रहे है। ग्रामीणों का कहना है कि वन अधिकारी इंसानों की जानों की कीमत नहीं समझ रहे है।

प्राप्त समाचार के अनुसार आज दोपहर क्षेत्र के ग्राम इस्सेपुर में मीरा पत्नी महेंद्र पर गुलदार ने हमला कर दिया। बताया गया कि पैंतीस वर्षीय मीरा जंगल में पशुओं के लिए चारा लेने के लिए गई थी। तभी पहले से घात लगाए बैठे गुलदार ने उस पर हमला कर दिया। आदमखोर गुलदार मीरा को खींचकर खेत में अंदर ले गया। चीख सुनकर मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने गुलदार को भगाने का प्रयास किया। उन्होंने काफी शोर मचाया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। शोर सुनकर गुलदार जंगल में अंदर चला गया। लहूलुहान हालत में मीरा को उपचार के लिए निकटवर्ती अस्पताल पहुंचाया गया। जहां से उसे सही उपचार हेतु बिजनौर के लिए ले जाने की बात कही गई। समय पर एंबुलेंस न मिलने के कारण घायल महिला की उपचार के दौरान मौत हो गई । सूचना पर वन विभाग की टीम एवं पुलिस फोर्स मौके पर पहुंची।

दूसरी तरफ डीएफओ कार्यालय पर पिछले तीन दिनों से किसान धरना प्रदर्शन कर रहे। वह क्षेत्र में मौजूद आदमखोर गुलदारों को पकड़ने की मांग कर रहे हैं। महिला की मौत से गुस्साएं ग्रामीण एवं किसानों ने शव को डीएफओ कार्यालय के बाहर रखकर अंतिम संस्कार न करने की जिद पर अडे रहे। स्थित की गंभीरता को देखते हुए प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और आश्वासन दिया कि प्रशासन की ओर से मृतका के परिजनों को पांच लाख रुपए का मुआवजा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि गुलदार को आदमखोर घोषित करने की अनुमति के लिए उच्च अधिकारियों को अवगत कराया गया है। जैसे ही अनुमति प्राप्त होगी, गुलदार को ट्रैकुलाइज किया जाएगा। गुलदार को पकड़ने के लिए मुरादाबाद की जोनल टीम बुलाई गई है और स्थानीय टीमें पहले से ही लगी हुई है। इसके बाद महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

इस मौके पर एडीएम प्रशासन, एएसपी सिटी संजीव वाजपेई, एसडीएम शैलेंद्र कुमार, सीओ नितेश कुमार, थाना प्रभारी निरीक्षक राहुल कुमार, डीएफओ अभिनव राज, डिप्टी रेंजर हरगोविंद सिंह आदि मौजूद रहे। घटना की सूचना मिलने पर आजाद समाज पार्टी के कार्यकर्ता व पदाधिकारी मौके पर पहुंचे और पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा दिलाने की मांग रखी। उनके द्वारा गुलदार को पकड़ने और क्षेत्र को गुलदार मुक्त घोषित करने की मांग की गई।

इस दौरान आजाद समाज पार्टी के मंडल प्रभारी व साहनपुर के चेयरमैन खुर्शीद मंसूरी, फहीम अंसारी सांसद प्रतिनिधि, प्रशांत महासागर जिलाध्यक्ष भीम आर्मी आदि मौजूद रहे। गुरदेव सिंह, महेंद्र सिंह, बबलू, नरेंद्र, हुकम सिंह आदि ग्रामीणों का कहना था कि आदमखोर गुलदार की मौजूदगी की वजह से किसान खेतों पर जाने से डर रहे है।

गोल्डन बैल्स इंटरनेशनल में हिन्दी दिवस मनाया

हिंदी के महत्व पर प्रकाश डाला

शाह टाइम्स संवाददाता

स्योहारा। ठाकुरद्वारा रोड स्थित गोल्डन बैल्स इंटरनेशनल सीनियर सेकेंडरी स्कूल में हिन्दी दिवस मनाया गया। मातृ भाषा की उन्नति के बिना किसी भी समाज की तरक्की संभव नहीं है तथा अपनी भाषा के ज्ञान के बिना मन की पीड़ा को दूर करना भी मुश्किल है। हिंदी एक ऐसी भाषा है, जो देश को एकता एवं अखण्डता के सूत्र में बांधने का सामर्थ्य रखती है। 14 सितम्बर 1949 को संवैधानिक दृष्टि से हिन्दी को राज भाषा घोषित किया गया था।

इस अवसर पर सभी बच्चों ने प्रार्थना और प्रतिज्ञा हिन्दी में की। आयरा और प्रियांशी आदि बच्चों ने अपने विचार अनेक दोहे, कवितायें प्रस्तुत की। हिन्दी अध्यापिका श्रीमती दिशा अग्रवाल ने मातृ भाषा हिंदी पर अपने विचार प्रस्तुत किये, जिसका उद्देश्य हिंदी के महत्व को बताना है। हिंदी अध्यापिका श्रीमती पवन, हुदा चौधरी, अमरीन, आकांक्षा आदि ने हिंदी के महत्व पर अपने विचार प्रस्तुत किये। स्कूल प्रबंधक सरदार गुरुविन्दर सिंह ने हिंदी दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि कोई भी देश अपनी मातृभाषा के बिना विकास नहीं कर सकता है। स्कूल के प्रधानाचार्य शेखर सिंह ने हिन्दी दिवस की शुभकामनाएं दी और बताया कि हमें अपनी मातृभाषा का सम्मान करना चाहिए और सभी को इस पर गर्व होना चाहिए। हिन्दी ही तो मेरे देश की शान और जान है।

इस मौके पर सीनियर कोर्डिनेटर शिवम, निगारिश जमाल, पूनम, निशा, पिंकी, दिवाकर, इंद्रपाल, सदफ, शिवानी, प्राची मानसी आदि मौजूद रहे।

नहटौर डिग्री कालेज में हिंदी दिवस मनाया

शाह टाइम्स संवाददाता

नहटौर। नहटौर डिग्री कालेज में हिंदी दिवस मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम का शुभारम्भ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संजीव गौड़ द्वारा मां सरस्वती के चरणों में पुष्प अर्पित कर किया गया।

कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संजीव गौड़ ने कहा कि हर साल 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाया जाता है। यह दिन हिंदी भाषा के महत्व को दर्शाता है। 14 सितंबर 1949 को संविधान सभा ने हिंदी को भारत की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया था, तभी से इस दिन को हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाता है। हिंदी भारत के सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है तथा यह दुनिया की चौथी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है। यह हमारी सांस्कृतिक और राष्ट्रीय पहचान का प्रतीक है हिंदी भाषा दिवस के अवसर पर स्कूल कॉलेज में भाषण निबंध कविता पाठ आदि कई कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। हिंदी दिवस को हर साल 14 सितंबर को भारत में बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है। यह दिन हिंदी भाषा के महत्व और हमारे राष्ट्र में अपनी भूमिका को उजागर करता है। यह भारत की एकता और अखंडता को बनाए रखने वाली सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है। हिंदी दिवस को मनाने का एक कारण लोगों में इसके प्रति जागरूकता पैदा करना और इसका प्रचार प्रसार करना भी है। हिंदी हमारी राष्ट्रभाषा है और हमें अधिक से अधिक अपने दैनिक कार्यक्रम में भी इसको शामिल करना चाहिए। हिंदी भाषा में हमें हिंदी बोलने में और पढ़ने में बिल्कुल भी शर्म नहीं महसूस होनी चाहिए। हमें सम्मान सभी भाषाओं का करना चाहिए लेकिन हिंदी हमारी मातृभाषा है और हमें अधिक से अधिक इसको अपने प्रयोग में लाना चाहिए। अपने बच्चों को हिंदी पढ़ने, हिंदी लिखने के लिए प्रेरित करें। हमें हिंदी भाषी होने पर गर्व महसूस होना चाहिए। हमें हिंदी के प्रसार प्रसाद में योगदान देना चाहिए और कम से कम हस्ताक्षर तो अपने हिंदी में अवश्य ही करने चाहिए। इस अवसर पर कालेज के प्रवक्ता डॉ. मोक्षपाल यादव, दुष्यंत कुमार, यशपाल सिंह, संजीव राजपूत, पंकज शर्मा, विपिन सैनी, आबिद हुसैन जैदी, श्रीमती सीमा शर्मा, सुनीता त्यागी, गुलअफ्शा आदि उपस्थित रहे।

बिजली कटौती के विरोध में धरना जारी

समस्याओं का समाधान होने तक धरना रहेगा जारी: चौ. वीर सिंह

शाह टाइम्स संवाददाता

नांगल सोती। बिजली की अनेक समस्याओं को लेकर किसानों के सौफतपुर बिजली घर पर चौथे दिन भी लगातार जारी है। किसान नेताओं का कहना है कि समस्या के समाधान तक धरना जारी रहेगा।

बिजली की अनेक समस्याओं को लेकर पिछले चार दिनों से सौफतपुर बिजलीघर पर चल रहे भारतीय किसान यूनियन लोकशक्ति के अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन में चौथे दिन भी विभाग द्वारा उपभोक्ताओं की समस्या का समाधान नहीं किया गया। जिस कारण किसानों का धरना लगातार दिन-रात बिजली घर के प्रांगण में घर में जारी है।

जिलाध्यक्ष चौ. वीर सिंह सहरावत ने बताया कि जब तक विद्युत विभाग से संबंधित सभी समस्याओं का समाधान नहीं होगा तब तक धरना-प्रदर्शन अनिश्चितकाल तक जारी रहेगा। सौफतपुर बिजली घर की ओसीबी कई माह से फूंकी पड़ी है, स्मार्ट मीटर के बिल गलत आ रहे है, कुछ उपभोक्ताओं के बिजली के बिल नहीं आ रहे है। किसानों की विद्युत लाइन काफी समय से जर्जर पड़ी है, लेकिन बिजली विभाग समस्या का समाधान करने को राजी नहीं है।

इस मौके पर महासचिव चौ. पदम सिंह, जग्गन अली, नरेश कुमार, डॉ. अरूण कुमार, नौबहार सिंह, हाजी यामीन सिद्दीकी, अमित कुमार, मास्टर मुनेंद्र सिंह, अतीक अहमद, नितिन ललेरा, अभिनव चौधरी, नितिन ललेरा, हिमांशु सहरावत, सत्यम चौधरी, आशीष मोदी, टीकम सिंह, कामेंद्र सिंह, खूब सिंह, देवेंद्र सिंह, लक्की, दिक्षांत चौधरी, बिट्टू, फुरकान अली, शहाबुद्दीन अहमद, सामत रजा, लवी आदि पदाधिकारी मौजूद रहे।

कंप्यूटर क्लासेज में प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम

वीडियो गेम से दूर रहकर कंप्यूटर का सही उपयोग करें: नौशाद अली

शाह टाइम्स संवाददाता

सहसपुर। जहीर लाइब्रेरी हॉल में जीनत एजुकेशनल ट्रस्ट द्वारा संचालित रौनक कंप्यूटर क्लासेस में प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि इबादत अनवर (पी.एच.डी., आई. आई.टी. कानपुर) व मौ.अजमल, नौशाद अली, मौ. शाहजान उपस्थित रहे। कंप्यूटर अध्यापक ने बताया कि बेसिक कंप्यूटर कोर्स पूर्ण होने के पश्चात कंप्यूटर कोर्स की परीक्षा लिखित एवं प्रयोगात्मक परीक्षा दोनों ही परीक्षा हुई। कंप्यूटर विषय अध्यापक मौ. शाहजान ने बताया कि परीक्षा में सफल छात्र निशांत कुमार, मौ. मनव्वर, फजलुर्रहमान, मौ. एहतेशाम, मौहम्मद अनवर, मौ. जैद को प्रमाण पत्र दिए गए। सहसपुर के सम्मानित व्यापारी और एजुकेशन क्षेत्र में अपनी पहचान रखने वाले भारत सीमेंट स्टोर के प्रोपराइटर नौशाद अली ने इस अवसर पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि सहसपुर में जीनत एजुकेशनल ट्रस्ट जो जहीर लाइब्रेरी एवं रौनक कंप्यूटर क्लासेस के रूप में अपना कार्य कर रही है और कंप्यूटर शिक्षा का महत्व न केवल भारत में बल्कि पूरे देश में सर्वोच्च है। उन्होंने छात्रों से आग्रह किया कि वे वीडियो गेम से दूर रहकर कंप्यूटर का सही उपयोग करें और कंप्यूटर शिक्षा के माध्यम से अपने कौशल को विकसित करें। समारोह में छात्रों को उनके कंप्यूटर प्रशिक्षण के लिए प्रमाण- पत्र प्रदान किए गए, जिससे उनके चेहरे पर गर्व की भावना देखी गई। जीनत एजुकेशनल ट्रस्ट की यह पहल निश्चित रूप से छात्र-छात्राओं के लिए एक बड़ा अवसर है, जिससे वह अपने भविष्य को उज्ज्वल बना सकते हैं।

शराब चोरी में चार गिरफ्तार

बिजनौर। चांदपुर थाने में 29 अगस्त को राजेश कुमार शर्मा पुत्र मदनपाल शर्मा निवासी ग्राम कुलचाना ने तहरीर दी थी कि उसकी देशी शराब की दुकान व बीयर की दुकान से शराब की पेटियां व सीसीटीवी कैमरा डीवीआर सहित चोरी कर लिया गया है। पुलिस ने इस मामले में हल्दौर थाना क्षेत्र के ग्राम हथाई निवासी राजू उर्फ निसार अहमद, थाना नौगांवा सादात के ग्राम मुंडा मुकारी निवासी नूर मौहम्मद पुत्र जमील, चांदपुर के ही मौहल्ला पतियापाड़ा निवासी आमीर पुत्र उमरदराज व सलमान उर्फ कल्लू पुत्र अनीस अहमद को गिरफ्तार किया है।

हिंदी दिवस पर विराट कवि सम्मेलन

शाह टाइम्स संवाददाता

नगीना। विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान से संबंध सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में हिंदी दिवस पर विराट कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पुष्पार्चन कर किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अनिल कुमार गुप्ता (बंधु जी) ने की। इस अवसर पर बिजनौर से अशोक शर्मा, धामपुर से अनिल शर्मा, नरेंद्र जीत अनाम, देवेंद्र कुमार, नगीना से विनीत कुमार (हुड़दंग), आलमगीर काजमी, विशाल सैनी, गुण प्रकाश शर्मा, कृष्ण कुमार, श्रीमती शाकुम्भरी देवी, इंद्रजीत जोगी, डा. रमेश गिरि, देवेंद्र सिंह, सरोज, डा. अंजू विश्नोई, एडवोकेट निशीत प्रकाश गर्ग आदि सम्मानित कवियों ने अपनी रोचक प्रस्तुतियों द्वारा कार्यक्रम का समां बांधा। प्रबंधीय समिति द्वारा उपस्थित समस्त कवियों को शॉल, पट्टिका एवं स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के किशोर एवं तरुण वर्ग के भैया- बहिनों ने कविताओं का प्रस्तुतिकरण किया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक डा. संदीप शर्मा, उपाध्यक्ष एड. हेमंत कुमार, सदस्य अनिल शर्मा, अनमोल कुमार, अनुरोध कुमार, डा. भूपेश चौहान, प्रभात कुमार अग्रवाल उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अन्त में विद्यालय के प्रधानाचार्य महेश सिंह ने सभी का आभार व्यक्त किया।

नगीना के व्यापारियों को संगठन में मिली अहम जिम्मेदारियां

शाह टाइम्स संवाददाता

नगीना। पश्चिमी उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश स्तरीय चुनाव का आयोजन बिजनौर में संपन्न हुआ। जिसमें नगीना से वरिष्ठ व्यापारी अमित गुप्ता को प्रदेश मंत्री एवं मकसूद उस्मानी को जिला उपाध्यक्ष चुना गया। युवा व्यापारी शेख जमशेद को जिला उपाध्यक्ष (युवा) मनोनीत किया गया। वहीं पंडित सचिन शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि पूर्व में मनोनीत जिला अध्यक्ष (युवा) पवन यादव, जिला उपाध्यक्ष दीपक मल्होत्रा, सरफराज अंसारी, बाबर उस्मानी, नगर अध्यक्ष अब्दुल कय्यूम राइन एवं महामंत्री पंडित सचिन शर्मा का शपथ ग्रहण समारोह बहुत जल्द नगीना में भव्यता के साथ आयोजित किया जाएगा, जिसमें मनोनीत सभी व्यापारियों को शपथ एवं मेन बॉडी व युवा मोर्चा की घोषणा की जाएगी।

चांदपुर में मुजफ्फर अरेस्ट

बिजनौर। चांदपुर पुलिस ने थाना हल्दौर अंतर्गत ग्राम फजलपुर ढाकी निवासी भूरे उर्फ मुजफ्फर पुत्र मीनू को हथियार के साथ गिरफ्तार किया है।

बिजनौर में 14 गिरफ्तार

बिजनौर। विभिन्न न्यायालयों के आदेशों पर चलाए गए विशेष अभियान में शहर कोतवाली पुलिस ने 14 अभियुक्तों को वारंट के आधार पर गिरफ्तार किया है। जिसमें विरेन उर्फ विरेन्द्र (जहानाबाद), सूरज मान (जहानाबाद), राजेन्द्र दारानगर गंज, शेर अली (पेदी), असार (जंदरपुर), विजयपाल (गजरौला शिव), फुरकान (जुलाहान), बबलू उर्फ फिरासत (जुलाहान), नेपाल सिंह (बबनपुरा), नईम (कस्साबान), इमरान (कस्साबान), आकाश गौतम (रविदास नगर नई बस्ती), राजकुमार (चांदपुर फैरू) एवं विशाल कुमार (मयूर विहार कॉलोनी) शामिल है।

नजीबाबाद में अजीज अरेस्ट

बिजनौर। नजीबाबाद थाने में तीन सितम्बर को वादनी ने तहरीर दी थी कि ग्राम मौजम्मपुर तुलसी निवासी अजीज पुत्र बाबा ने उसके साथ बलात्कार किया और यासर पुत्र जाकिर निवासी ग्राम उपरोक्त एवं सोनू उर्फ मुशर्रफ उर्फ बैरिस्टर पुत्र मुमतियाज निवासी ग्राम अलीपुरा ने उसके साथ गाली-गलौच करते हुए बिना बताए उसके खाते से पांच लाख रुपए निकाल कर अभियुक्त अजीज को दे दिए। पुलिस ने अजीज को गिरफ्तार कर लिया है।

गणेश चौथ महोत्सव समिति ने बांटे पुरस्कार

पत्रकारों को भी दिए गए स्मृति चिन्ह

शाह टाइम्स संवाददाता

नजीबाबाद। गणेश चौथ महोत्सव समिति ने पत्रकारों सहित मटकी फोड़ने वाली टीम को सम्मानित किया।

प्राप्त समाचार के अनुसार आज श्री सिद्धि विनायक मंदिर मौहल्ला दरबारा शाह में माखन की मटकी फोड़ने वाली टीम और पत्रकारों को सम्मानित करने हेतु समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान संरक्षक चौधरी कुलवीर सिंह, अध्यक्ष राजीव अग्रवाल राजू, डॉ. एसके जौहर, डॉ. राजीव अरोड़ा, रविंद्र चौहान, विनय कौशिक, मटकी प्रभारी शैलेंद्र चौधरी एड. के द्वारा सभी पत्रकारों को सम्मानित करते हुए स्मृति चिन्ह दिए गए। माखन मटकी प्रतियोगिता में भाग लेने वाली सभी टीमों को पुरस्कार राशि वितरित की गई। जिसमें रोहन, सुमित व कुणाल की पार्टी शामिल थी।

रोहन एंड पार्टी को 11 हजार समिति की ओर से व 11 हजार कान्हा कर्णवाल की ओर से दिए गए। बाकी दोनों जगह के लिए 11 हजार रुपए प्रत्येक मटकी फोड़ने वाली टीम को दिए गए। इस दौरान कार्यक्रम संयोजक आलोक अग्रवाल, अमित पाटिल, राहुल वर्मा, सोनू आदित्य आदि मौजूद थे।

नीलामी सूचना

थाना बढ़ापुर, जनपद बिजनौर पर विगत वर्षों में थाना हाजा पर दाखिल दो पहिया वाहन की नीलामी हेतु नियमानुसार कार्यवाही करते हुये माननीय न्यायालय से आदेश प्राप्त किया जा चुका है । दिनांक 16.09.2025 को दो पहिया-03 वाहनों की नीलामी हेतु तिथि नियत की गयी है। इच्छुक बोलीदाता सुबह 10 बजे नियत दिनांक को उपस्थित होकर बोली में भाग ले सकते है।

(मृदुल कुमार सिंह)

प्रभारी निरीक्षक, थाना बढ़ापुर (बिजनौर)

शोक सन्देश

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि विनीत कुमार पुत्र भूपेंद्र निवासी ग्राम रसूलपुर मोहम्मद कुली उर्फ रामनगर टांडा, तहसील धामपुर, थाना स्योहारा, जनपद बिजनौर, उत्तर प्रदेश का देहांत दिनांक 08.09.2025 को हो गया था। जिसका शोक दिनांक 16.09.2025 को समय 11: बजे ग्राम में किया जाएगा।

भूपेंद्र पुत्र मांगू व समस्त ग्राम वासियों की ओर से

धामपुर विधानसभा में लगेंगी 32 हाई मास्ट लाइटें

सांसद चंद्रशेखर आजाद के प्रयासों से कब्रिस्तानों और सार्वजनिक स्थलों पर होगी रोशनी

शाह टाइम्स संवाददाता

धामपुर। धामपुर विधानसभा क्षेत्र के लोगों को अब अंधेरे में परेशानियों से जूझना नहीं पड़ेगा। नगीना लोकसभा क्षेत्र के सांसद चंद्रशेखर आजाद के प्रयासों से विधानसभा क्षेत्र के कई कब्रिस्तान और सार्वजनिक स्थान हाई मास्ट लाइटों की रोशनी से जगमगाने जा रहे हैं। सांसद ने अपनी निधि से कुल 32 हाई मास्ट लाइटें लगवाने की स्वीकृति दी है।

धामपुर के अंसारियान, धोबियान, मुगल पठान तथा मनीहारान स्थित कब्रिस्तानों पर हाई मास्ट लाइट लगाने का कार्य शुरू किया गया। इसके अलावा सुहागपुर धर्मशाला चौक एवं सुहागपुर बंदे के पास भी हाई मास्ट लाइटें लगाई जाएंगी। सांसद प्रतिनिधि विवेक सेन ने स्थानीय लोगों की मौजूदगी में पहला हाई मास्ट लाइट लगवाकर इस कार्य की शुरुआत कराई।

अब तक मुस्लिम समाज के लोगों को रात के समय जनाजे के दौरान कब्रिस्तानों में अंधेरे की समस्या का सामना करना पड़ता था। लोगों को मोबाइल टॉर्च या अस्थायी इंतजामों का सहारा लेना पड़ता था। हाई मास्ट लाइट लगने से न केवल इस दिक्कत से निजात मिलेगी, बल्कि क्षेत्र में सुरक्षा की दृष्टि से भी बड़ा लाभ होगा।

सांसद प्रतिनिधि विवेक सेन ने बताया कि सांसद चंद्रशेखर आजाद क्षेत्र की हर जरूरत और जनता की भावनाओं को प्राथमिकता देते हैं। उन्हीं के प्रयास से यह योजना साकार हुई है। आने वाले समय में विधानसभा के अन्य हिस्सों में भी ऐसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। स्थानीय लोगों ने सांसद और उनके प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह कदम वास्तव में आमजन की समस्याओं को समझकर उठाया गया है। कब्रिस्तान और अन्य अंधेरे क्षेत्रों में अब रोशनी फैलने से लोगों को काफी राहत मिलेगी। इस दौरान नगर अध्यक्ष मुंशी नसीम अहमद, सलमान सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

आंगनबाड़ी व सहायिकाओं का सम्मेलन

पांच अक्टूबर को लखनऊ में आंदोलन

शाह टाइम्स संवाददाता

धामपुर। आंगनबाड़ी कार्यकत्री एवं सहायिका वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा एक सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें जिले भर से कार्यकर्ता शामिल हुए।

मुन्नी देवी मंदिर प्रांगण में स्थित हॉल में सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में मुख्य वक्ता के रूप में की प्रदेश अध्यक्ष शीशि बाला ने कहा कि बाल विकास योजना को 50 वर्ष पूर्ण हो गए हैं। देशभर में लगभग 35 लाख महिला कर्मचारी कार्यरत हैं। अकेले उत्तर प्रदेश में 3.30 लाख से अधिक आंगनबाड़ी कार्यकत्री एवं सहायिका कार्यरत हैं। सभी कर्मचारियों की नियुक्ति उत्तर प्रदेश सरकारी करती हैं तथा योजना के लिए सभी बजट भी केंद्र सरकार और राज्य सरकार संयुक्त रूप से करती हैं। सभी कर्मचारी बारहमासी बिना किसी सेवा ब्रेक के कार्य करती हैं। लेकिन आंगनबाड़ी कर्मचारी महिलाओं को सरकारी कर्मचारी का दर्जा तथा सभी वैधानिक लाभ वेतन, फंड, पेंशन से वंचित रखा जाता है। ताकि उन्हें गुलाम तथा बंधुआ मजदूर बनकर उनका जमकर शोषण किया जा सके। इसके खिलाफ आगामी 5 अक्टूबर को लखनऊ के इको पार्क में एक विशाल संयुक्त आंदोलन आयोजित किया जा रहा है। जिसमें सभी कर्मचारी अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर सरकार से सरकारी कर्मचारी बनवाने की मांग रखी जाएगी। सभी आंगनबाड़ी कार्यकत्री एवं सहायिका वैलफेयर के कर्मचारियों को सरकार से सभी सुविधाएं मिलने लगे। सम्मेलन को संबोधित करने वालों में जिला उपाध्यक्ष एवं ब्लॉक अध्यक्ष बबीता देवी, रितेश कुमारी, मीरा रानी, पूजा देवी, अरुणा, शोभा, विमलेश, दीपिका, गुलरेज फातिमा आदि शामिल रही। सम्मेलन की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष पूनम विश्नोई ने की तथा संचालन जिला सचिव निशा चौधरी द्वारा किया गया।

उत्तर प्रदेश वरिष्ठ नागरिक समिति की मासिक बैठक

शाह टाइम्स संवाददाता

धामपुर। उत्तर प्रदेश वरिष्ठ नागरिक समिति की मासिक बैठक आयोजित हुई। जिसमें सदस्यों की समस्याओं पर विचार हुआ और एक कवि सम्मेलन आयोजित करने पर सहमति बनी।

पंजाबी कॉलोनी स्थित शिव मंदिर में बैठक आयोजित बैठक में सदस्यों की समस्याओं पर विचार विमर्श हुआ। 1 अक्टूबर को आर्य समाज मंदिर में कवि सम्मेलन आयोजित करने पर सहमति बनी। कवि सम्मेलन की रूपरेखा बनाई गई। डॉ. सारंगा देश असीम ने हिंदी दिवस होने पर सबको हिंदी का अधिक से अधिक प्रयोग करने और हिंदी अपनी मातृभाषा का प्रचार प्रसार करने का आह्वान किया। बैठक में राकेश चंद चमोली, जगदीश प्रसाद चौहान, डॉ. हरिक. ांत सुमन, शिव कुमार आदि ने विचार रखें। बैठक में यशपाल सिंह, एसके राजपूत, विनोद चांदना, देवेंद्र सिंह, संतोष कुमार, अनिल कश्यप, राम अवतार सिंह, राम सिंह सैनी, खजान सिंह, देवेंद्र सिंह, सतीश कुमार, कुसुम देवी, आदि शामिल रहे।

बैठक की अध्यक्षता धर्मेंद्र कुमार चौहान ने की और संचालन शिवकुमार ने किया।

क्रिसेंट में हिंदी दिवस पर कार्यक्रम

विद्यार्थियों ने बनाए पोस्टर व बैनर

शाह टाइम्स संवाददाता

चांदपुर। मुस्लिम फंड बसी किरतपुर द्वारा संचालित क्रिसेंट स्कूल ऑफ एक्सीलेंस में हिंदी दिवस बड़े उत्साह और धूमधाम से मनाया गया।

इस अवसर पर विद्यालय के विद्यार्थियों ने हिंदी भाषा के महत्व को उजागर करते हुए पोस्टर और बैनर बनाए। साथ ही बच्चों ने प्रभावी भाषण और मनमोहक कविताओं के माध्यम से हिंदी की महत्ता और उसकी उपयोगिता पर अपने विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में शैक्षणिक इंचार्ज शहजाद खान ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि हिंदी केवल भाषा नहीं बल्कि हमारी संस्कृति और पहचान की आत्मा है। हमें गर्व होना चाहिए कि हिंदी विश्व की सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषाओं में से एक है। आज की पीढ़ी को चाहिए कि वह हिंदी का सम्मान करे और इसके प्रयोग को बढ़ावा दे।

वहीं विद्यालय के प्राचार्य नदीम बख्त ने अपने उद्बोधन में कहा कि हिंदी हमारी मातृभाषा है और इसे अपनाकर ही हम अपनी जड़ों से जुड़े रह सकते हैं। विद्यार्थियों को चाहिए कि वे हिंदी के साथ-साथ अन्य भाषाओं का भी ज्ञान लें, लेकिन हिंदी को अपने जीवन में प्राथमिकता दें।

कार्यक्रम का सफल संचालन शिक्षिका सानिया ने किया। इस अवसर पर अब्दुल समद, सानिया, रजत, देवेंद्र, आसिम, जुबैर सहित समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

महाराजा दक्ष प्रजापति सेवा समिति का गठन

प्रजापति समाज की बैठक

शाह टाइम्स संवाददाता

धामपुर। प्रजापति समाज की एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से महाराजा दक्ष प्रजापति सेवा समिति संगठन का गठन किया गया।

बैठक में समाज की मजबूती और उन्नति के लिए कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा हुई। इनमें संगठन का विस्तार, समाज के योग्य व्यक्तियों को दायित्व देना, गरीब बच्चों की शिक्षा दिलाने के प्रयास, दहेज प्रथा को उपहार स्वरूप बदलने की पहल, समाज में तलाक की प्रवृत्ति पर अंकुश, गरीब परिवार की बेटियों की शादी में सहयोग और उनके सम्मान की व्यवस्था जैसे विषय प्रमुख रहे।

यह भी निर्णय लिया गया कि अगली बैठक में समिति के अध्यक्ष, महामंत्री और कोषाध्यक्ष सहित पदाधिकारियों का सर्वसम्मति से चयन किया जाएगा। अध्यक्षता ग्राम प्रधान श्री संजीव प्रजापति ने की, जबकि संचालन नीरज कुमार ने किया। इस अवसर पर पंकज दक्ष, बृजपाल सिंह, रवि प्रजापति, धर्मदेव, रंजीत सिंह, एडवोकेट लक्ष्मण सिंह, वीरेंद्र कुमार, डॉ. हिमांशु दक्ष, डॉ. अशोक, गौतम, डॉ. केशव, डॉ. कपिल, डॉ. रणवीर, आदित्य, ललित, राज. कुमार, मनिक, दीपक, धर्मेंद्र, मोनू, रवि कुमार, सतीश,नमित, सतपाल सिंह, अंकित, वीरेंद्र,नरदेव सहित प्रजापति समाज के लोग मौजूद रहे।

ग्राम सुन्दरा में लोजपा की बैठक

राशिद अल्वी बने जिला संगठन मंत्री

शाह टाइम्स संवाददाता

चांदपुर। ग्राम सुन्दरा में लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) की एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में अपना दल एस के पूर्व जिला उपाध्यक्ष राशिद अल्वी को लोजपा का जिला संगठन मंत्री बनाया गया। बरम सिंह की अध्यक्षता एवं डालचंद के संचालन में बैठक आयोजित हुई।

बैठक में पार्टी जिला अध्यक्ष रामनाथ सिंह द्वारा अपना दाल एस के कार्यकर्ताओं का फूल माला से स्वागत कर लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) की सदस्यता ग्रहण कराई।

इस अवसर पर लोक जनशक्ति पार्टी के प्रदेश महासचिव चौधरी धीर सिंह ने कहा कि जनपद में लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास का कारवां दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। बिजनौर के लोग पार्टी संस्थापक पूर्व कैबिनेट मंत्री भारत सरकार स्व. रामविलास पासवान एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष केंद्रीय मंत्री भारत सरकार चिराग पासवान की विचारधारा से प्रभावित होकर बढ़ चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि आने वाला कल लोकजन शक्ति पार्टी रामविलास का होगा।

ग्राम प्रधान राजकुमार ने कहा कि लोक जनशक्ति पार्टी सभी धर्म को साथ लेकर चल रही है, जो सभी व्यक्तियों का सम्मान करता है वही आगे की ओर बढ़ता है। जिला अध्यक्ष रामनाथ सिंह ने कहा कि लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास सभी धर्मों के गरीबों, मजदूरों, शोषितों की आवाज बुलंद कर अपनी एक नई पहचान बना चुकी है। हर वर्ग के लोग पार्टी से जुड़कर अपने को सुरक्षित महसूस कर रहे है।

लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास आने वाले पंचायत चुनाव में ज्यादा से ज्यादा अपने ग्राम प्रधान, बीडीसी सदस्य, जिला पंचायत सदस्य को चुनाव लड़ाकर उन्हें जिताने का काम करेगी।

इस अवसर पर राशिद अल्वी के साथ अपना दल एस के पार्टी कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी ने लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास की सदस्यता लेने वालों में मौहम्मद सत्तार, विक्रम सिंह सैनी, शंकर सिंह, संजू सिंह सिंघानिया, त्रिलो. की सिंह, इलियास अहमद, शहाब. ुद्दीन अली, शेर जाहिद, राहुल कुमार, गंगाराम, दलपति, प्रियांशु कुमार, हिमांशु कुमार, छत्रपाल सिंह, जसराम सिंह सैनी, शो सिंह, नूर हसन, शिवेंद्र सिंह, तुलाराम सिंह, आसाराम भगत जी, रमेश, जयपाल सिंह सहित लगभग तीन दर्जन लोग शामिल रहे। सदस्यता ग्रहण करने वालों ने कहा कि वे सभी लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए तन मन धन से कार्य करेंगे।

हिंदी दिवस पर काव्य गोष्ठी

शाह टाइम्स संवाददाता

हल्दौर। नगर में स्थित एक बैंक्वेट हॉल में हिंदी दिवस के उपलक्ष पर बीती देर शाम रोटरी क्लब द्वारा एक भव्य काव्य गोष्ठी का आयोजन किया। कवियों को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया।

गोष्ठी में नगर व आसपास क्षेत्रों से पहुंचे प्रसिद्ध कवि सियाराम, प्रमोद कुमार, जितेंद्र मारवाड़ी, प्रवीण रस्तोगी, अनुज मारवाड़ी, हेमचंद राणा एवं राजीव शरण शर्मा ने अपनी-अपनी काव्य रचनाओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे क्लब के अध्यक्ष नवीन कुमार एडवोकेट ने नागरिकों से हिंदी में कामकाज करने की अपील की।

उन्होंने सरकार से हिंदी को राष्ट्रभाषा का दर्जा देने की मांग की। इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक अशोक चौहान, सचिव अनूप अग्रवाल, अमित सिंह, अनिल सिंह, देवेंद्र रस्तोगी, धर्मेंद्र रस्तोगी, गुलजारी लाल मारवाड़ी, संदीप रस्तोगी, भवानी प्रसाद, संजय रस्तोगी, अरुण शर्मा एवं सुशांत एरन आदि मौजूद रहे।

एक नजर

राष्ट्र निर्माण में हिंदी की भूमिका

बिजनौर। हिंदी भारत की बहुभाषी आबादी को जोड़ने वाली एक संपर्क भाषा है। यह भाषा साहित्य, मीडिया और विज्ञान के माध्यम से देश की सामाजिक संस्कृति के सभी तत्वों को व्यक्त करने का माध्यम बनती है। राष्ट्र के निर्माण में हिंदी की महत्वपूर्ण भूमिका है। सांस्कृतिक संपर्क स्थापित करना, राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देना तथा सरकारी व सामाजिक कार्यों में एक समान माध्यम के रूप में कार्य करना। हिंदी भारत की संस्कृति, परंपराओं और मूल्यों की संवाहक है, जो भारत की विविधता को एक सूत्र में पिरोती है। यह राष्ट्रीय एकता और राष्ट्रीय निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हुई विभिन्न संस्कृतियों को एक सूत्र में बांधकर चलती है। यह बात स्मरण रहनी चाहिए कि भाषा वही जीवित रहती है, जिसका प्रयोग आमजन द्वारा उत्साह पूर्वक और सहजता से किया जाता है। देखा जाए तो हिंदी भाषा ऐसी भाषा है जो इस कसौटी पर पूरी उतरती है। यह मौलिक चिंतन का सृजन करती है। राजनीतिक, व्यावसायिक एवं आध्यात्मिक सफलता के लिए हिंदी का ज्ञान अत्यंत आवश्यक है। स्वामी दयानंद सरस्वती ने कहा था, 'हिंदी के द्वारा सारे भारत को एक सूत्र में पिरोया जा सकता है।' भारतीय लोक जीवन की एकात्मकता हिंदी से ही संभव है। प्राय: देखा जाता है कि साहित्य के क्षेत्र में भी हिंदी केंद्रीय भाषा के रूप में विकसित हुई है। आज सभी भारतीय भाषाओं का सबसे ज्यादा साहित्य हिंदी में ही उपलब्ध है। आज हम यह भी देखते हैं कि राष्ट्रीय निर्माण की प्रक्रिया में बहुभाषी लोगों का एक बड़ा हिस्सा अपनी-अपनी भाषा में ही बात कर रहा है। यह एक बेहतर प्रक्रिया है और इसका प्रयोग राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में अर्थपूर्ण तरीके से किया जाना चाहिए। हिंदी भाषा हम सभी के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि जब भी कोई कार्य अपनी मूल भाषा में किया जाता है तो उसे समझना आसान हो जाता है। सही अर्थों में कहा जा सकता है कि यदि हम अपनी हिंदी का प्रचार-प्रसार करें तो निश्चित ही सभी भारतीयों को एकता के सूत्र में बांधा जा सकता है ।

घर में घुसकर हमला कर रहा गुलदार

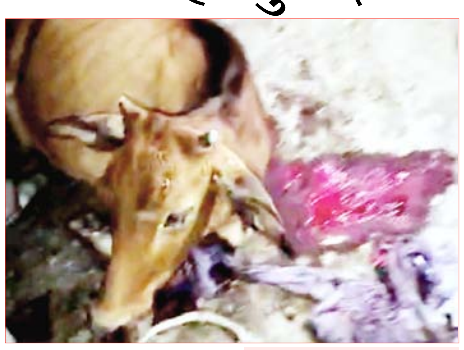

वन विभाग से पिंजरा लगवाने की मांग

शाह टाइम्स संवाददाता

हल्दौर। कस्बे के निकटवर्ती गांव बाटपुरा में गुलदार के हमले से दहशत का माहौल बन गया। बीती रात आबादी क्षेत्र के पास एक मकान के बाहर बंधी बछिया पर गुलदार ने हमला कर उसे बुरी तरह घायल कर दिया।

ग्रामीणों के अनुसार गांव निवासी मामराज शर्मा के घर के बाहर बछिया बंधी हुई थी। अचानक गुलदार ने धावा बोलकर उस पर हमला कर दिया। बछिया के दर्द भरे रंभाने की आवाज सुनकर परिजनों ने शोर मचाते हुए अन्य ग्रामीणों को सूचना दी। देखते ही देखते मौके पर लाठी-डंडे लेकर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। शोरगुल सुनकर गुलदार मौके से भागकर जंगल की ओर चला गया। हमले में घायल हुई बछिया का उपचार कराया गया है। घटना के बाद से गांव में भय और चिंता का माहौल है।

ग्रामीण रोहित कुमार, सोहित कुमार, जोगिंदर सिंह, मुकेश शर्मा, राकेश शर्मा, दीपक कुमार आदि ने बताया कि इस घटना से गांव के लोग सहमे हुए हैं। उन्होंने वन विभाग के उच्च अधिकारियों को सूचना देकर इलाके में पिंजरा लगवाकर गुलदार को पकड़ने की मांग की है।

पूर्व राज्यपाल सतपाल मलिक को दी श्रद्धांजलि

कोतवाली देहात। अखिल भारतीय जाट आरक्षण संघर्ष समिति के तत्वाधान में ग्राम बरूकी स्थित एक बैंकट हॉल में पूर्व राज्यपाल सतपाल मलिक की श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। श्रद्धांजलि सभा से पूर्व हवन यज्ञ किया गया। श्रद्धांजलि सभा में क्षेत्र के जाट समुदाय के लोगों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष अमन सिंह ने कहा कि सतपाल सिंह पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के अनुयाई रहे। वह किसानों और मजदूरों के हमदर्द और किसानों की आवाज को बुलंद करते रहे।श्रद्धांजलि सभा में बड़ी संख्या में पहुंचे किसानों ने सरकार द्वारा पूर्व राज्यपाल को कोई भी मान सम्मान ना दिए जाने की निंदा की। इस अवसर पर सतपाल मलिक के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। इस दौरान नितिन मौर्य, विकुल मलिक, सुरेश आर्य, गजेंद्र सिंह, चरण सिंह, विनीत मौर्य, धर्मवीर सिंह, रूपेंद्र सिंह देवेंद्र सिंह, मास्टर नरेश कुमार, डा. पुखराज सिंह मलिक, चौधरी कुंवर सिंह तोमर आदि मौजूद रहे।

हिन्दी दिवस पर वाद-विवाद प्रतियोगिता

गौरी त्यागी रही प्रथम स्थान पर

शाह टाइम्स ब्यूरो

बिजनौर। कृष्णा कॉलेज के वाणिज्य व प्रबंधन विभाग में हिन्दी दिवस के उपलक्ष में वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का शुभारम्भ कॉलेज प्रबंधक निदेशक राजीव कुमार, चेयरमैन मनोज कुमार, निदेशक पवन कुमार व निदेशक योजना व विकास डा. एस.सी जैन व कॉलेज प्राचार्या डा. सीमा शर्मा के द्वारा विद्या की देवी मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्जवलित करके किया गया।

कार्यक्रम में प्रतिभागी छात्र-छात्राओं ने हिन्दी हमारी राष्ट्र भाषा या राज भाषा के संदर्भ में अपने विचार व्यक्त किये। जिसमें छात्र-छात्राओं ने हिन्दी हमारी राष्ट्र भाषा के पक्ष में अपने विचार रखते हुए कहा कि प्रति वर्ष 14 सितंम्बर को भारत में हिन्दी दिवस मनाया जाता हैं। वर्ष 1918 में गांधी जी ने हिन्दी साहत्य सम्मेलन में हिन्दी भाषा को राष्ट्र भाषा बनाने के लिए कहा था और 14 सितंम्बर 1949 के दिन सविधान सभा में एक मत से यह निर्णय लिया गया कि हिन्दी भारत की राज भाषा होगी, जिसके सम्बंध में भारतीय सविंधान में अनुछेद 343 से 351 तक प्रावधान किये गये है। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने हिन्दी हमारी राष्ट्र भाषा के विपक्ष में कहा कि हमारी देश की एक बड़ी सच्चाई भी हैं कि उत्तर-पूर्व में हिन्दी उतनी गहराई से नहीं बोली जाती। अगर हम हिन्दी को राष्ट्रभाषा बना देंगें तो वहां के लोगों को लगेगा कि उनकी भाषा और उनकी पहचान को नज़रअंदाज़ किया जा रहा है। यह स्थिति हमें जोड़ने की बजाय दूरियां पैदा कर सकती है।

कार्यक्रम के अंत मे निर्यणक मंडल ने निर्णय देते हुए बताया कि गौरी त्यागी ने प्रथम स्थान, गुड़ीन ने द्वितीय तथा अमनदीप कौर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। निर्णायक मंडल की भूमिका बी.टी.सी. विभाग अध्यक्षा श्रीमति दीपशिखा अग्रवाल, गृह विज्ञान कि विभाग अध्यक्षा डा. शालिनी शर्मा व बी. एड विभाग के सहायक प्रवक्ता सुनील चौहान ने निभाई।

कार्यक्रम का संचालन छात्र नैनसी राजपूत व रिया चौधरी ने सयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में वाणिज्य विभाग के विभाग अध्यक्ष मंदीप चिकारा, सूरज शर्मा, नीरज अपरवाल, नूतन चौधरी व प्रियंका राजन अग्रवाल का विशेष योगदान रहा।

हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन

धामपुर। सात बार सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। उसके बाद भजनों के माध्यम से बजरंगबली बाबा का गुणगान किया गया। नगीना रोड स्थित साकेत विहार कॉलोनी में सुनील चौहान के आवास पर श्रीमद् हनुमत भक्ति प्रचार मंडल द्वारा सात बार सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। उसके बाद भजनों के माध्यम से बजरंगबली बाबा का गुणगान किया गया। भजन राम जी की निकली सवारी, रामजी की लीला है न्यारी, यह भजन सबको खूब पसंद आया सब ने तालियां बजाकर उत्सववर्धन किया। अंत में संस्था द्वारा आयोजक परिवार को श्रीराम दरबार चित्र भेंट कर सम्मानित किया गया। आयोजक परिवार में रंजना देवी, सुनील चौहान, गायत्री देवी, यशी चौहान, विजयपाल सिंह, नागेंद्र कुमार, दिवाकर सिंह, कोमल देवी आदि शामिल रहे। श्रीमद् हनुमत भक्ति प्रचार मंडल से अध्यक्ष अरुण अग्रवाल, रामप्रकाश वर्मा, मनोज रस्तोगी, सुनील चौहान, प्रीतम सैनी, संदीप भारद्वाज, नंदकिशोर रस्तोगी, सर्वेश गिरी आदि शामिल रहे। अंत में बजरंगबली बाबा की आरती कर प्रसाद वितरित किया गया सब ने प्रसाद ग्रहण कर धर्म लाभ उठाया।

पटाखा फैक्ट्री में आग लगने से हड़कंप

श्रमिक फैक्ट्री से सुरक्षित बाहर निकले, अधबने पटाखे जलकर राख

शाह टाइम्स संवाददाता

नहटौर। पटाखा फैक्ट्री में आग लगने से हड़कंप मच गया। कर्मचारियों ने आनन-फानन में पानी व फायर सिलेंडर से आग पर काबू पाया। आग लगने से अधबने पटाखे जल गए।

प्राप्त समाचार के अनुसार रविवार की दोपहर करीब 12 बजे अचानक नहटौर के नूरपुर मार्ग पर गांव आंकू में स्थित पटाखा फैक्ट्री में आग लग गई। बताया जाता है कि बने हुए पटाखे के पैकेट में अचानक आग लग गई। काम कर रहे श्रमिक सुरक्षित फैक्ट्री से बाहर निकल गए। फैक्ट्री में कर्मचारियों ने फायर सेफ्टी सिलेंडर व पानी से आग को बुझा दिया। सूचना पर फायर ब्रिगेड व स्थानीय पुलिस भी मौके पर पहुंची। थानाध्यक्ष धीरज नागर का कहना है कि मौके का मुआयना किया है। कोई जनहानि नहीं होना बताया गया है। सीओ अभय कुमार पांडेय ने भी मौके पर पहुंचकर मुआयना किया है।

एक नजर

थाने के सामने आत्महत्या का प्रयास

स्योहारा। पुलिस की कार्यवाही और महिला से परेशान युवक अर्जुन पुत्र मनोज चंद्रा निवासी बड़ा बाजार निकट ठाकुर मंदिर के पास थाने पहुंचा और पेट्रोल की बोतल लेकर अपने ऊपर पेट्रोल छिड़ककर आग लगाकर आत्महत्या करने का प्रयास करने लगा। मौके पर मौजूद सिपाही अमित भाटी, हरपाल सिंह व ब्रजपाल सिंह प एक दरोगा फौरन सक्रिय हुए और युवक के हाथ से माचिस छीनकर उसे बचा लिया। इसके बाद उसे थाने में हिरासत में लिया। अर्जुन ने बताया कि वह कुछ दिनों से मानसिक रूप से परेशान था। उसके मुताबिक उसके विरुद्ध एक महिला ने छेड़छाड़ से संबंधित तहरीर दी हुई थी और पुलिस बार-बार उसके घर आकर उसे परेशान कर रही थी। अर्जुन ने कहा कि उसकी कहीं सुनवाई नहीं हो रही थी। इसी मानसिक कष्ट के कारण उसने यह कदम उठाया। बताया जा रहा है कि अर्जुन के पिता स्व. मनोज कुमार चंद्रा का उस महिला से कुछ कर्ज है। मनोज कुमार की मृत्यु के बाद महिला ने कर्ज की वसूली की मांग की और कुछ समय से इसी बात को लेकर विवाद चल रहा था। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है।

पशु के अवशेष मिलने से सनसनी

जलालाबाद। बाईपास पर नहर की पटरी के किनारे पशु के अवशेष मिलने से सनसनी फैल गई। बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने पुलिस को जानकारी दी। अवशेषों के पास काटने के औजार व एक रस्सी पड़ी हुई देखी गई। घटनास्थल पर पुलिस क्षेत्राधिकारी नीतीश कुमार, थाना प्रभारी आदि पहुंचे। उन्होंने पशु के अवशेषों को फोरेंसिक जांच के लिए भेज दिया है। जांच रिपोर्ट के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी कि किस पशु के यह अवशेष हैं। विश्व हिंदू परिषद के नजीबाबाद प्रखंड मंत्री अजय बजरंगी, पीयूष बजरंगी प्रखंड संयोजक बजरंग दल ने उचित कार्यवाही की मांग की। प्रखंड उपाध्यक्ष अरविंद, प्रखंड सहमंत्री चन्द्र, नगर सह संयोजक दीपक, प्रखंड सुरक्षा प्रमुख आदित्य चौहान, प्रखंड सह गौ रक्षा प्रमुख गजेन्द्र, प्रखंड साप्ताहिक मिलन प्रमुख कृष्णा, प्रखंड सह साप्ताहिक मिलन प्रमुख सुशील, प्रखंड सह विद्यार्थी प्रमुख सोंटी, प्रखंड बलोंपासना प्रमुख सचिन, गौरव, पुलकीत, नमन, सौरव, मागे, नितीश, नीरज राठौर आदि मौजूद रहे।

सपा की मासिक बैठक पहले शनिवार को

बिजनौर। सपा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने बताया कि अब प्रदेश में सभी जिला व महानगर कार्यालयों पर सपा की मासिक बैठक प्रत्येक माह के प्रथम शनिवार को अनिवार्य रूप से आयोजित होगी। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि सभी जिलाध्यक्ष व महानगर अध्यक्ष बैठक की प्रगति रिपोर्ट एवं उपस्थिति प्रदेश कार्यालय को प्रेषित करेंगे।

कलश यात्रा निकाली

हल्दौर। गांव हरदासपुर गढ़ी में सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ कलश यात्रा के साथ बड़े हर्षोल्लास और श्रद्धा-भक्ति के वातावरण में हुआ। गांव निवासी सुरेश चौहान के निज आवास पर आयोजित इस कथा में श्रीधाम पुष्पावती पीठ से पधारे कथा व्यास पंडित रामकृष्ण दास महाराज ने विधिविधानपूर्वक पूजा-अर्चना कर कथा का शुभारंभ किया।

निर्माणाधीन होटल का लिंटर गिरा

मलबे की चपेट में आकर एक राजमिस्त्री घायल

शाह टाइम्स संवाददाता

नहटौर। नूरपुर मार्ग पर गांव समसपुर के पास बन रहे होटल का लिंटर डालने के दौरान अचानक ढुल्ले की सपोर्ट टूटने पर लिंटर भर भराकर गिर गया। मलबे की चपेट में आकर एक राजमिस्त्री घायल हो गया। घायल को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

प्राप्त समाचार के अनुसार गांव सिजौली निवासी निगम कुमार नहटौर-नूरपुर मार्ग पर गांव समसपुर के सामने होटल बना रहे है। बताया जाता है कि रविवार की दोपहर करीब दो बजे लिंटर डाला जा रहा था। अचानक लिंटर के ढुल्ले की सपोर्ट टूटने पर लिंटर भर भराकर गिरने लगा। अधिकांश लिंटर पर डाला जा चुका था। लिंटर गिरने के दौरान हड़कंप मच गया। गांव खेतापुर निवासी राजमिस्त्री टिंकू मलबे की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गया। लिंटर गिरने से मालिक का लाखों रुपए का नुकसान हो गया। घायल टिंकू को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। लिंटर गिरने के दौरान हड़कंप मच गया। आनन फानन में मजदूरों ने कूदकर अपनी जान बचाई। कई मजदूर बाल-बाल बच गए। मालिक निगम कुमार का कहना है कि वह मौके पर नहीं थे। लिंटर गिरने के बाद उन्हें पता चला। वह मजबूत सपोर्ट के लिए कहकर गए थे। थानाध्यक्ष धीरज नागर का कहना है कि मामला जानकारी में नहीं है।

हिंदी का भविष्य उज्जवल: डॉ. अनिल

ओपन डोर कार्यालय में कार्यक्रम

शाह टाइम्स ब्यूरो

बिजनौर। वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. अनिल शर्मा अनिल ने कहा है कि हिंदी का भविष्य उज्जवल है।

प्राप्त समाचार के अनुसार नजीबाबाद में ओपन डोर प्रकाशन समूह कार्यालय पर हिंदी दिवस के अवसर पर साहित्यिक समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता राज्यपाल पुरस्कार से सम्मानित सुधीर कुमार राणा ने की और संचालन अमन कुमार ने किया। धामपुर से आए साहित्यकार व शिक्षक डॉ. अनिल शर्मा 'अनिल' और गीतकार नरेंद्र जीत 'अनाम' मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे। जबकि डाइट चांदपुर की प्रवक्ता निशा रानी विशिष्ट अतिथि रही। डॉ. अनिल शर्मा 'अनिल' ने कहा कि हिंदी बहुत तेजी से बढ़ रही है और हिंदी का भविष्य उज्ज्वल है। नरेंद्र जीत 'अनाम' ने कहा कि हम सब का कर्तव्य है कि हिंदी को विस्तार देने के लिए पूर्ण सहयोग करें और बिना झिझक हिंदी में बात करें।

मुख्य वक्ता ताहिर महमूद ने कहा कि हिंदी बहुत प्यारी भाषा है। हिन्दी भाषा में जो लिखा जाता है, वही पढ़ा और बोला जाता है। उन्होंने कहा कि हिंदी को बढ़ावा दिया जाना चाहिए।

सरकारी व न्यायिक कामकाज में भी हिंदी का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। हिंदी का इस्तेमाल कर गर्व महसूस किया जाना चाहिए। इस अवसर पर डॉ. अनिल शर्मा 'अनिल', नरेन्द्र जीत 'अनाम', सुधीर कुमार राणा, ताहिर महमूद, अमित त्यागी, संदीप कुमार, विनोद भगत आदि को ओपन डोर प्रकाशन समूह के प्रधान संपादक अमन कुमार ने सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में मंजू त्यागी, अक्षि त्यागी, तन्मय त्यागी, डोली, राधा आदि की उपस्थिति रही।

ताइक्वांडो कलर बेल्ट टेस्ट प्रतियोगिता

17 स्कूलों के खिलाड़ियों ने किया प्रतिभाग

शाह टाइम्स संवाददाता

नहटौर। एसएनएसएम इंटर कॉलेज में ताइक्वांडो कलर बेल्ट टेस्ट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी पूनम राणा द्वारा फीता काटकर किया गया।

प्राप्त समाचार के अनुसार प्रतियोगिता में विभिन्न स्कूलों से 17 खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। जिसमें एम.टी.सी.ए कॉन्वेंट स्कूल से मुआविया, अबुजर, मौहम्मद खिजर, याहिया, मौहम्मद हमजा अंसारी ने येलो बेल्ट, एस.एन.एस.एम. इंटर कॉलेज से अनस ने ग्रीन बेल्ट, मिशु ने ब्लू बेल्ट, सुनैना ने रेड वन बेल्ट, वी.के. इंटरनेशनल स्कूल से रदीत ने येलो बेल्ट, ऑक्सफोर्ड पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल से रीवा भारती ने ग्रीन बेल्ट, एम.के.डी. अग्रिम एकेडमी से दक्ष खेडेवाल ने येलो बेल्ट, बलराम कुंवर पब्लिक स्कूल से श्रद्धा दक्ष ने ग्रीन वन बेल्ट, बलराम कुंवर सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज से वेदांश शर्मा ने ग्रीन बेल्ट, ए.वी.बी. पब्लिक स्कूल से मौहम्मद उमेर ने ब्लू वन बेल्ट, एच.एम.एफ. रिगल से रययान सैफी ने येलो बेल्ट, स्कॉलर्स से वशं ने येलो बेल्ट, गुरु तेग बहादुर पब्लिक स्कूल से अर्ष उसमानी ने ग्रीन वन बेल्ट प्राप्त की। नहटौर ताइक्वांडो स्पोर्ट्स एकेडमी के कोच एवं नेशनल रेफरी चमन सैनी ने बताया कि नहटौर क्षेत्र में नहटौर ताइक्वांडो स्पोर्ट्स एकेडमी एकमात्र ऐसी एकेडमी है, जो एसोसिएशन द्वारा मान्यता प्राप्त है। जिसमें उपरोक्त सभी खिलाड़ियों को उत्तर प्रदेश ताइक्वांडो कमेटी द्वारा कलर बेल्ट टेस्ट प्रतियोगिता के मान्यता प्राप्त प्रमाण पत्र दिए जाएंगे।

मुख्य अतिथि पूनम राणा ने सभी खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि मार्शल आर्ट सीखने से शरीर स्वस्थ रहता है, रोग मुक्त रहता है और विपरीत परिस्थितियों में हम अपनी आत्मरक्षा भी कर सकते हैं और इसके साथ-साथ आजकल खिलाड़ी राज्य, राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेल कर मेडल प्राप्त कर रहे हैं जिसका लाभ वह विभिन्न प्रकार की सरकारी नौकरियां प्राप्त करके ले रहे हैं और अपने देश का नाम भी ऊंचा कर रहे हैं।

उन्होंने अपने संबोधन में बताया कि आज की स्थिति को देखते हुए प्रत्येक बेटी महिला को अपनी पढ़ाई शिक्षा के साथ-साथ मार्शल आर्ट का प्रशिक्षण भी लेना चाहिए।

मुख्य अतिथि पूनम राणा, डिस्ट्रिक्ट बिजनौर ताइक्वांडो एसोसिएशन के सचिव राजू राजपूत तथा एस.एन.एस.एम. इंटर कॉलेज नहटौर के प्रबंधक दर्पण त्यागी ने सभी खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

मुकुल अग्रवाल व्यापार मंडल के प्रदेश महामंत्री निर्वाचित

पश्चिमी उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल का प्रांतीय चुनाव व व्यापारी महासम्मेलन

शाह टाइम्स ब्यूरो

बिजनौर। पश्चिमी उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल (पंजी.) के प्रांतीय चुनाव में रवि प्रकाश अग्रवाल एक बार फिर प्रदेश अध्यक्ष एवं कार्यक्रम संयोजक मुकुल अग्रवाल प्रदेश महामंत्री निर्वाचित हो गए है।

प्राप्त समाचार के अनुसार जजी के समीप एक बैंकट हॉल में आज पश्चिमी उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मण्डल पंजी. का प्रान्तीय चुनाव व व्यापारी महासम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष रवि प्रकाश अग्रवाल ने की एवं संचालन मुकुल अग्रवाल ने किया। कार्यक्रम के मुख्य रूप से प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह एवं नरेंद्र कश्यप राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार उपस्थित रहें।

मंत्री धर्मपाल सिंह ने कहा कि सरकार ने बहुत सी वस्तुओं पर जीएसटी समाप्त कर दिया है तथा जीएसटी दरों मे कटौती करते हुए 5 प्रतिशत व 18 प्रतिशत कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि व्यापारी देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ होती है। व्यापारियों की समस्याओं पर बातचीत कर के उन सभी का समाधान किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि व्यापारी अपनी समस्याओं को लेकर उनसे कभी भी मिल सकते है। व्यापारियों को लिए उनके घर के दरवाजे सदैव खुले है।

उन्होंने कहा कि सरकार व्यापारियों की समस्याओं को गंभीरता से लेती है। देश व प्रदेश के विकास में व्यापारियों का अहम योगदान है।

प्रान्तीय चुनाव के मुख्य चुनाव अधिकारी एसके सक्सेना व सह चुनाव अधिकारी विनीत राजपूत, सुधीश पाण्डेय, अशोक बाटला, सरदार सतवंत सलूजा व अमरीश जिंदल ने पूरी निर्वाचन प्रकिया कराते हुए रवि प्रकाश अग्रवाल को एक बार फिर प्रदेश अध्यक्ष, मुकुल अग्रवाल को प्रदेश महामंत्री, कृष्ण मुरारी खण्डेलवाल को प्रदेश कोषाध्यक्ष निर्वाचित किए जाने की घोषणा की। अन्य पदाधिकारियों की भी घोषणा की गई। व्यापारी महासम्मेलन में व्यापारियों की समस्याओं को जोर-शोर से उठाया गया। सम्मेलन में मुरादाबाद मंडल के प्रभारी जावेद रहमान शम्सी, प्रदेश महामंत्री महिला श्रीमती मोनिका यादव, प्रदेश प्रभारी युवा तसलीम अहमद इदरीसी, सभासद दीपक गर्ग मोनू, प्रदेश के वरिष्ठ संगठन मंत्री राजन टण्डन गोल्डी, प्रशांत गुप्ता, अंकुर जैन आदि मौजूद रहे। सम्मेलन में कई हस्तियों को सम्मानित किया गया।

10-10 सीटो पर नि:शुल्क प्रवेश

विवेक विश्वविद्यालय बिजनौर द्वारा उत्तर प्रदेश के सभी धर्म व जातियों के आर्थिक रूप से कमजोर एवं मेधावी छात्र / छात्राओं के लिए निम्नलिखित पाठ्यक्रमो में 10-10 सीटो पर नि:शुल्क प्रवेश किया जाना निश्चित किया है। अपने सभी दस्तावेज सहित विश्वविद्यालय परिसर में सम्पर्क करें।
आवेदन हेतू अंतिम तिथि 23 अगस्त 2025 है।

B.Tech (CS)	MBA
BCA	MCA
BBA	LLB
B.Com	LLM
BA LLB	M.TECH.
B.Sc Microbiology	MSW
B.Sc. Computer Sc.	M.Sc. Home Sc.
B.Sc Home Sc.	MA Education
B.Sc Physics I Chemistry I Maths Botany I Zoology	

www.vivekuniversity.ac.in
VIVEK UNIVERSITY, BIJNOR
Moradabad Road, Bijnor (U.P.) 246725
CALL NOW: 9837324210, 9927026893

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
'शाह टाइम्स'
की शत-प्रतिशत गारंटी
खबरें छुपाता नहीं, छापता है
मोबाइल नम्बर:- 9927777377
samiullah.bijnor@gmail.com

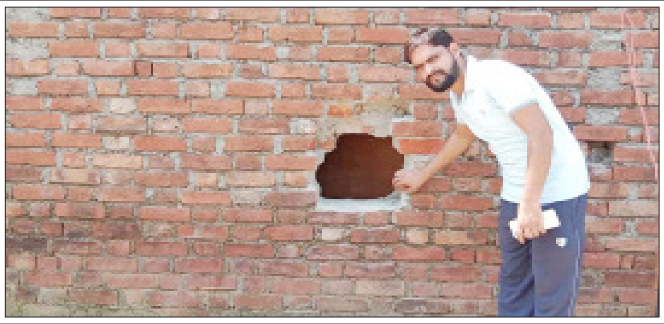

सम्भल- कैलादेवी थाने से 500 मीटर की दूरी पर कूमल लगाकर हुई चोरी की जानकारी देता युवक।

मायके में रह रही महिला ने लगाई फांसी

शाह टाइम्स ब्यूरो

सम्भल। कैला देवी थाना क्षेत्र शकरपुर गांव में अपने मायके में रह रही महिला ने घर में ही फांसी का फंदा डालकर आत्महत्या कर ली। परिजनों ने बिना किसी कार्यवाही के ही अंतिम संस्कार कर दिया। थाना क्षेत्र के शकरपुर गांव निवासी राजवीर ने अपनी बेटी मिनकिया (23) की शादी नोएडा में की थी। जहां पति से विवाद के चलते लगभग वर्ष भर से अपने मायके में रह रही थी। महिला के पिता

○ पति ने अनबन के चलते मयके में रह रही थी विवाहिता

की भी बीते समय में मौत हो गई थी। अपने भाइयों के घर रह रही थी। महिला आए दिन तनाव में रहती थी। उसने घर में ही फांसी का फंदा डालकर महिला ने आत्महत्या कर ली। परिजनों ने बिना किसी कार्यवाही के ही शव का अंतिम संस्कार कर दिया। महिला के एक बेटी भी है।

सम्भल- रफतुल्ला उर्फ नेता छिद्दा के आवास पर बसपा की बैठक में बोलते डा. रणविजय सिंह।

थाने से 500 मीटर की दूरी पर दुकानों में कूमल लगाकर लाखों की चोरी

शाह टाइम्स ब्यूरो

सम्भल। कैला देवी थाने से लगभग 500 मीटर की दूरी पर चोरों ने कूमल लगाकर दो दुकानों को निशाना बनाते हुए 2 लाख रुपए से अधिाक की नगदी चोरी कर ली। दुकान संचालकों को इसकी सूचना सुबह दुकान पर जाकर हुई। सूचना पर कैला देवी थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई तथा जांच पड़ताल की। दोनों दुकान संचालकों द्वारा पुलिस को तहरीर दी गई । जहां पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

थाना क्षेत्र में चोरों के हौसले बुलंद हैं। दो दिन पहले थाना क्षेत्र के ही खिरनी मार्केट में बनी दुकान से दिनदहाड़े डेढ़ लाख रुपए की नकदी चोरी कर ली थी। इसके अलावा शनिवार मध्य रात्रि चोरों ने कैला देवी स्थित जन सेवा केंद्र तथा बीज भंडार की दुकान से 2 लाख से अधिाक की नकदी चोरी कर ली। थाना क्षेत्र के ही कैलमुंडी गांव निवासी भल्लू सिंह पुत्र श्रीपाल कैला देवी पर जन सेवा केंद्र चलाता है। लगभग थाने से 500 मीटर व चौराहे से कुछ ही मीटर की दूरी पर दुकान संचालित है। इसके अलावा कैलमुंडी गांव निवासी जयप्रकाश पुत्र ओमपाल की खाद एवं बीज भंडार की दुकान बालाजी बीज भंडार के नाम से संचालित है। जयप्रकाश शनिवार शाम को अपनी दुकान बंद करके घर चला गया था तो वहीं भल्लू सिंह भी अपनी दुकान बंद कर अपने घर चला गया था। रविवार सुबह आकर देखा तो दुकान में कूमल लगा हुआ था। जयप्रकाश द्वारा एक दिन पहले किसानों के लिए कुछ सामान मंगवाने के लिए रुपए अपनी दुकान में ही रख दिए गए थे। जहां दुकान में 1. 50 लाख रुपए की नगदी एक बैग में रखी हुई थी तथा कुछ रुपए गल्ले में पड़े हुए थे। दुकान में जाकर सुबह देखा तो रूपयों से भरा बैग गायब था। लेकिन अन्य कोई सामान चोरी नहीं किया गया था। इसके साथ ही भल्लू सिंह के जन सेवा केंद्र से भी पीछे से कूमल लगाया गया। जहां उसकी दुकान में 70 हजार रुपए रखे हुए थे, जो चोरी कर लिए गए। रविवार सुबह सूचना पर कैला देवी थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई। दोनों दुकान संचालकों से जानकारी की तथा घटनास्थल का निरीक्षण करते हुए जांच पड़ताल की। दुकान संचालक जयप्रकाश तथा भल्लू सिंह द्वारा पुलिस को तहरीर दी गई । जहां तहरीर के आधाार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। थाना प्रभारी सौरभ त्यागी ने बताया कि चोरी की तहरीर प्राप्त हुई थी। मौके पर पुलिस ने भी जांच पड़ताल की है। जहां तहरीर के आधाार पर अज्ञात चोरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई।

कुराश प्रतियोगिता में लहराया सागर ने परचम

शाह टाइम्स ब्यूरो

सम्भल। भारतीय कुराश संघ द्वारा दिनांक 10 से 12 सितंबर तक छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर स्थित अग्रसेन धाम में राष्ट्रीय कुराश प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में देश भर की विभिन्न राज्यों की टीमों ने हिस्सा लिया। उत्तर प्रदेश की ओर से त्यागी स्पोर्ट्स स्कूल, कल्याणपुर एवं माता राजकली देवी कन्या गुरुकुल, कल्याणपुर के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने भी भागीदारी की। बालक वर्ग के 25 किलोग्राम भार वर्ग में अभय सागर, पुत्र महेंद्र सिंह निवासी खानपुर खुम्मार ने स्वर्ण पदक गोल्ड मेडल जीतकर गांव व जिले का नाम रोशन किया।

मान्यवर कांशीराम की पुण्यतिथि पर बसपा दिखाएगी ताकत

शाह टाइम्स ब्यूरो

सम्भल। विस चुनाव से प्रदेश की सत्ता में अपनी धाक जमाने को बसपा हाइकमान ने अपने तेवर दिखाने शुरू कर दिये है। पुराने क्लेवर में लौट रही बसपा संस्थापक के परिनिर्वाण दिवस पर अपनी ताकत का अहसास लखनऊ रैली में करायेगी। इसे लेकर संगठन की ओर से प्रयासों को तेज कर दिया है साथ ही बैठक का आयोजन कर लाखों की संख्या में लखनऊ पहुंचने पर ज़ोर दिया गया।

गवां रोड चौधरी सराय स्थित बसपा के पूर्व प्रत्याशी हाजी रफतुल्ला उर्फ नेता छिददा के आवास पर आयोजित समीक्षा बैठक में मंडल कोआर्डिनेटर डा. रणविजय सिंह ने बसपा के संस्थापक मान्यवर कांशीराम के परिनिर्वाण दिवस पर 09 अक्टूबर को राज्य व्यापी विशाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। मान्यवर कांशीराम स्मारक स्थल लखनऊ में होने वाले इस विशल कार्यक्रम में बसपा की मुखिया बहन कु. मायावती मुख्य अतिथि रहेंगी और विशाल रैली को सम्बोधित करेंगी। उन्होने बैठक में मौजूद कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों से आगामी माह नौ अक्टूबर को होने वाली विशाल रैली में भाग लेने और अपनी पार्टी का ताकत का अहसास कराने को अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने पर ज़ोर दिया। पूर्व प्रत्याशी नेता छिददा ने कहा कि आगामी समय बसपा का है। बसपा के पिछले शासन को देखते हुए प्रदेश की जनता ने बसपा को सत्ता में लौटाने का मन बना लिया है। उन्होने नौ अक्टूबर को होने वाली विशाल रैली में पहुंचने पर ज़ोर दिया। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष जितेन्द्र कुमार ने की जबकि साजिद अहमद सैफी, हरषरी लाल गौतम,संसार सिंह, धमेन्द्र कुमार, कुंवरपाल सिंह, फिरोज मलिक, अंकुर चौधरी, रामबहादुर, मदनपाल सिंह, हरपाल सागर, रनवीर सिंह,इब्राहीम अंसारी, तैयब, रविशंकर धामा, चन्द्रसैन, नौबत सिंह, महेश, नसीम सैफी आदि मौजूद रहे।

पांच सौ साल तक मुसलमान नहीं बन सकता देश का प्रधानमंत्री

शाह टाइम्स ब्यूरो

सम्भल। बागेश्वर धाम के धीरेन्द्र शास्त्री के बयान पर पलटवार करते हुए समाजवादी पार्टी के विधायक इकबाल महमूद ने बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि अगले पांच सौ साल तक भारत का प्रधानमंत्री मुसलमान नहीं बन सकता। उनके इस बयान ने राजनीतिक हल्के में हलचल मच गयी है। उन्होने कहा कि देश का मुसलमान अब जागरूक है और वह जानता है कि वह क्या बन सकता है और क्या नहीं। उन्होंने कहा कि मुसलमान सोच-समझकर फैसला करता है और अपने वोट का इस्तेमाल करता है। उनका कहना था कि मुसलमानों के लिए सबसे जरूरी उनके धर्म, मस्जिद और मदरसे की सुरक्षा है। जो भी पार्टी उनकी इन चीजों की सुरक्षा करेगी, मुसलमान उसी के साथ जाएगा। सपा विधायक ने कहा कि समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी और कांग्रेस ने समय-समय पर मुस्लिम समाज के लिए काम किया है, इसलिए मुसलमान इन पार्टियों को वोट देता रहा है। जबकि भाजर्पा और उससे जुड़े संगठन मुसलमानों की बात नहीं करते। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा केवल अस्सी-बीस के बंटवारे की राजनीति करती है और मुसलमानों की समस्याओं को नजर अंदाज करती अयी है। जबकि मुसलमानं को किसी पद या सत्ता का लालच नहीं है। उन्हें अपने धर्म और संस्थाओं की सुरक्षा चाहिए। उन्होंने भाजपा पर तंज कसते हुए कहा कि भाजपा और उसके सहयोगी संगठन मुसलमानों को लेकर राजनीति करने में लगे रहते हैं, जबकि उनके लिए कुछ नहीं करते। उनके इस बयान का असर आने वाले चुनावों पर देखने को मिल सकता है।

हिन्दी हमारे देश की बिन्दी

○हिंदी दिवस पर गरिमा व महत्ता पर डाला प्रकाश

शाह टाइम्स,ब्यूरो

सम्भल/बबराला। हिंदी दिवस पर जगह-जगह कार्यक्रमों का आयोजन कर हिंदी भाषा की महत्ता व गरिमा पर विस्तार से प्रकाश डाला गया।

नगर के नवाब महमूद गर्ल्स इंटर कॉलेज में प्रधानाचार्य रफत जहां ने कहा कि हिन्दी हमारे स्वाभिमान और गर्व की भाषा हैं हिन्दी ने हमे विश्व में नइ पहचान दिलाई है और हिन्दी विश्व में बोली जाने वाली प्रमुख भाषाओं में ऐ एक है। कॉलेज के संयोजक सइद अख्तर इसराईली ने कहा कि हिन्दी हिन्दुस्तान की भाषा है। उन्होने कहा कि राष्ट्र भाषा किसी भी देख की पहचान ओर बगौरव होती है। हिंदी के प्रति अपना प्रेम और सम्मान करना हमारा राष्ट्र कर्तव्य है। इस मौके पर हिना फात्मा, सईदा निकहत, शहनाज जमील, गौर अफशां, फिजा कासिम, निदा इकबाल, शहाना बेगम, शगुफता, शबनूर, सानिया, रूखसार आदि मौजूद रहीं। बबराला नगर के बाबूराम सिंह इंटर कॉलेज में हिंदी दिवस पर समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वंदना से हुई। इस अवसर पर शिक्षकों ने हिंदी भाषा की महत्ता और गरिमा पर प्रकाश डालते हुए विविध प्रस्तुतियाँ दीं। वैश्विक दुनिया में हिंदी का वर्चस्व, हिंदी भाषा का उद्गम और विकास, हिंदी भाषा की गहराई और महत्ता को प्रभावी ढंग से अभिव्यक्त किया गया। साथ ही 'हिंदी हमसे कह रही है' शीर्षक से हिंदी की पीड़ा और उपेक्षा की स्थिति को भावपूर्ण अंदाज में प्रस्तुत कर आत्ममंथन के लिए प्रेरित किया गया। वक्ताओं ने हिंदी के प्रसिद्व मुहावरों को अत्यंत रोचक शैली में प्रस्तुत कर समारोह को जीवंत बना दिया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। उन्होंने हिंदी दिवस की शुभकामनाओं के साथ कविताएं, नारे और विचार प्रस्तुत किये। जिनसे हिंदी के प्रति उनका सम्मान और प्रेम झलकता है। इस अवसर ने समस्त शिक्षकों और विद्यार्थियों के बीच हिंदी भाषा के प्रति सम्मान और गौरव की भावना को और भी प्रबल किया। इस मौके पर विद्यालय की प्रधानाचार्य जगन्नाथ सिंह ने सभी को हिंदी दिवस की शुभकामनाएँ दी। साथ ही उन्होंने भारत की सांस्कृतिक पहचान को मजबूत करने के साधन के रूप में हिंदी के संरक्षण और प्रचार-प्रसार के महत्व पर बल दिया। इस दौरान राधेश्याम शर्मा, शिव प्रकाश शर्मा अन्नपूर्णा भट्ट, मीनाक्षी, सर्वेश कुमार,राजवंत व संचालन मोहित सक्सेना आदि स्टाफ मौजूद रहा। शांतिदेवी कन्या इंटर कॉलेज बबराला में प्रधानाचार्य सोमेश पाठक ने हिंदी को देश की बिंदी बताया। इस दौरान स्टाफ मौजूद रहा। डीएवी इंटर कालेज गुन्नौर में शिक्षक रवि शर्मा ने कहा कि हिंदी देश की बिंदी है। हिंदी देश का गौरव है। हिंदी को प्रोत्साहन देकर आगे बढ़ाना चाहिए। आज का युवा अंग्रेजी की वजह से इससे दूर होता जा रहा है। भाषा के कारण ही मनुष्य पहचाना जाता है वरना मनुष्य और अन्य जीव में क्या अंतर होता है।हमारे डाक्टरी, इंजीनियरिंग व अन्य कोर्सों के अध्ययन में हिंदी को अपनाया जाये। हिंदी को कामकाज में अधिक अपनाया जाए। उधर रविराम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जिजोड़ा डांडा में हिंदी का महत्व छात्रों को समझाया गया। प्रधानाचार्य संजय शर्मा ने कहा कि हिंदी से सभी दूर हो रहे हैं। हिंदी को सभी कार्यालयों में स्थान दिया जाये। सरकार इसके लिए प्रयास करे। हिंदी पखवाड़ा समारोह से आगे निकले। इस मौके पर एके शर्मा चित्र शर्मा कल्पना नेत्रपाल आदि मौजूद रहे।

ग्राहक पंचायत के देवेन्द्र वार्ष्णेय जिलाध्यक्ष मनोनीत

शाह टाइम्स,ब्यूरो

सम्भल। ग्राहकों को उसके अधिकार दिलाने को बने संगठन अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत मेरठ प्रांत ने ग्राहक आंदोलन को गति प्रदान करने के लिए सम्भल के जिलाधयक्ष पद पर उपभोक्ता मामलों के जाने माने अधिवक्ता देवेंद्र वार्ष्णेय को मनोनीत किया है।

जनपद अमरोहा के मंडी धनौरा में अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के राष्ट्रीय संगठन मंत्री सवनीत दिनकर की उपस्थिति में प्रदेश संगठन मंत्री मेरठ प्रांत नरेंद्र शर्मा ने वरिष्ठ अधिवक्ता देवेंद्र वार्ष्णेय को सम्भल जिले का जिलाध्यक्ष मनोनीत करने की घोषणा करते हुए कहा कि देवेंद्र वार्ष्णेय पिछले 35 वर्षों से ग्राहक आंदोलन से जुड़े है। उनके जिलाध्यक्ष नियुक्त होने से जिले में उपभोक्ता आंदोलन को मूर्त रूप मिलेगा स ग्राहकों को उनके अनुभवों का लाभ निश्चित रूप से मिलेगा। ज्ञात हो कि अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ का आनुषंगिक संगठन है। अधिवक्ता देवेंद्र वार्ष्णेय जिले के कई सामाजिक संगठन से पूर्व से जुड़े हैं। पूर्व में अधिवक्ता परिषद ब्रज सम्भल के जिलाधयक्ष पद रहकर संगठन को विस्तार देने में उनकी अहम भूमिका रही है।

एक नज़र इधर भी

सम्भल-पैट्रोल पम्प पर रेस्क्यू कर पकड़ा गया अजगर सांप दिखाता सर्पमित्र।

पेट्रोल पम्प पर अजगर सांप से मची अफरा-तफरी

शाह टाइम्स, संवाददाता

बबराला। नगर गुन्नौर के बांके बिहारी पेट्रोल पंप पर उस समय अफरा तफरी मच गई। जब पेट्रोल पंप पर तेल लेने पहुंचे लोगों को अजगर सांप दिखा। उसके बाद पेट्रोल पंप स्वामी ने इसकी सूचना वन विभाग को दी। रविवार को पंप पर अचानक कहीं से अजगर साँप आ गया। जब पंप कर्मी व ग्राहकों की नजर इस पर पड़ी तो सभी घबरा गए। फिर वन विभाग को सूचना दी। वन विभाग के दरोगा व सप्र मित्र ने अजगर सांप का रेस्क्यू किया। वन विभाग दरोगा ने बताया कि यह अजगर सांप का बच्चा है। इसकी उम्र करीब एक वर्ष होगी।इसको सुरक्षित वन में छोड़ देंगे। सांप के पकड़े जाने के बाद पेट्रोल पंप पर लोगों की भीड़ हटी। उसके बाद लोगों को शांति मिली।

बबराला- जन आरोग्य मिले में रोगियों को देखते चिकित्सक।

जन आरोग्य मेले में 121 रोगियों को दवा

बबराला (शाह टाइम्स,संवाददाता)। नगर के महिला चिकित्सालय में जन आरोग्य मेले में 121 मरीजों को देखकर दवा का वितरण किया गया। डा. विनय गंगवार ने अस्पताल में जन आरोग्य मेले आए मरीजों की जांच कर दवा का वितरण किया। जिसमें शुगर, दर्द, खुजली, खांसी जुखाम, बुखार के मरीज आये। शुगर के मरीजों की जांच कर दवा दी गई। उन्होंने बताया कि अस्पताल में 121 मरीज आये। उनको देखकर व जांच कराकर दवा का वितरण किया गया।इस दौरान फार्मेसिस्ट लक्ष्मीकांत शर्मा, मानवेन्द्र शर्मा, विशेष कुमार, मंजू, नन्दकिशोर, रामबाबू आदि मौजूद रहे।

सम्भल से सीधे बुलंदशहर तक का सफर हुआ आसान

शाह टाइम्स ब्यूरो

सम्भल। शहर से बुलंदशहर तक का सफर अब आसान हो गया है। उत्तर प्रदेश परिवहन निगम ने सीधे बस सेवा शुरू कर दी है। इससे यात्रियों को काफी राहत मिलने की उम्मीद है।

रोडवेज बस अडडा और डिपो का निर्माण न होने से उत्तर प्रदेश परिवहन निगम की बस सेवा मुरादाबाद के अलावा अन्य स्थानों को नहीं मिल पाती है जबकि गैर जनपदो से आकर सम्भल होकर गुंजरने वाली बस सेवाएं सीधे चन्दौसी चौराहे से होकर निकल जाती हैं। जिससे यहां के काफी यात्रियों को दूसरे वाहनों से दिल्ली और अन्य स्थानों को जाने को मजबूर होना पड़ता है। इसी के साथ जनपद से बुलंदशहर की ओर जाने के लिए रोडवेज की बस सेवा नहीं होने से लोगों को डग्गामार वाहनों के अलावा अन्य संसाधनों से बुलंदशहर तक जाना पड़ता था। उत्तर प्रदेश परिवहन निगम की और से अब सम्भल से सीधे बुलंदशहर तक के लिए बस सेवा शुरू कर दी है। रोडवेज स्टेशन इंचार्ज नवीन गुप्ता ने बताया कि बुलंदशर तक को बस सेवा शुरू हो गयी है। रोडवेज बस अडडे से बस सुबह दस तीस बजे सम्भल से प्रस्थान करती है जबकि बुलंदशहर एक बजे तक पहुंच जाती है। एक घंटे का विश्राम कर बस स्टाफ दो बजे वहां से सम्भल के लिए प्रस्थान कर देते हैं। बुलंदशहर तक के लिए शुरू की गई बस सेवा से रास्ते में पड़ने वाले गांवो और कई स्थानों तक लोगों को राहत मिलेगी।

वित्त विहीनों को जल्द शुरू हो मानदेय

शाह टाइम्स, संवाददाता

बबराला। सरकार का वित्तविहीन शिक्षकों को मानदेय देने की प्रक्रिया पर अमल न करना गलत है। नगर में हुई वित्तविहीन शिक्षकों की बैठक में शिक्षकों ने कहा कि प्रदेश सरकार वित्तविहीन शिक्षकों को मानदेय देना आरम्भ नहीं कर रही है। जबकि वित्तविहीन शिक्षकों ने पिछली सरकार में कफी संघर्ष व लाठी डंडे खाने के बाद मानदेय शुरू कराया था जो प्रोत्साहन राशि के रूप में प्राप्त होने लगा था।उसे बंद कर दिया। यह भी आश्वासन दिया गया कि हम इससे बेहतर करेंगे। इसके लिए नियमावली में बदलाव भी किया जाएगा। लेकिन अब तक कुछ नहीं किया गया। सरकार अब सभी को मानदेय दे। जिससे उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार हो सके। बैठक में चन्द्रपाल, योगेंद्र कुमार, सुरेश कुमार, एके शर्मा, शेलेन्द्र कुमार, रोहिताश कुमार, किशनपाल आदि मौजूद रहे।

हैरत: मीटर पुराना बिल निकाले जा रहे नए

○अंधाधुंध बिलों से उपभोक्ता परेशान, नहीं हो रहे जमा

शाह टाइम्स संवाददाता

बबराला। नगर गुन्नौर में एक उपभोक्ता की शिकायत है कि उसके घर पर पुराना मीटर लगा हुआ है लेकिन नया मीटर दिखा दिया गया है। जबकि पुराना ही चल रहा है। जिसकी वजह से पुराने मीटर से बिजली का बिल नहीं निकल पा रहा है। जिससे उपभोक्ता परेशान है। उपभोक्ता का कहना है कि ऐसी स्थिति में वह अपना विद्युत बिल जमा नहीं कर पा रहा है। इसकी विद्युत अधिकारियों से शिकायत भी की जा चुकी है लेकिन समाधान नहीं हो सका है।

विधुत उपभोक्ता मुरारीलाल पुत्र चक्खन लाल का विधुत कनेक्शन लगा है। उनके परिजनों ने बताया कि नया मीटर लगा नहीं है जबकि उसका कई माह से बिल भी ऐसे ही अंधाधुंध निकल रहा है। यह कितना हास्यप्रद है कि बिना मीटर लगे बिल निकल रहा है। ऐसी स्थिति में बिल कैसे जमा हो। जबकि बिल जमा न होने पर कनेक्शन काटने की विभाग चेतावनी देता है।

इसससे उपभोक्ता परेशान है। विधुत केंद्र पर कई चक्कर लगाये गये। विधुत अधिकारियों को कई बार अवगत कराया लेकिन समाधान नहीं हो सका। उपभोक्ता ने एक्सईएन व एसडीओ से समस्या समाधान की मांग की है।

मुख्यमंत्री आरोग्य मेले में 135 को गोल्डन कार्ड

शाह टाइम्स ब्यूरो

सम्भल। जनपद के 28 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं 05 नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर 218वें मुख्यमन्त्री आरोग्य मेले का आयोजन किया गया। मेला सत्रों में 37 चिकित्सकों एवं 130 पैरा-मेडिकल स्टाफ द्वारा कुल 3134 रोगियों पुरुष रोगी- 1204 महिला रोगी- 1183 एवं 747 बच्चों का नि:शुल्क उपचार किया गया। समस्त मेला सत्रें पर आयुष्मान भारत जन-आरोग्य योजना के अन्तर्गत 135 लाभार्थियों के गोल्डन कार्ड तथा 219 आभा आई.डी. बनाये गये। मेला सत्रों पर बुखार के 349, चर्म रोग के 514, दमा के 332, मधुमेह रोग के 104, नेत्र रोग से सम्बन्धित 59, उच्च रक्तचाप के 67 तथा अन्य रोगों के मरीज देखे गये। बुखार के सम्बन्धा में 55 मरीजों की मलेरिया की तथा 32 रोगियों की डेंगू की जाँच की गयी जिसमे सभी सन्दिग्ध रोगियों की रिपोर्ट नकारात्मक रही।इसके अलावा जनपद के सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर परिवार नियोजन (फैमिली प्लानिंग) सम्बन्धी परामर्श व परिवार नियोजन सम्बन्धी सामग्री के लिये अलग से काउन्टर बनाये गये। जिलाधिकारी के निर्देशों आशाओं के द्वारा सोर्स रिडक्सन एवं संचारी रोगों से बचाव के प्रति जागरुक किया गया।

सम्भल- बाढ़ पीड़ितों की सहायता को एकत्र सामग्री लेकर जाते ईसापुर सुनवारी के युवक

बाढ़ पीड़ितों के लिए युवाओं ने घर-घर मांगी सामग्री

सम्भल (शाह टाइम्स,ब्यूरो)। पंजाब में बाढ़ पीड़ितों की मदद को लोगों के हाथ बढ़े हुए है। बाढ़ पीड़ितों की सहायता को मददगार दिन रात जुटे हुए हैं। थाना नखासा क्षेत्र के ईसापुर सुनवारी के युवाओं ने पंजाब में बाढ़ से हुई तबाही के लिए गांव में घर-घर जाकर राहत सामग्री मांगी। युवाओं ने कहा है कि पंजाब में बाढ़ से हुई तबाही में हम किसी भी व्यक्ति को भूख से पीड़ित नहीं होने देंगे। हम सभी युवा ज्यादा से ज्यादा राहत सामग्री इकटठी करके ट्रैक्टर ट्राली से लादकर पंजाब के हर उस व्यक्ति के पास पहुंचेंगे जिनके पास राहत सामग्री नहीं पहुंच सकी है। सुनवारी के युवाओं ने मन में ठान लिया है कि पंजाब के रहने वाले लोग हमारे भी हैं। हम सभी युवा जितनी भी राहत सामग्री पहुंच कर काम हर परिस्थिति में पहुंचने का काम करेंगे।

सम्भल में लगातार हो रही मुसलमानों के साथ न इंसाफी: बर्क

शाह टाइम्स,ब्यूरो

सम्भल। समाजवादी पार्टी की मासिक बैठक में मुख्य एजेंडा पर चर्चा करते हुए संगठन व पार्टी की मजबूती के लिए पोलिंग बूथों पर बीएलए प्रत्येक विधानसभा में बूथ पर नियुक्ति को जरूरी करने के साथ मासिक बैठक में हर हाल में अधिक से अधिक संख्या में आने पर ज़ोर दिया।

मिर्जापुर कम्युनिटी सेंटर में संपन्न हुई बैठक में जिला अध्यक्ष असगर अली अंसारी ने जिले की विधानसभाओं के विधानसभा अध्यक्ष एवं जिले के पदाधिकारी एवं बूथ अध्यक्ष सेक्टर प्रभारी जोन प्रभारी आदि के क्षेत्र की जानकारी दी। राज्य सभा सांसद जनाब जावेद अली खान ने कहा की आज समाजवादी पार्टी मासिक बैठक में आज का मुख्य एजेंडा पोलिंग बूथ पर बी एल ए प्रत्येक विधानसभा में बूथ पर नियुक्त करना है। इसी से ही पार्टी को मजबूती मिलेगी उन्होंने कहा की बिहार में जो हुआ है वह किसी से छुपा नहीं है। संगठन के सभी पदाधिकारी मिलकर बूथ लेवल एजेंट बनाने का काम करें। सांसद ज़ियाउर्रहमान बर्क ने कहा कि सम्भल में लगातार समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ लगातार ना इंसाफी हो रही है। इसकी जानकारी लगातार राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को दी जा रही है। उन्होंने कहा 29 वर्ष में सम्भल में कोई बलवा नहीं हुआ तो क्या लगातार भाजपा सरकार रही है। भाजपा सांसद बदायूं श्री आदित्य यादव ने कहा कि चाहें लोकसभा या विधानसभा में है आप सब बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं की वजह से है। उन्होंने कहा आज बिहार में जो हो रहा है आपको मालूम है। इसलिए आपको सभी बूथों पर बी एल ए एजेंट नियुक्त कर पार्टी को मजबूत करने का काम करें।नवाब इकबाल महमूद ने कहा कि हमारे देश में हमेशा भाई चारा रहा है, लेकिन आज भाजपा देश में हिन्दू मुस्लिम कर देश को बर्बाद करना चाहती है। विधायक पिंकी सिंह यादव ने सभी विधानसभा अध्यक्ष से अपनी अपनी विधानसभा में बूथ लेवल एजेंट नियुक्त कर आने वाले 2027 विधानसभा चुनाव को मजबूती प्रदान करने पर ज़ोर दिया। विधायक राम खिलाड़ी यादव ने कहा की मासिक बैठक में अधिक से अधिक लोगों को आना चाहिए। विधानसभा अध्यक्ष को विधानसभा में सेक्टर स्तर पर बैठक कर बी एल ए नियुक्त करें विधायक मौ फाईम इरफान ने कहा हम अगर बूथ लेवल पर मजबूत होंगे तभी हम 2027 में सरकार बनाने का काम करेंगे। पूर्व विधायक राजेश यादव चंदौसी पूर्व प्रत्याशी विमलेश कुमारी ने भी बैठक को संबोधित किया। संचालन जिला महासचिव कृष्ण मुरारी शंखधार ने किया। बैठक में ताहिर उल्ला खान आदि मौजूद रहे।

सम्बंध-विच्छेद

मेरा पुत्र मौ. खलीक व उसकी पत्नी सोनी झगड़ालु किस्म के हैं। आये दिन मेरे व मेरे परिवार के साथ झगड़ा गाली-गलौंच व मारपीट करते रहते हैं। मैने उन्हे कई बार समझाया परन्तु वह मेरी कोई बात नहीं मानते हैं। इसलिए मैने व मेरे परिवार वालों ने मौ. खलीक व उसकी पत्नी सोनी से अपने सम्बंध समाप्त कर लिये और उन्हे अपनी चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया। अब मेरा व मेरे परिवार वालों का उक्त दोनों से कोई ताल्लुक व वासता नहीं रहा है। बल्कि वह अपने कृत्यों के स्वयं जिम्मेदार होंगे।

मौ. अतीक पुत्र मौ. यूसुफ
नि.नवाबखेल बजरिया चौक के पास सराय तरीन थाना-हयात नगर जनपद-सम्भल

बदलते मौसम में बचाव ज़रूरी

बबराला (शाह टाइम्स संवाददाता)। बदलते मौसम को हल्के से कोई भी न ले। क्योंकि उतार-चढ़ाव भरे मौसम में बीमारियां तेजी से पनप रही है। अस्पताल में इस समय सर्दी जुकाम बुखार सिरदर्द खांसी के साथ ही स्किन एलर्जी के मरीजों की संख्या में इजाफा हो रहा है। बदलते मौसम के अनुकूल शरीर को ढालना आसान नहीं रह गया है। ऐसे में खुद को बचाए रखने के लिए विशेष सतर्कता पर धयान देना जरूरी है। इस बार मौसम की चाल समझ से परे लग रही है। दिन में उमस भरी गर्मी रात में एक बजे के बाद तापमान में गिरावट हो जाती है।

पत्नी बच्चों समेत प्रेमी के साथ फरार

● पति को दी जान से मारने की धमकी

शाह टाइम्स संवाददाता

ठाकुरद्वारा। क्षेत्र के ग्राम पान.वाला निवासी एक व्यक्ति की पत्नी अपने दो मासूम बच्चों को लेकर प्रेमी संग फरार हो गई। पति द्वारा फोन करने पर पत्नी न केवल साथ लौटने से इनकार किया बल्कि जान से मारने और बच्चों को नुकसान पहुँचाने की धमकी भी दी। पीड़ित पति ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर आरोपियों पर सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए बच्चो की सुरक्षा की गुहार लगाई। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम पान.वाला निवासी एक व्यक्ति ने बताया कि उसकी पत्नी बीते 10 सितंबर को अपने दोनों बच्चों को साथ लेकर मायके ग्राम रायपुर थाना जसपुर, जिला उधमसिंह नगर (उत्तराखंड) जाने के बहाने घर से निकली थी। लेकिन देर शाम तक घर न लौटने पर पीड़ित ने पत्नी को फोन किया। इस पर पत्नी ने बताया कि वह अपने मायके के ही निवासी युवक के साथ चली गई है और उसी से निकाह कर लिया है। इतना ही नहीं, पत्नी ने पति को चेतावनी दी कि यदि उसने पीछा किया तो उसे जान से मार दिया जाएगा और बच्चों को भी नुकसान पहुँचाया जाएगा। पीड़ित ने आरोप लगाया है कि इस पूरी घटना में युवक के परिजनों का भी सहयोगी रहा है। पीड़ित ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर पत्नी व आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई तथा दोनों बच्चों को उसके सुपुर्द कराने की मांग की है।

शिवसेना ने किया पाकिस्तान का पुतला दहन

शाह टाइम्स संवाददाता

ठाकुरद्वारा । रविवार को भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले क्रिकेट मैच को लेकर राजनी.तिक और सामाजिक संगठनों में विरोध की आवाजें उठने लगी हैं। इसी क्रम में आज शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) द्वारा एक जोरदार प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन के दौरान पाकिस्तान का पुतला दहन कर शिवसैनिकों ने पाकिस्तान के खिलाफ अपना आक्रोश व्यक्त किया। इस अवसर पर शिवसेना नेताओं ने कहा कि वे पुलवामा आतंकी हमले में शहीद हुए देश के 25 वीर जवानों की शहादत को नहीं भूले हैं। पाकिस्तान लगातार भारत विरोधी गतिविधियों में लिप्त रहा है, ऐसे में उसके साथ किसी भी प्रकार का खेल या सांस्कृतिक आदान-प्रदान राष्ट्र के सम्मान के विपरीत है। शिवसेना तहसील उप प्रमुख सोमपाल सिंह कश्यप ने कहा, भारत-पाकिस्तान के बीच क्रिकेट मैच आयोजित कर करोड़ों देशवासियों की भावनाओं से खिलवाड़ किया जा रहा है। जब तक पाकिस्तान आतंकवाद को बढ़ावा देता रहेगा, तब तक उसके साथ किसी भी तरह का मैच देश की आत्मा के साथ विश्वासघात है। ब्लॉक डिलारी प्रमुख हेमेंद्र सिंह ने कहा, शिवसेना अपने शहीदों की कुर्बानी को कभी नहीं भूल सकती। जो पाकिस्तान हमारे सैनिकों की हत्या करवाता है, उसके साथ मैदान में दोस्ती के अंदाज में खेला जाना देशद्रोह के समान है । कार्यक्रम में अमित शर्मा, आकाश कुमार, मोनू सिंह, कपिल कुमार, मुन्ना सिंह, गुरु सत्यनाथ महाराज और दौलत सिंह शामिल रहे। सभी ने एक स्वर में भारत-पाकिस्तान के बीच होने

वाले क्रिकेट मैच का विरोध करते हुए देशवासियों से अपील की कि वे इस मैच का पूर्ण बहिष्कार करें।शिवसेना नेताओं ने केंद्र सरकार से भी अनुरोध किया कि वह पाकिस्तान के साथ किसी भी प्रकार के द्विपक्षीय खेल संबंधों को समाप्त करे और शहीदों के सम्मान में ठोस निर्णय ले। प्रदर्शन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ, लेकिन शिवसैनिकों का आक्रोश स्पष्ट रूप से दिखा कि देश की सुरक्षा और सम्मान के मुद्दे पर कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

अलग-अलग घटनाओं में तीन बाइक सवार घायल

शाह टाइम्स संवाददाता

ठाकुरद्वारा। अलग-अलग दुर्घटनाओं में तीन बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए घायलों को 108 एंबुलेंस की मदद से उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ठाकुरद्वारा में भर्ती कराया । चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद तीनों घायलों को हायर सेंटर रेफरकर दिया। कोतवाली क्षेत्र के गांव बैरमपुर निवासी मुकुल कुमार पुत्र भगवान दास सवेरे 8.00बजे ठाकुरद्वारा से अपने गांव वापस जा रहा था अब्दुल्लापुर लेदा गांव के निकट आगे जा रही ईट से भरी ट्रैक्टर ट्राली में बाइक अचानक ऐसा संतुलित हो टकरा गई। जिसमें मुकुल कुमार गंभीर रूप से घायल हो गया । राहग.ीरों की सूचना पर पहुंची 108 एंबुलेंस की मदद सेघायल को उपचार के लिए सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया । सूचना पर परिजन भी अस्पताल पहुंचे शिक्षकों ने प्राथमिक उपचार के बाद घायल की हालत गंभीर बताते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया । क्षेत्र के गांव रतूपुरा निवासी हरिओम सिंह पुत्र भरत सिंह रात्रि 1.00 बजे के आसपास थे फैक्ट्री से ड्यूटी कर अपने घर वापस जा रहा था रतूपुरा के निकट अचानक बाइक अस संतुलित हो सड़क पर गिर गई जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया । भाई तालमपुर निवासी प्रियांशु पुत्र राकेश सिंह रात्रि 1.30 बजे के लगभग अपने घर वापस जा रहा था । किसी अज्ञात बहन की चपेट में आकर वह गंभीर रूप से घायल हो गया दोनों घायलों को 108 एंबुलेंस से सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया चिकित्सकों ने दोनों घायलों का प्राथमिक उपचार कर हायर सेंटर रेफरकर दिया ।

अहिंसा और शांति का संदेश देती भगवान नेमिनाथ की रथयात्रा निकली

चन्दौसी। दिगंबर जैन समाज चन्दौसी द्वारा भगवान नेमिनाथ की 10 लक्षण पर्व पूर्ण होने के उपरांत परंपरानुसार वर्ष में एक बार भव्य रथयात्रा का आयोजन किया गया। यह रथयात्रा श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के माहौल में जैन मंदिर चन्दौसी से शुरु होकर नगर के मुख्य मार्गों से निकाली गई। भगवान नेमिनाथ की प्रतिमा को आकर्षक एवं सुसज्जित रथ पर विराजमान कराया गया। समाज के सभी श्रद्धालु भक्तों ने बड़ी श्रद्धा के साथ भगवान के रथ को खींचकर नगर में भ्रमण कराया और 'जियो और जीने दो' का शांति व अहिंसा का संदेश जन-जन तक पहुँचाया। रथयात्रा में नगर सहित आसपास के क्षेत्रों-बहजोई, बिलारी, संभल, इस्लामनगर आदि से आए जैन समाज के अनुयायियों के साथ-साथ नगरवासियों ने भी भाग लिया। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी चन्दौसी ने भी सहभागिता की और समाज की इस अनूठी परंपरा की सराहना की। रथयात्रा में भगवान को रथ पर विरा.जमान कराने की बोली संदीप जैन ने ली, जबकि सारथी बनने का सौभाग्य अशोक जैन को प्राप्त हुआ। समाज के लोगों ने भक्ति गीत गाकर वातावरण को और भी मंगलमय बना दिया। इस अवसर पर समाज के वरिष्ठ और कनिष्ठ सभी सदस्य शामिल रहे। उपस्थित प्रमुख लोगों में भोपालचंद जैन, अनिल जैन, अशोक जैन, सुबोध जैन, संजय जैन, अजय जैन, गौरव जैन, लोकेश जैन, शिरा.मणि जैन, मोहित जैन, पवन जैन, विजय जैन, नितिन जैन, आभास जैन, इंद्रेश जैन, सुनीता जैन, महिमा जैन, रिया जैन, रेनू जैन, निशा जैन, ईशा जैन, ज्योति जैन, शिखा जैन सहित बड़ी संख्या में महिलाएँ, युवा और बच्चे मौजूद रहे। जैन समाज के अध्यक्ष अंकित जैन ने बताया कि यह रथयात्रा केवल जैन समाज का आयोजन नहीं है बल्कि इसमें सर्वसमाज की सहभागिता रहती है। नगर के लोग बड़ी श्रद्धा के साथ इसमें शामिल होकर भगवान के दर्शन का लाभ उठाते हैं। उन्होंने कहा कि इस रथयात्रा का उद्देश्य समाज में अहिंसा, शांति और सद्भाव का संद.ेश देना है।

ब्राह्मण शक्ति संघ ने किया मेधावी प्रतिभा सम्मान समारोह

शाह टाइम्स संवाददाता

चन्दौसी। रविवार ब्राह्मण शक्ति संघ द्वारा मेधावी प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा भगवान परशुराम की प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्वलित करके किया गया। तदुपरांत वेद पाठी ब्राह्मणों द्वारा मंत्र उच्चारण के साथ कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया गया। मुख्य अतिथि राज्यमंत्री पं. सुनील भराला ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि अपने समाज और संस्कृति का ज्ञान प्रत्येक छात्रावास छात्राओं के लिए नितांत आवश्यक है। राज्य विधिक परिषद के प्रदेश अध्यक्ष शिव किशोर गौड़ ने समाज में एकता की भावना को आवश्यक बताते हुए किसी भी प्रकार के सहयोग का सदैव सहयोग का आश्वासन दिया। नोएडा से पधारे भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य अन्नू पंडित ने युवाओं में एकता का मंत्र फूंका तो रजा लाइब्रेरी रामपुर के निर्देशक डॉ. पुष्कर मिश्रा ने ब्राह्मण समाज के इतिहास का वर्णन किया। कार्यक्रम को मेदांता हॉस्पिटल बरेली के डायरेक्टर विमल कुमार भारद्वाज, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य भाजपा डा. अनिल शर्मा, भारतीय जनता युवा मोर्चा मुरादाबाद जिलाध्यक्ष अरुण पंडित, अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष इंद्रदेव त्रिवेदी, अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा के प्रदेश अध्यक्ष बनवारी लाल पाठक सहित वक्ताओं ने छात्र-छात्राओं को अपने संबोधन से प्रेरित किया। उपजिलाधिकारी चंदौसी आशुतोष तिवारी ने अपने स्वयं के उदाहरण के माध्यम से युवाओं को शिक्षा के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में लगभग 350 बच्चों को प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त लगभग 100 समाज की अन्य क्षेत्र की प्रतिभाओं व कार्यक्रम के सहयोगियों को सम्मान पत्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। एबीसी किड्स मोंटेसरी के छोटे-छोटे बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। पूरे जनपद के ब्राह्मण समाज के लगभग 2000 लोगों ने इस कार्यक्रम में सहयोगिता की। कार्यक्रम की अध्यक्षता भूदेव शर्मा ने की व संचालन मुकेश गौड़ व विनीत शर्मा ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम में कवि माधव मिश्रा, बनवारी लाल पाठक, हरद्वारी लाल मिश्रा, राजीव पाठक, ललतेश शर्मा, एड. विशाल भारद्वाज, एड. बलराम शर्मा, विष्णु शर्मा एड., सुबोध शर्मा एड., अभिषेक शर्मा, एस.एन. शर्मा, डॉ निशाकर शर्मा

तथा ब्राह्मण शक्ति संघ से विवेक मिश्रा, मुकेश गौड़, विवेक शर्मा गुमथल, राजकुमार शर्मा, सचिन मिश्रा, सचिन शर्मा, अविरल शर्मा, विनीत शर्मा, मुकेश शर्मा संभल, डॉ विनय शर्मा, डॉ पी.के. पांडे, डॉ गौरव शर्मा, विभोर भारद्वाज, रवि शंखधार, अभिनंदन शर्मा, पराग शर्मा, निशांत शर्मा, प्रशांत शर्मा, उमाकांत शर्मा, अमोल शर्मा, शरद दुबे, सतेंद्र पाठक, जीतू शर्मा आदि उपस्थित रहे।

विश्व हिन्दू परिषद विधि प्रकोष्ठ ने किया अधिवक्ताओं को सम्मानित

शाह टाइम्स संवाददाता

चन्दौसी। विश्व हिन्दू परिषद विधि प्रकोष्ठ (लीगल सेल) के तत्वाधान में मध्यप्रदेश के इंदौर में विश्व हिन्दू परिषद विधि प्रकोष्ठ द्वारा दो दिवसीय अखिल भारतीय बैठक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार व मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव, विश्व हिन्दू परिषद विधि विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभिषेक आत्रे द्वारा किया गया। इस अवसर पर विश्व हिन्दू परिषद विधि प्रकोष्ठ लीगल सेल मेरठ प्रांत की सहसंयोजिका एड. रंजना शर्मा (चन्दौसी) को हिंदुत्व के प्रचार-प्रसार और हिन्दू समाज के लोगों को नि:शुल्क विधिक सेवा प्रदान करने के लिए स्मृति चिन्ह भेंट करके सम्मानित किया गया।कार्यक्रम में भारत देश के उत्तर प्रदेश राज्य, छत्तीसगढ़, तेलंगाना, मध्य प्रदेश, केरल, तमिलनाडु, अरुणाचल, मेघालय, मणिपुर, त्रिपुरा, दिल्ली, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर, पंजाब, राजस्थान के जयपुर, जोधपुर, गुजरात, कलकत्ता, बंगाल, उड़ीसा, लखनऊ, उत्तराखंड, महाराष्ट्र, झारखंड आदि अनेक राज्यों से आए लगभग 350 अधिवक्ता साथियों ने प्रतिभाग लिया। पूर्व राष्ट्रीय संयोजक दिलीप ने मम मंत्र, धर्म रक्षा का मंत्र दीक्षा अधिवक्ता साथियों को दी। हिन्दू धर्म की रक्षा करने वाले अधिवक्ताओं को सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर पूर्व रिटायर्ड जस्टिस एच.पी. सिंह, विश्व हिन्दू परिषद से सुरेंद जैन, सहसंयोजक अनिमेष जैन, प्रांत संयोजक राहुल गोयल, सहसंयोजक अजय, सुरेश शर्मा, एड. संजय शर्मा, एड कविता तोमर, एड श्रीदेवी आदि मौजूद रहे।

एक नजर

नाले में गिरे घोड़े की रेस्क्यू कर बचाई गई जान

मुरादाबाद। जनपद के मझोला थाना क्षेत्र दिल्ली रोड पर उस समय एक हादसा घटित हो गया जब दो घोड़े नाले में जा गिरे,क्षेत्र के लोगों ने घटना की जानक.ारी पुलिस के साथ ही नगर निगम की टीम को दी। नगर निगम की टीम और क्षेत्र के लोगों ने रेस्क्यू कर कड़ी मशक्कत के बाद दोनों घोड़े को नाले से निकालकर उनकी जान को बचाया। बता दें की रविवार को मझोला थाना क्षेत्र दिल्ली रोड मानसरोवर कॉलोनी के पास अचानक दो घोड़े नाले में जा गिरे,घोड़ो के नाले में गिरने की घटना से क्षेत्र के लोगों में हड़कंप मच गया आनन-फानन में क्षेत्र के लोगों ने पुलिस के साथ नगर निगम की टीम को सूचना दी। नगर निगम की टीम ने मौके पर पहुंचकर जेसीबी की मदद से दोनों घोड़े को नाले से बाहर निकाल कर उनकी जान को बचाया। बताया जा रहा है कि चालक घोड़ा बुग्गी लेकर जा रहा था इस दौरान दोनों घोड़े बिदक तक गए और नाले में जा गिरे, हालांकि टीम के द्वारा रेस्क्यू कर दोनों घोड़े को सकुशल नाले से बाहर निकाल कर उनकी जान को बचा लिया गया।

अतिक्रमण हटाने को ग्रामीणों का प्रदर्शन

ठाकुरद्वारा। डिलारी ब्लॉक के करनपुर चौराहा से अतिक्रमण हटाने की मांग को लेकर ग्रामीणों ने रविवार को उपजिलाधिकारी कार्यालय पर जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान ग्रामीणों ने आंदोलन की चेतावनी भी दी।करनपुर निवासी भारी ग्रामीणों पहले ब्लॉक कार्यालय में पंचायत हुई। इसके बाद नारेबाजी करते हुए ग्रामीण अधिवक्ताओं के चौंबरों और सिविल जज न्यायालय से होते हुए एसडीएम कार्यालय पहुंचे, जहां उपजिलाधिकारी प्रीति सिंह को ज्ञापन सौंपा गया। ग्रामीणों का कहना है कि करनपुर चौराहे पर सड़क किनारे बने नाले का गंदा पानी दुकानों के सामने बहता रहता है, जिससे राहगीरों और दुकानदारों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। वहीं कुछ दुकानदारों ने अतिक्रमण कर अपनी दुकानें सड़क किनारे तक फैला ली हैं, जिसके कारण आए दिन अव्यवस्था बनी रहती है और दुर्घटनाएं होती रहती हैं। ग्रामीणों के मुताबिक, इसी वर्ष अब तक लगभग 25 हादसे चौराहे पर हो चुके हैं।ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि पूर्व में भारतीय किसान यूनियन ने चौराहे पर गोल चक्कर बनाने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया था। लेकिन अतिक्रमणकारियों के दबाव में प्रशासन ने कोई कार्रवाई नहीं की। लोक निर्माण विभाग ने जगह कम बताते हुए गोल चक्कर का निर्माण टाल दिया। जबकि यदि अतिक्रमण हटाया जाए तो चौराहे पर पर्याप्त जगह निकल आएगी और दुर्घटनाओं से निजात मिलेगी। प्रदर्शन में प्रशांत कुमार, अरुण कुमार, वीरेंद्र सिंह, सोनू कुमार, अभय प्रताप सहित कई ग्रामीण मौजूद रहे।

श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं की कथा का किया वर्णन

शाह टाइम्स संवाददाता

चन्दौसी। नगर के कैथल गेट स्थित एम.सी.सी. गोदाम में चल रही श्रीमद्भागवत महापुराण कथा के छठे दिवस का आयोजन अत्यंत श्रद्धा और उत्साह के साथ सम्पन्न हुआ। व्यासपीठ पर विराजमान पूज्य महंत रमेशदास महाराज ने कथा श्रवण कराते हुए भगवान श्रीकृष्ण की अलौकिक बाल लीलाओं का वर्णन किया। महाराज ने बताया कि व्रजभूमि की प्रत्येक कण-कण में भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं की छाप विद्यमान है। गोप-ग्वालों के संग नंदलाल का 'माखन चोरी करना', वंशी की मधुर तान पर गोपियों का आत्मविस्मृत होकर दौड़े चले आना, तथा वंशीवट पर बैठकर परमात्मा स्वरूप कृष्ण का आनंद प्रदान करना-ये सभी प्रसंग मानव जीवन में भक्ति, प्रेम और त्याग की प्रेरणा देते हैं। कथा के दौरान जब पूज्य महाराज ने गोवर्धन लीला का विस्तृत वर्णन किया, तो समस्त पांडाल गोवर्धन महाराज की जय जय श्रीकृष्ण के जयघोष से गूंज उठा। भक्तों ने अनुभव किया कि किस प्रकार श्रीकृष्ण ने इन्द्र का गर्व तोड़कर गोवर्धन पर्वत को अपनी कनिष्ठा अंगुली पर धारण कर व्रजवासियों को प्रलयकारी वर्षा से बचाया। इस प्रसंग से यह शिक्षा मिलती है कि सच्चा रक्षक वही है जो अपने भक्तों की रक्षा हेतु हर संकट का सामना कर सके। इस पावन कथा में यजमान मौसम गुप्ता एवं उनका समस्त परिवार प्रतिदिन श्रवण कर अक्षय पुण्य लाभ अर्जित कर रहा है। कथा स्थल पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी और हर कोई श्रीकृष्ण भक्ति के रस में डूबा हुआ दिखाई दिया। आयोजकों ने बताया कि आगामी दिवस की कथा में श्रीकृष्ण की 'रासलीला एवं गोपी प्रेम प्रसंग का विस्तृत वर्णन किया जाएगा,

जिसके श्रवण से जीवन में प्रेम, समर्पण और आनंद का संचार होता है।

दामाद ने सास पर फावड़े से किया हमला

शाह टाइम्स संवाददाता

ठाकुरद्वारा। दामाद ने अपनी ही सास पर फावड़े से जानलेवा हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। पुलिस ने पीड़ित पक्ष की तहरीर पर एक आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम रामनगर खागूवाला निवासी असलम पुत्र मसीत मंसूरी की पुत्री मुस्कान की शादी करीब एक वर्ष पूर्व शेबू पुत्र बाबू निवासी विलाल मस्जिद, काशीपुर चुंगी, ठाकुरद्वारा के साथ हुई थी। शादी के बाद से ही शेबू लगातार मुस्कान के साथ मारपीट करता था। इससे तंग आकर मुस्कान पिछले कई माह से मायके में रह रही थी। शनिवार दोपहर करीब डेढ़ बजे शेबू जबरन मुस्कान को ले जाने पहुंचा। इस दौरान सास रेशमा ने उसे समझाने का प्रयास किया, लेकिन आरोपी ने गुस्से में आकर घर में रखा फावड़ा उठाकर रेशमा के सिर पर वार कर दिया। महिला अचेत होकर गिर पड़ी और उसके कान से खून बहने लगा। चीख-पुकार सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे, लेकिन आरोपी उन्हें धमकी देता हुआ फरार हो गया। घायल महिला को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया।कोतवाली प्रभारी जसपाल सिंह ने बताया कि पीड़ित पक्ष की तहरीर पर आरोपी शेबू पुत्र बाबू के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। उसके खिलाफ कार्यवाही शुरू कर दी है।

धनगर समाज की बैठक में पंचायत चुनाव में लोगों से ज्यादा से ज्यादा भागीदारी करने पर विचार

ठाकुरद्वारा। रविवार को ऑल इंडिया धनगर महासंघ की एक तहसील स्तरीय बैठक समाधि मंदिर ठाकुरद्वारा में संपन्न हुई। बैठक में धनगर जाति के प्रमाणपत्र बनवाने एवं ग्राम पंचायत चुनाव में अपने समाज के लोगों की ज्यादा से ज्यादा भागीदारी हो इस पर विचार किया गया । वक्ताओं ने कहा कि हमारा समाज अन्य जाति के लोगों को चुनाव लड़ाता आ रहा है लेकिन इस बार धनगर समाज के लोग भी चुनाव मैदान में कूदकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगे । कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष सूरजपाल धनगर, रामोतार सिंह, हरवश सिंह, जिला सचिव धर्मेन्द्र कुमार, जगदीश सिंह, पंकज कुमार , अनुज कुमार, गिरजेश कुमार पाल, मनोज कुमार रवि कुमार आदि लोग उपस्थित रहे।

बिजनौर में पश्चिम उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल का महासम्मेलन एवं चुनाव संपन्न

ठाकुरद्वारा । रविवार को पश्चिम उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल (पंजीकृत) के प्रांतीय चुनाव एवं महासम्मेलन का भव्य आयोजन बिजनौर में संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में प्रदेश सरकार के मंत्री धर्मपाल सिंह लोधी एवं विधायक नरेंद्र पाल सिंह कश्यप ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत कर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम में मौसम विधायक ऐश्वर्या चौधरी, पूर्व विधायक शाहिद अंसारी सहित क्षेत्र के कई जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। ठाकुरद्वारा से संजीव सिंघल (जिला प्रभारी एवं नगर अध्यक्ष), मौलाना अब्दुल रहमान, कुशाग्र सिंगल, मोहित सिंघल, विनीत पुष्पद, राहुल पुष्पक, अनमोल कुमार, रजत कुमार, दीपक कुमार, पंकज कुमार, राजकुमार, सादिक सिद्दीकी, फट्टू खान, शहाबुद्दीन, मोहम्मद हारुन, टोनी अंसारी आदि ने सक्रिय सहभागिता निभाई। इसके अलावा, सूरज ननगर से अवनीश कुमार, अनुज बिश्नोई, लवली चौहान, दीपक कुमार एवं राजाराम सहित क्षेत्र के दर्जनों जाने-माने व्यापारियों ने भी इस महासम्मेलन में हिस्सा लिया। इस दौरान मंडल के नए वर्ि्पबम-इमंतमते का चुनाव भी संपन्न हुआ। चुनाव में प्रदेश अध्यक्ष रविप्रकाश , कोषाध्यख कृष्ण मुरारीलाल खंडेलवाल मथुरा, व महामंत्री मुकुल को बनाया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पश्चिम यूपी के औद्योगिक एवं व्यापारिक विकास से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करना और सदस्यों के बीच समन्वय बढ़ाना था। सभी अतिथियों ने व्यापार जगत की समस्याओं को सुनने और उनके निराकरण के लिए हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया।

प्रांतीय व्यापारिक सम्मेलन में बिलारी से पहुंचे व्यापारी

बिलारी। पश्चिमी उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के बिजनौर में हो रहे प्रांतीय व्यापारिक सम्मेलन एवं चुनाव में नगर से व्यापारियों ने पहुंचकर प्रतिभाग किया। इस बीच व्यापारियों ने अनेकों समस्याओं को उठाया प्रदेश उपाध्यक्ष के के गुप्ता, जिला मुरादाबाद के जिलाध्यक्ष एडवोकेट देवेश शर्मा ने कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह को क्षेत्र से जुड़ी हुई आम समस्याओं से अवगत कराते हुए ज्ञापन सौंपा। जिसमें बिलारी में मंडी समिति की स्थापना कराने , क्षेत्र से 6 किलोमीटर दूर स्थित टोल को टोलमुक्त किए जाने, ऑनलाइन बिजनेस बंद करने इसके अलावा मांग उठाई कि यदि खाद्य विभाग के अधिकारी छापा मारते हैं तो व्यापारियों के पहले संज्ञान में लें। रविवार को जनपद बिजनौर में कार्यक्रम में जिला मुरादाबाद के जिलाध्यक्ष देवेश शर्मा के नेतृत्व में नगर सम्मेलन में क्षेत्रीय उपाध्यक्ष श्रीकांत गुप्ता ,संरक्षक राजेंद्र सहाय गुप्ता ,जिला प्रभारी एडवोकेट नरेश गुप्ता अलंकार, जिला महामंत्री सुनील आर्य ,संजीव सिंघल ठाकुरद्वारा,युवा जिला अध्यक्ष ध्रुव शर्मा, जिला महामंत्री युवा निखिल अग्रवाल, बिलारीनगर अध्यक्ष विकास गुप्ता सर्राफ, नानक शर्मा, रोहित त्रिपाठी ,आशीष शर्मा, अवधेश यादव, मुख्तियार आलम बंजारा, गंगा शरण प्रजापति ,विनीत गुप्ता, विनोद गुप्ता, हाजी शमसुद्दीन अहमद ,हाजी शाहिद हुसैन ,सुनील गुप्ता मंगूपुरा वाले, बिलारी के साथ-साथ ठाकुरद्वारा , कांठ, शरीफ नगर आदि ने भाग लिया।

मानव का शरीर पांच तत्वों से मिलकर बना है: प्रचारक अशोक कुमार

ठाकुरद्वारा। ब्लाक डिलारी में निरंकारी सत्संग की ब्रांच करनपुर चौराहा में मासिक सत्संग के दौरान स्टेज पर विराजमान महात्मा आदेश कुमार ने रविवार को अपने प्रवचनों में कहा कि मानव का शरीर पांच तत्वों से मिलकर बना है । इंसान की मृत्यु के पश्चात पांचो तत्व अपने-अपने मूल में मिल जाते हैं लेकिन इंसान के शरीर को जो चलायमान रखती है जीवात्मा वह कहां जाती है यही भेद सतगुरु के चरणों में आकर के समझ में आता है इंसान का जन्म भगवत प्राप्ति के बाद भक्ति करने के लिए इंसान को मिला है लेकिन इंसान भक्ति न करके अन्य बातों में उलझकर रह जाता है हर युग में संत महापुरुषों ने सतगुरु की महत्ता का बखान किया है और कहा है कि पूर्ण सतगुरु के चरणों में आकर ही ईश्वर की पहचान की जा सकती है उन्होंने कहा कि समय बदलता रहता है पर सत्य नहीं बदलता मानव मन में सदा ही यह जानने की जिज्ञासा रही है कि यह ब्रह्मांड कैसे अस्तित्व में आया हमारा वास्तविक सत्य क्या है अंतिम सत्य क्या है परमात्मा तो है लेकिन कहां है कैसा है यह जानने के लिए मनुष्य ने अलग-अलग समय पर अलग-अलग स्थान पर कभी धर्म कभी दर्शन कभी विज्ञान का मार्ग अपनाया इन सभी ने अनेक धारणाओं और मान्यताओं को जन्म दिया परंतु अंततोगत्वा ब्रह्म का दर्शन अनुभव का विषय ही सिद्ध हुआ जिसमें परम सत्य और परम तत्व ज्ञान दर्शन और अनुभव केवल एक तत्व ज्ञाता के द्वारा जिज्ञासु आत्मा को प्रदान किया जाता है सत्संग में कवि दरबार का भी आयोजन किया गया जिसमें कवि महात्मा रामवीर सिंह, धर्मपाल सिंह, अमित कुमार, ने अपनी काव्य रचना को सभी के समक्ष प्रस्तुत किया इस कार्यक्रम का कुशल संच.ालन पूरन सिंह ने किया इस सत्संग कार्यक्रम में मुख्य रूप से डॉक्टर बाबू सिंह, त्रिवेणी शंकर, कमल कुमार ,महेंद्र सिंह,भजन सिंह, खेम सिंह, कमल कुमार, कंचन सिंह, ध्यान सिंह, किशन सिंह, कृष्णपाल सिंह, नन्हे सिंह, सोमपाल सिंह, ग्राम प्रधान रेखा देवी, अनीता देवी, कमलेश देवी, सविता देवी, नीतू देवी, निशि देवी ,कामिनी ,पूनम, निधि, आस्था, वंशिका ,दामिनी आदि उपस्थित रहे सत्संग के पश्चात सभी उपस्थित श्रद्धालुओं ने लंगर का प्रसाद बड़े ही श्रद्धा पूर्वक ग्रहण किया।

दुकानदार ने दूसरे दुकानदार पर मारपीट करने का लगाया आरोप

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। शहर के सदर कोतवाली क्षेत्र बुध बाजार इलाके में भुट्टे का ठेला लगाने वाले एक दुकानदार ने पड़ोसी दुकानदार और उसके भाइयों व नौकर पर पैसों के विवाद के चलते मारपीट करने का आरोप लगाया है।पीड़ित घायल दुकानदार को लेकर उसके परिजन कोतवाली पहुंचे जहां से पुलिस ने घायल को उपचार व मेडिकल परीक्षण हेतु जिला अस्पताल भेज दिया है। वहीं पीड़ित दुकानदार ने मारपीट करने वाले दुकानदार के खिलाफ कार्रवाई की मांग पुलिस से की है। बुध बाजार इलाके में दो दुकानदारों के बीच हुई इस मारपीट की घटना से अन्य दुकानदारों में अफरा तफरी का माहौल बना रहा। बता दे की सदर कोतवाली क्षेत्र मानपुर के रहने वाले मदनलाल सैनी बुध बाजार में भुट्टे का ठेला लगाते हैं। पीड़ित दुकानदार मदनलाल के परिजन बॉबी ने जानकारी देते हुए बताया कि मदनलाल सैनी के पड़ोस में ही जगदीश की पराठे की दुकान है।आरोप है कि 200 रुपये के विवाद के चलते दुकानदार जगदीश और उसके भाई तुलसी, अशोक और नौकर लक्ष्मण ने भुट्टे का ठेला लगाने वाले दुकानदार मदन लाल सैनी के साथ मारपीट की, जिससे वह बुरी तरह घायल हो गए। घायल दुकानदार मदनलाल को लेकर परिवार के लोग कोतवाली पहुंचे, जहां से पुलिस ने घायल को उपचार व मेडिकल परीक्षण हेतु जिला अस्पताल भेज दिया है। वहीं पीड़ित दुकानदार ने मारपीट करने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग पुलिस से की है।

वन स्टॉप सेंटर की काउंसिलिंग से टूटने से बचा अंजलि का परिवार

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद।वन स्टॉप सेंटर मुरादाबाद की सक्रियता और काउंसिलिंग से अंजलि (काल्पनिक नाम) का परिवार बर्बाद हो जाने से बच गया। सेंटर मैनेजर गुंजन शर्मा ने बताया कि कुछ दिनों पहले अंजलि ने वन स्टॉप सेंटर पहुंचकर अपनी शिकायत दर्ज कराई थी कि उनके पति काफी समय से मारपीट और मानसिक शोषण कर रहे हैं। बच्चों के पालन पोषण का खर्च नहीं दे रहे हैं और न ही पारिवारिक जिम्मेदारियों को निभा रहे हैं। काउंसलर तनिषा दिवाकर और टीम द्वारा अंजलि की शिकायत के आधार पर उनके पति को वन स्टॉप सेंटर बुलाकर उनके द्वारा ऐसा किए जाने के कारणों के बारे में जानकारी ली गई और उन्हें विभिन्न प्रकार के उदाहरण और पारिवारिक मूल्यों का हवाला देते हुए कई बार काउंसिलिंग की। काउंसिलिंग के बाद उनके पति ने अपनी गलती स्वीकार की और भविष्य में अपने पूरे परिवार का बेहतर तरीके से ध्यान रखने की जिम्मेदारी स्वीकार की। अंजलि ने अपनी पारिवारिक समस्या के समाधान होने के बाद प्रसन्नता जाहिर करते हुए बताया कि उन्हें वन स्टॉप सेंटर के बारे में उनके गांव में रहने वाले आंगनवाड़ी कार्यकत्री से जानकारी मिली थी। काउंसलर तनिषा दिवाकर ने बताया कि अंजलि से उनकी पारिवारिक स्थिति के बारे में फीडबैक भी लिया गया था जिस दौरान अंजलि ने बताया था कि उनका पारिवारिक जीवन बेहतर हो गया है।

बाढ़ पीड़ितों का हाल जानकर पंजाब से लौटे ग्रामीणों ने सुनाई वहां की व्यथा

शाह टाइम्स संवाददाता

कांठ। पंजाब के बाढ़ पीड़ित लोगों को सहायता राशि मुहैया करा कर वापस लौटे आवि हाफिजपुर के ग्रामीणों ने वहां के लोगों का दुख सबको बताया बतादे कि पंजाब में आई बाढ़ से काफी किसान बेघर हुए हैं जान और माल का काफी नुकसान हुआ है उनकी सहायता करने के लिए सभी धर्म के लोग आगे आए और सहायता राशि उन तक पहुंचाई छजलैट थाना क्षेत्र के गांव आवि हाफिजपुर से भी गांव के लोगों ने सहायता राशि इकट्ठा की और पंजाब के सेवा कैंप में जाकर लोगों को राशि उपलब्ध कराई डॉक्टर अंगद सिंह चौहान के मुताबिक धर्मकोट रंधावा बाबा रामदास डेरा अजलाना में बाढ़ पीड़ितों से घर-घर पहुंचकर उन्होंने संपर्क किया और अलग-अलग परिवारों को सहायता राशि प्रदान की। उन्होंने वहां की स्थिति देखकर दुख व्यक्त किया और सरकार से बाढ़ पीड़ितों के पुनर्वास प्राथमिकता के साथ कराए जाने का आवाहन किया। वहां से लौटकर आने के बाद उन्होंने बाढ़ पीड़ितों के दुख ग्रामीणों को बताएं। इस अवसर पर डॉक्टर अंगद सिंह चौहान लोकेंद्र सिंह ग्राम प्रधान प्रीतम सिंह विनीत कुमार देवेंद्र आर्य फुरकान अली जुल्फिकार अली आदि मौजूद रहे।

दूसरे समुदाय में शादी कर थाने पहुंची युवती

दो माह पहले चली गई थी प्रेमी के साथ, परिजनों से बताया जान का खतरा

शाह टाइम्स संवाददाता

कांठ । क्षेत्र के गांव की लड़की ने अपने ही गांव में दूसरे समुदाय के युवक से शादी कर ली, परिजनों ने विरोध किया तो थाने पहुंचकर सुरक्षा की गुहार लगाई। मामला थाना क्षेत्र के गांव ढाकी का है वहां की एक लड़की को दूसरे समुदाय के युवक विकास से प्रेम हो गया बताया गया कि करीब दो माह पहले वह उसके साथ चली गई लेकिन लोगों ने उसकी इच्छा के विरुद्ध समझा बुझाकर पिता के घर भेज दिया। मगर उसने 11 सितंबर को गौतम बुद्ध नगर के आर्य समाज मंदिर में विकास से शादी कर ली और अपने वकील कुलदीप शर्मा के माध्यम से थाना छजलैट पहुंची और परिजनों से खतरा बताते हुए सुरक्षा की गुहार लगाई। पुलिस ने इस संबंध में आवश्यक कार्रवाई की है।

संदलीपुर में कथा पूर्व निकाली विशाल कलश यात्रा

शाह टाइम्स संवाददाता

कांठ। सनातन वर्ग विकास समिति के तत्वाधान में आयोजित संदलीपुर मानपुर गांव की कथा से पूर्व आज तीसरे दिन शोभायात्रा का आयोजन किया गया जिसमें छोटे बच्चे बालकृष्ण शिव पार्वती रूप में झांकियो का हिस्सा बने महिलाएं अपने सर पर कलश धारण कर कथा प्रांगण से संदलीपुर मानपुर खानपुर नजरपुर होते हुए कथा स्थल पर पहुंची।

कथावाचक सत्य देवानंद महाराज ने शोभा यात्रा और इसके महत्व पर प्रकाश डाला तृतीय दिवस पर उन्होंने श्री कृष्ण सुदामा के बारे में विस्तार से बताया इस पावन अवसर पर अध्यक्ष मनोज चौधरी डॉक्टर अखिलेश बिश्नोई मोनू शर्मा मीडिया प्रभारी प्रियांक चौधरी बालमुकुंद शर्मा दयानंद बिश्नोई सुभाष सिंह पुलकित चौधरी महताब बिश्नोई संजय शर्मा महेंद्र सिंह अजय बिश्नोई आदि मौजूद रहे प्रसाद की व्यवस्था अंकित शर्मा उत्तम चौधरी और राजन चौधरी के द्वारा की गई।

उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ 16 के ज्ञापन देने को कर रहा तैयारी

शाह टाइम्स संवाददाता

कांठ। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रांतीय नेतृत्व के आह्वान पर 16 सितंबर को प्रदेश के समस्त जनपदों में जिलाधिकारी को प्रधानमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन दिया जाएगा। संघ के जिला उपाध्यक्ष व विकास क्षेत्र छजलैट के अध्यक्ष डॉ कपिल सिरोही ने बताया कि शिक्षक पात्रता परीक्षा की सभी शिक्षकों पर अनिवार्यता से देश भर के लाखों शिक्षकों की सेवा सुरक्षा व आजीविका को संकट में डाल दिया हैस 16 सितंबर को जिलाधिकारी को प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन देकर टीईटी से उत्पन्न समस्या के समाधान का आग्रह किया जाएगा। डॉ सिरोही ने अधिक से अधिक शिक्षकों से ज्ञापन कार्यक्रम में पहुंचने की अपील की। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए डॉक्टर कपिल सिरोही ने शिक्षकों से संपर्क किया और कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की।

जिला पंचायत चुनाव को लेकर समाज सेवा के सहारे जगह बनाने की कोशिश

● संभावित प्रत्याशी ने आंखों की जांच के लिए लगवाया नि:शुल्क कैम्प

शाह टाइम्स संवाददाता

कांठ। जिला पंचायत के वार्डों में अभी सीटों के आरक्षण की घोषणा भी नहीं हुई है लेकिन संभावित प्रत्याशियों ने समाज सेवा के जरिए समाज में जगह बनाने के प्रयास शुरू कर दिए हैं। ऐसा ही एक मामला ग्राम गढ़ी में देखने को मिला वार्ड 10 के संभावित प्रत्याशी अरशद फुरकान ने अपने आवास पर फ्री आंखों की जांच का कैंप लगवाया और वहां पर ग्रामीणों की आंखों की जांच कराई। बताया गया की 15 व्यक्तियों का मोतियाबिंद होने के कारण चिकित्सकों ने ऑपरेशन की सलाह दी जिनका राम रहीम हॉस्पिटल अगवानपुर में 16 सितंबर को ऑपरेशन कराना सुनिश्चित हुआ। इस मौके पर डॉक्टर यशवीर सिंह डॉक्टर मोनू सिंह डॉक्टर विवेक एवं अन्य लोग साथ रहे।

मासूम बच्ची पर कुत्ते ने किया हमला

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। ग्रामीण इलाके हो या शहरी इलाके सभी जगह आवारा कुत्तों का आतंक देखने को मिल रहा है। बीते दिन जहां जनपद के भोजपुर थाना क्षेत्र में आवारा कुत्ते ने एक मासूम बच्ची पर हमला कर उसे बुरी तरह जख्मी कर दिया, तो वहीं अब शहर के सिविल लाइंस थाना क्षेत्र में एक आवारा कुत्ते के द्वारा मासूम बच्ची पर हमला कर उसे बुरी तरह घायल कर देने का मामला सामने आया है। घायल बच्ची को परिवार के लोग जिला अस्पताल लेकर पहुंचे जहां बच्ची का उपचार चल रहा है। बता दे कि सिविल लाइंस थाना क्षेत्र के हरथला के रहने वाले नईम की 8 साल की बेटी अंसारा अपनी नानी के घर मुगलपुरा थाना क्षेत्र हाथी वाला मंदिर जाने के लिए घर से निकली थी, की हरथला में ही एक आवारा कुत्ते ने बच्ची पर हमला कर उसे बुरी तरह से जख्मी कर दिया। बच्ची के मामा ने किसी तरह उसे कुत्ते के चंगुल से बचाया और आनन फानन में उपचार के लिए जिला अस्पताल लेकर दौड़ पड़े। बच्ची की नानी मुमताज जहां ने जानकारी देते हुए बताया कि अंसारा हमारे घर आने के लिए अपने घर से निकली थी, इस दौरान रास्ते में एक आवारा कुत्ते ने उस पर हमला कर उसे बुरी तरह से जख्मी कर दिया उन्होंने कहा कि क्षेत्र में आवारा कुत्तों का काफी आतंक है और यह आवारा कुत्ते आए दिन किसी न किसी पर हमला कर उन्हें जख्मी कर देते हैं।

एक नजर

आत्म गौरव और राष्ट्र निर्माण का दिन है हिंदी दिवस

बिलारी। तहसील के गांव बहोरनपुर नरौली स्थित प्रेम शांति इंटर कॉलेज में हिंदी दिवस पर वाद -विवाद , अंताक्षरी की प्रतियोगिता कराई गई। जिसमें आकांक्षा, राधा, आरती लक्ष्मी दीप माला मीरा काजल रचना शीतल अंकुल ,अंकुश, कृष्णपाल सौरभ आदि छात्राओं ने बढ चढ़कर भाग लिया। विजयी टीम को प्रधानाचार्य विजय पाल सिंह राघव ने सात्व्ना पुरस्कार देखा उत्साह वर्धन किया। रविवार को हिंदी दिवस पर बोलते हुए प्रधानाचार्य विजय पाल सिंह राघव ने कहा कि आत्म गौरव और राष्ट्र निर्माण के लिए हिंदी अति आवश्यक है हमारी मातृभाषा हिंदी का दुनिया में कोई विकल्प नहीं है। इसलिए हमें हमेशा आपकी मातृभाषा हिंदी पर गर्व करना चाहिए। देश की एकता और अखंडता की सूत्रधार हिंदी जनमानस की भाषा ही नहीं बल्कि हमारी संस्कृति की अभिव्यक्ति का एक सशक्त माध्यम भी है। प्रतियोगिता निर्वायक मंडल में प्रधानाचार्य विजयपाल सिंह राघव, आदित्य राघव, आबिद हुसैन आदि रहे।

इंटर कॉलेज में क्विज प्रतियोगिता का आयोजन

बिलारी। राजकीय इंटर कॉलेज थांवला में भारतीय मानक व्यूरों की ओर से हेलमेट एवं घरेलू एलपीजी सिलेंडर पर क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। भारतीय मानक ब्यूरो गाजियाबाद के बीआईएस रिसोर्स पर्सन डॉ नीरज कुमार के निदेशक में हेलमेट एवं घरेलू एलपीजी सिलेंडर पर क्विज प्रतियोगिता की गई जिसका उद्देश्य वस्तुओं एवं सेवाओं की मानकीकरण एवं गुणवत्ता बनाए रखना है।बीआईएस के इस प्रयास के माध्यम से विद्यार्थियों में जागरूकता एवं समझदारी विकसित होगी। इस प्रतियोगिता में शामिल विद्यार्थी अपने-अपने घर जाकर बीआईएस के इस उद्देश्य में अपनी अहम भूमिका अदा कर सकेंगे। इससे समाज में वस्तुओं की गुणवत्ता सुरक्षा एवं विश्वसनीयता का भावना का विकास होगा और वह सभी ठगी का शिकार होने से बच सकेंगे।इस प्रतियोगिता में उत्तीर्ण होकर प्रथम स्थान पाने वाले विद्यार्थियों अमान 9 जी,सारेवा 9 जी को पुरस्कार स्वरूप 1000 रूपए, द्वितीय स्थान पाने वाले विद्यार्थियों आकांक्षा कक्षा 9 जी , शुमायला 10 जी को नमस्कार स्वरूप 750 रूपये और तृतीय स्थान पाने वाले विद्यार्थियों अंकित 10 जी , सोनम 10 जी को पुरस्कार स्वरूप 500 रूपए देकर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले अन्य विद्यार्थियों को सांत्वना पुरस्कार स्वरूप एक रजिस्टर व एक पेन भी दिया गया। इसके आयोजन में प्रधानाचार्य फखरुल इस्लाम, प्रवक्ता आनंद प्रकाश, बीआईएस के मेंटर चंद्रकेश एवं कार्यालय सहायक श्रीमती रीना आदि ने योगदान दिया।

पीड़ित को न्याय और शिकायतों का पारदर्शी निस्तारण रहेगी प्राथमिकता: एसओ

चन्दौसी/कुढ़फतेहगढ़। थाना कुढ़फतेहगढ़ के नवागत थाना प्रभारी लोकेन्द्र कुमार त्यागी ने रविवार को मीडियाकर्मियों से बातचीत के दौरान कहा कि उनकी प्राथमिकता थाने पर आने वाली शिकायतों का पारदर्शिता के साथ निष्पक्ष जांच कर त्वरित निस्तारण करना और पीडिघ्त को न्याय दिलाना रहेगा। उन्होंने स्पष्ट कहा कि कानून व्यवस्था में किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। अपराध और अपराधियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। एसएचओ लोकेन्द्र त्यागी ने आगे कहा कि पुलिस और क्षेत्रीय नागरिकों के बीच संवाद स्थापित कर सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाना और शांति व्यवस्था बनाए रखना भी उनकी कार्यप्रणाली का हिस्सा रहेगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जनसहयोग और तत्परता से पुलिस-प्रशासन के तालमेल से क्षेत्र में अपराध पर अंकुश लगाया जा सकेगा।

मोटरसाइकिल चोर कैमरे में कैद बाइक चोरी के 12 दिन बाद रिपोर्ट दर्ज

शाह टाइम्स संवाददाता

कुंदरकी। कुंदरकी कस्बा निवासी अमित चंद्रा की बीती 22 अगस्त को अज्ञात चोर मोटरसाइकिल चोरी कर ले गए थे। अमित ने बताया उसने मोटरसाइकिल चोरी की शिकायत कुंदरकी पुलिस चौकी में की थी, पूरा दिन बीत जाने के बाद अमित थाने पहुंचा जहां पुलिस ने उसे तीन-चार दिन रुकने के लिए कहा, अमित जब कुछ दिन बाद फिर से शिकायत लेकर गया तब पता चला सर छुट्टी गए हैं और वह वापस लौट आया। अमित द्वारा पुलिस को चोरी के समय के ब्ब्ट फोटेज भी मोहिया कराए गए। अमित ने बताया लगभग दस दिन बाद कुंदरकी पुलिस द्वारा उसकी प्राथमिकी दर्ज की गई, जबकि मोटरसाइकिल चोरी को लगभग तीन सप्ताह बीतने को है।

ट्रेनिंग के लिए रिजर्व पुलिस लाइंस पहुंचे रिक्रूट ने कहा यहां पर व्यवस्थाएं काफी बेहतर

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। रिजर्व पुलिस लाइंस में ट्रेनिंग के लिए पहुंचे रिक्रूट यहां की व्यवस्थाओं को देखकर काफी खुश नजर आ रहे हैं। ट्रेनिंग के दौरान पुलिस लाइन में 3 स्टार वाली सुविधा मिलने के कारण यह रिक्रूट काफी उत्साहित है, साथ ही साफ सफाई से लेकर खाने-पीने और रहने तक की सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त पाकर ट्रेनिंग के लिए आए सभी रिक्रूट रिजर्व पुलिस लाइन की व्यवस्थाओं की प्रशंसा कर रहे हैं। इतना ही नहीं खुद एडीजी जोन रमित शर्मा ने डीआईजी मुनिराज जी और एसएसपी सतपाल अंतिल के साथ ट्रेनिंग ले रहे रिक्रूटो के साथ में भोजन किया। बता दे कि उत्तर प्रदेश पुलिस में चयनित होने के बाद ट्रेनिंग के लिए पहुंचे ट्रेनी रिक्रूटो का पुलिस लाइन में रेटिना स्कैनर से सभी रिक्रूट को क्लास में प्रवेश मिलता है। वहीं पूरे ट्रेनिंग परिसर को सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में रखा गया है, जिससे 24 घंटे इन कैमरों के जरिए निगरानी होती है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल की निगरानी में रिजर्व पुलिस लाइन में सभी ट्रेनी रिक्रूटो को ट्रेनिंग दी जा रही है। रिजर्व पुलिस लाइन में ट्रेनिंग के लिए पहुंचे रिक्रूट काफी खुश नजर आ रहे हैं, यहां की व्यवस्थाओं को लेकर सभी रिक्रूट काफी संतुष्ट है और पुलिस अधिकारियों के द्वारा पुलिस लाइन में सभी सभी ट्रेनी रिक्रूट के लिए सुरक्षा व्यवस्था से लेकर 'खानपान आदि के लिए जो व्यवस्थाएं चुस्त दुरुस्त की गई है, उसको लेकर भी सभी ट्रेनी रिक्रूट काफी खुश है।

कार्यकर्ताओं के बल पर भाजपा दुनिया में सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बनी: रामवीर

शाह टाइम्स संवाददाता

मूंढापांडे। कुंदरकी में सोमवार को ब्लॉक सभागार में संयुक्त मंडल स्तरीय मासिक बैठक व सेवा पखवाड़ा अभियान के अंतर्गत मंडल कार्यशाला का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि विधायक ठाकुर रामवीर सिंह ने मंडल में चल रहे विकास कार्यों एक सेवा पर चर्चा की। केंद्र व प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को घर घर तक पहुंचाने के लिए कार्यकर्ताओं को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। विधायक कुंदरकी ने कार्यकर्ताओं के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सेवा से कोई बड़ा धर्म नहीं होता सभी कार्यकर्ता निस्वार्थ भाव से लोगों की सेवा में जुट जाएं। अपने आसपास स्वच्छता एवं सफाई व्यवस्था पर विशेष ध्यान रखे। जिससे वातावरण संतुलित हो और हरियाली की ओर अग्रसर रहे। आगे कहा कि कार्यकर्ता पार्टी की रीढ़ हैं। इन्हीं के बल पर भाजपा दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बनी है। वे पार्टी की विचारधारा और नीतियों को जनता तक पहुंचाते हैं। चुनावी सफलता में भी कार्यकर्ताओं की अहम भूमिका होती है। विधायक ने विधानसभा के प्रत्येक गांव में कोई खराब सड़क नहीं रहेगी, मेने अपनी शतप्रतिशत निधि सड़क निर्माण के लिए दी है। अच्छा रोड होगा तो आवागमन में कोई समस्या नहीं होगी, गांव के विकास की पहली परिभाषा ही मजबूत रोड होती है। विधायक निधि के अतिरिक्त भी अनेक अन्य योजनाओं से विकास कार्य शुरू करा दिए है। कार्यकर्ता होने के नाते आप सभी का दायित्व है कि आपके गांवों में जो भी निर्माण कार्य चल रहे हैं,जो भी संस्था उसको करा रही है, आप उसका निरीक्षण करे कि कार्य गुणवत्ता पूर्वक हो। बैठक मे कुंदरकी चेयरमैन पति मेहंदी हसन, ब्लाक प्रमुख पति गुलाम जिलानी, राजपाल आर्य, रामपुर जिला महामंत्री मोहन कुमार लोधी मंडल अध्यक्ष संजय कश्यप, रतनपुर कलां मंडल अध्यक्ष बबलू सिंह जाटव, पूर्व मंडल अध्यक्ष रमन भूषण, अमर सिंह सैनी, अरविंद ठाकुर, ब्रजेश लोधी, अल्पसंख्यक मोर्चा जिला अध्यक्ष नसीम खान, रोहित ठाकुर, संजय दिवाकर, नरेश सैनी, मजलूम पाशा, संजय सैनी, शफीक अहमद, देव सैनी, पंकज शर्मा, नक्शे अली, रोहित सिंह आदि कार्यकर्ता एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

हांगकांग को हरा सुपर-4 में पहुंचना चाहेगी श्रीलंका

● चरिथ असलंका की अगुवाई में श्रीलंका की टीम पहले मैच में बांग्लादेश को हराकर आत्मविश्वास से भरी हुई है

दुबई, वार्ता। श्रीलंका एशिया कप 2025 के आठवें मैच में हांगकांग को हराकर सुपर फोर में पहुंचना चाहेगी। वही टूर्नामेंट से बाहर हो चुकी हांगकांग सम्मान के साथ विदाई के लिए संघर्ष करेगी। चारिथ असलांका की अगुवाई श्रीलंका की टीम अपने पहले मैच में बांग्लादेश को छह विकेट से हराने के बाद आत्मविश्वास से भरी हुई है। उनकी बल्लेबाजी में टीम के रूप में लय में दिख रही है। 34 गेंदों पर 50 रनों की सहज पारी खेलने वाले पथुम निसांका एक अलग ही स्तर पर बल्लेबाजी करते दिख रहे हैं।

जबकि बांग्लादेश के खिलाफ कामिल मिशारा की नाबाद 46 रनों की पारी ने उनकी उम्र से कहीं अधिक संयम दिखाया। कुसल मेंडिस और कुसल परेरा शीर्ष क्रम में स्थिरता प्रदान करते हैं, और कप्तान असलांका के साथ कामिंदु मेंडिस अंतिम ओवरों में मजबूती प्रदान करते हैं।

वहीं गेंदबाजी की बात की जाये तो श्रीलंका के पास दुष्मंथा चमीरा और नुवान तुषारा ने गति और सटीकता का मिश्रण है। दुबई की पकड़ी पिचों पर वानिंदु हसरंगा की शानदार लेग स्पिन एक सिद्ध मैच-विजेता गेंदबाज बनी हुई है, और प्रबंधन परिस्थितियों के अनुसार, स्पिन आक्रमण में एक और परत जोड़ने के लिए महेश थीक्षाना को लाने पर विचार कर सकता है। हांगकांग की बात की जाये तो अफगानिस्तान और बांग्लादेश से हार के बाद अब तक उन्हें सफलता नहीं मिली है, लेकिन यासिम मुर्तजा की टीम एक चुनौतीपूर्ण प्रदर्शन की उम्मीद करेगी। जीशान अली, अंशुमान रथ और बाबर हयात बल्लेबाजी की जिम्मेदारी का भार संभालेंगे, जबकि अतीक इकबाल ने शानदार इकॉनमी से तीन विकेट लेकर गेंद से उनका सबसे अच्छा प्रदर्शन किया है। दुबई की पिच से तेज गेंदबाजो को शुरुआती मूवमेंट मिलने की उम्मीद है, जिसके बाद यह एक भरोसेमंद बल्लेबाजी ट्रैक बन जाएगी। अनुशासन के साथ खेलने वाले स्पिनर बीच के ओवरों में निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं। बाद में ओस की संभावना है। यहां टॉस मैच के फैसले को प्रभावित कर सकता है।

श्रीलंका की संभावित टीम : पथुम निसांका, कुसल मेंडिस (विकेटकीपर), कामिल मिशारा, कुसल परेरा, चैरिथ असलांका (कप्तान), कामिंदु मेंडिस, दासुन शनाका, वानिंदु हसरंगा, दुष्मंथा चमीरा, नुवान तुषारा, मथीशा पथिराना और महेश थीक्षाना।

पहली जीत दर्ज करने पर होंगी यूएई और ओमान की नजरें

पहली जीत दर्ज करने पर होंगी यूएई और ओमान की नजरें

अबु धाबी, वार्ता। एशिया कप के 7वें मैच में यूएई का सामना सोमवार को ओमान से होगा। यूएई को अपने पहले मैच में भारतीय टीम से 9 विकेट से करारी हार झेलनी पड़ी थी। इसी तरह ओमान को टूर्नामेंट के अपने पहले मुकाबले में पाकिस्तान के खिलाफ 93 रन से बड़ी हार मिली थी। ऐसे में दोनों टीमें पहली जीत की तलाश में होंगी।

मीनाक्षी-जैस्मीन ने मुक्केबाज में जीते स्वर्ण पदक

लिवरपूल, वार्ता। जैस्मीन (57 किग्रा) और मीनाक्षी (48 किग्रा) ने लिवरपूल में विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप 2025 में स्वर्ण पदक जीत लिए। जैस्मीन ने पोलैंड की स्ज़ेरमेटा जूलिया (पेरिस ओलंपिक रजत पदक विजेता) को 4:1 से हराकर स्वर्ण जीता और यह उपलब्धि हासिल करने वाली वह वाली पहली भारतीय बन गई। मीनाक्षी (48 किग्रा) ने कजाकिस्तान की नाजिम काइज़ेबे (पेरिस ओलंपिक कांस्य पदक विजेता) के खिलाफ 4:1 से जीत हासिल की और चैंपियनशिप 2025 में स्वर्ण पदक जीतने वाली दूसरी भारतीय बन गई। नुपुर (80 किग्रा) ने रजत पदक जीता जबकि पूजा रानी (80 किग्रा) ने कांस्य पदक के साथ समापन किया।

ओलंपिक मेडलिस्ट अमन सहरावत रेसलिंग विश्व चैंपियनशिप से डिस्क्वालिफाई

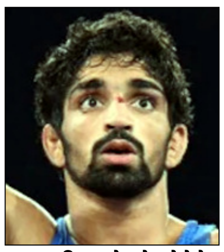

● 1.7 किग्रा ओवरवेट होने के कारण निकले अमन सहरावत

नई दिल्ली, वार्ता। पेरिस ओलिंपिक में ब्रॉन्ज जीतने वाले भारतीय पहलवान अमन सहरावत जाग्रेब में चल रही वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप से डिस्क्वालिफाई हो गए हैं। वे रविवार को मुकाबले से पहले ओवरवेट पाए गए। अमन पुरुषों की फ्रीस्टाइल 57 किग्रा इवेंट में हिस्सा लेने वाले थे, लेकिन उनका वजन 1.7 किलोग्राम ज्यादा था। अमन से इस चैंपियनशिप में मेडल की उम्मीद थी। उनके पास वजन कम करने के लिए पर्याप्त समय था। वे भारतीय पहलवानों के साथ 25 अगस्त को तैयारी के लिए क्रोएशिया के जाग्रेब पहुंच गए थे। एक अधिकारी ने नाम उजागर न करने की शर्त पर कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण और आश्चर्यजनक है कि अमन अपना वजन कंट्रोल नहीं कर पाए। जब वे वजन मापने के लिए खड़ा हुआ तो उसका वजन 1700 ग्राम ज्यादा था। यह स्वीकार्य नहीं है। उसका वजन इतना ज्यादा कैसे हो गया, यह हमारी समझ से परे है।

सात्विक-चिराग फाइनल में हारे

हांगकांग, वार्ता। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी आज हांगकांग में जीत के करीब पहुंच गए थे, लेकिन यहां पुरुष युगल के खिताबी मुकाबले में चीन के लियांग वेइकेंग और वांग चांग से 62 मिनट में 21-19, 14-21, 17-21 से हार गए। शुरुआत से ही, भारतीय जोड़ी में एक उद्देश्यपूर्ण भावना थी।

उन्होंने स्पष्ट सर्विस और रिटर्न किया, समझदारी से रैलियां बनाई और गेम पॉइंट पर एक शांत हॉकआई चैलेंज की मदद से पहला गेम 21-19 से अपने नाम कर लिया। यह इस बात का संकेत था कि उन्होंने अपनी ताकत और स्थिर निर्णय को कितनी अच्छी तरह से संयोजित करना सीख लिया है। हालांकि, चीनी जोड़ी ने दूसरे गेम में अपनी लय हासिल कर ली। लियांग के तीखे स्मैश और वांग के तेज इंटरसेप्शन ने भारतीयों को बार-बार बचाव करने पर मजबूर कर दिया। 21-14 का स्कोरलाइन न केवल दूसरी टीम के दबाव को दर्शाता है, बल्कि सात्विक-चिराग की लंबाई और रोटेशन की

● पुरुष युगल के खिताबी मुकाबले में चीन के लियांग वेइकेंग और वांग चांग से 62 मिनट में हार गए

गुणवत्ता में भी थोड़ी गिरावट दर्शाता है। जैसा कि अक्सर उच्चतम स्तर पर होता है, निर्णायक गेम शुरुआती कुछ आदान-प्रदानों पर निर्भर था।

लियांग और वांग ने शुरुआत में ही हमला बोला और भारतीयों के संभलने से पहले ही स्कोर 6-0 कर दिया। हालांकि सात्विक और चिराग ने बीच में ही अपनी लय पकड़नी शुरू कर दी और साहसिक खेल और तेज पूर्वानुमान के साथ 10-18 से 17-20 पर पहुंच गए, लेकिन अंतर बहुत ज्यादा साबित हुआ। तीसरे मैच पॉइंट पर लियांग के क्लीन विनर ने एक घंटे से ज्यादा चले मुकाबले को पक्का कर दिया। भारतीय टीम तीसरे गेम को थोड़े अफसोस के साथ, लेकिन साथ ही उत्साह के साथ भी देखेगी। वे कभी भी किसी से कमतर नहीं रहे, बस कुछ जगहों पर उनसे आगे निकल गए। उनका आक्रामक इरादा, खासकर सात्विक के फ्लैट स्मैश और चिराग का नेट पर नियंत्रण, हर शीर्ष जोड़ी को परेशान करता रहा। उन्हें निर्णायक मुकाबलों में शुरुआती झटकों का सामना करने के लिए स्थिरता की जरूरत है, यह एक ऐसा सबक है जो हाल के महीनों में एक से ज्यादा बार सामने आया है। थाईलैंड में जीत के बाद से भले ही वे खिताबों से दूर रहे हों, लेकिन इस अभियान ने यह स्पष्ट कर दिया कि वे विश्व युगल में शीर्ष पर क्यों हैं।

गैर स्टीड 2025-26 घरेलू सत्र के लिए आंध्र प्रदेश नियुक्त

हैदराबाद, वार्ता। न्यूजीलैंड को विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का खिताब दिलाने वाले गैरी स्टीड को 2025-26 घरेलू सत्र के लिए आंध्र प्रदेश की टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। वह टीनू योहानन की जगह लेंगे।

गैरी स्टीड को टीम का कोच बनाए जाने पर आंध्र क्रिकेट एसोसिएशन (एसीए) ने सोशल मीडिया पर लिखा कि आंध्र क्रिकेट उनके मार्गदर्शन में एक नए युग में प्रवेश कर रहा है, और इस सत्र में बड़ी उपलब्धियां हासिल करने और शीर्ष स्तर का प्रदर्शन करने का लक्ष्य लेकर चल रहा है। 53 वर्षीय स्टीड, न्यूजीलैंड के सबसे सफल कोच हैं। उन्होंने तीन वैश्विक सीमित ओवरों के फाइनल (2019 एकदिवसीय विश्व कप, 2021 टी-20 विश्व कप और 2025 चैंपियंस ट्रॉफी) में टीम को पहुंचाया और भारत में 3-0 से ऐतिहासिक टेस्ट सीरीज जीत हासिल की है। इससे पहले, उन्होंने न्यूजीलैंड महिला टीम को 2009 एकदिवसीय विश्व कप और 2010 टी-20 विश्व कप के फाइनल में पहुंचाया था। उन्होंने 2013 से 2017 तक कैंटरबरी को तीन खिताब और न्यूजीलैंड की घरेलू रेड-बॉल प्रतियोगिता प्लंकेट शील्ड के फाइनल में भी कोचिंग दी थी। बतौर खिलाड़ी स्टीड न्यूजीलैंड के लिए पांच टेस्ट मैच खेले और 34-75 की औसत से 278 रन बनाए। उन्होंने 101 प्रथम श्रेणी और 103 लिस्ट ए मैच भी खेले, जहां उन्होंने क्रमशः 4984 और 2173 रन बनाए। आंध्र 2024-25 रणजी ट्रॉफी में सात मैचों में से केवल एक जीत के साथ अपने ग्रुप में छठे स्थान पर रहा था।

संक्षिप्त खेल समाचार

हांगकांग को हराकर सुपर फोर में पहुंचना चाहेगी श्रीलंका

दुबई, वार्ता। श्रीलंका एशिया कप 2025 के आठवें मैच में हांगकांग को हराकर सुपर फोर में पहुंचना चाहेगी। वही टूर्नामेंट से बाहर हो चुकी हांगकांग सम्मान के साथ विदाई के लिए संघर्ष करेगी। चारिथ असलांका की अगुवाई श्रीलंका की टीम अपने पहले मैच में बांग्लादेश को छह विकेट से हराने के बाद आत्मविश्वास से भरी हुई है। उनकी बल्लेबाजी में टीम के रूप में लय में दिख रही है। 34 गेंदों पर 50 रनों की सहज पारी खेलने वाले पथुम निसांका एक अलग ही स्तर पर बल्लेबाजी करते दिख रहे हैं, जबकि बांग्लादेश के खिलाफ कामिल मिशारा की नाबाद 46 रनों की पारी ने उनकी उम्र से कहीं अधिक संयम दिखाया। कुसल और कुसल परेरा शीर्ष क्रम में स्थिरता प्रदान करते हैं, व कप्तान असलांका के साथ कामिंदु अंतिम ओवरों में मजबूती प्रदान करते हैं।

सौरव गांगुली-हरभजन सिंह सहित कई खिलाड़ी वार्षिक आम बैठक में शामिल होंगे

● हरभजन वार्षिक आम बैठक में पंजाब क्रिकेट संघ का प्रतिनिधित्व करेंगे

नई दिल्ली, वार्ता। सौरव गांगुली (सीएबी), जयदेव शाह (सौराष्ट्र), अरुण सिंह धूमल (एचपीसीए) और राजीव शुक्ला (यूपीसीए) जैसे नियमित नामों के अलावा, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में भाग लेने वाले अधिकांश अन्य सदस्य भी आम तौर पर संदिग्ध होते हैं।

हरभजन सिंह, निश्चित रूप से, आम सभा की बैठक के लिए राज्य प्रतिनिधियों की विशिष्ट सूची में एक अलग नाम के रूप में उभरे हैं। जैसा कि पहले बताया गया था, वह वार्षिक आम बैठक में पंजाब क्रिकेट संघ (पीसीए) का प्रतिनिधित्व करेंगे, जिससे बीसीसीआई के शीर्ष पद के लिए उनके संभावित उम्मीदवार के रूप में उनकी संभावनाओं को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। 103 टेस्ट मैच खेल चुके पूर्व भारतीय स्पिनर ने अपनी योजनाओं के बारे में चुप्पी साध रखी है, लेकिन उनके करीबी लोगों का कहना है कि उनका नामांकन पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान से उनकी नजदीकी से जुड़ा है और इसके ज्यादा मायने नहीं निकाले जा सकते। लेकिन यह संभावना नहीं है कि यह मामला सिर्फ पंजाब के मुख्यमंत्री के साथ उनकी दोस्ती तक ही सीमित रहेगा। यह तय है कि इसमें और भी कुछ है।

हरभजन और उनके पूर्व भारतीय कप्तान गांगुली के अलावा, राष्ट्रीय या अंतर्राष्ट्रीय खेल का अनुभव रखने वाले अन्य प्रतिनिधियों में जयदेव शाह, रघुराम भट्ट (कर्नाटक) और मिथुन मिन्हास (जेकेसीए) शामिल हैं। पूर्व बीसीसीआई दिग्गज और दिल्ली क्रिकेट के कद्दावर नेता दिवंगत अरुण जेटली के बेटे रोहन जेटली को दिल्ली ज़िला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) ने नामित किया है। उन्हें बीसीसीआई में एक प्रभावशाली व्यक्ति माना जाता है। बीसीसीआई के पूर्व कोषाध्यक्ष अनिरुद्ध चौधरी हरियाणा क्रिकेट संघ (एचसीए) का प्रतिनिधित्व करेंगे। संबंधित राज्य संघों द्वारा नामांकित होना महत्वपूर्ण है क्योंकि केवल वही प्रतिनिधि 28 सितम्बर को होने वाले चुनाव में भाग ले सकते हैं। अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, संयुक्त सचिव और कोषाध्यक्ष के पदों के लिए चुनाव होंगे और यह लगभग तय है कि सचिव देवजीत सैकिया (असम), कोषाध्यक्ष प्रभतेज सिंह भाटिया (छत्तीसगढ़) और संयुक्त सचिव रोहन देस्सा (गोवा) अपने पदों पर बने रहेंगे।

मेघरा ने एयर राइफल में जीता कांस्य

● फाइनल में मेघना सज्जनार ने 230-0 का स्कोर किया जबकि नॉर्वे की दिग्गज जेनेट हेग डुएस्टाड ने रजत जीता

निंगबो, वार्ता। एक ऐसे फाइनल में जहां चीन की नई सनसनी पेंग शिनलु ने विश्व रिकॉर्ड तोड़ा, भारत की मेघना सज्जनार ने आठ साल बाद अपना पहला विश्व फाइनल खेलते हुए महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल में कांस्य पदक जीता।

यह उनका पहला वर्ल्ड कप पदक है। इस पदक की मदद से भारत ने निंगबो, चीन में आयोजित सीजन-एंड़िग इंटरनेशनल शूटिंग स्पोर्ट फेडरेशन (आईएसएसएफ) वर्ल्ड कप राइफल/पिस्टल को एक स्वर्ण और एक कांस्य पदक के साथ पांचवें स्थान पर समाप्त किया। फाइनल में मेघना ने 230-0 का स्कोर किया जबकि नॉर्वे की दिग्गज जेनेट हेग डुएस्टाड ने रजत जीता और पेंग ने 255-3 के स्कोर के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया। यह स्कोर उनकी साथी वांग ज़ीफेई के पूर्व विश्व रिकॉर्ड 254-8 से बेहतर था। ईशा सिंह ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल में स्वर्ण पदक जीतकर भारत को निंगबो वर्ल्ड कप का पहला पदक दिलाया था। घरेलू रैंकिंग में चौथे से छठे स्थान के खिलाड़ियों से बनी भारतीय टीम ने विश्व स्तरीय प्रतिस्पर्धा में सराहनीय प्रदर्शन किया। चीन तीन स्वर्ण पदकों के साथ पदक तालिका में शीर्ष पर रहा जबकि नॉर्वे दो स्वर्ण पदकों के साथ दूसरे स्थान पर रहा। कुल 10 स्वर्ण पदकों के लिए मुकाबला हुआ। रविवार सुबह दूसरे क्वालिफिकेशन राउंड में शूटिंग करते हुए मेघना ने 632-7 का मजबूत स्कोर बनाकर सातवां स्थान हासिल किया। पेंग 637-4 के शानदार स्कोर के साथ शीर्ष पर रही। चीन की खिलाड़ी ने फाइनल की 24 शॉट्स की सीरीज की शुरुआत ही परफेक्ट 10-9 के साथ की। पहले पांच शॉट्स की सीरीज के बाद मेघना आठ महिला खिलाड़ियों में सबसे पीछे थीं। दूसरी सीरीज में 52-3 के स्कोर ने उन्हें छठे स्थान पर पहुंचा दिया। अगले 10 शॉट्स में उन्होंने 10-2 से कम स्कोर नहीं किया, जिसमें 12वें शॉट में एक अहम 10-9 भी शामिल था। इस तरह लगभग एक दशक की मेहनत के बाद उन्होंने इस स्तर पर पहला पदक पक्का कर लिया। 19वें शॉट से पहले व्यक्तिगत न्यूट्रल एथलीट मारिया वासिलेवा उनसे सिर्फ 0-3 अंक आगे थीं। लेकिन मेघना के लगातार दो 10-4 स्कोर ने मारिया की उम्मीदों को खत्म कर दिया। भारत ने दिन का दूसरा फाइनल भी हासिल किया, जो निंगबो में चौथा फाइनल था। किरण अंकुश जाधव ने पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन क्वालिफिकेशन राउंड में 590 का स्कोर कर चौथा स्थान प्राप्त किया। हालांकि फाइनल में पहले नीलिंग (घुटने) और फिर प्रोन पोजीशन (लेटकर) में खराब शुरुआत के कारण वे आठवें स्थान पर रहे।

रयान क्राउसर की गोला फेंक में खिताबी हैट्रिक

टोक्यो, वार्ता। संयुक्त राज्य अमेरिका के रयान क्राउसर ने विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में गोला फेंक में 22.34 मीटर की थ्रो के साथ लगातार तीसरा विश्व खिताब जीता। विश्व रिकॉर्ड धारक और तीन बार के ओलंपिक चैंपियन ने मेक्सिको के उज़्एिल मुनोज को 37 सेंटीमीटर से पीछे छोड़ा। मुनोज ने 21.97 मीटर के साथ रजत पदक जीता और इटली के लियोनार्डो फैब्री ने 21.94 मीटर की थ्रो के साथ कांस्य पदक जीता। संयुक्त राज्य अमेरिका ने मिश्रित 4x400 मीटर रिले में भी जीत हासिल करने के बाद पहले दिन दो स्वर्ण पदकों के साथ समापन किया। सुबह के सत्र में, स्पेन की पेरेज ने 35 किमी रेस वॉक में अपना खिताब बरकरार रखा, जबकि कनाडा के इवान ने पुरुषों की स्पर्धा में अपना पहला विश्व खिताब जीतने के लिए देर से बढ़त हासिल की।

सुमित के दम पर भारत ने स्विट्जरलैंड को हराया

बील, वार्ता। भारतीय पुरुष टेनिस टीम ने डेविस कप 2025 विश्व ग्रुप आई मुक. ाबले में स्विट्जरलैंड को 3-1 से हराकर

● 32 साल में पहली बार किसी यूरोपीय देश के खिलाफ भारत की पहली डेविस कप जीत

बील में इतिहास रच दिया। यह 32 वर्षों में किसी यूरोपीय देश के खिलाफ भारत की पहली डेविस कप जीत थी, आखिरी बार 1993 में फ्रांस के खिलाफ आई थी। सुमित नागल ने निर्णायक उलट एकल मुकाबले में स्विट्जरलैंड के हेनरी बर्नेट पर 6-1, 6-3 से शानदार जीत के साथ जीत सुनिश्चित की। डेविस कप स्टैंड़िग में 37वें स्थान पर काबिज भारत ने नौवीं वरीयता प्राप्त स्विट्जरलैंड (24वें स्थान) को हराकर 2026 विश्व ग्रुप क्वालीफायर के पहले दौर में जगह बनाई। पहले दिन भारत ने स्विस टेनिस एरेना में मुकाबले पर नियंत्रण कर लिया था। डेविस कप में पदार्पण करते हुए दक्षिणेश्वर सुरेश ने शुरुआती एकल मुक. ाबले में घरेलू पसंदीदा जेरोम किम को 7-6(4), 6-3 से हराया। 626वीं रैंकिंग के सुरेश ने उल्लेखनीय धैर्य दिखाया और सीधे सेटों में मैच जीतने से पहले कई ब्रेक प्वाइंट बचाए। बाद में, भारत के अगुआ सुमित नागल ने दो बार के ओलंपियन मार्क-एंड्रिया ह्यूस्लर को 6-3, 7-6(4) से हराया। नागल ने पहले सेट में दो बार ह्यूस्लर की सर्विस तोड़ी और दूसरे सेट के टाईब्रेक में अपना धैर्य बनाए रखा, जिससे भारत को पहले दिन के बाद 2-0 की बढ़त मिल गई। जैकब पॉल और हेनरी बर्नेट की स्विस जोड़ी ने वापसी करते हुए एन श्रीराम बालाजी और रित्विक बोल्लीपल्ली को युगल मुकाबले में हराया। पहले उलट एकल में 18 वर्षीय बर्नेट का सामना करते हुए, भारत के नंबर एक खिलाड़ी नागल ने शुरुआत में ही ब्रेक लिया और बेसलाइन से दबदबा बनाया। यह जीत 1993 के बाद से किसी यूरोपीय देश पर भारत की पहली डेविस कप जीत है, एक ऐसा परिणाम जो टीम के लचीलेपन और गहराई को दर्शाता है।

यह 2019 में शुरू किए गए नए डेविस कप प्रारूप के तहत भारत की पहली विदेशी सफलता भी है। यह जीत भारत की 2026 विश्व ग्रुप क्वालीफायर के पहले दौर में प्रगति सुनिश्चित करती है, जबकि स्विट्जरलैंड को 2026 विश्व ग्रुप ए प्ले-ऑफ में भाग लेना होगा। तीन बार का डेविस कप उपविजेता (1966, 1974, 1987) भारत अब प्रतियोगिता के एलीट चरणों में वापसी की अपनी खोज में इस गति को बनाए रखने की कोशिश करेगा।

केन्या की चेबेट ने विश्व एथलेटिक्स में 10000 मी. दोड़ में जीता पहला खिताब

● दौड़ में बीट्राइस चेबेट के साथ हमवतन एग्नेस चेबेट एथियोपिया की गुडाफ और फोटियन व इटली की नादिया भी थी

टोक्यो, वार्ता। केन्या की बीट्राइस चेबेट ने यहां 2025 विश्व चैंपियनशिप में महिलाओं की 10,000 मीटर दौड़ का स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने 30 मिनट 37:61 सेकंड में अपना पहला विश्व खिताब जीता। 25 वर्षीय विश्व रिकॉर्ड धारक चेबेट ने 4,000 मीटर स्प्लिट के बाद बढ़त बना ली, उनके साथ हमवतन एग्नेस जेबेट नेगेटिच, इथियोपिया की गुडाफ त्सेगे और फोटियन टेस्फे, और इटली की नादिया बट्टोक्लेट्टी भी थीं। हालांकि गत चैंपियन त्सेगे 9,200 मीटर स्प्लिट के बाद आगे निकल गईं, लेकिन दो बार की ओलंपिक चैंपियन चेबेट ने निर्णायक अंतिम दौड़ में 30 मिनट और 37:61 सेकंड में स्वर्ण पदक हासिल किया। पेरिस ओलंपिक की रजत पदक विजेता बैटोक्लेट्टी 30:38:23 सेकंड में दूसरे स्थान पर रहीं और उन्होंने एक नया इतालवी राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया। त्सेगे 30:39:65 सेकंड में तीसरे स्थान पर रहीं, जो इथियोपियाई खिलाड़ी का इस सीजन का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था। चेबेट ने कहा कि यह एक कठिन, बहुत ही रणनीतिक दौड़ थी, लेकिन मैंने आखिरी 800 मीटर बहुत मेहनत से दौड़ा। त्सेगे ने बहुत ज़ोर लगाया और मुझे लगातार दौड़ते रहना था। मैं उस स्वर्ण पदक को बहुत चाहती थी। मैंने विश्व चैंपियनशिप में कभी स्वर्ण पदक नहीं जीता था, इसलिए मुझे यकीन था कि मुझे इसे हासिल करना ही होगा। दौड़ के दौरान यही बात मेरे दिमाग में चल रही थी। शायद, लॉस एंजे. लिस (2028 ओलंपिक) के बाद, मैं मैराथन में भाग लूंगी। लेकिन अभी के लिए, मैं ट्रैक पर ही रहूंगी।

डीसीएम की टक्कर से बाइक सवार दो की दर्दनाक मौत

शाह टाइम्स संवाददाता

कुन्दरकी। थाना क्षेत्र के जलालपुर मार्ग पर दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। जानकारी के अनुसार, घर से बकरियों का चारा लेने जा रहे दो बाइक सवार युवकों को सामने से आ रही डीसीएम ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में दोनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान मुहम्मद अनस पुत्र रिफाकत, हुसैन पुत्र बनने के रूप में हुई है। घटना के बाद डीसीएम चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। वहीं फरार चालक की तलाश शुरू कर दी गई है। हादसे के बाद परिजनों में कोहराम मचा हुआ है और पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस भी मौके पर पहुंच गए जिसने कड़ी में मसक्कत के बाद मार्ग पर लगे जाम को खुलवाया।

बुजुर्ग ने दी अपनी जान, परिजनों ने रिश्तेदार पर लगाया उत्पीड़न का आरोप

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। जनपद के कटघर थाना क्षेत्र रामपुर दोराहा स्थित कबीर नगर में उस समय सनसनी फैल गई,जब एक बुजुर्ग ने आत्महत्या कर ली।मृतक के परिवार के लोगों का आरोप है कि रिश्तेदार के उत्पीड़न से तंग आकर पीड़ित ने आत्महत्या की है। इस मामले में मृतक के परिजनों ने प्रताड़ित करने वाले रिश्तेदार के खिलाफ कार्रवाई की मांग पुलिस से की है। बता दे की कटघर थाना के काशीपुर तिराहा चौकी क्षेत्र कबीर नगर के रहने वाले बाबू पुत्र नवाब. जान अपनी पत्नी और बच्चों के साथ रह रहे थे।आरोप है कि राहत अली नाम के रिश्तेदार ने बाबू के एक मकान पर कब्जा कर लिया

था।आरोप है कि उसके बाद से रिश्तेदार लगातार बाबू को प्रताड़ित कर रहा था और झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी भी दे रहा था। मृतक के बेटे दानिश का आरोप है कि रिश्तेदार के उत्पीड़न से तंग आकर उनके पिता ने अपनी जान दी है। इस मामले में मृतक के बेटे ने पुलिस से शिकायत करते हुए

कार्रवाई की मांग की है। वहीं पुलिस ने छानबीन करने के साथ ही मृतक के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है, साथ ही फॉरेंसिक टीम भी मौके पर पहुंची और साक्ष्य एकत्रित किए।

चौथे दिन भागवत कथा कृष्ण जन्म से प्रारंभ हुईः अचार्य जगदीश

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। आज चतुर्थ दिन परम पूज्य आचार्य श्री जगदीश प्रसाद कोठारी जी ने राही होटल दिल्ली रोड पर श्रीमद् भागवत कथा में कृष्ण लीला का वर्णन किया और कृष्ण जन्म उत्सव मनाया गया आचार्य श्री जगदीश प्रसाद कोठारी जी ने कहा कि जो मनुष्य भागवत कथा सात दिन तक सुनता है तो उसकी सारी समस्याओं का समाधान हो जाता है उन्होंने कहा जो व्यक्ति मन से भागवत कथा सुनता है और श्रवण करता है उसे जन्म-जन्म अंतर की प्राप्ति होती है उन्होंने कहा कि पुण्य का बखान मत करो पाप का बखान करो साथ ही साथ उन्होंने कहा कि गुरु मंत्र को प्रकट नहीं करना चाहिए मंत्र का तात्पर्य गुप्त रूप से होना चाहिए यज्ञ में मन से आहुति दो स्वाहा दिखाकर मत करो कोई भी कार्य यदि आप करते हैं तो वह मन से करो दिखावा मत करो श्री कोठारी जी ने कहा कि हिंदू धर्म में वेद को भगवान माना गया है इतिहास के द्वारा भेद और पारायण समझाया जाता है आज कृष्ण जन्माष्टमी बड़ी धूमधाम से मनाया गया उन्होंने कहा कि काम का प्रवेश नेत्र से होता है उन्होंने कथा के माध्यम से कहा कि हमारे हिंदू धर्म में 16 संस्कार है उन्होंने कहा कि प्रारंभ से ही बच्चों को संस्कार एवं अच्छी शिक्षा देनी चाहिए यही हिंदू धर्म की संस्कृति एवं पहचान है आचार्य जी ने कहा की भागवत कथा में श्री कृष्ण उत्सव का बहुत महत्व है उन्होंने बीच-बीच में सुंदर-सुंदर श्लोक का वर्णन भी किया जिसे श्रोता अपने को रोक नहीं पाए और नित्य करने लगे कृष्ण जन्म शाम 6:00 बजे हुआ पूरा पंडाल भगवा मेय हो गया भागवत भवन को भव्य रूप से सजाया गया था सभी को फल एवं माखन मिश्री का प्रसाद भी वितरण किया गया उन्होंने नारद जी के बारे में भी बताया साथ ही साथ उन्होंने कहा कि संसार एक नदी है और नदी में मिट्टी के कण बह रहे हैं इसलिए हम सभी को अपने जन्म को प्रकाश की ओर चलना चाहिए मुख्य यजमान नगर विधायक रितेश गुप्ता एवं उनकी पत्नी अल्पना रितेश गुप्ता रहे मुख्य यजमान एवं नगर विधायक रितेश गुप्ता ने कहा

की मुरादाबाद महानगर के अंदर भक्ति भाव की गंगा बह रही है और सभी लोग इस बहती गंगा में हाथ धोएं और अपने को पुण्य का भागी समझे बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ की संयोजिका अल्पना रितेश गुप्ता ने कहा यह मुरादाबाद का सौभाग्य है कि हम लोगों को सात दिवसीय कथा का श्रवण करने को मिल रहा है तत्पश्चात विशाल आरती का आयोजन भी किया गया उसके बाद विशाल महाप्रसाद का भी आयोजन नगर विधायक श्री रितेश गुप्ता जी की ओर से रहा कार्यक्रम में मुख्य रूप से अनिल अग्रवाल अमिता स्वरूप अभदेश अग्रवाल डॉ अमित अग्रवाल रोहित ढल यश चेयरमैन दीपक बाबू डायरेक्टर (ऐन टी पी सी)ग्रीष भंडुला महापौर विनोद अग्रवाल एमएलसी डॉ जयपाल सिंह व्यस्त रामबाबू भटनागर (आरएसएस)केके मिश्रा संदीप सिंघल केके रस्तोगी अमित गुप्ता विनीत गुप्ता संजय शर्मा नत्थू राम कश्यप योगेश कुमार सौरब गुप्ता अमित गुप्ता धर्मेश सैनी आदि रहे।

शिवसेना ने किया भारत पाकिस्तान मैच का विरोध

शाह टाइम्स संवाददाता

बिलारी। शिवसेना के कार्यालय मंदिर पोडा खेड़ा शाह टाइम्स संवाददाता बिलारी पर एक बैठक की गई । बैठक में शिवसेना के जिला उप प्रमुख राजीव सक्सेना ने कहा कि शिवसेना इंडिया-पाकिस्तान के मैच का पूर्ण रूप से विरोध करती है शिवसे.ना अपने देश के 25 लोगों की हत्या नहीं भूली है तथा पुलवामा में शहीद हुए अपने जवानों का बलिदान नहीं भूल सकती फिर इंडिया-पाकिस्तान का मैच क्यों होने दे शिवसेना द्वारा पाकिस्तान का पुतला जलाकर अपना विरोध जता कर देशवासियों से निवेदन किया कि इंडिया पाकिस्तान के मैच का बहिष्कार करें कोई भी भारतवासी इंडिया-पाकिस्तान का मैच ना देखें। बैठक में महेश सिंह, सुशील शर्मा, सौरव सक्सेना, दिनेश आजाद, भूरा भाई, अमित गुप्ता, रवि शंकर रस्तोगी, अभिषेक शर्मा ,कुश सक्सेना, पुखराज गुप्ता, प्रवीण ठाकुर ,संजीव सक्सेना, निपेंद्र चौधरी, पुनीत अरोड़ा, राजीव ठाकुर, राजेश ठाकुर, मुकेश राघव आदि शिव सैनिक शामिल रहे।

● समिति स्तरीय सट्टा प्रदर्शन मेले में किया जाएगा

किसानों की गन्ना आपूर्ति विषयक समस्याओं का एकमुश्त समाधन

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। उप गन्ना आयुक्त, मुरादाबाद हरपाल सिंह ने बताया कि परिक्षेत्र मुरादाबाद की गन्ना समितियों के सदस्य गन्ना कृषकों को आगामी पेराई सत्र 2025-26 मे चीनी मिलों कों सुचारू गन्ना आपूर्ति किये जाने हेतु प्री कलेन्डर आनलाईन E Ganna App तथा वेबसाइट enquiry&caneup&in पर लाइव कर दिया गया है। किसान भाई ई-गन्ना मोबाईल एप गुगल प्ले स्टोर से डाउनलोड कर सकते है। किसान बंधु अपने प्री कलैण्डर की जाँच / अवलोकन अवश्य कर लें यदि गन्ना प्री कलैण्डर में कोई त्रुटि हो तो सात दिवस के अन्दर अपनी आपत्ति एस.जी. के. वेबसाइट के grivence redressal पर दर्ज करा दें अथवा अपनी समिति के इन्क्वायरी टर्मिनल पर या सम्बन्धित गन्ना पर्यवेक्षक को उपलब्ध करा दें साथ ही उसका निस्तारण प्रत्येक दशा में समिति स्तर पर आयोजित होने वाले समिति स्तरीय सट्टा प्रदर्शन मेले में लिखित रूप से प्रार्थनापत्र देकर अवश्य करा लें। गन्ना किसानों द्वारा दर्ज करायी गयी आपत्तियों के एकमुश्त समाधान एवं निराकरण हेतु परिक्षेत्र की सभी सहकारी गन्ना समितियों में 10 दिवसीय सट्टा प्रदर्शन मेले का आयोजन प्रत्येक जनपद मे (अवकाश को छोडकर) किया जा रहा है। जिसमे जनपद मुरादाबाद की सहकारी गन्ना समितियों क्रमशः मुरादाबाद, काठं, एवं बिलारी एवं जनपद बिजनौर की गन्ना समिति हल्दौर, जनपद सम्भल की गन्ना समिति असमौली, चन्दौसी, एवं रजपुरा, एवं जनपद रामपुर की गन्ना समिति बिलासपुर मे इस सटटा प्रदर्शन मेले का आयोजन दिनांक 15.09.2025 से 25.09.2025 तक, किया जायेगा जबकि जनपद बिजनौर की गन्ना समिति धामपुर, नजीबाबाद, स्योहारा, चाँदपुर, अफजलगढ एवं बुन्दकी/नगीना, जनपद अमरोहा की गन्ना समिति अमरोहा एवं गजरौला हसनपुर मे दिनांक 16.09.2025 से 25.09. 2025 तक तथा जनपद बिजनौर की गन्ना समिति बिजनौर एवं नूरपुर

■ मण्डल के विभिन्न जनपदों में लगाये जायेगें मेलें

तथा जनपद अमरोहा की गन्ना समिति धनौरा तथा जनपद रामपुर की गन्ना समिति स्वार, मिलक एवं रामपुर मे इस मेले का आयोजन दिनांक 16.09.2025 से 25.09. 2025 तक किया जायेगा। उप गन्ना आयुक्त मुरादाबाद ने परिक्षेत्र के सभी किसानों से अपील की है कि प्री-कैलेन्डर सट्टा प्रदर्शन मेलें में प्राप्त आपत्तियों के निस्तारण उपरान्त कृषकों के सर्व सम्बन्धी आकड़ो को अन्तिम रूप से लॉक कर दिया जायेगा जिसके पश्चात किसी प्रकार का संशोधन ग्राहय नहीं होगा। अतः समस्त गन्ना कृषकों से अनुरोध है कि समिति स्तरीय सट्टा प्रदर्शन मेलों में पहुँचकर अधिकाधिक लाभ उठायें ताकिं आगामी पेराई सत्र में गन्ना आपूर्ति में आने वाली कठिनाईयों से बचा जा सके।

पुस्तकालय आने के लिए शीघ्र शुरू होगी ट्रांसपोर्टेशन की सुविधा

शाह टाइम्स संवाददाता

कांठ। सुगम्य पुस्तकालय में पढ़ने आने वाले दिव्यांग बच्चों की आवागमन की समस्या अब दूर हो जाएगी। जिला प्रशासन की ओर से बच्चों को लाने और ले जाने के लिए ट्रांसपोर्टेशन की व्यवस्था की जा रही है। बच्चों की सुरक्षा के लिए चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई जाएगी।अप्रैल माह के अंतिम सप्ताह में लोक सेवा दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुरादाबाद के जिलाधिकारी अनुज सिंह को सुगम्य पुस्तकालय की स्थापना के लिए प्रधानमंत्री एक्सीलेंस अवार्ड (नवाचार श्रेणी) में प्रदान किया था। अवॉर्ड मिलने के बाद दिव्यांग बच्चों को सुगम्य पुस्तकालय भेजने के लिए अभिभावकों का रुझान बढ़ा था, लेकिन आवागमन की सुविधा न होने की वजह से उनका पंजीकरण नहीं हो सका। विभागीय अधिकारियों के अनुसार बच्चों को भेजने के लिए करीब 80 अभिभावकों ने पूछताछ की थी। लेकिन यातायात न होने की वजह से कम बच्चों का पंजीकरण हो सका। अभिभावक बच्चों को स्वयं लाने और ले जाने की जिम्मेदारी उठा रहे हैं। इसकी वजह से औसतन उपस्थिति भी सिर्फ दस से 12 बच्चों की रहती है। सूत्रों ने बताया कि बच्चों को लाने के लिए शीघ्र वैन की सुविधा शुरू होगी इसके बाद दिव्यांग बच्चों की संख्या में इजाफा हो सकता है। इसलिए संबंधित उप जिलाधिकारी के सहयोग से ट्रांसपोर्टेशन की व्यवस्था की गई है।

जरूरतमंदों की सेवा करती रहेगी सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी

■ पांच लाख तक का कराया जाएगा निशुल्क इलाज

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। रविवार को सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी की एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। इस बैठक की अगुवाई जिला सचिव प्रिंस ठाकुर ने की, जबकि बैठक के संचालन का दायित्व संगठन मंत्री अमित चौधरी और जीत पासी ने निभाया।बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में पार्टी के जिला अध्यक्ष एवं कैबिनेट मंत्री प्रतिनिधि रवि चौधरी ने शिरकत की। उन्होंने कैबिनेट मंत्री एवं पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर की विचारधारा से उपस्थित जनसमूह को अवगत कराया और बताया कि पार्टी किस तरह दलित, पिछड़े और गरीब तबकों के उत्थान के लिए संकल्पित है। रवि चौधरी ने कहा कि पार्टी के माध्यम से अब तक 5 लाख तक का निशुल्क इलाज जरूरतमंदों को कराया गया है, और स्वयं कैबिनेट

मंत्री ओमप्रकाश राजभर द्वारा 25 लाख तक की स्वास्थ्य सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। यह सेवा आगे भी निरंतर जारी रहेगी। उन्होंने यह भी बताया कि पार्टी का जनाधार अब समुद्र की भांति मुरादाबाद सहित पूरे भारत में विस्तार कर रहा है, जो सामाजिक न्याय की इस मुहिम की सफलता का परिचायक है। बैठक में दानिश कुरेशी महानगर अध्यक्ष,गौरव कुमार प्रमुख महासचिव,अमित चौधरी संगठन मंत्री,आशु सिक्का जिला उपाध्यक्ष, पोपटलाल जिला महामंत्री,विजयवीर सिंह ठाकुर, विशाल ठाकुर, सतीश ढल, सानू, अमन सैनी, अशोक सैनी, ऋतिक ठाकुर, आकाश कुमार, पवन ठाकुर, दीपक सैनी, गोविंद निहाल, विनीत शंकर, रिंकू सैनी, प्रशांत सिंह, अनमोल कुमार, विकास ठाकुर, बॉबी पासी, नितिन सैनी, सुनील पासी, बादल ठाकुर, सुजल शर्मा, तरुण शर्मा, आरिफ, साहिल, सौरभ, भोला ठाकुर, हर्ष समेत अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ब्राइटर माइंड से बच्चों का सर्वांगीण विकासः अंशु श्रीवास्तव

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। दिन रविवार को हार्टफुलनेस केंद्र मुरादाबाद में ब्राइटर माइंड्स कार्यशाला के प्रमाण पत्र तथा प्रेक्टिस किट का वितरण समारोह बड़े ही उत्साह और गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। ब्राइटर माइंड कोऑर्डिनेटर अंशु श्रीवास्तव ने कहा कि हार्टफुलनेस संस्था ध्यान के द्वारा जीवन को सही अवस्था में जीने का हुनर सिखाती है जो कि संसार के 165 देशो में फैली हुई है ।

इसी के तत्वाधान में ब्राइटर माइंड्स कार्यशाला भी बच्चों के सर्वांगीण विकास की ओर कार्यरत है। साल 2024 में इसके प्रथम सत्र में 18 प्रतिभागियों तथा 2025 में इसके दूसरे सत्र में 26 विद्यार्थियों ने इस कार्यशाला से लाभान्वित होकर शहर के विभिन्न विद्यालयों में इसका प्रदर्शन करते हुए अपनी विशेष प्रतिभा का परिचय दिया। विद्यार्थियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन एवं सहभागिता के लिए प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। ब्राइटर माइंड्स कार्यशाला में प्रशिक्षण प्राप्त किए हुए बच्चों ने लाइव डेमोंसट्रेशन भी किया। जिसको देखकर प्रमाण पत्र एवं प्रैक्टिस किट वितरण समारोह में उपस्थित अभिभावकों तथा अतिथियों ने बच्चों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की कार्यशाला विद्यार्थियों के आत्मविश्वास और व्यक्तित्व विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। हार्टफुलनेस जोनल कॉर्डिनेटर डॉ नवीन कुमार सिंह ने ब्राइटर माइंड्स की वैज्ञानिक उपयोगिता के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि जीवन के हर पल में उपयोगी सिद्ध होगा। कार्यक्रम में हार्टफुलनेस संस्था के जोनल कोऑर्डिनेटर तथा टीएमयू मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य वरिष्ठ डॉक्टर डॉ नवीन कुमार सिंह , आश्रम प्रबंधक रोहित जैन , डॉक्टर साधना सिंह , रीमा अग्रवाल , नैटी चिल्ड्रन एकेडमी के प्रधानाचार्य आदर्श कुमार श्रीवास्तव , अमित सक्सेना तथा नैपालसिंह पाल आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सभी अभिभावकों को भी हार्टफुलनेस रिलेक्सेशन तथा ध्यान कराया गया। कार्यक्रम के अंत में ब्राइटर माइंड्स कोऑर्डिनेटर अंशु श्रीवास्तव जी ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए यह आश्वासन दिलाया कि हार्टफुलनेस केंद्र पर भविष्य में भी इस प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता रहेगा। ब्राइटर माइंड्स प्रबंधक आदर्श श्रीवास्तव

ने सभी का आभार व्यक्त किया।कार्यक्रम को सफल बनाने में बेबी राज, अंशु बिश्नोई, मीनाक्षी, वसुन्धरा , रश्मि नारंग,गजेंद्र, मनोज शर्मा, हुकम सिंह राणा, चंद्रशेखर, सुनील, विनोद कुमार, ऋषि तथा मीनू , पार्थ श्रीवास्तव , लव सक्सेना , नलिनी सिंह आदि का विशेष योगदान रहा

बेदखली सूचना

मैने अपने पुत्र पारस सिंह व पुत्रवधू श्रीमती प्राची सिंह को गलत संगत/ गलत आचरण व दुर्व्यवहार करने के कारण अपनी समस्त चल व अचल संपत्ति से बेदखल कर संबंध विच्छेद कर लिए है। भविष्य में इनके द्वारा किए गए किसी भी कृत्यों/ लेनदेन व मुकदमेंबाजी के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगे। आज के बाद मेरा व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य से कोई ताल्लुक व वास्ता नहीं होगा। श्रीमति सुनीता देवी पत्नी स्वर्गीय राज कुमार निवासी शिव मंदिर आदर्श कालोनी समाज कल्याण विभाग, तहसील व जिला मुरादाबाद

बेदखली सूचना

हमने अपने बडा बेटा रमन प्रीत सिंह व पुत्रवधू श्रीमती दिलजीत कौर को गलत संगत/ गलत आचरण व दुर्व्यवहार करने के कारण अपनी समस्त चल व अचल संपत्ति से बेदखल कर संबंध विच्छेद कर लिए है। भविष्य में इनके द्वारा किए गए किसी भी कृत्यों/ लेनदेन व मुकदमबाजी के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगे। आज के बाद हमारा व हमारे परिवार के किसी भी सदस्य से कोई ताल्लुक व वास्ता नहीं होगा। रंजीत सिंह सचदेवा पुत्र हरभजन सिंह व हरविंदर कौर पत्नी रंजीत सिंह हाल निवासी मोहल्ला बैंक कालोनी शाहपुर तिगरी, तहसील व जिला मुरादाबाद।

शाह टाइम्स

सम्पादकीय

सोमवार, 15 सितम्बर 2025

मणिपुर को सौगात

मणिपुर में 2023 में हिंसा भड़कने के बाद पहली बार पीएम मोदी मणिपुर की राजधानी इम्फाल पहुंचे। वहां उन्होंने जहां कुकी बाहुल चूड़ा चांदपुर जिले में जनसभा को संबोधित किया, वहीं इम्फाल में 1200 करोड़ की 17 परियोजनाओं का उद्घाटन किया। उन्होंने वहां लोगों से शांति स्थापित करने की अपील की, वहीं साथ ही कहा कि यहां के लोग विकास को प्राथमिकता देते हैं और राज्य में हिंसा का कोई स्थान नहीं है। उनका कहना था कि कहीं भी विकास के लिए शांति जरूरत है। पिछले 11 सालों में पूर्वोत्तर में कई संघर्ष और विवाद सुलझ गए हैं, लोगों ने शांति का रास्ता चुना है और विकास को प्राथमिकता दी है। शांति प्रयासों से लेकर उन्होंने कहा कि केंद्र ने जो प्रयास किए हैं वह राज्य में साफ दिखाई दे रहे हैं।

उन्होंने हाल ही में पहाड़ी और घाटी में विभिन्न समझौतों के साथ समूहों में बातचीत को प्राथमिकता दी। जहां तक बात विपक्ष की है, विशेष रूप से कांग्रेस पीएम मोदी की मणिपुर की यात्रा को इस समय गैर जरूरी बता रही है। उसकी नजर में अब मणिपुर जाने का कोई मतलब नहीं है। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने साफ कहा है कि पीएम मणिपुर जाकर घड़ियाली आंसू बहा रहे हैं। उनका मकसद लोगों के दुख में शामिल होना नहीं बल्कि बड़ी परियोजनाओं का उद्घाटन करना मकसद है ताकि उनको प्रचार मिल सके। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने हालांकि उनकी मणिपुर की यात्रा का स्वागत किया, लेकिन यह बेहद देर से उठाया गया कदम भी बताया। उनका कहना था कि पीएम मोदी को बहुत पहले यहां आना चाहिए था। वैसे विपक्ष के तमाम नेता समय-समय पर पीएम मोदी से वहां का दौरा करने की मांग करते रहे हैं, लेकिन वह तमाम मांगों को अनसुना कर मणिपुर नहीं गए।

जैसाकि खड़गे ने कहा कि जब से मणिपुर में हिंसा हुई है तब से पीएम मोदी दर्जनों विदेश यात्रा कर चुके हैं, लेकिन उन्होंने मणिपुर की कभी सुध नहीं ली। विपक्ष का यह आरोप अतार्किक भी नहीं कहा जा सकता। पीएम होने के नाते मोदी को वहां बहुत पहले जाना चाहिए था। निश्चित रूप से मणिपुर के दंगे बेहद सिरहन पैदा करने वाले हैं, क्योंकि कुकी और मेतेई समुदाय के बीच जिस तरह की दुश्मनी देखने मे आई, वह राज्य व देश के लिए बेहद खतरनाक है और वर्तमान में भी हम देख रहे हैं कि वहां हिंसा में कमी आई है। मेतेई और कुकी नेता आपस में बातचीत भी कर रहे हैं, लेकिन अभी पूरी तरह शांति नहीं कही जा सकती। निसंदेह महिलाओं के साथ जिस तरह दुराचार की खबरें आई हैं, उसने पूरे देश को ही एक तरह से हिलाकर रख दिया। बात यहीं खत्म नहीं होती, मणिपुर को लेकर पीएम मोदी ने कोई बड़ा बयान दिया हो ऐसा भी याद नहीं आता, लेकिन देर से ही सही, अगर पीएम मोदी इस समय मणिपुर गए हैं, तो उसका भी स्वागत किया जाना चाहिए और जिन बड़ी परियोजनाओं की उन्होंने घोषणा की है वह भी राज्य के लिए बड़ी बात है। हर चीज को राजनीति के चश्मे से देखना ठीक नहीं है। विपक्ष को भी समझना होगा कि अगर पीएम मोदी मणिपुर को बड़ा पैकेज दे रहे हैं, तो इससे राज्य के लोगों का ही भला होगा।

पीडीए के कारण नेपाल में हो गया तख्तापलट

भाजपा सरकार में लगातार पीडीए का अपमान और उपेक्षा हो रही है, पीडीए के कारण ही नेपाल में आग लगी और तख्तापलट हो गया। इसे ध्यान में रखना चाहिए, भाजपा ने लोकतंत्र और संविधान को बहुत नुकसान पहुंचाया है विधानसभा चुनाव में भाजपा को हटाना ही लोकतंत्र और जनता के हित में है, पीडीए एकजुट हो रहा है, सपा बाबा साहब डॉ भीमराव आंबेडकर और डॉ राममनोहर लोहिया की विचारधारा और नेताजी के संघर्ष के रास्ते पर चलकर गैरबराबरी, आर्थिक और सामाजिक असमानता के खिलाफ लड़ाई लड़ रही है, भाजपा सरकार में आर्थिक और सामाजिक असमानता बढ़ती जा रही है। गरीबी-अमीरी के बीच खाई गहरी हो गई है। भाजपा सरकार में हर स्तर पर पीडीए की उपेक्षा हुई है, पीडीए को हिस्सेदारी नहीं मिली। **-अखिलेश यादव, अध्यक्ष, समाजवादी पार्टी**

क्यों कूटा गया नेपाल में भारतीय मीडिया

पवन सिंह

प्यार तो होना ही था। प्यार तो होना ही था। बेशक गाने की ये लाइनें फिल्मी हैं लेकिन कभी यह गाना भारतीय मीडिया के संदर्भ में खांचे में फिट होता था। अखबारों में छपी खबर को जनता इस हद तक सच मानती थी और विश्वास करती थी जितना कि सुबह फिर से सूरज उगेगा का सच। भारतीय मीडिया के लिए वह प्यार व सम्मान हम जैसों ने देखा है। 1980 के दशक के हमारे जर्नलिज्म के जो साथी हैं और हम लोगों के दौर से पहले के जो वरिष्ठ पत्रकार जीवित हैं, जर्नलिज्म से जुड़ी इस पीढ़ी को जाकर उनसे पूछना चाहिए कि ऐसा क्या हुआ कि सब बदल गया।

अब प्यार तो होना ही था गाने को अगर बदल दें तो यह ऐसे गाया जाएगा पिटना ही था। पिटना ही था। ये आखिर हुआ क्यों? भारतीय पत्रकार थपड़ियाए क्यों गए। बेहतर होता अगर इसकी पड़ताल और समीक्षा की जाती। घटना पर भारतीय पत्रकारों का गुस्सा बेशक जायज है, लेकिन सवाल फिर वहीं आकर खड़ा होता है कि आखिरकार भारतीय मीडियाकर्मियों को नेपाली जनता ने थपड़ियाया क्यों? अकारण और बेवजह ऐसी घटना का होना स्वाभाविक नहीं है?

नेपाल में मेरा काफी दिन रहना हुआ। उस दौरान मैं दैनिक हिन्दुस्तान में संवाददाता था। फैलोशिप पर मारीशस अध्ययन के बाद भारत लौटा तो नेपाल जाने का मौका मिला। यहां मुझे पर्यटन अध्ययन संस्थान, लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से भेजा गया था। वर्ष, 2000 में पर्यटन अध्ययन संस्थान लखनऊ विश्वविद्यालय के लिए पुस्तक लिखी। चूंकि आने-जाने और अध्ययन का खर्चा लखनऊ विश्वविद्यालय से ही दिया गया था लिहाजा विश्वविद्यालय ने ही किताब प्रकाशित करवाई। नेपाल को जितना मैं समझ पाया में वह लगातार भारत से दूर हुआ है। भारत से लगी नेपाली सीमाओं में रह रहा मधेशी जितना भारत के करीब है, उतना ही नेपाली राजनीति में मजबूत पकड़ रखने वाला पहाड़ क्षेत्र का नेपाली भारत को पसंद नहीं करता है। इस वर्ग में ताकतवर नेपाली ब्राह्मण व क्षत्रिय लॉबी है। यह ठीक वैसे ही है जैसे पाकिस्तान की सत्ता व सेना में केवल पंजाबियों का जबरदस्त वर्चस्व है और शेष हाशिए पर हैं।

मूल विषय यह है भारतीय मीडिया पिटा क्यों? भारतीय मीडिया इसलिए पिटा क्योंकि जैसे भारत में यह चैनलीय रिपोर्टर सत्ता को खुश करने के हथकंडे अपनाते हैं, इन्होंने यही हरकत काठमांडू में करने की कोशिश की। वहां भी हिन्दू राष्ट्र और मोदी जैसा पीएम चाहिए की लंतरानी लेकर नैरेटिव सेट करने लग गए। कुछ नेपाली नागरिक पकड़े, बताते हैं उनको पैसे दिए और कहा कि बाइट दे दें कि नेपाल में भी चाहिए मोदी जैसा पीएम। चूंकि नेपाल के ऊपरी क्षेत्र में पहले से ही भारत विरोधी माहौल चल रहा है, यह दांव दूसरे देश में उल्टा पड़ गया और लाइन लगा कर भारतीय पत्रकार कूटे गए। यह अपनी करनी से कूटे गए। विशुद्ध पत्रकारिता कर रहे होते तो न कुटते जैसे अन्य देश के मीडियाकर्मी रिपोर्टिंग कर रहे थे, लेकिन विदेशी धरती पर भी जब चरण चूरन फांकने लगे तो नेपाली जनता ने भी चरणरज का प्रसाद वितरित किया।

भारतीय मीडिया इसलिए पिटा क्योंकि जैसे भारत में यह चैनलीय रिपोर्टर सत्ता को खुश करने के हथकंडे अपनाते हैं, इन्होंने यही हरकत काठमांडू में करने की कोशिश की। वहां भी हिन्दू राष्ट्र और मोदी जैसा पीएम चाहिए की लंतरानी लेकर नैरेटिव सेट करने लग गए। कुछ नेपाली नागरिक पकड़े, बताते हैं उनको पैसे दिए और कहा कि बाइट दे दें कि नेपाल में भी चाहिए मोदी जैसा पीएम। चूंकि नेपाल के ऊपरी क्षेत्र में पहले से ही भारत विरोधी माहौल चल रहा है, यह दांव दूसरे देश में उल्टा पड़ गया और लाइन लगा कर भारतीय पत्रकार कूटे गए। यह अपनी करनी से कूटे गए। विशुद्ध पत्रकारिता कर रहे होते तो न कुटते जैसे अन्य देश के मीडियाकर्मी रिपोर्टिंग कर रहे थे, लेकिन विदेशी धरती पर भी जब चरण चूरन फांकने लगे तो नेपाली जनता ने भी चरणरज का प्रसाद वितरित किया।

आप कौन होते हैं दूसरे देश में जाकर, वहीं की जनता के बिहाफ पर यह कहने वाले कि किस देश को किस तरह का प्रधानमंत्री चाहिए? आप किसी दूसरे देश कि राजनीति की दिशा तय करने वाले कौन होते हैं? कौन सा देश हिन्दू राष्ट्र बनेगा या मुस्लिम या इसाई देश। आप कौन होते हैं? उस देश की जनता और उस देश के राजनीतिक नेतृत्व को तय करने दीजिए। आप खामखां कौन? और जब आप जबरिया किसी देश के आंतरिक मामलों में घुसेंगे तो पिटेंगे और वही हुआ। आप पिटे भी। नमस्ते ट्रंप और अबकी बार ट्रंप सरकार टाइप्स की हरकतें जब करेंगे तो रिश्ते दरकेंगे। क्योंकि यह सीधे-सीधे किसी भी संप्रभु राष्ट्र राजनीति में हस्तक्षेप का मामला बनता है। साहेब को लगा कि ट्रंप दोबारा आएगा लेकिन आए जो. बाइडेन अब मामला गले में फंसी हड्डी जैसा हो गया। उधर साहेब पहुंचे अमेरिका, अमेरिकी मीडिया ने छापा कि साहेब अपने पुराने दोस्त से जरूर मिलेंगे और ट्रंप ने भी बयान जारी किया कि उनका दोस्त मिलने आएगा, लेकिन दोस्त गायब हो गया। अमेरिकी मीडिया में ट्रंप का जबरदस्त मजाक बना। लेकिन घूमकर ट्रंप फिर आ गया और इस बार आप देख ही रहे हैं। रिश्ते दरक गए और आज जग-हंसाई अलग से हो रही है। भारतीय मीडिया का मजाक और उस पर मीम्स अंतर्राष्ट्रीय मीडिया में जाए हुए हैं, क्योंकि आपने कलम को लिपिस्टिक बना लिया है और पत्रकारिता को कोठा, जहां पत्रकारिता आज मुजरा कर रही है। नेपाल में भारतीय मीडिया रिपोर्टिंग करने नहीं एजेंडा सेट करने गया था और जब आप पत्रकारिता से इतर एजेंडा सेट करने दूसरे देश में जाएंगे तो पिटेंगे ही और आप ठीक-ठाक बेइज्जत हुए और थपड़ियाए भी गए।

आइए समझते हैं नेपाल की नाराजगी- नेपाली अब यह मानने लगा कि भारत उसका शोषण करता है। भारत अकारण नेपाल की राजनीति में हस्तक्षेप करता है। एक नेपाली पत्रकार साथी बताते हैं कि 26 मई, 2006 को बीजेपी के तत्कालीन अध्यक्ष राजनाथ सिंह ने नेपाल के संदर्भ में टिप्पणी की कि नेपाल की मूल पहचान एक हिंदू राष्ट्र की है और इसे मिटने नहीं देना चाहिए और बीजेपी को इससे प्रसन्नता नहीं होगी कि नेपाल अपनी मूल पहचान माओवादियों के दबाव में खो दे। यहीं से माओवादियों और चीन प्रभावित नेपाली लॉबी खुलकर चीन की ओर आ गई। नेपालियों ने माना कि यह सीधा-सीधा हस्तक्षेप है।

इसके बाद रॉ प्रमुख सामंत कुमार गोयल, पीएम ओली से मिले और भारत के सेना प्रमुख जनरल नरवणे ओली से मिलने पहुंच गए। फिर विदेश सचिव आए। इसके तुरंत बाद बीजेपी के विदेशी मामलों के प्रभारी विजय चौथाई भी ओली से मिले। ये सारी मुलाकातें गोपनीय हुईं लेकिन नेपाली मीडिया खबरें करता रहा। जनता को आधिकारिक रूप से कोई भी जानकारी नहीं दी गई। अचानक पीएम ओली ने संसद को भंग कर दिया जबकि ओली के पास बहुमत भी नहीं था। नेपाली मीडिया और राजनीतिक दलों ने यह कह कर तूल दिया कि भारत नेपाल में अस्थिरता फैलाना चाहता है। ओली यह सब भारत की शह पर कर रहे हैं। समय बीता और वर्ष, 2015 में भारत के विदेश सचिव एस जयशंकर नेपाली नेतृत्व के सामने अजीब से कड़े तेवर में नजर आए। यह नेपाल की राजनीतिक पार्टियों को बुरा लगा और यह सब तब हो रहा था जब नेपाल इतिहास में पहली बार लोकतांत्रिक गणराज्य के रूप में अपना संविधान लागू कर रहा था। हां नया संविधान था और इस बात की संभावनाएं थीं कि इसमें कुछ कमियां हो सकती हैं लेकिन समय के साथ यह संवैधानिक कमियां दूर हो जातीं। भारत की मधेसियों को लेकर जो चिंता थी वह सही थी लेकिन कोई दूसरा देश, किसी दूसरे संप्रभु देश को यह कैसे कह सकता है कि संविधान को लागू करने से रोक दीजिए। एस जयशंकर के इसी रवैये के बाद नेपाल के सभी राजनीतिक दल एक हुए और भारत के दबाव को दरकिनार कर संविधान को लेकर आम सहमति बनाई। नाराज भारत ने नाकेबंदी कर दी और इससे नेपाल में मानवीय संकट खड़ा हो गया और यही वह भारत विरोधी माहौल था जब चीन ने सीधे-सीधे इसे अपने पक्ष में किया। नेपाल के लोग आज भी उस नाकेबंदी को याद करते हैं जब वर्ष 2015 में नेपाल को पूरी तरह से तोड़ दिया गया था। पेट्रोल व डीजल की मीलों लंबी लाइनें थीं। नमक के पैकेट तक की मारा-मारी थी। सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहता था। रसोईयों के चूल्हे बंद हो चुके थे, क्योंकि गैस सप्लाई तक बंद थी। यहीं से नेपाल ने उस रास्ते को तलाशना शुरू कर दिया कि चीन से ट्रांजिट रूट को कैसे मजबूत हो। बस सब कुछ पलटता चला गया। नेपाल के एक पत्रकार साथी कहते हैं कि भारत के लद्दाख और अरुणाचल में सेना घुसी हुई है, भारत को पहले अपने आंतरिक मामले देखने चाहिए, नेपाल में हस्तक्षेप करने से बचना चाहिए।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

मातृभाषा का राष्ट्र भ्रमण

व्यंग्य

हिन्दी सप्ताह पर मौलिक प्रस्तुति

अज़ीम राजा

स्टेशन पर लगी दो फुट की तख्ती पर मोटा-मोटा लिखा देख हिन्दी खुश हो गई। उसके दिल में देशवासियों के प्रति ममता हिलौरे लेने लगी। प्रेम के वशीभूत हिन्दी इधर-उधर नजरें घुमाने लगी। आनन्द आ रहा था, अपनी सन्तान को देखकर। प्लेटफार्म के एक कोने पर दिखा। एक कागज बोतल चुगने वाला बालक कोट-पैंट धारी थुलथुले साहब की आधी पीकर फेंकी हुई फ्रूटी पी रहा था।

हिन्दी माता खुश हो गई। दिल से निकला वाह क्या भाईचारा है। मेरी संतान मिल बांटकर खाती-पीती है। बालक फ्रूटी पीकर खड़ा हुआ तो एक सज्जन से टकरा गया। सज्जन को गुस्सा आ गया और बोला हराम खोर देखकर नहीं चल सकता, कपड़े खराब कर दिए और बालक को थप्पड़ जड़ दिया। हिन्दी एक दम सकते में आ गई। फिर दिल को दिलासा दिया कि एकाध संतान तो चलो बिगड़ भी जाती है। पर हिन्दी का मन अब स्टेशन पर नहीं लगा वह बाहर आ गई। चलते-चलते एक कार्यक्रम स्थल पर पहुंची। वहां कोई पुरस्कार वितरण कार्यक्रम चल रहा था। मंच की पीछे की दीवार पर एक बड़ा सा बैनर लगा था। जिस पर लिखा था जिला स्तर पर हिन्दी सेवियों का सम्मान। हिन्दी माता के चेहरे की मुस्कान बढ़ गई। चुपके से जाकर दूसरी पंक्ति में खाली पड़ी एक कुर्सी पर बैठ गई। मंच पर संचालक ने माइक से बोलना शुरू किया। Ladies and gentlemen our next prise goes to mr RED MOON

देखिए इनका नाम तो लालचंद है, लेकिन नए दौर को देखते हुए इन्होंने अपना नाम अंग्रेजी में ट्रांसलेट करके रेडमून कर लिया है। इनकी उपलब्धियों में डाकू चमेली फिल्म का गाना अपने होठों की खिला दे रसमलाई जैसे हिन्दी गीत हैं। संचालक आगे भी कुछ-कुछ बोलता जा रहा था, लेकिन हिन्दी के कानों से सिर्फ इतना ही सुनकर खून बहने लगा। आगे सुनने की शक्ति समाप्त होने लगी। उबकाई आने लगी तो समारोह छोड़कर बाहर आ गई और लम्बे-लम्बे सांस भरने लगी। सड़क पर एक चाय की दुकान पर रखे टीवी में एक नेताजी का इंटरव्यू चल रहा था। नेताजी कह रहे थे हम चाहते हैं कि स्कूलों में केवल हिन्दी ही पढ़ाई जाए। विदेशी फिल्में पूरी तरह प्रतिबंधित कर दी जाएं। अगर हम सत्ता में आते हैं तो हम इसको पूरे देश में लागू कराएंगे। हिन्दी ने सोचा चलो कोई तो है स्वभाषा प्रेमी। जो भी हो नेताओं में अभी हिन्दी प्रेम सबसे ज्यादा है।

हिन्दी ने निश्चय किया कि अपनी इस संतान से भेंट करने संसद जाना चाहिए। अगली सुबह की गाड़ी पकड़कर हिन्दी संसद पहुंच गई और राष्ट्रपिता की तस्वीर को सलामी देकर एक दीवार पर हिन्दी भाषा राजभाषा की तख्ती बनकर लटक गई। संसद की कार्यवाही शुरू हो गई। एक सांसद ने मराठी में मंत्री जी से कोई सवाल किया। हिन्दी मुस्कराई। अपनी छोटी बहन को सुनकर। मंत्री जी दक्षिण से थे। जवाब देने के लिए खड़े हो गए। मन उत्साहित हो उठा। वाह-वाह। अब दूसरी बहन से भी भेंट होगी, लेकिन मंत्री जी ने तो अंग्रेजी में बोलना शुरू कर दिया। हिन्दी की मुस्कराहट कुछ कम हो गई। मंत्री जी जवाब दे ही रहे थे कि एक दूसरे सदस्य खड़े हो गए और बोले मंत्री जी आप अंग्रेजी में जवाब क्यों दे रहे हैं। हिन्दी माता ने सर सम्मान से उठाकर देखा। मंत्री जी बोले फिर कैसे जवाब दूं। टोकने वाले एमपी साहब बोले अजी मलयालम में दीजिए। यह सुनकर सदन में ठहाका गूंजा। हिन्दी को लगा जैसे उसकी छोटी बहन का मजाक उड़ाने के लिए यह बात कही गई है। देखिए आप जानते हैं मुझे यह भाषा नहीं आती मंत्री जी ने जवाब दिया। कुछ सांसदों ने शोर मचाना शुरू कर दिया। एक ने कहा मंत्री जी बात केवल हिन्दी में कीजिए। मंत्री जी बोले लगता है आपको हिन्दी की बीमारी लग गई है। यह शब्द सुनकर हिन्दी रोने लगी। संसद में हंगामा खड़ा हो गया। एक तरफ से आवाज आई। रास्कल, बास्टर्ड। दूसरी तरफ कोई चीखा। हरामी कुत्ते। पहली बार संसद पहुंचे एक नौजवान सांसद ने एक पुराने नेता से पूछा यह क्या हो रहा है जी?? क्या ये लोग भाषा के सम्मान के लिए लड़ रहे हैं। जवाब मिला नहीं आज हमारा काम करने का मूड नहीं था। इसलिए हंगामा खड़ा किया है। इतने में संसद में जूते-माइक हवा में चलने लगे। एक सनसनाता माइक आया और दीवार पर टंगे हिन्दी भाषा राजभाषा के बोर्ड पर लगा। हिन्दी नीचे गिरकर बेहोश हो गई और कोमा में पहुंच गई।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

हिन्दी ने निश्चय किया कि अपनी इस संतान से भेंट करने संसद जाना चाहिए। अगली सुबह की गाड़ी पकड़कर हिन्दी संसद पहुंच गई और राष्ट्रपिता की तस्वीर को सलामी देकर एक दीवार पर हिन्दी भाषा राजभाषा की तख्ती बनकर लटक गई। संसद की कार्यवाही शुरू हो गई। एक सांसद ने मराठी में मंत्री जी से कोई सवाल किया। हिन्दी मुस्कराई।

उत्तराखंडी पकवान, व्यंजन स्वास्थ्य का खजाना

डा. जयंती प्रसाद नौटियाल

उत्तराखंड की संस्कृति भारत की प्राचीनतम संस्कृतियों में से एक है। उत्तराखंड में ज्ञान, विज्ञान, कला, संस्कृति तथा खानपान का एक समृद्ध इतिहास रहा है, लेकिन गढ़वाल से निरंतर हो रहे पलायन और आधुनिकता के परिणाम स्वरूप नई पीढ़ी अपनी संस्कृति को भुलाती जा रही है और आज अपनी मूल संस्कृति से दूर होती जा रही है। यहां तक कि हमारे सामान्य रीति-रिवाज और परम्पराएं भी धीरे-धीरे लुप्त होती जा रही हैं। इसलिए आज आवश्यक का इस बात की है कि हम अपनी इस प्राचीन ज्ञान परंपरा को सहेज कर रखें ताकि आने वाले समय में यह ज्ञान का लुप्त होने से बच जाए। इस प्राचीन ज्ञान को समेटते हुए ज्ञान का एक संचित कोष तैयार करना होगा ताकि हम अपने नई पीढ़ी को बता सकें की हमारी प्राचीन ज्ञान परंपरा और विरासत कितनी समृद्ध थी। यद्यपि यह संतोष का विषय है कि उत्तराखंड के साहित्यिक, सांस्कृतिक विषयों पर काफी कुछ लिखा जा रहा है लेकिन उत्तराखंड कि समृद्ध खान-पान कि परंपरा प्राय: लुप्त होने के कगार पर है। इस लुप्त होती ज्ञान परंपरा को सहेजने की एक श्रृंखला के रूप में आज हम आपको उत्तराखंड के खान-पांच संबंधी पकवानों एवं व्यंजनों के बारे में बताने जा रहे हैं। उत्तराखंड के यह पकवान जहां स्वास्थ्य के लिए हितकर हैं वहीं स्वाद से भरपूर हैं। ये व्यंजन हमारे आयुर्वेद के सिद्धांतों के अनुरूप भी हैं। आपने यह देखा होगा की पहाड़ों में जो बुजुर्ग पुरुष या महिलाएं आपको दिखाई देगी वे जीवन के अंतिम समय तक सुंदर एवं कर्मठ रहते रहती हैं। उनके चेहरे पर लालिमा भरी आभा दिखाई देती है वृद्धावस्था में भी वे शक्ति की पुंज दिखाई देते हैं। इस स्वस्थ शरीर के पीछे उत्तराखंड के खान-पान का महत्व सर्वाधिक है साथ ही उत्तराखंड वासियों का प्रदूषण रहित पर्वत श्रंखलाओं में रहना, स्वछ जल और उनके संघर्षमय जीवन को और भी अधिक सक्रिय बना देता है। मैंने देखा है कि उत्तराखंड का भोजन परोसने वाले होटलों में भी बहुत ही सीमित प्रकार के उत्तराखंडी व्यंजन मिलते हैं। यद्यपि उनका यह प्रयास सराहनीय है, लेकिन इन होटेलों में भी केवल प्रचलित किस्म के ही पकवान परोसे जाते हैं। इसका कारण ही यह है कि उत्तराखंड के व्यंजनों के बारे में जन सामान्य की जानकारी बहुत कम होती जा रही है।

जहां तक उत्तरखंडी भोजन का स्वस्थ्य से संबंध है तो इस विषय मे आपको एक सच्ची घटना बताना छहता हूं। उत्तराखंड में उफल्डा नाम की सब्जी होती है। यह छोटी-छोटी पत्तियों की सब्जी होती है। यह भी उत्तराखंड के जंगलों में घास की तरह उगती है। यह बहुत ही स्वादिष्ट और आंखों के लिए इतनी कारगर होती है कि यदि एक माह इसका सेवन कर लिया जाए तो आंखों की ज्योति इतनी बढ़ जाएगी की आपको कभी जीवन में चशमा लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इसके बारे में एक छोटी सी कहानी आपको बताना चाहूंगा एक बार एक अंग्रेज इस उफल्डा की पत्तियों की सब्जी अपने रसोइए से बनवाता था और रोज खाता था उसका खानसामा सब्जी बनाने से पहले जब पत्तियां निकाल लेता था तो उन डंठल अलग रख लेता था और बाद में उन डंठलों की सब्जी अपने लिए बना लेता था।

एक बार वह अंग्रेज के साथ शिकार पर गया अंग्रेज ने बहुत दूर सड़क में पड़े हुए एक मरे हुए हिरण को देखा। सामान्य लोगों उतनी दूर नहीं दिखाई दे सकता है, चूंकि अंग्रेजउफल्डा की सब्जी खाता था इसलिए वह इतनी दूर देख पाया।

इस अंग्रेज में अपने खानसामा से कहा जरा देखो तो सही मुझे काफी दूरी पर एक हिरण मारा हुआ दिख रहा है, क्या तुम्हें भी दिखाई दे रहा है? तब खानसामा (रसोइए) ने कहा वह मरा हुआ तो है ही साथ ही वह सड़ चुका है, क्योंकि उसके ऊपर मक्खियां और कीड़े रेंग रहे हैं। अंग्रेजी या सुनकर आश्चर्यचकित हुआ और इस तथ्य की सच्चाई जानने के लिए उसने कहा चलो वहां चलकर देखते हैं।

जब भी वहां पहुंचे तो देखते हैं की हिरण मरा हुआ है उस से दुर्गंध निकल रही है और छोटे-छोटे कीड़े और मक्खियां उसके ऊपर रेंग रहे हैं। उस अंग्रेज ने खानसामा से कहा कि तुम यह बताओ कि तुम्हारी नजर इतनी तेज कैसे हैं जो मैं नहीं देख पाया वह तुम कैसे देख पाए तब उस रसोइए ने कहा हुजूर जो सब्जी आप खाते हैं मैं उसके डंठल अपने लिए रख लेता हूं और उन डंठलों की सब्जी में खा लेता हूं क्योंकि मुझे मालूम था कि इस सब्जी में आंखों कि ज्योति को बढ़ाने कि क्षमता है। आइए हम आपको ले चलते हैं उत्तराखंड के उन व्यंजनों की ओर जो स्वास्थ्य का खजाना हैं। इनसे प्रौढ़ एवं बुजर्ग उत्तराखंड वासी तो शायद परिचित होंगे परंतु नई पीढ़ी इन व्यंजनो मे से अधिकांश व्यंजनों से परिचित नहीं होगी।

उत्तरखंडी मुख्य भोजन

उत्तराखंड में दाल, रोटी, सब्जी, पराठा, जैसे सामान्य व्यंजन तो खाए ही जाते हैं, साथ ही पंजाबी, गुजराती, दक्षिण भारतीय, बंगाली पकवान भी उत्तराखंड में प्रचलित हैं, लेकिन इसके अतिरिक्त कुछ ऐसे विशिष्ट व्यंजन भी होते हैं जो आपको केवल उत्तराखंड में ही खाने को मिलेंगे। इनके बारे में संक्षिप्त जानकारी निम्नवत है-

नाश्ता

उत्तराखंड में नाश्ते में आधुनिक नाश्ते के सभी व्यंजन खाए जाते हैं। उत्तराखंड की विशेषता यह है की यहां के निवासी चाय के साथ परांठा या रोटी भी खा सकते है। चाय की मात्रा गिलास भर कर होती है। आजकल आचार, दही के साथ नाश्ते का प्रचलन है। पारंपरिक रूप में चाय, रोटी, सब्जी, परोठा, आचार और दही के साथ हरी मिर्च या भूट्वा मिर्च प्रचलित है इन आधुनिक पकवानो के अलावा उत्तराखंड में नाश्ते में निम्नलिखित विशिष्ट भोजन बनाए जाते हैं इनकी जानकारी अगले अंक में देंगे।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

नेपाल हिंसा में मरने वालों को मिलेगा शहीद का दर्जा

अंतरिम पीएम बोलीं: पीड़ितों को 10 लाख का मुआवजा देंगे, मृतकों का आंकड़ा 72 हुआ

■ कार्की ने भ्रष्टाचार को खत्म करने का भी संकल्प लिया, नेपाल में पहली बार 27 घंटे तक लगातार आंदोलन हुआ

काठमांडू। नेपाल की अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने कार्यभार संभालने के बाद कहा कि जेईएन-आंदोलन में मारे गए लोगों को शहीद घोषित किया जाएगा। पीड़ितों के परिजनों को 10-10 लाख नेपाली रुपये का मुआवजा भी दिया जाएगा। नेपाल हिंसा में मरने वालों की संख्या 72 हो गई है, इनमें 1 भारतीय महिला भी शामिल है।

कार्की ने भ्रष्टाचार को खत्म करने का भी संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि नेपाल में पहली बार 27 घंटे तक लगातार आंदोलन हुआ। कार्की बोलीं, श्मैं 6 महीने से ज्यादा समय तक सत्ता में नहीं रहूंगी और नवनिर्वाचित संसद को अधिकार सौंप दूंगी। 12 सितम्बर को पीएम पद संभालने के बाद कार्की को नेपाल में 5 मार्च 2026 को आम चुनाव कराने की जिम्मेदारी दी गई थी। हिंसा के बाद नेपाल के तीन पूर्व पीएम केपी शर्मा ओली, शेर बहादुर देउबा और पुष्प कमल दहल प्रचंड बेघर हो गए हैं। जेईएन-प्रदर्शनकारियों ने 9 सितम्बर को इनके घरों को फूंक डाला था। फिलहाल ये सभी आर्मी के कैंपों में रह रहे हैं। इनके समर्थक अपने नेताओं के लिए किराए के मकान ढूंढने में जुटे हुए हैं। ये नेता कुछ दिन काठमांडू से बकिग्रार के किग्रारों जैसे पोखरा में रहना चकिग्राते हैं, ताकि फिर से जेईएन-के गुस्से का सामना नहीं करना पड़े। प्रदर्शनकारियों ने 9 सितम्बर को प्रधानमंत्री ओली के घर में आग लगा दी थी। वहीं, पीएम बनने के बाद सुशीला कार्की मंत्रिमंडल बनाने पर काम कर रही हैं। काठमांडू पोस्ट के मुताबिक, कार्की 15 से ज्यादा मंत्रियों के साथ एक मंत्रिमंडल बना सकती हैं। मंत्री पदों के लिए जिन नामों पर विचार किया जा रहा है उनमें कानूनी विशेषज्ञ ओम प्रकाश आर्यल, पूर्व सेना अधिकारी बालानंद शर्मा, सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति आनंद मोहन भट्टराई, माधव सुंदर खड़का, अशीम मान सिंह बसन्यात और ऊर्जा विशेषज्ञ कुलमान घीसिंग शामिल हैं। साथ ही डा. भगवान कोइराला, डा. संदुक रुइत, डा. जगदीश अग्रवाल और डा. पुकार चंद्र श्रेष्ठ जैसे लोगों के नामों पर विचार चल रहा है। जेन- के सदस्य भी इस फैसले में शामिल हो रहे हैं। इसके लिए वे ऑनलाइन वोटिंग का सहारा ले रहे हैं। अगर इन नामों पर आम सहमति बन जाती है तो मंत्रिमंडल रविवार शाम तक शपथ ले सकता है। हालांकि इसे सोमवार तक के लिए टाला भी जा सकता है।

नेपाल के प्रमुख दलों को कार्की का नेतृत्व स्वीकार

काठमांडू। नेपाल में सुशीला कार्की के नेतृत्व में अंतरिम सरकार के गठन के बाद राजनीतिक स्थिरता के साथ शांति और सामान्य जनजीवन बहाल होने लगा है। पूरे देश से कर्फ्यू हटा दिया गया है। सोमवार से सभी शिक्षण संस्थान भी खुल जाएंगे। नेपाली कांग्रेस समेत सभी प्रमुख दल कार्की सरकार को स्वीकार करते दिख रहे हैं, पर संसद भंग करने के फैसले का दलों ने कड़ा विरोध किया है। इसे असंविधानिक, मनमाना और लोकतंत्र के लिए गंभीर झटका बताया है। नेपाली कांग्रेस, नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी-एकीकृत मार्क्सवादी लेनिनवादी, नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी सेंटर), राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी, जनता समाजवादी पार्टी, जनमत पार्टी और लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी समेत आठ दलों ने साझा बयान में संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा को भंग करने की आलोचना की है। उन्होंने इसे संविधान की भावना और सर्वोच्च न्यायालय की व्याख्या के विरुद्ध करार दिया। नेपाली कांग्रेस ने कहा कि इससे लोकतांत्रिक उपलब्धियां खतरे में पड़ जाएंगी। बयान में सभी दलों ने संसद का सत्र तत्काल बुलाने की मांग की है, ताकि लोगों एवं आंदोलनकारी समूहों की मांगों को पूरा किया जा सके।

मुंबई। भारत-पाकिस्तान एशिया कप क्रिकेट मैच के विरोध में शिवसेना (यूबीटी) कार्यकर्ता अपने सिंदूर लगे हाथ दिखाते हुए।

जापान में एक लाख बुजुर्गों की आयु 100 से अधिक

■ 55वीं बार बनाया रिकॉर्ड, दुनिया की सबसे ज्यादा बुजुर्ग आबादी वाला देश बना, बुजुर्ग दिवस आज

टोक्यो। जापान में करीब 1 लाख लोगों ने 100 साल से ज्यादा की उम्र पूरी कर ली है। जापान के स्वास्थ्य मंत्री ताकामारो फुकोका ने शुक्रवार को बताया कि 87784 महिलाओं और 11979 पुरुषों की उम्र 100 साल से ज्यादा है। महिला और पुरुष को मिलाकर कुल 99763 बुजुर्ग 100 साल की उम्र पूरी कर चुके हैं, जिसमें 88 प्रतिशत महिलाएं हैं। यह देश की कुल आबादी 12.4 करोड़ का 0.81 प्रतिशत है। जापान ने लगातार 55वें साल यह रिकॉर्ड बनाया है। जापान में 15 सितम्बर को बुजुर्ग दिवस मनाया जाता है। इस दिन जापानी पीएम 100 साल से अधिक उम्र के बुजुर्गों को बधाई पत्र और चांदी का गिलास देते है। इस बार 52310 बुजुर्गों को यह सम्मान दिया जाएगा। देश की सबसे बुजुर्ग महिला 114 साल की शिगेको कागावा हैं और सबसे बुजुर्ग पुरुष 111 साल के कियोताका मिजुनो हैं।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिकी विदेश मंत्री रुबियो इजरायल पहुंचे

वाशिंगटन/यरूशेलम। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो शनिवार को एक आधिकारिक यात्रा पर इज़रायल पहुंचे। रुबियो की यह यात्रा इजरायल के कतर की राजधानी दोहा में हमास नेताओं पर हवाई हमले के एक हफ्ते से भी कम समय के बाद हो रही है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय के अनुसार वह और रुबियो रविवार को यरूशलेम में एक साथ वेस्टर्न वॉल का दौरा करेंगे। इजरायल टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार प्रधानमंत्री के कार्यालय ने दोनों नेताओं के लिए औपचारिक कार्य बैठक के लिए योजना की घोषणा नहीं की। दोनों नेता गाजा में इज़रायल के अभियान के भविष्य पर तथा साथ ही वेस्ट बैंक को पूरी तरह से कब्जे की प्रस्तावित योजना पर भी चर्चा करेंगे।

इक्वाडोर: गोलीबारी में सात लोगों की मौत, तीन घायल

क्विटो। इक्वाडोर के सैंटो डोमिगो डे लॉस त्साचिलास स्थित एक पूल हॉल में गोलीबारी में कम से कम सात लोग मारे गये और तीन अन्य घायल हो गए। स्थानीय मीडिया ने शनिवार को यह जानकारी दी। स्थानीय समाचार पत्र प्रिमिसियास की रिपोर्ट के अनुसार सैनिकों के वेश में एक वाहन में आए हमलावरों ने शुक्रवार को स्थानीय समयानुसार रात लगभग 10:30 बजे नुएवो अमानेसर इलाके में स्थित पूल हॉल में ग्राहकों पर अंधाधुंध गोलीबारी की। गौरतलब है कि सैंटो डोमिगो डे लॉस त्साचिलास प्रांत के एक पूल हॉल में एक महीने से भी कम समय में यह दूसरी सामूहिक गोलीबारी थी। पुलिस ने बताया कि 17 अगस्त को इसी तरह के एक हमले में सात लोग मारे गए थे।

इक्वाडोर ने सरकारी मुख्यालय को लाताकुंगा स्थानांतरित किया

क्विटो। इक्वाडोर के राष्ट्रपति डैनियल नोबोआ ने शनिवार को कार्यकारी शाखा के मुख्यालय को अस्थाई रूप से कोटोपैक्सी प्रांत की राजधानी लाताकुंगा शहर में स्थानांतरित करने का आदेश दिया। सरकारी विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई है। नोबोआ ने एक आदेश में कहा कि इस कदम का उद्देश्य लोगों के करीब पहुंचना और ज़मीनी स्तर पर उनकी ज़रूरतों को पूरा करना है। आदेश में उप राष्ट्रपति मारिया जोस पिटो को अस्थाई रूप से उत्तरी इम्बाबुरा प्रांत के ओटावालो शहर से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने का निर्देश दिया गया है।

श्रीलंका में प्रांतीय चुनाव में अभी और देर

परिसीमन रिपोर्ट को संसद से मंजूरी के बाद ही होगी तैयारी

■ चुनाव के लिए बजट में पहले से धन भी सुरक्षित रखा गया है
■ श्रीलंका में 1988 से अब तक प्रांतीय चुनाव आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली के तहत होते आए हैं

कोलंबो। श्रीलंका के नौ प्रांतों की परिषदों के लंबे समय से टलते आ रहे चुनाव जल्द होने की उम्मीद नहीं हैं। रविवार को श्रीलंका के चुनाव आयोग के एक अधिकारी ने बताया कि ये चुनाव तभी कराए जा सकते हैं, जब संसद 2018 की परिसीमन रिपोर्ट को अपनाए।

पिछले हफ्ते जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद की बैठक के दौरान इन चुनावों को जल्द कराने की अपील की गई थी। चुनाव आयोग के महानिदेशक समन रत्नायके ने रविवार को मीडिया से कहा कि जब तक संसद 2018 की परिसीमन रिपोर्ट को स्वीकार नहीं करती, तब तक चुनाव नहीं कराए जा सकते। उन्होंने कहा कि जैसे ही संसद जरूरी बदलावों को मंजूरी देगी, आयोग चुनाव कराने की प्रक्रिया शुरू कर देगा। चुनाव के लिए बजट में पहले से धन भी सुरक्षित रखा गया है। 2017 में एक नया कानून लाया गया था, जिसमें आनुपातिक प्रतिनिधित्व और फर्स्ट पास्ट द पोस्ट दोनों प्रणाली अपनाई गई। लेकिन उस कानून के तहत परिसीमन समिति की रिपोर्ट को कभी संसद में पेश नहीं किया गया। जब तक इस रिपोर्ट को संसद से मंजूरी नहीं मिलती, तब तक चुनाव नहीं हो सके। श्रीलंका में 1988 से अब तक प्रांतीय चुनाव आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली के तहत होते आए हैं। लेकिन अब कई राजनीतिक दल बिना परिसीमन के पुराने तरीके में लौटने की मांग कर रहे हैं।

यूएनएचआरसी की बैठक में भारत ने भी अपना पक्ष दोहराया और कहा कि श्रीलंका को जल्द प्रांतीय चुनाव कराने चाहिए। भारत की प्रतिनिधि अनुपमा सिंह ने जिनेवा में कहा, भारत लगातार यह कहता आया है कि श्रीलंका को अपने संविधान को पूरी तरह और प्रभावी तरीके से लागू करना चाहिए और प्रांत की परिषदों के चुनाव जल्द से जल्द कराने चाहिए और राजनीतिक शक्ति का अर्थपूर्ण विकेंद्रीकरण किया जाना चाहिए।

इमरान की गिरफ्तारी का मामला यूएन पहुंचा

मानवाधिकार उल्लंघनों के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र (यूएन) से हस्तक्षेप की मांग की

पाक की मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह अपील पर्सियस स्ट्रैटेजीज ने इमरान खान की ओर से दायर की है

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की कानूनी टीम ने उनकी हिरासत में हो रहे कथित मानवाधिकार उल्लंघनों के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र (यूएन) से हस्तक्षेप की मांग की है। टीम ने यूएन के टॉर्चर पर विशेष प्रतिवेदक के समक्ष अपील दाखिल की है।

इसमें दावा किया गया है कि खान को जिस तरह कैद में रखा जा रहा है, वह न केवल अमानवीय है, बल्कि पाकिस्तान की अंतर्राष्ट्रीय संधियों का उल्लंघन भी है। पाकिस्तान की मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, यह अपील पर्सियस स्ट्रैटेजीज ने इमरान खान की ओर से दायर की है। इसमें कहा गया है कि खान के साथ व्यवस्थित तरीके से बुरा व्यवहार किया जा रहा है। अपील में एक पैटर्न का जिक्र है, जिसमें लंबे समय तक एकांत कारावास, चिकित्सा सुविधाओं से वंचित करना, दूषित भोजन देना और वकीलों व परिवार से मिलने पर पाबंदी शामिल है। खान की कानूनी टीम ने कहा कि इन हालातों से पाकिस्तान ने जिस 'कन्वेंशन अगेंस्ट टॉर्चर' (कैट) और 'इंटरनेशनल कॉवेनेंट ऑन सिविल एंड पॉलिटिकल राइट्स' (आईसीसीपीआर) पर हस्ताक्षर किए हैं, उनका उल्लंघन होता है। टीम का कहना है कि यह सीधा-सीधा अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार कानून की धज्जियां उड़ाने जैसा है। इस अपील में शामिल बयान में इमरान खान के बेटे सुलेमान खान ने कहा कि उनके पिता को जिन परिस्थितियों में रखा गया है, वे किसी भी इंसान के लिए असहनीय हैं। उन्होंने इसे सीधा-सीधा यातना करार दिया। वहीं, उनके दूसरे बेटे कासिम खान ने कहा कि यूएन पहले ही मान चुका है कि इमरान खान की गिरफ्तारी अवैध है। अब उन्हें जिस तरह से तोड़ने की कोशिश हो रही है, वह उनकी हिम्मत नहीं तोड़ पाएगी। इमरान खान के अंतर्राष्ट्रीय मामलों के सलाहकार जुल्फी बुखारी ने कहा कि यह अपील खान की दृढ़ता को रेखांकित करती है। उन्होंने कहा कि खान अवैध कैद और अपमानजनक बर्ताव झेल रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद वे साहस और शांतिपूर्ण प्रतिरोध का प्रतीक बने हुए हैं। खान की टीम ने संयुक्त राष्ट्र से अपील की है कि वह पाकिस्तान सरकार पर दबाव बनाए ताकि इमरान खान की शारीरिक और मानसिक स्थिति सुरक्षित रहे।

मैड्रिड वार्ता से पहले चीन का बड़ा एक्शन

अमेरिका की चिप कंपनियों पर शुरू की जांच, बढ़ा दोनों के बीच व्यापारिक तनाव

■ इससे पहले दोनों देश मई में जेनेवा, जून में लंदन और जुलाई में स्टाकहोम में बातचीत कर चुके हैं
■ बेसेन्ट ने पिछली बातचीत को बहुत गहन और सकारात्मक बताया था

बीजिंग। चीन ने अमेरिका के साथ टैरिफ, व्यापार और सुरक्षा को लेकर चल रहे तनाव की बीच एक बड़ा कदम उठाया है। इसके तहत चीन ने अमेरिका की सेमीकंडक्टर (चिप) कंपनियों के खिलाफ दो बड़ी जांचें शुरू कर दी हैं। ये कदम स्पेन के मैड्रिड में होने वाली अहम बातचीत से ठीक पहले उठाया गया है। मामले में चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने बताया कि अमेरिका से आयात की जाने वाली कुछ एनालाग चिप्स (जैसे कि इंटरफेस और गेट ड्राइवर चिप्स) पर एंटी-डंपिंग जांच शुरू की गई है।

ये चिप्स टेक्सास इंस्ट्रूमेंट्स और ऑन सेमीकंडक्टर जैसी अमेरिकी कंपनियां बनाती हैं। इसके साथ ही चीन ने अमेरिका द्वारा चीन की चिप इंडस्ट्री के खिलाफ भेदभावपूर्ण रवैये की भी जांच शुरू की है। बता दें कि यह कदम ऐसे समय पर उठाया गया है जब अमेरिका ने शुक्रवार को 23 चीनी कंपनियों को एंटिटी लिस्ट में शामिल कर लिया है, जिन पर अमेरिका के सुरक्षा और विदेश नीति हितों के खिलाफ काम करने का आरोप है। इस सूची में चीन की प्रमुख चिप कंपनी (एसएमआईसी) के लिए उपकरण खरीदने वाली दो कंपनियां भी शामिल हैं। मैड्रिड में रविवार से बुधवार के बीच अमेरिका के वित्त मंत्री स्काट बेसेन्ट और चीन के उप-प्रधानमंत्री हे लिफेंग के बीच बातचीत होगी। यह मुलाकात दोनों देशों के बीच चल रही चर्चाओं की एक कड़ी है, जिनका मकसद ट्रेड वार को टालना और आपसी संतुलन बनाना है। इससे पहले दोनों देश मई में जेनेवा, जून में लंदन और जुलाई में स्टाकहोम में बातचीत कर चुके हैं। हालांकि अब तक कई बार 90 दिनों के लिए नई टैरिफ (आयात शुल्क) रोकने पर सहमति बनी है। वहीं बेसेन्ट ने पिछली बातचीत को बहुत गहन और सकारात्मक बताया था। उन्होंने कहा था कि हमें सिर्फ कुछ रणनीतिक इंडस्ट्रीज जैसे रेयर अर्थ, सेमीकंडक्टर और दवाओं में जोखिम कम करने की जरूरत है। हम दोनों देश इस दिशा में साथ मिलकर काम कर सकते हैं। गौरतलब है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन दोनों ने चीन की उन्नत चिप टेक्नोलाजी पर कड़ी पाबंदियां लगाई हैं, जिसमें चिप बनाने वाले उपकरणों की बिक्री पर रोक भी शामिल है।

खैबर पख्तूनख्वा में 19 सैनिकों की मौत, 45 आतंकी मार गिराए

इस्लामाबाद/पेशावर। पाकिस्तान के अशांत उत्तर-पश्चिमी प्रांत खैबर पख्तूनख्वा में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच झड़पों में कम से कम 19 सैनिक और 45 आतंकी मारे गए हैं। प्रधानमंत्री किग्राबाज शरीफ ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई पूरी ताकत से जारी रहेगी। पाकिस्तानी सेना के मुताबिक, 10 से 13 सितम्बर के बीच खैबर पख्तूनख्वा के तीन अलग-अलग हिस्सों में हुई झड़पों में कम से कम 45 आतंकियों को ढेर किया गया। प्रधानमंत्री शकिग्राबाज शरीफ ने सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर के साथ बन्नू का दौरा किया और आतंकवाद-रोधी कार्रवाइयों पर एक उच्च स्तरीय बैठक में भाग लिया। रेडियो पाकिस्तान के अनुसार, शरीफ ने कहा कि पाकिस्तान आतंकवाद का पूरी ताकत से जवाब देना जारी रखेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी तरह की अस्पष्टता या समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पीएम शरीफ ने आरोप लगाया कि पाकिस्तान में हो रहे हमलों के पीछे बैठे आतंकी सरगना और उनके मददगार अफगानिस्तान की जमीन से काम कर रहे हैं। शरीफ ने दावा किया कि कई आतंकी वारदातों में अफगान नागरिकों की संलिप्तता पाई गई है।

डोनाल्ड ट्रम्प की टैरिफ चेतावनी पर भड़का ड्रैगन

कहा: चीन किसी युद्ध का हिस्सा नहीं, जंग से समस्याएं नहीं सुलझतीं और प्रतिबंधों से हालात और बिगड़ते हैं

स्लोवेनिया। अमेरिका और चीन के बीच टैरिफ को लेकर विवाद बढ़ता ही जा रहा है। कारण है कि बीते दिनों राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने चीन पर 50 प्रतिशत से 100 प्रतिशत टैरिफ करने की चेतावनी दी थी।

ऐसे में अब ड्रैगन ने भी ट्रम्प की चेतावनी पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। चीन के विदेश मंत्री वांग ई ने कहा कि जंग से समस्याएं नहीं सुलझतीं और प्रतिबंधों से हालात और बिगड़ते हैं। बता दें कि डोनाल्ड ट्रम्प ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म ट्रुथ सोशल पर लिखा कि नाटो को चीन पर 50-100 प्रतिशत टैक्स लगाना चाहिए और यह टैक्स रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म होने तक जारी रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि चीन का रूस पर मजबूत नियंत्रण है, और ये ताकतवर टैक्स उस पकड़ को तोड़ सकते हैं। स्लोवेनिया में वहां की डिप्टी पीएम और विदेश मंत्री तान्या फयोन से मुलाकात के बाद प्रेस कान्फ्रेंस में वांग ई ने अमेरिकी चेतावनी का जवाब दिया।

उन्होंने कहा कि चीन किसी भी युद्ध में भाग नहीं लेता और न ही उसकी कोई योजना है। चीन हमेशा शांति वार्ता और राजनीतिक समाधान को बढ़ावा देता है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रतिबंध और टैरिफ से हालात नहीं सुधरते, बल्कि और उलझते हैं। इसके साथ ही वांग ई ने कहा कि चीन और यूरोप को प्रतिस्पर्धी नहीं, बल्कि सहयोगी बनना चाहिए। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र चार्टर के सिद्धांतों को साथ मिलकर सुरक्षित रखने की बात कही।

यूक्रेन का रूस की सबसे बड़ी तेल रिफाइनरी पर ड्रोन हमला

मास्को। यूक्रेन के ड्रोन हमलों ने रूस की एक सबसे बड़ी तेल रिफाइनरी को निशाना बनाया, जिससे वहां आग लग गई। रूसी अधिकारियों और यूक्रेनी सेना ने यह जानकारी दी। यह हमला रूस के उत्तर-पश्चिमी लेनिनग्राद क्षेत्र में स्थित कीरीशी रिफाइनरी पर किया गया। यह वही रिफाइनरी है, जिसे पिछले कई हफ़्तों से यूक्रेन रूसी तेल ढांचे पर हो रहे हमलों की कड़ी में देख रहा है। यूक्रेन का कहना है कि तेल आपूर्ति से रूस की युद्ध क्षमता को ताकत मिल रही है, इसलिए ऐसे ठिकानों को निशाना बनाया जा रहा है। यह रिफाइनरी हर साल करीब 1.77 करोड़ मीट्रिक टन या करीब 3.55 लाख बैरल कच्चे तेल का उत्पादन करती है। यूक्रेन के जनरल स्टाफ के मुताबिक, वहां कई धमाकों और आग की सूचना मिली। उन्होंने एक तस्वीर भी साझा की, जिसमें रात के अंधेरे में आग की लपटें और धुएं के गुबार दिखाई दे रहे हैं। लेनिनग्राद क्षेत्र के गवर्नर अलेक्जेंडर डोजडेनको ने कहा कि कीरीशी इलाके में तीन ड्रोन को मार गिराया गया, लेकिन उनके गिरने से रिफाइनरी में आग लग गई।

लंदन में अवैध प्रवासी मुद्दे पर प्रदर्शन, 1 लाख लोग जुटे

मस्क भी जुड़े, कहा: लड़ो या मरो, प्रोटेस्ट के समय पीएम कीर स्टार्मर फुटबॉल मैच देख रहे थे

लंदन। ब्रिटेन में अवैध अप्रवासियों की बढ़ती आबादी के खिलाफ लंदन में प्रदर्शन हुआ। इसमें 1 लाख से ज्यादा लोग शामिल हुए।

इस प्रोटेस्ट को 'यूनाइट द किंगडम' नाम दिया गया, जिसे एंटी-इमिग्रेशन नेता टामी राबिन्सन ने लीड किया। इसे देश की सबसे बड़ी दक्षिणपंथी रैली माना जा रहा है। इस प्रदर्शन में टेस्ला मालिक इलान मस्क वीडियो के जरिए शामिल हुए। मीडिया चैनल 'द इंडिपेंडेंट' के मुताबिक उन्होंने टामी राबिन्सन से बात की। मस्क ने कहा कि हिंसा तुम्हारे पास आ रही है। या तो लड़ो या मरो। मस्क ने ब्रिटेन में संसद भंग करने की मांग की। उन्होंने कहा कि सरकार बदलनी होगी। वही, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर उस वक्त फुटबाल मैच देख रहे थे। वे अपने बेटे के साथ लंदन के एमिरेट्स स्टेडियम में थे, जब किग्रार में हिंसा हो रही थी। इस प्रदर्शन का मकसद ब्रिटेन में अवैध अप्रवासन (इलीगल इमीग्रेशन) के खिलाफ आवाज उठाना था। प्रदर्शनकारी मांग कर रहे थे कि अवैध प्रवासियों को देश से बकिग्रार किया जाए। इस साल 28 हजार से ज्यादा प्रवासी इंग्लिश चैनल के रास्ते नावों में ब्रिटेन पहुंचे थ इसी दिन 'स्टैंड अप टू रेसिज्म' नामक एक विरोधी प्रदर्शन भी हुआ, जिसमें लगभग 5000 लोग शामिल थे। दोनों समूहों के बीच टकराव रोकने के लिए पुलिस ने घेराबंदी कर रखी थी। मेट्रोपालिटन पुलिस ने मीडिया को बताया कि 'यूनाइट द किंगडम' मार्च के दौरान कुछ प्रदर्शनकारियों ने पुलिस का घेरा तोड़ने की कोशिश की और विरोधी समूह की ओर बढ़ने का प्रयास किया। इस दौरान कई पुलिसकर्मियों पर हमला हुआ। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए 1600 से अधिक पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया, जिनमें 500 अन्य क्षेत्रों से बुलाए गए थे।

यौन समस्याएं
यौन समस्याओं के विशेषज्ञ

पुराने से पुराने यौन रोग के मरीज एक बार अवश्य मिलें
डा. सम्राट
नशामुक्ति, शराब, बीड़ी, सिगरेट, गुटखा तम्बाकू, प्रोक्सीवॉन कैप्सूल अफीम, चरस, डोडे पोस्त इंजेक्शन व अन्य नशा छुड़ाने का स्थायी ईलाज।
नावल्टी सिनेमा चौक
मुजफ्फरनगर (यू.पी.)
M-9412211108

धामी बने सबसे लंबे कार्यकाल वाले भाजपाई मुख्यमंत्री

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, राज्य के सबसे युवा मुख्यमंत्री हैं, और दोबारा निर्वाचित होने वाले पहले मुख्यमंत्री भी। पुष्कर सिंह धामी उत्तराखंड राज्य के अब तक के बीजेपी के सभी मुख्यमंत्रियों में सबसे लंबा कार्यकाल पूरा करने वाले मुख्यमंत्री भी बन गए हैं। वे पहली बार 04 जुलाई 2021 को मुख्यमंत्री बने थे और तब से लगातार दूसरी बार 2022 में चुनाव जीतकर मुख्यमंत्री पद पर रहकर राज्य के लिए काम कर रहे हैं। उनके नेतृत्व में उत्तराखंड एक निर्णायक मोड़ पर है, जहाँ तेज गति से निर्णय, डिजिटल परिवर्तन और जनता से सीधा संवाद प्राथमिकता में हैं।

धामी के कार्यकाल की प्रमुख उपलब्धियां:

विकास योजनाएं: उत्तराखंड वैश्विक निवेश सम्मेलन (2023): जिसमें रु. 3 लाख करोड़ से अधिक निवेश प्रस्ताव आए। जिसमें एक लाख करोड़ रुपये की निवेश की ग्राउंडिंग करने की उपलब्धि भी हासिल कर ली है। विकासनगर-यमुनोत्री टनल, घनानंद-मसूरी सुरंग, और चारधाम कनेक्टिविटी जैसे इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स भी अहम उपलब्धी है।

कानून-व्यवस्था सुधार: यूनिफॉर्म सिविल कोड (UCC) को लागू करने वाला पहला भाजपा-शासित राज्य बनने की दिशा में अग्रसर। महिला सुरक्षा, नशा मुक्ति और युवाओं में अपराध नियंत्रण को लेकर कई ठोस कदम। अवैध धर्मांतरण रोकने वाला कानून, सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा के लिए कानून, भू-कानून जैसी कई उपलब्धियां हासिल की।

नेतृत्व में विश्वास और विकास का समर्पण

युवाओं के लिए रोजगार: पारदर्शी नौकरी चयन प्रक्रिया सुनिश्चित की गई। प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक की घटनाओं पर कठोर कार्रवाई और नकल विरोधी नया कानून। 24 हजार से ज्यादा युवाओं को नौकरियां प्रदान की जा चुकी हैं।

डिजिटल उत्तराखंड: e-Governance को बढ़ावा, डिजिटल हेल्थ कार्ड, ऑनलाइन भूमि रजिस्ट्रेशन, e-FIR सुविधा का विस्तार। **आपदा प्रबंधन:** जोशीमठ भू-धसाव, मानसून आपदाओं जैसे मामलों में तुरंत प्रतिक्रिया, पुनर्वास और वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाया गया। आपदा बचाव एवं राहत कार्यों में तीव्रता के लिए प्रबंधन तंत्र को मजबूती प्रदान करने का कार्य।

एकजुट होकर आगे बढ़ें

उत्तराखंड की यह रजत जयंती यात्रा संघर्ष, संकल्प और सफलता का प्रतीक है। यह राज्य हिमालय की ऊंचाइयों जैसा अडिग, गंगा की धारा जैसा प्रवाही और अपनी सांस्कृतिक विरासत जैसा गहराई लिए हुए है। इसी तरह शाह टाइम्स भी इन 25 वर्षों में न केवल समाचार जगत का स्तंभ बना रहा, बल्कि राज्य के विकास में जन-जागरूकता, पारदर्शिता और पत्रकारिता की भूमिका को सशक्त बनाता रहा। रजत जयंती के इस विशेष अवसर पर यह आवश्यक है कि हम अतीत की उपलब्धियों से प्रेरणा एवं सी लें, वर्तमान में पूरी शक्ति लगाएं, और भविष्य को सशक्त बनाने के लिए एकजुट होकर आगे बढ़ें।

भविष्य की दिशा: हरित विकास मॉडल: जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए सतत विकास की रणनीति पर कार्य। ग्राम्य विकास: स्वरोजगार, ग्रामीण पर्यटन, कुटीर उद्योग और महिला स्वयं सहायता समूहों को और अधिक सशक्त बनाना। शिक्षा और तकनीकी कौशल: युवाओं को हाई-टेक स्किल्स के लिए तैयार करना।

उत्तराखंड @25 yrs पहाड़ों से प्रगति तक की एक रजत यात्रा

मौ. फहीम 'तन्हा'

देहरादून। उत्तराखंड, भारत का 27वां राज्य, 9 नवंबर 2000 को उत्तर प्रदेश से अलग होकर अस्तित्व में आया। हिमालय की गोद में बसे इस राज्य का जन्म एक जन आंदोलन से हुआ था, जिसमें पहाड़ी क्षेत्र की भौगोलिक, सामाजिक और आर्थिक विशिष्टताओं को ध्यान में रखते हुए पृथक राज्य की मांग की गई थी। 25 वर्षों म... उत्तराखंड ने खुद को एक प्रगतिशील, पर्यावरण-संवेदनशील और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध राज्य के रूप में स्थापित किया है। इसी तरह, इस वर्ष दैनिक शाह टाइम्स भी अपनी रजत जयंती मना रहा है। जो उत्तराखंड के साथ-साथ बढ़ता रहा, राज्य के हर पड़ाव का साक्षी बना। उत्तराखंड ने अपने गठन के बाद राजनीतिक अस्थिरता के कई दौर देखे। कई बार नेतृत्व में अस्थिरता आई, परन्तु हर मुख्यमंत्री ने अपनी समझ और दृष्टिकोण के अनुसार राज्य के विकास में योगदान देने का प्रयास किया।

अवसंरचना विकास

राज्य गठन के बाद सबसे बड़ी चुनौती थी। दुर्गम भौगोलिक क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाएं पहुंचाना। सड़कों, पुलों, जल-विद्युत परियोजनाओं, और ग्रामीण संपर्क मार्गों में निरंतर विकास हुआ है। आज लगभग हर ब्लॉक मोटर सड़कों से जुड़ा है।

शिक्षा और स्वास्थ्य

राज्य बनने के बाद स्कूल, इंटरमीडियट कॉलेज और तकनीकी संस्थानों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। चिकित्सा के क्षेत्र में एम्स ऋषिकेश, कई मेडिकल कॉलेज और टेलीमेडिसिन सेवाओं की शुरुआत की गई।

पर्यटन और तीर्थाटन

उत्तराखंड का सबसे बड़ा प्राकृतिक संसाधन है। उसका आध्यात्मिक व प्राकृतिक पर्यटन। चारधाम यात्रा, हेमकुंड साहिब, फूलों की घाटी जैसे स्थलों को आधुनिक सुविधाओं से जोड़ने का कार्य हुआ। चारधाम ऑल वेदर रोड और हेली सेवा जैसी योजनाएं राज्य के राजस्व और रोजगार को सशक्त बना रही हैं।

कृषि व पलायन पर नियंत्रण

कृषि विविधीकरण, जैविक खेती और बागवानी को बढ़ावा देने के प्रयास किए गए। "रिवर्स पलायन" को संभव बनाने के लिए होम स्टे नीति, वोकल फॉर लोकल जैसी योजनाएं लाई गईं।

अब तक 11 मुख्यमंत्रियों ने संभाली बागडोर

नित्यानंद स्वामी
9 नवम्बर 2000 – 29 अक्टूबर 2001

भगत सिंह कोश्यारी
30 अक्टूबर 20011–मार्च 2002

नारायण दत्त तिवारी
2 मार्च 2002–7 मार्च 2007

भुवन चंद्र खंडूरी
7 मार्च 2007–26 जून 2009

रमेश पोखरियाल 'निशंक'
27 जून 2009 –10 सितम्बर 2011

भुवन चंद्र खंडूरी (द्वितीय)
11 सितम्बर 2011–12 मार्च 2012

विजय बहुगुणा
13 मार्च 2012 –31 जनवरी 2014

हरीश रावत
1 फरवरी 2014–18 मार्च 2017

त्रिवेन्द्र सिंह रावत
18 मार्च 2017–10 मार्च 2021

तीरथ सिंह रावत 10 मार्च 2021–4 जुलाई 2021

उत्तराखंड की आर्थिक यात्रा

@25 वर्षों में आत्मनिर्भरता की ओर

मौ. फहीम 'तन्हा'

देहरादून। वर्ष 2000 में जब उत्तराखंड राज्य अस्तित्व में आया था, तब न तो राज्य पास संसाधनों की भरमार थी, न ही आर्थिक शक्ति का कोई विस्तृत आधार। एक सीमांत राज्य के रूप में अपनी यात्रा शुरू करते हुए उत्तराखंड ने इन 25 वर्षों में जिस प्रकार आर्थिक, सामाजिक और प्रशासनिक मोर्चों पर तरक्की की है, वह न केवल प्रेरक है बल्कि देश के अन्य नवगठित राज्यों के लिए एक मिसाल भी बन चुकी है।

राज्य गठन के समय की आर्थिक स्थिति

उत्तराखंड राज्य के गठन के समय वार्षिक बजट लगभग 4,500 करोड़ रूपये के आसपास था। राज्य की सकल घरेलू उत्पाद (GSDP) मात्रा 14,501 करोड़ रूपये थी, और प्रति व्यक्ति आय लगभग 15,285 रुपये थी। यह वह दौर था जब बुनियादी ढांचे की कमी, सीमित औद्योगिक गतिविधियां और संसाधनों का अभाव था। शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली जैसी मूलभूत सुविधाएं भी पहाड़ी इलाकों में सीमित पहुंच में थीं।

2025-26 का आर्थिक परिदृश्य

वर्तमान में उत्तराखंड का कुल वार्षिक बजट 1,01,175.33 करोड़ तक पहुंच चुका है। यह 25 वर्षों में राज्य के बजट में लगभग 22 गुना वृद्धि को दर्शाता है। राज्य की अनुमानित सकल घरेलू उत्पाद (GSDP) 4,29,308 करोड़ के आंकड़े को पार कर चुकी है। वहीं प्रति व्यक्ति आय भी बढ़कर लगभग 2,95,751 रुपये तक पहुंच गई है।

लक्ष्य: आत्मनिर्भर और समावेशी उत्तराखंड

उत्तराखंड सरकार ने 2027 तक राज्य की जीडीपी को दोगुना करने और प्रति व्यक्तिगत आय को 5 लाख तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए आधारभूत ढांचे में निवेश, पर्यटन को वैश्विक स्तर पर ले जाना, स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा देना, और हर गांव तक आधुनिक सुविधाएं पहुंचाना प्रमुख प्राथमिकताएं हैं। उत्तराखंड की 25 वर्षों की आर्थिक यात्रा एक ऐसे राज्य की कहानी है जिसने सीमित संसाधनों से शुरुआत कर आज आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में ठोस कदम बढ़ाए हैं। यह न केवल आंकड़ों की सफलता है, बल्कि जनभागीदारी, दूरदर्शिता और सतत विकास की नीति का प्रतिफल है। आज जब उत्तराखंड अपने रजत जयंती वर्ष में प्रवेश कर चुका है, यह लेख उस आर्थिक यात्रा का साक्षी है जो कठिनाइयों के बावजूद निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर रही। यह वही उत्तराख्संड है जो आज ना केवल पर्वतों का प्रहरी है, बल्कि आर्थिक समृद्धि की चोटी की ओर भी अग्रसर है।

चुनौतियों के बीच संतुलित अर्थव्यवस्था

उत्तराखंड प्राकृतिक आपदाओं से जूझता रहा है- उत्तरकाशी एवं चमोली की आपदाएं हों, चाहे 2013 की केदारनाथ त्रासदी हो या बाद की वर्षा व भूस्खलन की अनगिनत घटनाएं, लेकिन इन सभी आपदाओं के बावजूद राज्य ने विकास की रफ्तार थमने नहीं दी है। वर्ष 2025-26 के बजट में राजस्व अधिशेष का होना यह दर्शाता है कि राज्य संतुलित वित्तीय अनुशासन के साथ आगे बढ़ रहा है। साथ ही, वित्तीय घाटे को सकल घरेलू उत्पाद के अनुपात में नियंत्रित रखा गया है।

तुलनात्मक आर्थिक तालिका: उत्तराखंड 2000 बनाम 2025

आर्थिक मानक	वर्ष 2000	वर्ष 2025-26 (अनुमानित)
वार्षिक बजट	4,500 करोड़	1,01,175.33 करोड़
राज्य की GSDP	14,501 करोड़	4,29,308 करोड़
प्रति व्यक्ति आय	15,285 रुपये	2,95,751 रुपये
वित्तीय घाटा		12,604.92 करोड़
राजस्व अधिशेष		2,585.89 करोड़

आर्थिक नीतियों व योजनाओं का योगदान

उत्तराखंड की सरकारों ने बीते दो दशकों में पर्यटन, ऊर्जा, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, ग्रामीण विकास और औद्योगिक निवेश के क्षेत्रों में विशेष योजनाएं लागू कीं। विशेषकर चारधाम यात्रा, हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स, ऑर्गेनिक खेती और महिला स्वयं सहायता समूहों को प्रोत्साहित करने वाले कार्यक्रमों ने राज्य को आर्थिक मजबूती दी। राज्य की भौगोलिक विषमताओं के बावजूद, योजनाएं स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप ढाली गईं। यही कारण है कि पहाड़ों में अब सड़कें, बिजली, पेयजल और डिजिटल कनेक्टिविटी जैसे क्षेत्रों में सुधार स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है।

देवभूमिः पर्वतों की गोद से बहती शिक्षा की धारा

'ज्ञान की गंगा' बनकर भारत के भविष्य को सिंचित कर रहा उत्तराखण्ड

उत्तराखंड, जिसे देवभूमि के नाम से जाना जाता है, सदियों से आस्था, प्रकृति और संस्कृति का केंद्र रहा है। पिछले 25 वर्षों में इस पर्वतीय राज्य ने शिक्षा के क्षेत्र में जो योगदान दिया है, वह किसी भी प्रगतिशील राज्य के लिए प्रेरणास्पद है। ब्रिटिश काल में जहां मसूरी, नैनीताल, अल्मोड़ा, देहरादून और रूडकी जैसे शहर शिक्षा के केंद्र बने, वहीं उत्तराखंड राज्य के गठन के बाद उच्च शिक्षा, कोचिंग, अनुसंधान और सैन्य प्रशिक्षण जैसे क्षेत्रों में जबरदस्त विकास हुआ। आज उत्तराखंड भारत में शिक्षा के सबसे मजबूत केंद्रों में से एक बन चुका है, यहां के स्कूलों से लेकर विश्वविद्यालयों तक, देश के भविष्य को गढ़ने वाले छात्र तैयार हो रहे हैं। यहां के पारंपरिक बोर्डिंग स्कूलों से लेकर आधुनिक विश्वविद्यालयों, अनुसंधान संस्थानों और कोचिंग सेंटरों तक, यह राज्य अब भारत के युवाओं के लिए एक आशा की किरण बन चुका है। पर्वतों की गोद में पला-बढ़ा यह राज्य अब केवल पर्यटन या तीर्थाटन के लिए नहीं जाना जाता, बल्कि शिक्षा के नए तीर्थ के रूप में भी पहचान बना चुका है।

मौहम्मद शाह नजर

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में उत्तराखंड का उभार

पिछले दो दशक में उत्तराखंड के कई शहर खासकर देहरादून, हल्द्वानी, रुड़की, और हरिद्वार प्रतियोगी परीक्षाओं के मुख्य केंद्र के रूप् में स्थापित हुए है। यहा खुले कोचिंग संस्थान युवाओं के लिए एक आशा की किरण बनकर उभरे हैं। यह षहर कोचिंग का हब बन गये है, अब छात्र दिल्ली और कोटा के स्थान पर देहरादून, हल्द्वानी में रह कर कोचिंग करने को प्राथमिकता दे रहे हैं। आईएएस, पीसीएस, नीट, जेईई के लिए देशभर के छात्र यहां आकर तैयारी करते हैं। यही नही एनडीए, सीडीएस, और एएफसीएटी के लिए यहां विशेष संस्थान हैं जो छात्रों को फिजिकल से लेकर इंटरव्यू तक की तैयारी कराते हैं। आईएएस, पीसीएस और पीसीएस जे जैसी प्रशासनिक सेवाओं के लिए भी यहा प्रयाग आईएएस अकादमी जैसे विशेष कोचिंग सेंटर स्थापित हुए हैं। यहा आकाष, एलन, बलूनी कोचिंग सेंटर भी अहम भूमिका निभा रहे हैं। इन शहरों में छात्रों के लिए छात्रावास, पुस्तकालय, कैफे, साइलेंट जोन, स्मार्ट क्लासरूम और साइंस लैब्स जैसे संसाधनों में तेजी से सुधार हुआ है।

ब्रिटिश काल से ही शिक्षा का केंद्र रहा दून

ब्रिटिश शासन के दौरान उत्तराखंड के शांत वातावरण और प्राकृतिक सौंदर्य ने अंग्रेजों को आकर्षित किया, जिससे यह क्षेत्र शिक्षा के लिए आदर्श माना गया। कई प्रमुख स्कूल इसी काल में स्थापित हुए, जिनमें आज भी गुणवत्ता की परंपरा कायम है। सतीश संजन दास की और से 1935 में स्थापित दून स्कूल भारत के जाने-माने निजी/स्वतंत्र विद्यालयों मे से एक है। इस विद्यालय का उद्देश्य युवा भारतीयों को एक उदारवादी शिक्षा प्रदान करना है, जिससे उनमें धर्मनिरपेक्षता, अनुशासन और समानता के सिद्धांतों के प्रति आदर भाव जागे। दून स्कूल केवल भारत ही नहीं, बल्कि एशिया के सर्वश्रेष्ठ बोर्डिंग स्कूलों में गिना जाता है। इसे 'भारत का ईटन' कहा जाता है। यहां से निकले छात्र देश-विदेश में राजनीति, साहित्य, सेना, व्यापार और प्रशासन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। राजीव गांधी, रामचंद्र गुहा और विक्रम सेठ जैसे कई प्रसिद्ध नाम इस स्कूल से जुड़े हैं। वेल्हम बॉयज और गर्ल्स स्कूल, दून स्कूल के समान ही, वेल्हम स्कूल्स ने भी लड़कों और लड़कियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और जीवन मूल्य प्रदान किए हैं। ये स्कूल अनुशासन, सौम्यता और आधुनिकता का संगम हैं। शेरवुड कॉलेज, नैनीताल की स्थापना 1869 में हुई। नैनीताल स्थित यह स्कूल उत्तर भारत के सबसे पुराने और प्रतिष्ठित बोर्डिंग स्कूलों में से है। इसकी स्थापत्य भव्यता, अनुशासन और पाठ्यक्रम का संतुलन इसे विशेष बनाता है। फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ और सुपर स्टार अभिनेता अमिताभ बच्चन जैसे व्यक्तित्व यहीं से निकले हैं। सैनिक स्कूल, घोड़ाखाल की स्थानप 1966 में हुई।यह स्कूल भारतीय सेना के लिए भविष्य के अधिकारी तैयार करता है। गरीब और ग्रामीण पृष्ठभूमि के छात्रों को अफसर बनने का सुनहरा अवसर देता है। यह स्कूल केवल एक संस्था नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की प्रयोगशाला है। इसके अलावा प्रदेष भर में स्कूली षिक्षा के हजारों केंद्र छात्रों का भविश्य संवार रहें हैं।

विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों का जाल

उत्तराखंड में उच्च शिक्षा का विस्तार उत्तराखंड राज्य गठन के बाद तेजी से हुआ। आज यहां दर्जनों नीजी विश्वविद्यालय और सैकड़ों कॉलेज हैं जो हर क्षेत्र में शिक्षा प्रदान कर रहे हैं। वहीं,सरकारी शिक्षण केंद्र भी भविष्य संवार रहे हैं। आज उत्तराखंड में दर्जनों विश्वविद्यालय और सैकड़ों कॉलेज हैं। जीबी पंत विवि का मतलब गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय है, जो भारत का पहला कृषि विश्वविद्यालय है, इसकी स्थापना 1960 में उत्तर प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय के नाम से हुई थी, जिसका बाद में नाम बदलकर गोविन्द बल्लभ पन्त कृषि एवं प्रौद्योगिकी विष्वविद्यालय कर दिया गया। इसे भारत में हरित क्रांति का अग्रदूत माना जाता है। भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने इसका उद्घाटन 17 नवंबर, 1960 में किया था। इसका नाम भारत के महान स्वतंत्रा सेनानी गोविन्द बल्लभ पंत के नाम पर रखा गया है। यह भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच सफल साझेदारी का प्रतीक है। कुमाऊं विष्वविद्यालय, नैनीताल, 1973 में स्थापित यह विष्वविद्यालय कुमाऊं क्षेत्र के छात्रों के लिए उच्च शिक्षा का बड़ा केंद्र है। हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विष्वविद्यालय, श्रीनगर, एक केंद्रीय विष्वविद्यालय के रूप में मान्यता प्राप्त यह संस्थान गढ़वाल क्षेत्र के शैक्षणिक और शोध गतिविधियों का केंद्र है। उत्तराखंड तकनीकी विष्वविद्यालय (अब वीर माधो सिंह भंडारी टेक्निकल यूनिवर्सिटी) यह विष्वविद्यालय इंजीनियरिंग, मैनेजमेंट, फार्मेसी जैसे क्षेत्रों में तकनीकी शिक्षा उपलब्ध कराता है, जिससे सैंकड़ों कॉलेज संबंद्ध है। दून विष्वविद्यालय,देहरादून में स्थित यह राज्य सरकार का विष्वविद्यालय सामाजिक विज्ञान, भाषा, पर्यावरण और मीडिया जैसे क्षेत्रों में शिक्षा और शोध कार्य करता है। इसके अलावा श्री देव सुमन उत्तराखंड विष्वविद्यालय, उत्तराखण्ड आयुर्वेद विष्वविद्यालय, उत्तराखण्ड आवासीय विष्वविद्यालय, उत्तराखण्ड मुक्त विष्वविद्यालय, उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, वीर चंद्र सिंह गढ़वाली उत्तराखंड बागवानी और वानिकी विष्वविद्यालय, सोबन सिंह जीना विष्वविद्यालय हेमवती नन्दन बहुगुणा उत्तराखण्ड चिकित्सा शिक्षा विष्वविद्यालय आदि उत्तराखण्ड का गौरव बढ़ा रहें है।

निजी विश्वविद्यालयों का भी अहम योगदान

उत्तराखण्ड में सरकारी षिक्षण संस्थानों के साथ-साथ नीजी षिक्षण संसथान भी अहम भूमिका निभा रहे हैं। ग्राफिक एरा डीम्ड यूनिवर्सिटी, यूनिवर्सिटी ऑफ पेट्रोलियम एंड एनर्जी स्टडीज (यूपीईएस), दून ग्रप ऑफ कालेजेज देहरादून, एमीटी यूनिवर्सिटी देहरादून, आईएमएस विश्वविद्यालय देहरादून, श्री गुरू राम राय विष्वविद्यालय देहरादून, ईकफाई विष्वविद्यालय देहरादून, स्वामी राम हिमालयन विष्वविद्यालय देहरादून, उत्तराँचल यूनिवर्सिटी देहरादून, सरदार भगवान सिंह विष्वविद्यालय देहरादून, हिमगिरि जी विश्वविद्यालय देहरादून, रास बिहारी बोस सुभारती विश्वविद्यालय देहराद. ून, हिमालयीय विश्वविद्यालय डोईवाला देहरादून, देवभूमि उत्तराखण्ड विष्वविद्यालय देहरादून, पतंजलि विष्वविद्यालय हरिद्वार, देव संस्कृति विष्वविद्यालय हरिद्वार, क्वांटम विष्वविद्यालय रूड़की, मदरहुड विष्वविद्यालय रूड़की, यूनिवर्सिटी ऑफ इंजीनियरिंग एडं टैक्नोलॉजी रूडकी,हिमालयन गढ़वाल विष्वविद्यालय पोखड़ा, भगवन्त ग्लोबल विष्वविद्यालय कोटद्वार, सूरजमल विश्वविद्यालय किच्छा, कोर विष्वविद्यालय रूड़की आदि शामिल है। ये विष्वविद्यालय आधुनिक शिक्षा, वैष्विक एक्सपोजर और प्लेसमेंट के लिहाज से अहम भूमिका निभा रहे हैं।

तकनीकी व उच्च शिक्षा के क्षेत्र में नई ऊंचाइयां स्थापित कर रहा उत्तराखण्ड

उत्तराखण्ड स्कूली शिक्षा ही नही तकनीकी और उच्च षिक्षा के क्षेत्र में भी अग्रणी भूमिका निभा रहा है। यहा आईआईटी, आईआईएम से लेकर विष्वविद्यालयों और कोचिंग संस्थानों की बड़ी तादात यह साबित करने के प्रयाप्त है कि प्रदेष अब उच्च षिक्षा के क्षेत्र में नये अयाम स्थापित करने की दिषा में अग्रसर है। आईआईटी रुड़कीः आईआईटी रुड़की का इतिहास भारतीय इंजीनियरिंग शिक्षा के इतिहास से जुड़ा है। पहले थॉमसन कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग के नाम से जाना जाता था, यह एशिया का सबसे पुराना तकनीकी संस्थान है। स्वतंत्रता के बाद इसे यूनिवर्सिटी ऑफ रुड़की और फिर 2001 में आईआईटी का दर्जा मिला। यह संस्थान सिविल इंजीनियरिंग, जल संसाधन, कंप्यूटर साइंस, मैकेनिकल और बायोटेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में अग्रणी है। यहाँ से निकले अभियंता देश-विदेश की बड़ी कंपनियों और सरकारी संगठनों में नेतृत्व कर रहे हैं। इंडियन मिलिट्री अकादमी (आईएमए) देहरादून की स्थापना 1932 में हुई। आईएमए भारत की सेना के लिए अफसर तैयार करने वाला प्रमुख संस्थान है। इस अकादमी से अब तक हजारों सैन्य अधिकारी निकल चुके हैं जिन्होंने देश की सीमाओं की रक्षा की है। आईएमए केवल प्रशिक्षण नहीं देता, बल्कि यह नेतृत्व, साहस और समर्पण का प्रतीक हैं, यहा देष के साथ-साथ मित्र देषों के सैनिकों को भी प्रषिक्षण दिया जाता है। फॉरेस्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट (एफआरआइ), देहरादून वन अनुसंधान और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में कार्यरत यह संस्थान राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त है। इसकी भव्य इमारत और परिसर इसे एक आकर्षक शैक्षणिक केंद्र बनाते हैं। वाइल्डलाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया यह संस्थान वन्यजीव अनुसंधान, संरक्षण और जैव विविधता पर कार्य करता है। दुनियाभर के शोधार्थी यहां अध्ययन और फील्ड वर्क के लिए आते हैं। वहीं, भारतीय प्रबंधन संस्थान काशीपुर, भारत सरकार द्वारा 2011 में स्थापित दूसरी पीढ़ी का आईआईएम है। यह नवीन शिक्षण विधियों का उपयोग करके, उच्च गुणवत्ता वाले अनुसंधान को बढ़ावा देकर और स्थायी नेतृत्व का अभ्यास करके प्रबंधन के क्षेत्र में नाम स्थापित कर रहा है, इन षिक्षण संस्थानों का लाभ उत्तराखण्ड ही नही देष-दुनिया के छात्र उठा रहे हैं।

DOON GROUP OF COLLEGES
DEHRADUN
NAAC GRADE A
26 Years OF ACADEMIC EXCELLENCE
AFFILIATED TO: HNB GARHWAL CENTRAL UNIVERSITY, SDS UNIVERSITY
NORTH INDIA'S BEST & OLDEST
AGRICULTURE & PARAMEDICAL INSTITUTE
ADMISSION OPEN 2025-26
Awarded the Best Academic Excellence by Hon. MHRD Minister
Awarded the Best Agriculture College by Hon. Agriculture Minister
COURSES OFFERED
AGRICULTURE
PARAMEDICAL
FORESTRY
HORTICULTURE
FISHERIES SCIENCE
FOOD TECHNOLOGY
CHEMISTRY
MANAGEMENT
B.Ed. BBA
COMPUTER SCIENCE
ENVIRONMENTAL SCIENCE
BOTANY ZOOLOGY
D. PHARMA
and many more...

Admission Helpline:
+91-7017809991, +91-9548001418, +91-9837008360
28 Chakrata Road, Behind Bindal Petrol Pump Dehradun
For more information visit:
www.dpmc.in

उत्तराखंड : शिखर की ओर

निवेश संबंधी पहल से निखर रहा उत्तराखंड

उत्तराखंड निवेश उत्सव 2025: निवेश और विकास का नया युग

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी विजन और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के सक्षम मार्गदर्शन में राज्य ने हाल ही में रुद्रपुर में भव्य निवेश उत्सव- 2025 का आयोजन कर एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। इस अवसर पर 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश को धरातल पर उतारने की सफलता का उत्सव मनाया गया, जो उत्तराखंड के औद्योगिक विकास और आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक बड़ा व सकारात्मक कदम है

"यह उत्सव केवल वित्तीय निवेश का प्रतीक नहीं है, बल्कि उत्तराखंड की सम्भावनाओं, उद्यमशीलता और समावेशी विकास का भी प्रतिबिंब है। 3.56 लाख करोड़ रुपये के एमओयू साइन हुए हैं, जिनमें से 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारा जा चुका है। उत्तराखंड निवेश, नवाचार और औद्योगिक विकास के नए आयाम छू रहा है। निवेशक हमारे ब्रांड एंबेसडर हैं। उनके सकारात्मक अनुभव उत्तराखंड की छवि को देश और दुनिया में सशक्त बना रहे हैं।"

— **पुष्कर सिंह धामी,** मुख्यमंत्री, उत्तराखंड

PICS: DIPR, UTTARAKHAND GOVERNMENT

गृह मंत्री अमित शाह, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, विधानसभा अध्यक्ष रितु खंडूरी के साथ रुद्रपुर में निवेश उत्सव में बाबा रामदेव और अन्य गणमान्य व्यक्ति

उत्तराखंड के औद्योगिक परिदृश्य में ऐतिहासिक पल तब आया जब रुद्रपुर के स्पोर्ट्स स्टेडियम में भव्य 'उत्तराखंड निवेश उत्सव 2025' का आयोजन किया गया। यह आयोजन दिसंबर 2023 में आयोजित 'उत्तराखंड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट' के बाद 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारने की सफलता का प्रतीक बना।

इस अवसर पर केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

बुनियादी ढांचे को बढ़ावा

₹1.86 लाख करोड़

पिछले एक दशक में केंद्र सरकार द्वारा आवंटित राशि, जिसमें शामिल हैं

₹31,000 करोड़
सड़क के लिए

₹40,000 करोड़
रेल के लिए

₹100 करोड़
हवाई अड्डे के विकास के लिए

"1 लाख करोड़ रुपये के निवेश को धरातल पर उतारना सराहनीय उपलब्धि है। आमतौर पर 5 से 10 प्रतिशत एमओयू ही साकार हो पाते हैं, लेकिन उत्तराखंड ने 30 प्रतिशत सफलता हासिल की है। किसी पर्वतीय राज्य में निवेश लाना पहाड़ चढ़ने जितना कठिन है, लेकिन धामीजी ने इस सोच को गलत साबित कर दिया है। यह निवेश अब तक अधिकाधिक रोजगार सृजित कर चुका है और संबद्ध उद्योगों से 2.5 लाख और रोजगार सृजन की सम्भावना है। उत्तराखंड ने विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच बेहतरीन संतुलन किया है, जिसमें पारदर्शी नीतियां, त्वरित क्रियान्वयन और दूरदर्शी सोच की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।"

— **अमित शाह,** केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री

गृहमंत्री ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य सरकार के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने वादों को वास्तविकता में बदलकर दिखाया है। अमित शाह ने इस उपलब्धि को 'सच्चे पराक्रम का परिचायक' बताया और राज्य को मोदी सरकार की ओर से हर सम्भव सहयोग का भरोसा दिलाया।

'टीम धामी' को अमित शाह का समर्थन

गृहमंत्री अमित शाह ने दोहराया कि उत्तराखंड जैसे पर्वतीय राज्य में निवेश लाना शिखर पर चढ़ने जैसा कठिन काम है, लेकिन मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस धारणा को पूरी तरह तोड़ दिया है। उन्होंने राज्य सरकार की इस बात के लिए सराहना की कि विकास और पर्यावरणीय संरक्षण के बीच संतुलन का विशिष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्होंने मुख्यमंत्री की पारदर्शी नीतियों, त्वरित क्रियान्वयन और दूरदर्शी नेतृत्व की खुले मन से प्रशंसा की।

उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश का आधारभूत ढांचा मजबूत हुआ है। पिछले 10 वर्षों में नेशनल हाईवे की लंबाई में 60% की वृद्धि हुई है। 8 लाख किलोमीटर से अधिक ग्रामीण सड़कों का निर्माण हुआ है। 333 जिलों को वंदे भारत ट्रेनों से जोड़ा गया है और 88 नए हवाई अड्डों का उद्घाटन किया गया है।

उत्तराखंड से विकसित भारत का विजन

गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री के 'विकसित भारत 2047' के संकल्प को साकार करने के लिए उत्तराखंड का विकास जरूरी है। उन्होंने कहा कि जब तक छोटे राज्यों और पूर्वोत्तर भारत का समग्र विकास नहीं होगा, तब तक विकसित भारत का लक्ष्य पूरा नहीं हो सकता है। उन्होंने उत्तराखंड की रणनीतिक और आध्यात्मिक महत्ता को ध्यान में रखते हुए कहा कि यह राज्य ज्योतिर्लिंगों, शक्तिपीठों, पंचकेदार और पंचप्रयागों की भूमि है, इसलिए भी इस पावन राज्य का विकास अपरिहार्य हो जाता है। उन्होंने उत्तराखंड में चल रही कई मेगा परियोजनाओं का उल्लेख किया, जिनमें चारधाम ऑल वेदर रोड, केदारनाथ और हेमकुंड साहिब तक रोपवे, पर्यटन, एमएसएमई, स्टार्टअप्स और फिल्म नीति में निवेश शामिल हैं। निवेश से जुड़ी ये बातें इस बात का संकेत दे रही हैं कि उत्तराखंड निरंतर विकास की ओर अग्रसर है।

सरकारी प्रयासों की उद्योग जगत ने की सराहना

उत्तराखंड उद्योग संघ (IAU) ने राज्य में हुए इस विकास का स्वागत करते हुए 30% निवेश धरातलीकरण दर को 'असाधारण' बताया, जो कि राष्ट्रीय औसत 5–10% की तुलना में कहीं अधिक है। IAU के अध्यक्ष पंकज गुप्ता ने इसे सकारात्मक विकास बताया, जिसका प्रभाव दीर्घकालिक होगा। उन्होंने इसकी सफलता का श्रेय मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के कुशल नेतृत्व को दिया, जिन्होंने राज्य को निवेश-अनुकूल बनाने में निर्णायक भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि सरकार की आर्थिक रणनीति केवल औद्योगिक क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि ऊर्जा, आवास और पर्यटन जैसे क्षेत्रों को भी समाहित करती है।

"मैं उत्तराखंड सरकार को पिछले कुछ वर्षों में हासिल की गई उपलब्धियों के लिए बधाई देता हूं। यह पर्यटन और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर निरंतर नीतिगत प्रोत्साहन और इस पर ध्यान देने से ही संभव हुआ है। साथ ही, राज्य ने बुनियादी ढांचे के विकास में महत्वपूर्ण प्रगति की है, जो सतत विकास के लिए नए मानक स्थापित करता है। अपने प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग और पर्यटन को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता ने न केवल यहां की अर्थव्यवस्था को मजबूती दी है, बल्कि वैश्विक मंच पर राज्य ने अपनी क्षमता को प्रदर्शित किया है। मैं समावेशी विकास के लिए राज्य के समर्पण की सराहना करता हूं और आने वाले वर्षों में इसकी निरंतर सफलता की आशा करता हूं।"

-**नरेन्द्र मोदी,** प्रधानमंत्री

एक आशाजनक राह की ओर

पिछले एक दशक में केंद्र सरकार ने उत्तराखंड को ₹1.86 लाख करोड़ से अधिक की राशि आवंटित की है, जिसमें ₹31,000 करोड़ सड़क विकास, 40,000 करोड़ रेलवे परियोजनाओं और ₹100 करोड़ हवाई अड्डा विकास के लिए शामिल है। गृहमंत्री अमित शाह ने आश्वासन दिया कि शेष निवेश लक्ष्यों को भी पूरा करने के लिए केंद्र हर स्तर पर उत्तराखंड सरकार के साथ भागीदारी के लिए तैयार है। हम हर कदम पर आपके साथ खड़े हैं।

मुख्यमंत्री धामी: निवेशक हमारे ब्रांड एंबेसडर हैं

मुख्यमंत्री धामी ने प्रमुख अधिकारियों के साथ निवेश की समीक्षा की

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि 'निवेश उत्सव' केवल पूंजी का उत्सव नहीं, बल्कि उत्तराखंड के समावेशी विकास मॉडल का प्रतीक है, जो उद्यमशीलता, जनसहभागिता और नवाचार पर आधारित है। इस अवसर पर उन्होंने ₹1,342 करोड़ की परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण करने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने बताया कि 2023 में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के दौरान ₹3.56 लाख करोड़ के एमओयू साइन किए गए थे, जिनमें से ₹1 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव पहले ही धरातल पर उतर चुके हैं। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड अब निवेश, नवाचार और औद्योगिक विकास के नए शिखर छू रहा है।

उन्होंने यह भी बताया कि वोकल फॉर लोकल, मेक इन इंडिया, स्किल इंडिया और स्टार्टअप इंडिया जैसी नीतियों के जरिए देश आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री ने उद्योग, लॉजिस्टिक्स, एमएसएमई और स्टार्टअप सहित 30 से अधिक नीतियों के क्रियान्वयन की जानकारी दी।

राज्य सरकार ने ₹200 करोड़ का स्टार्टअप वेंचर फंड स्थापित किया है और काशीपुर में एरोमा पार्क, सितारगंज में प्लास्टिक पार्क तथा खुरपिया में इंडस्ट्रियल स्मार्ट सिटी जैसी परियोजनाएं शुरू की हैं। अब राज्य में 260 से अधिक बिजनेस सेवाएं ऑनलाइन उपलब्ध हैं और उत्तराखंड 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' में अचीवर तथा 'स्टार्टअप रैंकिंग' में अग्रणी राज्य के रूप में मान्यता प्राप्त कर चुका है।

उत्तराखंड राज्य सौर नीति 2023: स्वच्छ ऊर्जा की ओर सशक्त कदम बढ़ाता हिमालयी राज्य

उत्तराखंड राज्य सौर नीति 2023 में वर्ष 2027 तक 2,500 मेगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन का महत्वाकांक्षी रोडमैप प्रस्तुत किया गया है, जिससे राज्य को हिमालयी क्षेत्र में स्वच्छ ऊर्जा के अग्रणी प्रदेश के रूप में स्थापित करने का लक्ष्य है।

सात जून 2023 को मंजूर की गई उत्तराखंड राज्य सौर नीति 2023 राज्य सरकार की एक दूरदर्शी पहल है। इसका उद्देश्य सौर ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा देकर पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों पर निर्भरता को कम करना है। यह नीति देश के व्यापक स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्यों के अनुरूप तैयार की गई है और 2027 तक 2,500 मेगावाट सौर क्षमता विकसित करने का स्पष्ट रोडमैप प्रस्तुत करती है।

इस नीति का उद्देश्य:

इस नीति के अंतर्गत राज्य के पहाड़ी और मैदानी दोनों क्षेत्रों में उपलब्ध सौर क्षमता का प्रभावी उपयोग शामिल है। इसके माध्यम से ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना और निजी निवेश को आकर्षित करना है, ताकि स्थानीय रोजगार के अवसरों को बढ़ावा दिया जा सके। यह नीति सोलर पार्क, रूफटॉप सोलर सिस्टम, फ्लोटिंग सोलर प्लांट्स व हाइब्रिड परियोजनाओं को बढ़ावा देती है, जो सौर ऊर्जा को अन्य नवीकरणीय स्रोतों से जोड़ती है। विकेन्द्रित नवीकरणीय ऊर्जा प्रणालियों (डीआरई) को बढ़ावा देना नीति का प्रमुख फोकस है, जिससे दूर-दराज और वंचित क्षेत्रों तक ऊर्जा की पहुंच सुनिश्चित की जा सके। यह उत्तराखंड की भौगोलिक चुनौतियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

प्रोत्साहन और सुविधा

इस नीति के अंतर्गत निवेशकों और परियोजना डेवलपर्स के लिए कई वित्तीय और नियामक प्रोत्साहनों की व्यवस्था की गई है।

- बिजली शुल्क और क्रॉस-सब्सिडी अधिभार से छूट
- सौर परियोजनाओं के लिए प्रयुक्त भूमि पर स्टांप शुल्क से छूट
- त्वरित अनुमोदन के लिए सिंगल विंडो क्लीयरेंस सिस्टम
- प्राथमिकता के आधार पर ग्रिड कनेक्टिविटी और भूमि बैंकिंग सहायता, जो उत्तराखंड अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी (उरेडा) के माध्यम से प्रदान की जाएगी।

साथ ही, प्राथमिकता के आधार पर ग्रिड कनेक्टिविटी और लैंड बैंकिंग सहायता, जो उरेडा (उत्तराखंड अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी) के माध्यम से प्रदान की जाएगी। वहीं, यह नीति पीपीपी मॉडल, सरकारी भवनों पर रूफटॉप सोलर और निजी क्षेत्र की भागीदारी को बढ़ावा देती है। साथ ही यह स्थानीय रोजगार सृजन और क्षमता निर्माण के लिए प्रशिक्षण को भी अनिवार्य बनाती है।

सतत विकास की ओर अग्रसर

उत्तराखंड राज्य सौर नीति 2023 एक असरदार रणनीति और सहायक बुनियादी ढांचे के साथ यह हिमालयी क्षेत्र में स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन की दिशा में एक महत्वपूर्ण छलांग है। यह नीति न केवल राज्य की जलवायु परिवर्तन के प्रति प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करती है, बल्कि उत्तराखंड को पर्वतीय क्षेत्रों में नवीकरणीय ऊर्जा अपनाने का एक आदर्श मॉडल भी बनाती है। यह नीति उत्तराखंड के भविष्य को ऊर्जा आत्मनिर्भरता और पर्यावरणीय संतुलन की दिशा में अग्रसर करती है।

उत्तराखंड पर्यटन नीति 2023: सतत विकास और निवेश को प्रोत्साहित करता सशक्त रोडमैप

उत्तराखंड पर्यटन नीति 2023 एक परिवर्तनकारी खाका प्रस्तुत करती है, जिसका उद्देश्य राज्य को एक प्रमुख सतत और निवेश-अनुकूल पर्यटन गंतव्य के रूप में स्थापित करना है। यह नीति नवाचार, बुनियादी ढांचे के विकास और समावेशी वृद्धि को बढ़ावा देने पर आधारित है।

उत्तराखंड पर्यटन नीति 2023 राज्य को वैश्विक स्तर पर मान्यता प्राप्त पर्यटन केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक व्यापक और परिवर्तनकारी दृष्टिकोण प्रस्तुत करती है। यह नीति 31 मार्च 2030 तक प्रभावी रहेगी और पर्यटन आधारित विकास को गति देने के साथ आर्थिक समावेशन, पर्यावरणीय स्थिरता और निवेशक अनुकूलता सुनिश्चित करने के लिए तैयार की गई है।

इस नीति के अंतर्गत सभी अनुमोदन और प्रोत्साहन दावों को सिंगल विंडो क्लियरेंस सिस्टम के माध्यम से आगे बढ़ाया जाएगा। इसमें केवल उन्हीं परियोजनाओं को लाभ मिलेगा, जिनकी वाणिज्यिक परिचालन तिथि (सीओसी) नीति की अवधि के अंतर्गत होगी।

संस्थागत ढांचा और नीति की प्राथमिकताएं

यह नीति पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) को सक्षम बनाने और हॉस्पिटैलिटी, वेलनेस, एडवेंचर, हेरिटेज और ग्रामीण पर्यटन जैसे विविध क्षेत्रों में निवेश लाने पर केंद्रित है।

नीति के क्रियान्वयन के लिए उत्तराखंड पर्यटन विकास बोर्ड (यूटीडीबी) को नोडल एजेंसी बनाया गया है। इसमें 50 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं के लिए राज्य स्तरीय सशक्त समिति (एसएलईसी) का गठन किया गया है। साथ ही, 50 करोड़ रुपये तक की एमएसएमई परियोजनाओं के लिए जनपद स्तरीय सशक्त समितियां (डीएलईसी) बनाई गई हैं। वहीं, परियोजनाओं की भौतिक जांच और सत्यापन के लिए जनपद स्तरीय पर्यटन समितियां (डीएलटीसी) गठित की गई हैं।

योग्य परियोजनाएं और निवेश प्रोत्साहन

इस नीति के अंतर्गत विभिन्न प्रकार की पर्यटन इकाइयों को योग्य माना गया है। इसमें होटल, रिसॉर्ट, विरासत भवन, रोपवे, ईको-लॉज, योग एवं वेलनेस सेंटर, मनोरंजन पार्क, साहसिक पर्यटन सुविधाएं आदि शामिल हैं। इनमें से प्रत्येक श्रेणी के लिए न्यूनतम निवेश और बुनियादी ढांचे की शर्तें तय की गई हैं, जिससे गुणवत्ता और निवेश को बढ़ावा मिले। साथ ही, सभी इकाइयों को राष्ट्रीय सुरक्षा मानकों का पालन करना अनिवार्य होगा।

पूंजीगत और गैर-पूंजीगत प्रोत्साहन

इस नीति के तहत निवेशकों को दो श्रेणियों में प्रोत्साहन दिए जाएंगे। इसके अंतर्गत प्रोत्साहनों को पूंजी निवेश सब्सिडी और अतिरिक्त प्रतिपूर्ति में विभाजित किया गया है, जैसे कि-

- एसजीएसटी की वापसी (नेट आउटपुट लायबिलिटी पर)
- भूमि पट्टे और मॉर्गेज दस्तावेजों पर स्टांप शुल्क से छूट
- नई इकाइयों के लिए विद्युत शुल्क में छूट
- ब्याज अनुदान और विपणन सब्सिडी, व्यय के आधार पर
- प्रशिक्षण और कौशल विकास प्रोत्साहन
- देशी पर्यटकों, MICE कार्यक्रमों और ऑनलाइन बुकिंग के आधार पर प्रदर्शन-आधारित प्रोत्साहन

पिछड़े और दूरस्थ क्षेत्रों में स्थापित इकाइयों को पूंजीगत परिसंपत्तियों की लागत पर 50% तक की सब्सिडी दी जाएगी, जिससे क्षेत्रीय असंतुलन को दूर किया जा सके।

उत्तराखंड स्टार्टअप नीति 2023: नवाचार और समावेशी विकास की ओर सकारात्मक पहल

उत्तराखंड स्टार्टअप नीति 2023 एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसका उद्देश्य राज्यभर में रोजगार सृजन और स्टार्टअप्स को सशक्त बनाकर एक मजबूत उद्यमशील पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करना है।

उत्तराखंड स्टार्टअप नीति 2023 राज्य सरकार की एक दूरदर्शी पहल है, जिसका उद्देश्य हर साल 1,000 नए स्टार्टअप की शुरुआत कर सशक्त उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र तैयार करना है। यह नीति नवाचार को प्रोत्साहित करने, रोजगार के अवसर बढ़ाने और स्थानीय प्रतिभा को आगे लाने का सशक्त माध्यम है।

इस नीति के माध्यम से वित्तीय सहायता और प्रोत्साहन प्रदान की जा रही है। नीति के तहत स्टार्टअप्स को विभिन्न चरणों में यह सहायता दी जाती है। इसमें प्रति माह 15,000 का भत्ता, विशेष श्रेणियों (SC/ST/दिव्यांग) के लिए 20,000 रुपये प्रति माह प्रदान की जाती है। वहीं 15 लाख रुपये तक का सीड फंड भी उपलब्ध कराया जाता है, जिससे शुरुआती दौर में स्टार्टअप के संचालन को स्थिरता मिलती है।

इसके साथ ही इस पॉलिसी के माध्यम से इंटलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स के लिए भी सहायता उपलब्ध कराई जाती है। इसके अंतर्गत राष्ट्रीय पेटेंट में आवेदन करने के लिए 1 लाख रुपये तक की सहायता, अंतरराष्ट्रीय पेटेंट कराने के लिए 5 लाख रुपये तक की सहायता, वहीं ट्रेडमार्क और इंडस्ट्रियल डिजाइन के लिए 10,000 रुपये तक की सहायता प्रदान की जाती है।

यह नीति उन्हीं स्टार्टअप्स को कवर करती है, जो 10 वर्षों की अवधि के अंदर स्थापित हुए हों और उत्पाद, सेवा या प्रक्रिया में नवाचार या सुधार ला रहे हों। इसके अलावा रोजगार और संपत्ति सृजन की मजबूत क्षमता रखते हों।

इस नीति के अंतर्गत राज्य सरकार हर जिले में इनक्यूबेशन सेंटर स्थापित कर रही है, जो कई तरह की सुविधाएं उपलब्ध कराती है। मेंटरशिप और नेटवर्किंग के अवसर, बुनियादी ढांचा और तकनीकी सहायता व प्रशिक्षण और जागरूकता कार्यक्रम शामिल हैं। यह नीति उत्तराखंड को स्टार्टअप इंडिया अभियान में प्रमुख रूप से स्थापित करने की दिशा में एक प्रभावशाली कदम है।

उत्तराखंड लॉजिस्टिक्स नीति 2023: बेहतर और स्थिर लॉजिस्टिक्स तंत्र की नींव

इस नीति से व्यापार को मिलेगा बल, लागत घटेगी और तकनीक-संचालित भविष्य की ओर तेजी से बढ़ेंगे कदम

उत्तराखंड लॉजिस्टिक्स नीति 2023 का उद्देश्य राज्य में एक एकीकृत, पर्यावरण-अनुकूल और निवेश-उन्मुख लॉजिस्टिक्स तंत्र बनाना है। यह नीति लॉजिस्टिक्स की लागत घटाने, निर्यात बढ़ाने और राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स इंडेक्स में रैंकिंग सुधारने पर आधारित है।

यह नीति वित्तीय और गैर-वित्तीय प्रोत्साहनों के माध्यम से नए और मौजूदा दोनों प्रकार के लॉजिस्टिक्स उद्यमों का समर्थन करती है। इसमें विशेष रूप से रणनीतिक और उच्च घनत्व वाले औद्योगिक क्षेत्रों में लॉजिस्टिक्स पार्क, कोल्ड चेन, ट्रक टर्मिनल, एयर कार्गो कॉम्प्लेक्स और अंतर्देशीय कंटेनर डिपो के विकास को शामिल किया गया है। यह नीति ग्रीन लॉजिस्टिक्स को बढ़ावा देती है, सार्वजनिक-निजी भागीदारी को प्रोत्साहित करती है और एआई, ब्लॉकचेन व स्मार्ट इन्वेंटरी सिस्टम्स जैसी उन्नत तकनीकों को एकीकृत करती है।

यह नीति PPP मॉडल के तहत निजी निवेश को प्रोत्साहन देती है, जिसमें सिंगल विंडो क्लीयरेंस, पंतनगर जैसे मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क और औद्योगिक कॉरिडोर के माध्यम से राज्य को लैंडलॉक राज्यों के लिए आदर्श लॉजिस्टिक्स हब के रूप में स्थापित करने का प्रयास करती है।

Text by Taresh Dutta

उत्तराखंड मेगा इंडस्ट्रियल और इन्वेस्टमेंट नीति 2025 : बड़े निवेश और औद्योगिक विकास की नई दिशा

इस नीति का उद्देश्य हिमालयी राज्य को निवेशकों की पहली पसंद बनाने के लिए तैयार करना है

उत्तराखंड मेगा इंडस्ट्रियल और निवेश नीति 2025 का उद्देश्य राज्य को बड़े पैमाने पर निवेश के लिए पसंदीदा गंतव्य बनाना है। यह नीति सूचना की तारीख से पांच वर्षों तक प्रभावी रहेगी।

यह नीति सिंगल-विंडो सिस्टम के माध्यम से आवेदन करने वाली इकाइयों को वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान करती है। इसमें उद्यमों को चार निवेश श्रेणियों में विभाजित किया गया है, जिसमें बड़े (50-200 करोड़ रुपये), अल्ट्रा लार्ज (200-500 करोड़ रुपये), मेगा (500-1000 करोड़ रुपये) और अल्ट्रा मेगा (1000 करोड़ रुपये से अधिक) को शामिल किया गया है। इसमें से हर एक के लिए रोजगार और निवेश सीमाएं पहले से ही तय की गई हैं। इस नीति में 10% से 20% तक की पूंजीगत सब्सिडी शामिल है, जो संचालन के 8वें से 15वें वर्ष तक किस्तों में वितरित की जाती है। पहाड़ी जिलों (श्रेणी ए और बी) में निवेश के लिए 1-2% की अतिरिक्त सब्सिडी प्रदान की जाती है। यह स्टांप शुल्क प्रतिपूर्ति में 50 लाख रुपये तक की पेशकश भी करता है।

#ExploreUttarakhand

@DIPR_UK

READER ENGAGEMENT INITIATIVE

'आंचल डेयरी' का कायाकल्पः तीन वर्षों में मिली नई पहचान

देहरादून। उत्तराखंड की सहकारी दुग्ध विपणन संस्था आंचल डेयरी (UCDF & Uttarakhand Cooperative Dairy Federation) ने बीते तीन वर्षों (वर्ष 2022 से अगस्त 2025) के दौरान नवाचार, उत्पाद विविधता, ब्रांड विस्तार और किसानोन्मुखी नीतियों के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। दुग्ध विकास मंत्री सौरभ बहुगुणा की पहल और सक्रिय दिशा-निर्देशों के चलते आंचल ब्रांड ने खुद को सिर्फ दूध उत्पादक इकाई तक सीमित न रखते हुए उपभोक्ताओं के साथ सीधे जुड़ने का प्रयास किया है। विगत तीन से अधिक वर्षों के इस कालखंड में जहां 'आंचल' ब्रांड के अंतर्गत नए उत्पाद बाजार में उतारे गए, वहीं 'आंचल कैफे' जैसी अभिनव अवधारणाओं ने शहरी युवाओं और पर्यटकों के बीच इसे लोकप्रियता की नई ऊंचाई तक पहुंचाया है। आइए, जानते हैं कि आँचल डेयरी ने इस अवधि में कौन-कौन सी प्रमुख उपलब्धियां अर्जित की हैं।

नवीन बधानी

दुग्ध उत्पादन मेलेः किसानोन्मुखी पहल

अक्टूबर 2024 में आंचल डेयरी द्वारा रानीपोखरी में एक दुग्ध उत्पादन मेला आयोजित किया गया, जिसमें दुग्ध उत्पादकों को सम्मानित किया गया और उन्हें प्रोत्साहन स्वरूप दो-दो हजार रुपये की राशि के चेक वितरित किए गए। इस मेले में मंत्रात्री सौरभ बहुगुणा ने कहा कि 'आंचल ब्रांड' अब केवल उत्तराखंड तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसे राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई जाएगी। उन्होंने यह भी घोषणा की कि आगामी वर्षों में इस प्रकार के मेले हर जिले में आयोजित किए जाएंगे, जिससे छोटे और सीमांत पशुपालकों को सीधा लाभ मिलेगा।

आंचल कैफेः एक नई पहल

दिसंबर 2022 में देहरादून के घंटाघर स्थित एमडीडीए परिसर में उत्तराखंड का पहला "आंचल मिल्क कैफे" उद्घाटित किया गया। यह पहल दुग्ध विकास मंत्री सौरभ बहुगुणा के नेतृत्व में शुरू की गई, जिसके अंतर्गत राज्य में 100 मिल्क कैफे खोलने का प्रारंभिक लक्ष्य तय किया गया। इस कैफे श्रृंखला का उद्देश्य केवल आंचल ब्रांड के दूध और दुग्ध उत्पादों को बेचना नहीं था, बल्कि युवाओं, महिलाओं, सैनिकों के परिजनों और दिव्यांग. जनों को स्वरोजगार उपलब्ध कराना भी था। कैफे के माध्यम से उपभोक्ता को फ्रेश दूध, छाछ, लस्सी, पनीर, घी, मिठाइयां और आंचल के अन्य उत्पाद सहजता से उपलब्ध कराए जा रहे हैं। वर्ष 2023 में इस पहल को और विस्तार देते हुए उधम सिंह नगर जिले के रुद्रपुर में दो नए आंचल कैफे खोले गए। वहीं, राज्य सरकार ने वर्ष 2025 तक 500 मिल्क कैफे खोलने का लक्ष्य निर्धारित किया है। जून 2023 में योजना के दूसरे चरण की शुरुआत हुई, जिसमें देहरादून, हरिद्वार, नैनीताल और उधमसिंह नगर जैसे जिलों को प्राथमिकता दी गई। वर्ष 2024 में बागेश्वर जिले में एक नया आंचल कैफे स्थापित किया गया, जिसे स्थानीय लोगों और पर्यटकों दोनों से उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली। इस प्रकार आंचल कैफे, एक नवा चार बनकर उभरा है, जो न केवल उत्पादों की बिक्री को बढ़ा रहा है, बल्कि युवाओं के लिए रोजगार के नए द्वार भी खोल रहा है।

नवा चार, विकास और भविष्य की राहः आंचल डेयरी की ये उपलब्धियाँ स्पष्ट रूप से दर्शाती हैं कि एक पारंपरिक सहकारी इकाई कैसे नवाचार और सशक्त नेतृत्व के माध्यम से ब्रांडिंग, विपणन और उत्पाद विविधता में नए आयाम स्थापित कर सकती है। जहां एक ओर आंचल कैफे जैसे प्रोजेक्ट राज्य में ग्रामीण से शहरी क्षेत्रों को जोड़ते हैं, वहीं टेट्रा पैक उत्पादों और नई पैकेजिंग के माध्यम से यह ब्रांड बाजार प्रतिस्पर्धा में खुद को बेहतर स्थिति में स्थापित कर रहा है। राज्य सरकार की ओर से स्पष्ट समर्थन, नीति निर्देश और बाजार की बदलती जरूरतों को समझते हुए उठाए गए ये कदम आंचल को उत्तराखंड के सफल सहकारी ब्रांडों की अग्रणी सूची में ला खड़ा करते हैं।

सरकारी कार्यक्रमों में आंचल के उत्पाद

राज्य सरकार द्वारा आंचल उत्पादों को प्रोत्साहन देने हेतु कई प्रशासनिक निर्णय भी लिए गए। उत्तराखंड के मुख्य सचिव द्वारा निर्देश जारी किए गए कि अब से सभी सरकारी, अर्ध-सरकारी कार्यक्रमों और समारोहों में आंचल ब्रांड के दूध और दुग्ध उत्पादों का ही उपयोग किया जाए। इस निर्णय का उद्देश्य सहकारिता मॉडल को मजबूती देना, स्थानीय दुग्ध उत्पादकों को सुनिश्चित बाजार उपलब्ध कराना और राज्य के राजस्व को आंचल जैसे घरेलू ब्रांडों के माध्यम से सुदृढ़ करना था। इसके अलावा, आंचल ने अपने ऑनलाइन स्टोर और डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क को भी सुदृढ़ किया है। राज्य के अधिकांश शहरी क्षेत्रों में अब आंचल वैन और होम डिलीवरी सेवाएं चालू हैं, जिससे उपभोक्ताओं की पहुंच आसान हुई है।

टेट्रा पैक से लेकर शहद तक का सफर

आंचल डेयरी ने इस अवधि में उत्पाद विविधता पर भी विशेष ध्यान केंद्रित किया। जुलाई 2023 में मंत्री सौरभ बहुगुणा द्वारा टेट्रा पैक दूध, छाछ और लस्सी को लॉन्च किया गया। यह पहली बार था जब उत्तराखंड की कोई सहकारी डेयरी इकाई अपने उत्पादों को टेट्रा पैक के माध्यम से बाजार में लेकर आई। इस कदम का उद्देश्य उत्पादों की शेल्फ लाइफ बढ़ाना, लंबी दूरी की आपूर्ति संभव बनाना, और उपभोक्ताओं को साफ-सुथरा व सुविधाजनक विकल्प प्रदान करना था। इसके अलावा, इस पहल से राज्य के दुग्ध उत्पादकों को बेहतर दाम और स्थायी मांग मिलने की संभावना बनी। वर्ष 2024 में आंचल डेयरी ने शहद और 6 किलोग्राम दूध पैकेजिंग जैसे नए उत्पाद लॉन्च किए। नैनीताल दुग्ध संघ द्वारा तैयार इन उत्पादों को किसानों और छोटे उद्यमियों के लिए नई आजीविका का स्रोत बताया गया। साथ ही, इन उत्पादों की बिक्री को राज्य के पर्यटन स्थलों और शहरी बाजारों में बढ़ावा मिला।

शाह टाइम्स रजत जयंती की हार्दिक शुभकामनाऐं।

पत्रांकः 2220-22/पीएस0-पत्रा0/2025-26

उत्तराखण्ड सहकारी डेरी फैडरेशन लि०
मंगल पड़ाव, हल्द्वानी-263139

फोन/फैक्स नं0: 05946-255867, 255358
Email id: ucdfltd@gmail.com

AANCHAL

सेहत के लिए उपहार, खुशियों का भंडार, आंचल का परिवार

1. प्रदेश में फैडरेशन द्वारा 'आंचल ब्राण्ड' का टेट्रा पैक तरल दूध, लस्सी, क्रीम एवं छांछ आदि को शहरी एवं ग्रामीण उपभोक्ताओं को उपलब्ध कराया जा रहा है।
2. फैडरेशन द्वारा 06 प्रकार की आंचल आईसक्रीम 42 प्रकार के अलग-अलग फ्लेवर में पैकिंग कर उपभोक्ताओं को उपलब्ध करवायी जा रही है।
3. दुग्ध उत्पादक सदस्यों को 75 प्रतिशत अनुदान पर साईलेज एवं 50 प्रतिशत अनुदान पर भूसा पशु चारा के रुप में मुहैया कराई जा रही है।
4. जायका योजना के अन्तर्गत ग्राम स्तर पर साइलेज बनाने का प्रशिक्षण, प्रदर्शन, हरा चारा विकास एवं जागरुकता कार्यक्रम, चौफकटर, साइलोबंकर व साइलेज बनाने हेतु बैग वितरण आदि कार्य किए जा रहे हैं।
5. यूसीडीएफ0 द्वारा स्पेशल उत्पाद के रुप में बद्री काउ घी व पहाड़ी घी तैयार कर उपभोक्ताओं को उपलब्ध कराया जा रहा है, जो जनपदीय दुग्ध संघों से सीधे एवं ऑन लाईन फ्लिपकार्ट, अमेजन व फैडरेशन की वैबसाईट से क्रय किया जा सकता है।
6. आंचल ब्राण्ड का शुद्ध शहद उपभोक्ताओं को उपलब्ध कराया जा रहा है।
7. यू0सी0डी0एफ0 द्वारा मुख्यमंत्री 'आंचल अमृत योजनान्तर्गत आंगनबाड़ी, प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को फोर्टिफाइड मीठा सुगन्धित दुग्ध चूर्ण उन्हें उपलब्ध कराया जा रहा है।
8. केन्द्र पोषित राष्ट्रीय कृषि विकास योजना, एन0पी0डी0डी0 के अन्तर्गत दुग्ध पदार्थों की गुणवत्ता प्रशिक्षण हेतु प्रयोगशालाओं का आधुनिकीकरण कार्य किया जा रहा है।
9. जायका योजना के अन्तर्गत व्यवसायिक पशुचारा उत्पादन हेतु वृहद् प्रशिक्षण कार्यक्रम कराये जा रहे हैं।

(इं0 आर0एम0 तिवारी)
सामान्य प्रबंधक (प्रशा0)

एमडीडीए की उपलब्धियाँ सस्ते घरों से अवैध निर्माण नियंत्रण तक

एम. फहीम 'तन्हा'

देहरादून। मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) ने पिछले वर्षों में कई महत्वपूर्ण पहलों को अंजाम दिया है, जिनका उद्देश्य निम्न आय वर्ग को सुलभ आवास प्रदान करना, अवैध निर्माण पर लगाम लगाना तथा नक्शा पासिंग प्रक्रिया में सुधार लाना रहा है।

अवैध निर्माणों पर कार्रवाई

मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) द्वारा पिछले चार वर्षों में अब तक अवैध निर्माणों और प्लाटिंग पर सख्त रुख अपनाते हुए बड़े पैमाने पर कार्रवाई की गई है। इस अवधि में प्राधिकरण ने न केवल सैकड़ों अवैध इमारतों को सील किया, बल्कि हजारों बीघा भूमि पर हो रही अवैध प्लाटिंग को भी ध्वस्त किया है। प्राप्त आंकड़ों के अनुसार देहराद.ून और मसूरी क्षेत्र में 600 से अधिक अवैध निर्माणों की पहचान की गई, जिनमें से कई को सील किया गया। इसी वर्ष जाखन और डोईवाला क्षेत्रों में अवैध रूप से निर्मित कई दुकानों और बहुमंजिला इमारतों पर बुलडोजर चला। ऋषिकेश में चल रही अवैध निर्माण गतिविधियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एमडीडीए ने 14 निर्माणाधीन इमारतों को सील किया। रिस्पना नदी के किनारे 59 अवैध घरों को ध्वस्त किया गया, जो वर्ष 2016 के बाद बिना अनुमति के बनाए गए थे। शिमला बाईपास, तुन्तोवाला, बडोवाला और धर्मावाला क्षेत्रों में लगभग 5000 बीघा भूमि पर हो रही अवैध प्लाटिंग को रोका गया।

सस्ते एवं सुलभ आवास परियोजनाएँ

मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) ने आवासीय योजनाओं को गति देने के उद्देश्य से कई महत्त्वपूर्ण कदम उठाए हैं। प्राधिकरण ने पारदर्शी, पर्यावरण अनुकूल और आमजन केन्द्रित योजनाओं को प्राथमिकता दी है। एमडीडीए ने इस अवधि में अति विक.सित और अविकसित दोनों क्षेत्रों में योजनाबद्ध विकास की दिशा में काम करते हुए कई नई हाउसिंग स्कीमें शुरू कीं। इनमें ऋषिकेश, जोगीवाला, प्रेमनगर, सहस्त्रधारा रोड और डोईवाला क्षेत्र की आवासीय योजनाएं प्रमुख हैं, जिनमें मध्यम व निम्न आय वर्ग के लिए किफायती दरों पर भूखंड और मकान आवंटित किए गए।

> "हमारा लक्ष्य है कि देहरादून को अव्यवस्थित निर्माण से मुक्त कर एक संतुलित और सुव्यवस्थित शहरी विकास मॉडल प्रस्तुत किया जाए। इसके लिए एमडीडीए पारदर्शी प्रक्रिया के साथ आवासीय योजनाएं ला रहा है, जिससे आम नागरिकों को भी भरोसा हो..."
>
> **बंशीधर तिवारी, उपाध्यक्ष, मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण**

उपाध्यक्ष बंशीधार तिवारी के नेतृत्व में पहल

साफ झलकती है वीसी की त्वरित एक्शन की कार्यशैली

एमडीडीए के वीसी बंशीधर तिवारी के नेतृत्व में ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया को सरल किया गया, साथ ही ई-नीलामी प्रणाली के माध्यम से प्लॉट्स की पारदर्शी बिक्री सुनिश्चित की गई। आवंटन प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की दलाली या अनियमितता रोकने के लिए डिजिटल निगरानी प्रणाली लागू की गई है। एमडीडीए ने पर्यावरणीय संतुलन को ध्यान में रखते हुए ग्रीन जोन आधारित विकास और सोलर पॉवर उपयोग प्रोत्साहन जैसे पहल भी शुरू की हैं। इसके अलावा, योजनाओं में सामुदायिक पार्क, जल संचयन प्रणाली, और हरित क्षेत्र को भी शामिल किया गया है।प्राधिकरण के अनुसार, आगामी समय में स्मार्ट कॉलोनियाँ, सस्ती दरों पर अपार्टमेंट योजनाएं, और वरिष्ठ नागरिकों व दिव्यांगों के लिए विशेष आवास योजना भी प्रस्तावित है।एमडीडीए ने 2022, 2025 के बीच न केवल अवैध निर्माण पर शिकंजा कसा, बल्कि आवासीय योजनाओं में भी संरचित, पारदर्शी और जनख्रहितैषी सुधार किए। उपाध्यक्ष बंशीधर तिवारी के नेतृत्व में प्राधिकरण ने आम नागरिकों के विश्वास को पुनः प्राप्त करते हुए शहरी विकास को नई दिशा दी है।

नक्शा पास करने की प्रक्रिया में सुधार

एमडीडीए ने विगत वर्षों में नक्शा पासिंग प्रक्रिया में व्यापक सुधार करते हुए इसे पूरी तरह ऑनलाइन, पारदर्शी और समयबद्ध बना दिया है। इन पहलों के तहत अब भवन नक्शा स्वीकृति के लिए नागरिकों को कार्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़ते। ऑनलाइन मैप अप्रूवल सिस्टम के माध्यम से नक्शा जमा करना, स्थिति ट्रैक करना और अनुमोदन प्राप्त करना आसान हो गया है। साथ ही, नक्शा पासिंग की प्रक्रिया को 7 से 15 कार्यदिवस के भीतर पूरा करने की समय-सीमा निर्धारित की गई है। पंजीकृत आर्किटेक्ट्स के लिए अलग लॉगिन पोर्टल, एसएमएस/ईमेल अलर्ट,

और जीआईएस आधारित निरीक्षण प्रणाली जैसी आधुनिक तकनीकों का समावेश कर प्राधिकरण ने प्रक्रिया को दक्ष और जवाबदेह बनाया है।

पर्यटन का नया तीर्थ बना देवभूमि

तौसीफ कुरैशी

राज्य गठन के बाद पर्यटकों की आमद में जबरदस्त इजाफा

राज्य बनने के बाद पर्यटन में पाँच गुना से अधिक वृद्धि दर्ज की गई

देवभूमि उत्तराखंड अपनी प्राकृतिक सुंदरता, धार्मिक स्थलों और साहसिक पर्यटन के लिए सदियों से प्रसिद्ध रहा है। साल 2000 में उत्तराखंड राज्य बनने के बाद यहाँ पर्यटन का परिदृश्य पूरी तरह बदल गया। आँकड़े इस बात का प्रमाण हैं कि बीते 24 वर्षों में उत्तराखंड पर्यटन ने नई ऊँचाइयाँ छुई हैं। उत्तराखंड अब केवल तीर्थाटन का केंद्र नहीं, बल्कि एडवेंचर, नेचर, योग, वेलनेस और वन्यजीव पर्यटन का भी वैश्विक हब बन चुका है। राज्य बनने के बाद सड़कों, हवाई संपर्क, होटल व होम-स्टे योजनाओं और प्रचार-प्रसार ने इस उछाल में अहम भूमिका निभाई। देवभूमि उत्तराखंड आज सचमुच पर्यटन का नया तीर्थ है, जहाँ हर साल करोड़ों कदम श्रद्धा, रोमांच और सुकून की तलाश में आते हैं।

2000 में स्थिति

सन् 2000 में, जब उत्तराखंड नया-नया राज्य बना था, यहाँ कुल मिलाकर लगभग 1.11 करोड़ पर्यटक पहुँचे थे। इनमें अधिकतर घरेलू यात्री थे जबकि विदेशी पर्यटकों की संख्या केवल 56 हजार के आसपास थी।

लगातार बढ़ता ग्राफ

- 2005 तक यह आँकड़ा लगभग 1.63 करोड़ पर पहुँच गया है।
- 2010 आते-आते पर्यटकों की संख्या 3.11 करोड़ हो गई।
- 2015 में यह बढ़कर 2.94 करोड़ पर पहुँची और
- 2019 में पर्यटन ने चरम छुआ, 3.92 करोड़ से ज़्यादा लोग उत्तराखंड आए।

यानी राज्य बनने के दो दशक में पर्यटन में तीन गुना से अधिक वृद्धि हुई।

कोविड का असर और फिर वापसी

2020 में कोरोना महामारी की वजह से पर्यटन पर गहरा असर पड़ा और केवल 78 लाख लोग ही राज्य पहुँच पाए। लेकिन जैसे ही हालात सामान्य हुए,
- 2022 में फिर से 5.39 करोड़ पर्यटक आए।
- 2023 में 5.96 करोड़।
- और 2024 में रिकॉर्डतोड़ 5.95 करोड़ से अधिक लोग उत्तराखंड पहुँचे।

राज्य गठन से अब तक वर्षवार उत्तराखण्ड पहुंचे पर्यटकों का विवरण

वर्ष	देशी	विदेशी	कुल
2000	11078814	56766	11135580
2001	10548784	54701	10603485
2002	11652018	55974	11707992
2003	12929593	63499	12993092
2004	13830045	74761	13904806
2005	16280765	92744	16373509
2006	19358453	96264	19454717
2007	22154250	106150	22260400
2008	23064170	112423	23176593
2009	23154214	118243	23272457
2010	30972134	136459	31108593
2011	26665753	142687	26808440
2012	28329686	140524	28470210
2013	21028010	103596	21131606
2014	22520097	109948	22630045
2015	29295152	111094	29406246
2016	31663782	112799	31776581
2017	34581097	142102	34723199
2018	36697678	154526	36852204
2019	39066776	158964	39225740
2020	7836002	38763	7874765
2021	20002705	15410	20018115
2022	53916849	64489	53981338
2023	59488189	148412	59636601
2024	59373869	176408	59550277

वन्यजीव पर्यटन की नई पहचान

उत्तराखंड केवल धार्मिक और प्राकृतिक ही नहीं, बल्कि वन्यजीव पर्यटन का भी केंद्र बना है। यहाँ के राष्ट्रीय उद्यान पर्यटकों को आकर्षित कर रहे हैं।

- कॉर्बेट नेशनल पार्क

- 2000 में यहाँ केवल 61 हजार लोग आए थे।
- 2019 में यह संख्या बढ़कर 2.83 लाख हो गई।
- 2024 में कॉर्बेट आए पर्यटकों की संख्या 3.61 लाख रही, जिनमें 10,120 विदेशी शामिल थे। यानी यहाँ विदेशी पर्यटकों की भारी मौजूदगी दर्ज की गई।

पर्यटकों की खास पसंद बने कई स्थल

हरिद्वारः हर वर्ष सबसे अधिक पर्यटक हरिद्वार ही आए

- 2000 में हरिद्वार में करीब 53 लाख लोग आए थे।
- 2019 तक यह संख्या 2.17 करोड़ हो गई।
- 2024 में हरिद्वार ने सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए, 3.49 करोड़ यात्री यहाँ पहुँचे।

ऋषिकेश व नैनीताल विदेशी पर्यटकों के लिए खास पसंद बने। योग, गंगा आरती और हिमालयी अनुभवों ने ऋषिकेश को अंतरराष्ट्रीय मानचित्र पर स्थापित किया।

- 2024 में ऋषिकेश आए विदेशी पर्यटकों की संख्या 4,857 रही।
- वहीं नैनीताल में 9,537 विदेशी पर्यटक पहुँचे।

टिहरी झील और एडवेंचर टूरिज़्म ने टिहरी को नई पहचान दी।

- केवल 2024 में ही यहाँ 58,855 विदेशी पहुँचे, जो सभी स्थलों में सबसे अधिक था।

राजाजी नेशनल पार्क

देहरादून, ऋषिकेश और हरिद्वार के बीच फैला राजाजी नेशनल पार्क भी रोमांचक अनुभव का केंद्र है। यद्यपि यहां आने वाले पर्यटकों का आँकड़ा अलग से दर्ज नहीं किया जाता। मगर बड़ी संख्या में पर्यटक यहां पहुंचते हैं, जिनकी संख्या हरिद्वार और ऋषिकेश के आँकड़ों का हिस्सा बनकर सामने आती है। अनुमान है कि हर वर्ष यहाँ लाखों पर्यटक सफारी और वन्यजीव दर्शन के लिए पहुँचते हैं।

पर्यटन को राज्य गठन ने दी नई पहचान

आँकड़ों की सीधी तुलना बताती है

- 2000 में कुल 1.11 करोड़ पर्यटक
- 2024 में कुल 5.95 करोड़ पर्यटक

यानी राज्य बनने के बाद पर्यटन में पाँच गुना से अधिक वृद्धि दर्ज की गई।

SIDDHARTHA GROUP OF INSTITUTIONS
SIDDHARTHA GROUP OF INSTITUTIONS Estd. 2003
COURSES OFFERED / ADMISSION OPEN
Mr. Durga Prasad Verma
Chairman
Mr. Abhishek Verma
Vice Chairman
Siddhartha Law College
Affiliation & Approval: Veer Madho Singh Bhandari Uttarakhand Technical University (Govt. University of Uttarakhand) & Bar Council of India, New Delhi
BA-LL.B. - 5 yrs.
BBA-LL.B - 5 yrs.
LL.B. - 3 yrs.
LL.M. - 2 yrs.
Siddhartha Institute of Pharmacy
Affiliation: Veer Madho Singh Bhandari Uttarakhand Technical University (Govt. University of Uttarakhand) & Pharmacy Council of India, New Delhi.
D.Pharma - 2 yrs.
B.Pharma - 4 yrs.
B.Pharma (LE) - 3 yrs.
M.Pharma - 2 yrs.
Pharmaceutics, Pharmacology and Pharma Chemistry
Siddhartha Nursing Education & Research Institute
Affiliation & Approval: HNB Medical University, Uttarakhand Nursing Council, Dehradun and Medical Education Department, Govt. of Uttarakhand
Basic B.Sc. Nursing
4 Years (Degree Course)
Post Basic B. Sc. Nursing
2 Years (Degree Course)
Near I.T. Park, Sahastradhara Road, Dobachi Road, Dehradun-248001 (Uttarakhand)
0135-2607784, 2607787 (Office), 9456596313, 9760434646 (Law)
9456596308, 9456596314 (Pharmacy), 9456596371, 9456596381 (Nursing)
www.siddharthagroup.co.in

St. Xavier's School
PER ASPERA AD ASTRA
DEHRA DUN
ESTD 1999
St. Xavier's School
Affiliated to the Council for the Indian School Certificate Examinations, New Delhi
Co-Educational
(Playgroup to XII)
Registration & Admission Open
Classes
Playgroup to IX & XI
For Session (2025-26)
School Transport Facility Available
Dhoran Khas, (Near Canal Road Bridge), Dehradun
Mob: 9456596319, 9456596320
www.stxavier.co.in

THE HIMALAYAN PUBLIC SCHOOL
DEHRA DUN
LEARN TO SERVE
ESTD. 2004
The Himalayan Public School
Affiliated to the Council for the Indian School Certificate Examinations, New Delhi
(Under the aegis of The Siddhartha Group of Institutions)
Co-Educational
(Nursery to XII)
Registration & Admission Open
Classes
Nursery to IX & XI
For Session (2025-26)
School Transport Facility Available
Kargi Grant, Chander Vihar, Patel Nagar Thana
Road Kargi, P.O. Banjarawala, Dehradun
Mob: 9027203873, 7017614683
www.thehimalayanpublicschool.com

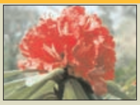

हमारी ताकत...

तीन राज्य, आठ संस्करण, 19.52 लाख पाठक

उत्तराखण्ड-गढ़वाल संस्करण (देहरादून)

एम फहीम 'तन्हा'
एस आलम अंसारी
मौहम्मद शाहनज़र
मयूर गुप्ता
इमरान चौधरी
नवीन बधानी
विकासनगर:-एसएम आसिम, महेंद्र तोमर
चकराता:-विक्रम सिंह तोमर, संजय वर्मा
मसूरी:-अभीषेक सक्सेना
डोईवाला:-संजय अग्रवाल, सलमान राव
हरिद्वार:-डी एस वर्मा
रूडकी:-अख्तर मलिक
पौड़ी:-त्रिभूवन उनियाल
श्रीनगर:-देवेंद्र गौड, सूदेश गौड
कोटद्वार:-गोरव गोदियाल
उत्तरकाशी:- चिरंजीव सेमवाल
बडकोट:-सचिन रावत व संदीप चौहान
टिहरी:- जय प्रकाश पाण्डेय
रूद्रप्रयाग:-रोहित डिमरी
चमोली/गोपेश्वर:-रणजीत नेगी
गोचर:-देवेंद्र गुंसाई

उत्तराखण्ड-कुमाऊं संस्करण (हल्द्वानी)

नैनीताल-अफजल हुसैन फौजी
हल्द्वानी-शाहवेज खान, दीपक भण्डारी, डॉ.ए.एन तिवारी व आसिम जमाल
लालकुआं-मोहन जोशी, मनोज जोशी, रंजीत कुमार
बिन्दुखत्ता-जीवन गोस्वामी
कालाढुंगी-शाकिर हुसैन
अल्मोड़ा-नसीम अहमद
बागेश्वर-महीप पाण्डे
काशीपुर-नवीन अरोरा
शांतिपुरी-आकाश मेहता
रानीखेत-बलवंत रावत
उधमसिंह नगर-उस्मान अली
सुल्तानपुर-मौ.आशिक
बाजपुर-मौ. नौशाद
रूद्रपुर-कमल सुयाल, मौ. समी, समी आलम
खटीमा-मुस्तकीम मलिक
नानकमत्ता-राजीव सक्सेना
सितारगंज-धर्मेन्द्र चौधरी
किच्छा-अब्दुल राही तंहा
शक्तिफॉर्म-विक्की मंडल
चंपावत-जीवन सिंह बिष्ट
टनकपुर-आबिद हुसैन

मुख्यालय

स्थानीय सम्पादक-चेतन गुरूंग
तौसीफ कुरैशी
ज़िया अब्बास ज़ैदी
आजम खान
शाहनूर राणा
अफसार अहमद
मौ. शारिक
रोहिताश वर्मा
नसीम राणा

कार्यकारी सम्पादक:-
आनन्द बत्रा 'सुमन'

बनबसा-अर्जुन कुमार
लोहाघाट-गणेश पाण्डे
पिथौरागढ़-खालिद पाशा
जसपुर-शरीफ खान
बाजपुर-सलमान
गदरपुर-उमर अली
रामनगर-नदीम वारसी

उत्तर प्रदेश

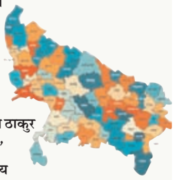

लखनाऊ-विरेश तरार
सहारनपुर-अबु बकर शिब्ली
देवबंद-अतहर उस्मानी
मुजफ्फर नगर-शरद गोयल, नसीम कुरैशी
मीरांपूर-नलिन वर्मा,
खतोली- आशीष सैनी
शामली-नसीम सैफी
बागपत-चांद मिया
मेरठ- शाहवेज खान, अजय ठाकुर
गाजियाबाद-नोशाद मलिक,
मोदीनगर-विनय कुमार
नोएडा-प्रवेश चौधरी व संजय त्यागी
अलीगढ़-प्रदीप शर्मा
बुलंदशहर-मौ. नईम खान
हापुड़-चांद मिया, बिजनोर-समीउल्लाह
नजीबाबाद-सोनू आदित्य, धामपूर-अभीषेक गुप्ता
मुरादाबाद-जितेंद्र जैन, ठाकुरद्वारा-सतीश चौधरी
बरेली-इरफान मुनीम,
रामपुर-इमरान हुसैन
पीलीभीत-विकास दीक्षित
संभल-मुजफ्फर हुसैन, बहजोई-राशिद अली
चंदोसी- सक्सेना
अमरोहा-नासिर अली
मथूरा-खलील अहमद
बदायूं-कामिल खान
दिल्ली-सफदर अली व राम गौपाल

स्वामी शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक एस.एन. राना द्वारा शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. सुजडू चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं 63/9 ई-राजपुर रोड देहरादून से प्रकाशित। सम्पादक: एस.एन. राना, *कार्यकारी सम्पादक आनन्द बत्रा 'सुमन', देहरादून कार्यालय 63/9 ई-राजपुर रोड देहरादून, 0135-2743363, R.N.I. No.UTTHIN 2001/05656, 'मोबाइल-9720007290, www.shahtimesnews.com, ' *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों/लेखों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सरोवर नगरी का 'शाह टाइम्स'

ढाई दशक का स्वर्णिम सफर, बना जन-जन की आवाज

नैनीताल। उत्तराखंड की शांत सरोवर नगरी नैनीताल में 'शाह टाइम्स' ने अपने ढाई दशक के पत्रकारिता के सफर को स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज कराया है। इस प्रमुख समाचार पत्र ने न केवल स्थानीय मुद्दों को मुखरता से उठाया है, बल्कि समाज के हर वर्ग की आवाज बनकर अपनी गहरी पैठ बनाई है।

ऐसे दौर में, जब अखबारी दुनिया का दायरा क्षेत्रीय स्तर तक सिमटता जा रहा है, 'शाह टाइम्स' ने नैनीताल और इसके आसपास के क्षेत्रों की आवाज को प्रदेश स्तर तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसने स्थानीय जनभावनाओं को शासन-प्रशासन तक पहुँचाने का सशक्त माध्यम बनकर खुद को स्थापित किया है।

अफजल फौजी

एक स्थानीय व्यवसायी रमेश चंद्र ने इस अखबार के योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा, 'शाह टाइम्स' ने हमेशा हमारी स्थानीय समस्याओं को प्रमुखता से प्रकाशित किया है। यह सिर्फ एक अखबार नहीं, बल्कि हमारी आवाज है जिसे प्रदेश स्तर पर सुना जाता है। सामाजिक, राजनैतिक और व्यावसायिक वर्गों के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने के कारण इसकी लोकप्रियता निरंतर बढ़ती गई है। यही वजह है कि यह समाचार पत्र पाठकों का प्रिय बन चुका है।

अपने दायित्व का निर्वहन करते हुए, 'शाह टाइम्स' ने नगर की हर छोटी-बड़ी समस्या को प्रमुखता से प्रकाशित किया है और शासन-प्रशासन को उनसे अवगत कराकर समाधान की दिशा में प्रयास किए हैं। नैनीताल के एक प्रमुख पर्यटन स्थल होने के नाते, 'शाह टाइम्स' ने यहाँ पर्यटन को बढ़ावा देने और पर्यटकों की आमद को सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। प्रबंधन ने भविष्य में भी इस दिशा में अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। इसके साथ ही, ऐतिहासिक सरोवर नगरी की समृद्ध संस्कृति और विरासत को जीवंत रखने में भी समाचार पत्र का योगदान उल्लेखनीय रहा है। यहाँ के तीज-त्योहारों और सांस्कृतिक आयोजनों को कलम के माध्यम से उजागर कर इसने अपनी भूमिका बखूबी निभाई है। शिक्षाविद् डॉ. अंजलि शर्मा के अनुसार, 'नैनीताल को शिक्षा का गुरुकुल कहा जाता है, जिसकी महत्ता ब्रिटिशकाल से चली आ रही है। शाह टाइम्स ने इस श्शिक्षा के मंदिरश की गरिमा को बनाए रखने और इसके प्रचार-प्रसार में भी सक्रिय सहयोग दिया है।'

नगर की सामाजिक सौहार्द की अनूठी पहचान देश-विदेश में है। 'शाह टाइम्स' ने इस पहचान को अक्षुण्ण बनाए रखने में भी अपना दायित्व प्रमुखता से निभाया है। अखबार प्रबंधन ने पाठकों के निरंतर स्नेह और विश्वास के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा है कि श्शाह टाइम्सश आगे भी श्पत्र नहीं, मित्रश के अपने आदर्श वाक्य के साथ जनसेवा के पथ पर अग्रसर रहेगा।

उत्तराखंड में एयरपोर्ट व एयर स्ट्रिप की सूची

1. देहरादून जौलीग्रांट एयरपोर्ट- स्थान: देहरादून (जौलीग्रांट)-स्थिति: यह राज्य का प्रमुख व सबसे व्यस्त घरेलू एयरपोर्ट है, जिसमें नया टर्मिनल अक्टूबर 2021 में खोला गया था। 2. पंतनगर एयरपोर्ट-स्थान: पंतनगर, उधम सिंह नगर जिला (कुमाऊं क्षेत्र)-स्थिति: यह एक घरेलू विमानक्षेत्र है और कुमाऊं क्षेत्र का मुख्य प्रवेश मार्ग है। भविष्य में इसे अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट में परिवर्तित करने की योजना है। 3. नैनी सैनी एयरपोर्ट (पिथौरागढ़)-स्थान: पिथौरागढ़ (नैनी-सैनी)-स्थिति: यह घरेलू एयरपोर्ट है, जो UDAN योजना के तहत विकसित किया जा रहा है। हाल ही में यहां से नियमित उड़ानें शुरू हुई हैं। 4. भारकोट (चिन्यालीसौड़) एयरस्ट्रिप, स्थान: चिन्यालीसौड़, उत्तरकाशी जिला-स्थिति: इसे मां गंगा या धरासू एयरपोर्ट भी कहा जाता है। वर्तमान में यह आईएएफ द्वारा एक एडवांस्ड लैंडिंग ग्राउंड के रूप में उपयोग होता है। 5. गौचर एयरस्ट्रिप-स्थान: गौचर, चमोली जिला,स्थिति: यह एक एयरस्ट्रिप है यह एयरस्ट्रिप चारधाम यात्रा में हेलीकॉप्टर सेवाओं हेतु उपयोग की जाती है।

उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि

विक्टोरिया क्रॉस विजेता गबर सिंह ऊर्जा भवन, कांवली रोड, देहरादून

विद्युत समस्याओं के निवारण हेतु
1912(टोल फ्री)
पर कॉल करें।

सार्वजनिक सूचना

- सभी सम्मानित उपभोक्ताओं को सूचित करना है कि वे अपने विद्युत बिलों का Online भुगतान उपाकालि की वेबसाईट www.upcl.org के माध्यम से कर सकते हैं।
- उत्तराखण्ड पॉवर कारपोरेशन लिमिटेड की वेबसाईट पर विद्युत बिलों का Online भुगतान निम्नलिखित मोड से किया जा सकता है: 1 क्रेडिट कार्ड (Credit card) 2 डेबिट कार्ड (Debit card) 3 नेट बैंकिंग (Net Banking)
- विद्युत बिलों का Online भुगतान प्रदेश के समस्त उपभोक्ता कर सकते हैं।
- उपाकालि से बिल सम्बन्धी अन्य जानकारी SMS के माध्यम से प्राप्त करने के लिए अपना मोबाईल नं0 विद्युत बिल की Counter Foil पर लिखकर उपाकालि के किसी भी कार्यालय में जमा करा सकते हैं अथवा उपाकालि की वेबसाईट पर भी रजिस्टर कर सकते हैं।

राज्य सरकार द्वारा स्थापित सभी कॉमन सर्विस सेन्टरों (सीएससी) पर विद्युत भुगतान की सुविधा उपलब्ध है। सम्मानित विद्युत उपभोक्ता इसका लाभ उठायें।

निम्न उपभोक्ता सेवा सम्बन्धित आवेदनों के लिए उपाकालि कस्टमर सर्विस सेन्टर आराघर, देहरादून में अपने आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं।

1. नये संयोजन हेतु 2. नाम स्थानान्तरण हेतु 3. विद्युत भार परिवर्तन हेतु 4. विद्युत प्रकार परिवर्तन हेतु

नीचे दिये गये कोड को 9219503400 पर SMS कर जानकारी प्राप्त करें।

बिल विवरण की सूचना हेतु	BD<space><13 digit Service Connection No.>
बिल भुगतान की सूचना हेतु	PYD<space><13 digit Service Connection No.>
नये संयोजन की स्थिति जानने हेतु	NC<space><12 digit Registration No.>
शिकायत की स्थिति जानने हेतु	CD<space><11 digit Complaint No.>
मोबाईल नं0 पंजीकृत करने हेतु	RMN<space><13 digit Service Connection No.>
13 Digit Service Connection No टाइप करने का तरीका	3 digit खण्ड संकेत + 4 digit बुक संख्या + 6 digit कनेक्शन संख्या

"राष्ट्र हित में बिजली बचायें" "बिजली बचाने हेतु एल.ई.डी. बल्ब का प्रयोग करें"

कार्यालय जिला पंचायत देहरादून

पत्रांक संख्या 769/XIII/स्टोर/जि0पं0दे0दून/2025-26 दिनांक 20/08/2025

"जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों में व्यवसायरत व्यवसायियों से अनुरोध है कि जिला पंचायत द्वारा आरोपित वार्षिक विभव एंव सम्पत्ति कर व व्यवसायिक लाईसेन्स का भुगतान समय से जिला पंचायत कार्यालय में जमा करने का कष्ट करें। जिला पंचायत, देहरादून जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों में विकास हेतु सदैव तत्पर है। साथ ही समस्त व्यवसायियों एंव ग्रामवासियों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे अपने घरों के साथ-साथ अपने गाँव को भी स्वच्छ रखें। घरों का कूड़ा नालों एंव सड़कों के किनारे न फेंकें तथा गीला एंव सूखा कूड़ा अलग-अलग करने के उपरान्त ही निस्तारित करना सुनिश्चित करें एंव अपने गाँव व क्षेत्र को साफ-स्वच्छ बनाने में सहयोग प्रदान करें। सिंगल यूज प्लास्टिक एंव पॉलिथीन का प्रयोग करने से बचें, तथा डेंगू, मलेरिया एंव चिकनगुनिया से बचाव हेतु अपने घर में साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें एंव अपने घरों के आस-पास पानी एकत्रित न होने दें। स्वच्छता के प्रति जागरूक रहें एंव जनभागीदारी द्वारा अपने गाँव को स्वच्छता में प्रथम बनाने में अपना आवश्यक योगदान दें।'

अपर मुख्य अधिकारी
जिला पंचायत, देहरादून।

सौजन्य से

जिला पंचायत, देहरादून।

शाह टाइम्स रजत जयंती की हार्दिक शुभकामनाऐं।

'जल संचय' 'जीवन संचय'

उत्तराखण्ड जल संस्थान

'जल भवन', बी-ब्लॉक नेहरु कॉलोनी, देहरादून

सार्वजनिक अपील

राज्य की जनता को निरन्तर, पर्याप्त, स्वच्छ पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के मूल उद्देश्य की प्राप्ति के लिए विभाग सतत प्रयासरत है। कतिपय नगरों/क्षेत्रों में दूषित जलापूर्ति के समाचार प्रकाशित होते हैं।

इस सम्बन्ध में नागरिकों से अनुरोध है कि निम्नानुसार सहयोग प्रदान करने का कष्ट करें।

- पेयजल एवं सीवर में संबंधित शिकायत के लिए 'शिकायत निवारण केन्द्र' टोल फ्री नं0 1916 अथवा 1800-180-4100 से सम्पर्क करें।
- समस्या का कारण मुख्यत: पाइपलाइन में लीकेज है जो जल संस्थान की पाइप के साथ-साथ अधिकांश उपभोक्ताओं के कनेक्शन के ऐसे पाईप हैं जो नाली/आदि के अन्दर/बीच से गुजरते हैं। अपने आस-पास लगे पाइप की लीकेज पर विशेष ध्यान दें एवं छोटी से छोटी लीकेज की सूचना जल संस्थान के क्षेत्रीय कार्यालय/मुख्यालय को दें।
- विभागीय कर्मचारियों द्वारा जांच के समय यदि व्यक्तिगत कनेक्शन के पाइप में लीकेज पाई जायेगी तो बिना अन्य नोटिस के तत्काल कनेक्शन बन्द कर दिया जायेगा और अर्थदण्ड लिया जा सकता है।
- प्रदूषण की समस्या का अन्य प्रमुख कारण लाइन पर सीधे टुल्लू पम्प लगाना है। पम्प लगाने से लीकेज वाले स्थानों पर भरा गन्दा पानी पाइप लाइन में प्रवेश कर जाता है और प्रदूषण की समस्या उत्पन्न होती है।
- यदि देखने में पानी स्वच्छ न ही अथवा उसमें अशुद्धियों के कण दिखायी दें अथवा बदबू हो तो क्लोरीन टेबलेट को प्रयोग मे लायें। प्राय: जलापूर्ति के आरम्भ में थोड़ी देर गन्दा पानी आने की शिकायत रहती है बाद में स्वच्छ हो जाता है। स्वच्छ पानी एकत्रित करें।
- इसके अतिरिक्त हम आपकी सेवा बेहतर कर सकें, इसके लिए हम आपसे विनम्र निवेदन करते हैं।
  1. पेयजल अमूल्य है, कृपया इसका सदुपयोग करें।
  2. पेयजल की बर्बादी तथा अवैधानिक उपयोग किसी अन्य को प्यासा रख सकता है, अत: कृपया ऐसा न करें।
  3. विभाग को देयकों का समयान्तर्गत भुगतान कर पेयजल व्यवस्था में सहयोग करें।

देवभूमि में बदला अपराध का स्वरूप

मयूर गुप्ता

देवभूमि में साइबर सेंधः सरिया-सब्बल से साइबर अटैक तक, उत्तराखंड में बदल गई अपराध की ‘मोडस ऑपरेंडी’

देवभूमि उत्तराखंड में अपराध की दुनिया ने भी समय के साथ अपनी चाल बदल ली है। कभी जहां चोरों के हाथ में सरिया और सब्बल होता था, आज उनकी उंगलियां कीबोर्ड पर चलती हैं और निशाना सीधे आपके बैंक खाते पर होता है। राज्य गठन के पच्चीस वर्ष पूरे होने के बाद, अपराध के इस डिजिटल कायापलट ने सुरक्षा एजेंसियों के सामने नई चुनौतियां खड़ी कर दी हैं, जहाँ परंपरागत चोरों ने अब साइबर अपराधी का चोला ओढ़ लिया है।

ढाई दशक पहले की अपराध तस्वीर

आज से लगभग ढाई दशक पूर्व, जब उत्तराखंड ने एक अलग राज्य के रूप में जन्म लिया था, तब अपराध की तस्वीर काफी सीधी-सादी थी। घरों और दुकानों में चोरी की वारदातें अक्सर किसी टूटे शटर या क्षतिग्रस्त ताले की गवाही देती थीं। चोरों की ‘मोडस ऑपरेंडी’ (कार्यप्रणाली) में सरिया, सब्बल और हथौड़े जैसे औजार शामिल होते थे, जिनसे वे भौतिक रूप से सेंधमारी करते थे। रात के अंधेरे में, शांत वादियों में, ऐसी वारदातें अक्सर ग्रामीणों और छोटे कस्बों के व्यापारियों के लिए चिंता का विषय बनती थीं।

दीपम सेठ, डीजीपी

तकनीक ने बदली अपराध की राहः अपराधियों का ‘डिजिटल अपग्रेड’

देहरादून। लेकिन, समय के चक्र ने तेजी से घूमना शुरू किया। देश में आधुनिकता की लहर आई और तकनीक ने हर क्षेत्र में अपनी पैठ बनाई, तो अपराधी भी भला कैसे पीछे रहते? उन्हें भी यह आभास हो गया कि सरिया और सब्बल से दुकानों के शटर और घरों के ताले तोड़ने वाले चोर, आधुनिकता के इस दौर में अपने परंपरागत अपराध के पेशे में पिछड़ जाएंगे। यह एक ऐसी क्रांति थी जिसने अपराधियों को भी अपग्रेड होने पर मजबूर कर दिया।

अपराधियों को किसी सूरत में पैर पसारने नहीं दिया जाएगाः राजीव स्वरूप

देहरादून। गढ़वाल रेंज के पुलिस महानिरीक्षक राजीव स्वरूप ने बताया कि रेंज के अंदर अपराधियों को पैर पसारने की छूट नहीं दी जाएगी। उन्होंने स्पष्ट तौर पर कहा कि अपराध को अंजाम देने वाले किसी भी अपराधी को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेश के सभी पुलिस अधिकारियों को स्पष्ट तौर पर कह रखा है कि अपराधी चाहे वह कितनी भी पहुंच वाला क्यों न हो और राजनीति में उसकी कितनी भी दखल हो उसे बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने बताया कि उनके द्वारा भी गढ़वाल रेंज के सभी सातों जिलों के एसएसपी और एसपी व सभी क्षेत्राधिकारियों के निर्देश दें रखे है कि अगर उनके क्षेत्र में किसी प्रकार की कोई अपराधिक वारदात घटित होती है तो तत्काल मौके का निरीक्षण कर उसकी जानकारी से उन्हे भी अवगत करवाएं।

पुलिस महानिरीक्षक गढ़वाल परिक्षेत्र राजीव स्वरूप ने कहा कि अपराध करने वाले की जगह या तो जेल में है या फिर वह अपने किए का स्वयं जिम्मेदार होगा। उन्होंने एक साक्षत्कार के दौरान जानकारी देते हुए कहा कि अपराध करने वाले का कोई धर्म और जाति नहीं होती वह एक अपराधि होता है और उसके साथ वैसा ही व्यवहार किया जाएगा जैसा एक अपराधि के साथ किया जाएगा।

देहरादून पुलिस के लिए नई चुनौतीः अदृश्य दुश्मन से मुकाबला

देहरादून। सीसीटीवी कैमरों की बढ़ती संख्या, मोबाइल सर्विलांस और डिजिटल फुटप्रिंट्स की अनिवार्यता ने अपराधियों की पुरानी योजनाओं पर पानी फेर दिया। अब ताला तोड़ने या शटर उखाड़ने की कोशिश करना, पकड़े जाने का सीधा निमंत्रण था। पुलिस की मुस्तैदी और तकनीक के उपयोग ने परंपरागत चोरों के लिए मैदान तंग कर दिया। इसी मोड़ पर अपराध की दुनिया ने एक नई करवट ली। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने इस बदलाव पर टिप्पणी करते हुए कहा, ष्पहले हमें चोरों का पीछा भौतिक रूप से करना पड़ता था, उनकी पहचान के लिए मुखबिरों पर निर्भर रहना

पड़ता था। अब चुनौती डिजिटल है। साइबर अपराधी अदृश्य दुश्मन की तरह हैं, जो कहीं भी बैठकर किसी को भी निशाना बना सकते हैं। यह हमारे लिए एक पूरी तरह से नया युद्धक्षेत्र है।

साइबर अपराधों का बढ़ता जाल और नए हथियार

अपराध की इस दुनिया में एक सीढ़ी और आगे चढ़ते हुए, शातिर चोरों ने साइबर अपराधों की दुनिया में कदम रखा। जनता के बैंक खातों और निजी विवरण को साइबर अटैक के जरिए हैक करने का प्रचलन तेजी से बढ़ा। फिशिंग, स्पूफिंग, ओटीपी फ्रॉड और मालवेयर अटैक जैसे नए हथियार उनके तरकश में शामिल हो गए। उत्तराखंड की शांत छवि के विपरीत, साइबर अपराधियों को यहाँ की डिजिटल साक्षरता और ऑनलाइन लेनदेन में बढ़ती रुचि ने एक श्उपजाऊ भूमिश प्रदान की, जहाँ वे आसानी से भोले-भाले लोगों को अपना शिकार बना सकते थे।

देहरादून में अपराधियों के हौसलों को हर सूरत में किया जाएगा पस्तः अजय सिंह

देहरादून। देहरादून जनपद के अंदर अगर कोई व्यक्ति आपराधिक चोला ओढ़कर यहां के भोले-भाले लोगों को अपनी गुण्डागर्दी के बल पर उनसे लूटपाट करना, डकैती की वारदात को अंजाम देना और उनसे उगाही करने की सोच रखता है तो यह सोच उसकी आखिरी सोच होगी। जनपदवासियों को अपराधियों से सुरक्षा प्रदान करना खाकी का कर्तव्य है और खाकी पहनकर आम जनमानस और महिलाओं की सुरक्षा करने वाले मित्र पुलिस के अधिकारी और जवान अपने कर्तव्य से पीछे हटने वाले नहीं है। यह कहना है देहरादून के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह का। **शाह टाइम्स** के रजत जयंती पर अपनी बेबाक टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि दून पुलिस अपराधियों के लिए काल है और अगर कोई अपराधी यह सोचता है कि देहरादून को अपनी शरणस्थली बनाकर अपराध कर आराम से अपना जीवन व्यतीत करेगा तो यह उसकी गलत सोच है। अपराधी को उसके अंजाम तक पहुंचाने और अपराधी को शरण देने का काम करने वालों को कानून के दायर में रहकर उसकों सबक सिखाते हुए सलाखों के पीछे भेजा जाएगा। उन्होंने कहा कि महिलाओं और युवतियों की सुरक्षा का दायित्व भी पुलिस के कंधों पर है और मित्र पुलिस के जवान महिलाओं और युवतियों की सुरक्षा के प्रति जागरूक हैं।

उत्तराखंड में ‘डिजिटल अरेस्ट’ का आतंकः साइबर ठगी के मामले बढ़े

देवभूमि उत्तराखंड में साइबर अपराधों ने जिस तरह से अपनी जड़ें जमाई हैं, उससे राज्यवासी खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। विशेषकर श्डिजिटल अरेस्टश के नाम पर डरा-धमकाकर लाखों रुपये ठगने के मामले तेजी से सामने आ रहे हैं। साइबर क्राइम पुलिस अधिकारियों से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, राज्य के सभी जनपदों से कार्रवाई के लिए करीब 200 साइबर अपराध के मामले भेजे गए हैं। इनमें से पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 105 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे पहुंचाया है। पूरे प्रदेश में साइबर ठगों के खिलाफ 61 मुकदमे दर्ज किए गए, जिनमें 39 अपराधियों को देश के विभिन्न राज्यों से दबोचा गया। इसके अतिरिक्त, 10 को वारंट भेजकर तलब किया गया और 56 को नोटिस तामील कराए गए। साइबर ठगों द्वारा डिजिटल अरेस्ट के अलावा, ऑनलाइन ट्रेडिंग व इन्वेस्टमेंट, फेसबुक फ्रेंड, गिफ्ट, इंश्योरेंस फ्रॉड, यूट्यूब लाइक, लोन ऐप और ऐप डाउनलोड के जरिए ठगी के मामले भी काफी तेजी से बढ़े हैं। इन बढ़ती चुनौतियों से निपटने और अपराधियों पर लगाम कसने के लिए साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन की टीमें लगातार प्रयासरत हैं।

बढ़ते आंकड़े भयावह परिणाम और आगे की राह

देहरादून। बीते पांच वर्षों में उत्तराखंड में साइबर अपराध के हैरतअंगेज आंकड़े दर्ज हुए हैं, जो इस बात की पुष्टि करते हैं कि अपराध का यह नया चेहरा कितना भयावह होता जा रहा है। ये आंकड़े न केवल मामलों की संख्या में वृद्धि दर्शाते हैं, बल्कि यह भी बताते हैं कि किस तरह अपराधियों ने अपनी रणनीति को सूक्ष्म और तकनीकी रूप से उन्नत कर लिया है। अब पीड़ित को न केवल आर्थिक नुकसान होता है, बल्कि उसकी निजी जानकारी भी खतरे में पड़ जाती है, जिससे मानसिक परेशानी और पहचान चोरी का खतरा भी बढ़ जाता है।साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि इस चुनौती का

इमरान चौधरी

सामना करने के लिए पुलिस और जनता दोनों को ही अधिक जागरूक और तकनीकी रूप से सशक्त होना पड़ेगा।

साइबर अपराध केवल कानून-व्यवस्था का मुद्दा नहीं, बल्कि एक सामा. जिक मुद्दा भी बन गया है, जिसके लिए व्यापक जागरूकता अभियान और तकनीकी प्रशिक्षण की आवश्यकता है। उत्तराखंड, जो अपनी प्राकृतिक सुंदरता और शांत वातावरण के लिए जाना जाता है,

अब अपराध के एक नए मोर्चे पर खड़ा है। यह समय की मांग है कि हम इस डिजिटल अंधकार से निपटने के लिए सामूहिक प्रयास करें, ताकि देवभूमि की शांति और सुरक्षा अक्षुण्ण बनी रहे

प्रदेश में तेजतर्रार अधिकारियों की तैनाती

देहरादून। मित्र पुलिस अधिकारियों की रणनीति की प्रदेश को अपराध मुक्त करना है ने अमली जामा पहनना प्रारंभ कर दिया। उत्तराखंड की सीमाओं से लगती उत्तर प्रदेश की सीमाओं पर बनी कोतवालियों और थाने पर तेजतर्रार इंस्पेक्टरों और दरोगाओं की तैनाती की जाने लगी और इसका सीधा असर दिखाई देने लगा कि पश्चिम उत्तर प्रदेश और अन्य जनपदों के कुख्यात डकैत और लुटेरे या तो पुलिस मुठभेड़ में मारे जाने लगे या फिर उन्हे गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेज दिया गया।

उत्तराखंड पुलिस के मुखिया के तौर पर कार्यभार संभालने वाले तेज तर्रार आईपीएस अधिकारियों निवर्तमान पुलिस महानिदेशक अशोक कुमार और प्रदेश के कार्यवाहक डीजीपी अभिनव कुमार ने कार्यभार संभालते ही बदमाशां को खुली चुनौती दी। अशोक कुमार ने तो अपने कार्यकाल में स्पष्ट कहा था कि बदमाश या तो प्रदेश छोड़कर चले जाए या फिर यमराज से मिलने को तैयार रहे। इसी चेतावनी को कार्यवाह पुलिस महानिदेशक रहे अभिनव कुमार ने भी दोहराया। उन्होंने भी पदभार संभालते हुए मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए दो टूक शब्दों में कहा था कि उत्तराखंड में अपराधियों और उनकों पनाह देने वालों के लिए कोई जगह नहीं है। उन्होंने साफ तौर पर कहा था कि अपराधियों को या तो कानून के दायरे में आना होगा या फिर परिणाम भुगतने को तैयार रहे।

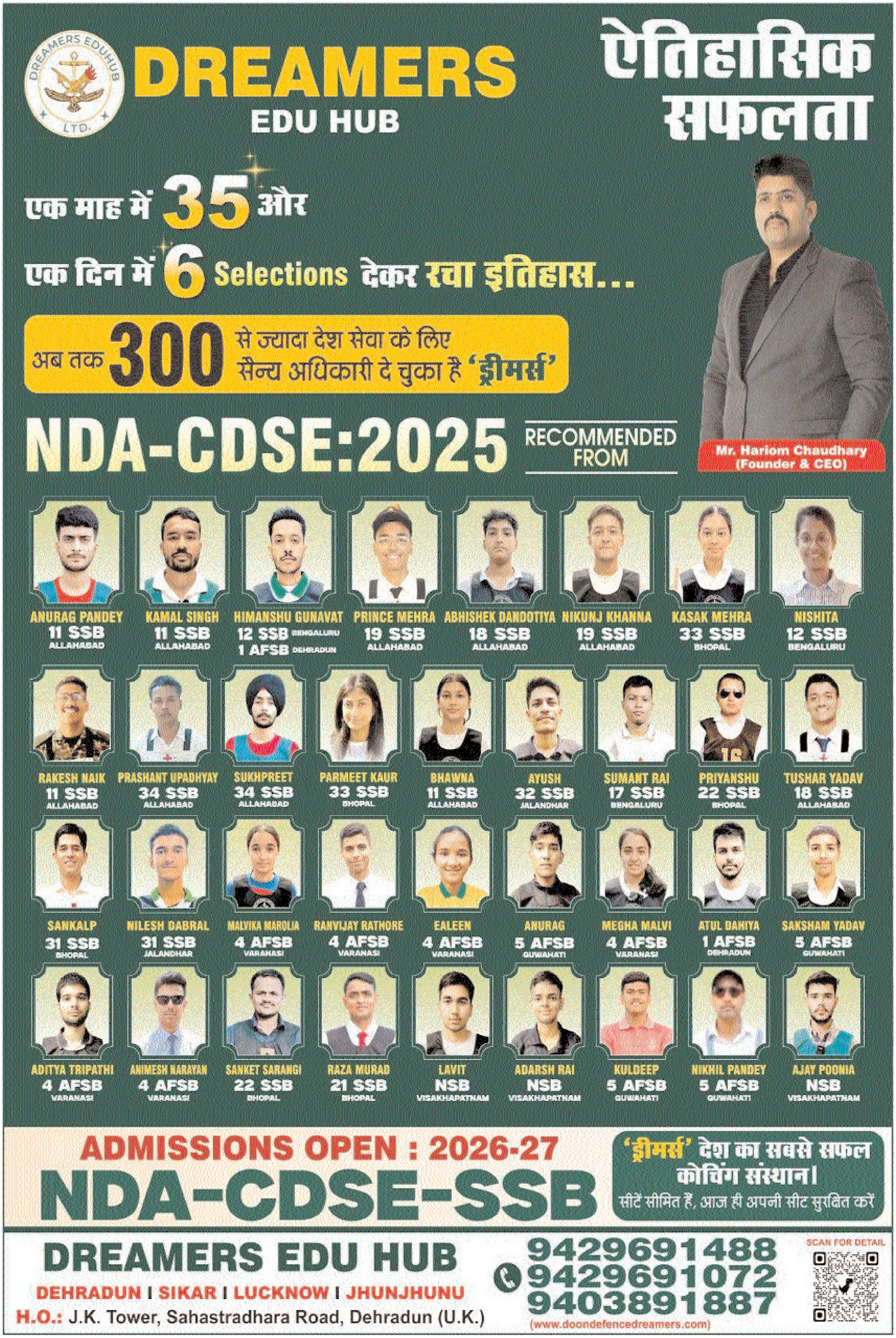
DREAMERS EDU HUB
ऐतिहासिक सफलता
एक माह में 35 और
एक दिन में 6 Selections देकर रचा इतिहास...
अब तक 300 से ज्यादा देश सेवा के लिए सैन्य अधिकारी दे चुका है 'ड्रीमर्स'
NDA-CDSE:2025
RECOMMENDED FROM
Mr. Hariom Chaudhary (Founder & CEO)
ANURAG PANDEY 11 SSB ALLAHABAD
KAMAL SINGH 11 SSB ALLAHABAD
HIMANSHU GUNAVAT 12 SSB BENGALURU 1 AFSB DEHRADUN
PRINCE MEHRA 19 SSB ALLAHABAD
ABHISHEK DANDOTIYA 18 SSB ALLAHABAD
NIKUNJ KHANNA 19 SSB ALLAHABAD
KASAK MEHRA 33 SSB BHOPAL
NISHITA 12 SSB BENGALURU
RAKESH NAIK 11 SSB ALLAHABAD
PRASHANT UPADHYAY 34 SSB ALLAHABAD
SUKHPREET 34 SSB ALLAHABAD
PARMEET KAUR 33 SSB BHOPAL
BHAWNA 11 SSB ALLAHABAD
AYUSH 32 SSB JALANDHAR
SUMANT RAI 17 SSB BENGALURU
PRIYANSHU 22 SSB BHOPAL
TUSHAR YADAV 18 SSB ALLAHABAD
SANKALP 31 SSB BHOPAL
NILESH DABRAL 31 SSB JALANDHAR
MALVIKA MAROLIA 4 AFSB VARANASI
RANVIJAY RATHORE 4 AFSB VARANASI
EALEEN 4 AFSB VARANASI
ANURAG 5 AFSB GUWAHATI
MEGHA MALVI 4 AFSB VARANASI
ATUL DAHIYA 1 AFSB DEHRADUN
SAKSHAM YADAV 5 AFSB GUWAHATI
ADITYA TRIPATHI 4 AFSB VARANASI
ANIMESH NARAYAN 4 AFSB VARANASI
SANKET SARANGI 22 SSB BHOPAL
RAZA MURAD 21 SSB BHOPAL
LAVIT NSB VISAKHAPATNAM
ADARSH RAI NSB VISAKHAPATNAM
KULDEEP 5 AFSB GUWAHATI
NIKHIL PANDEY 5 AFSB GUWAHATI
AJAY POONIA NSB VISAKHAPATNAM
ADMISSIONS OPEN : 2026-27
NDA-CDSE-SSB
'ड्रीमर्स' देश का सबसे सफल कोचिंग संस्थान।
सीटें सीमित हैं, आज ही अपनी सीट सुरक्षित करें
DREAMERS EDU HUB
DEHRADUN I SIKAR I LUCKNOW I JHUNJHUNU
H.O.: J.K. Tower, Sahastradhara Road, Dehradun (U.K.)
9429691488
9429691072
9403891887
(www.doondefencedreamers.com)
SCAN FOR DETAIL